

Printed by Balchand Hiralal at the Jain Bhaskarodaya
Printing Press, Ashapura Road—JAMNAGAR



॥ स्वाध्यायमाला–विषयानुक्रम ॥



नि वे द न

वाचकगण !

आ स्वाध्यायमाला नामना पुस्तकमां निरंतर स्वाध्याय थता, भगवत् सुधर्मस्वामी गुंफित विषयानुक्रममां जणावेला सूत्रोना कण्ठाग्र करवा लायक मूळ पाठो आपवामां आव्या छे अने छापेली प्रतोना आधारे छापेल छे जुदी जुदी संस्थाओ तरफथी छपायेला सूत्रोमां पाठांतर फेर आवतो जेथी अमोए खास आगमोदय समितिवाळा ग्रंथोनो विशेष आधार राखी छापेल छे अने प्रेसदोष अथवा प्रुफ दोषथी रहेल भूलो माटे अंतमां शुद्धिपत्रक आपवामां आव्युं छे छतां कांई विपरीत छपायुं होय तो वाचकगण क्षन्तव्य करी सुधारीने वाचशे इति ॥

लि०

प्र का श क

॥ णमोऽत्थु ण तस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स ॥

श्री जैन

॥ सिद्धान्त-स्वाध्यायमाला ॥

॥ सिरि-उत्तरज्झयण-सुत्त ॥

विणयसुय पढम अज्झयण

सजोगा विप्पमुक्कस्स, अणगारस्स भिक्खुणो। विणय पाउकरिस्सामि, आणुपुव्वि सुणेह मे ॥ १ ॥
आणानिद्देसकरे, गुरूणमुववायकारए। इगियागारसपन्ने, से विणीए त्ति वुच्चई ॥ २ ॥
आणाऽनिद्देसकरे, गुरूणमणुववायकारए। पडिणीए असबुद्धे, अविणीए त्ति वुच्चई ॥ ३ ॥
जहा सुणी पूइकण्णी, निक्कसिज्जइ सव्वसो। एव दुस्सीलपडिणीए, मुहरी निक्कसिज्जई ॥ ४ ॥
कणकुण्डग चइत्ताण, विट्ठ भुजइ सूयरे। एव सील चइत्ताण, दुस्सीले रमइ मिए ॥ ५ ॥
सुणिया भाव साणस्स, सूयरस्स नरस्स य। विणए ठवेज्ज अप्पाणमिच्छन्तो हियमप्पणो ॥ ६ ॥
तम्हा विणयमेसिज्जा, सील पडिलभेज्जए। बुद्धपुत्त नियागट्ठी, न निक्कसिज्जइ कण्हुई ॥ ७ ॥
निसन्ते सियाऽमुहरी, बुद्धाण अन्तिए सया। अट्ठजुत्ताणि सिक्खिज्जा, निरट्ठाणि उ वज्जए ॥ ८ ॥
अणुसासिओ न कुप्पिज्जा, खतिं सेविज्ज पण्डिए। खुड्डेहि सह ससग्गि, हास कीड च वज्जए ॥ ९ ॥
मा य चण्डालिय कासी, बहुय मा य आलवे। कालेण य अहिज्जित्ता, तओ झाइज्ज एगगो ॥१०॥
आहच्च चण्डालिय कट्टु, न निण्हविज्ज कयाइ वि। कड कडे त्ति भासेज्जा, अकड नो कडे त्ति य ॥११॥
मा गलियस्सेव कस, वयणमिच्छे पुणो पुणो। कस व दट्ठुमाइण्णे, पावग परिवज्जए ॥१२॥

अणासवा थूलवया कुसीला मिउपि चण्ड पकरिंति सीसा।
चित्ताणुया लहु दक्खोववेया, पसायए ते हु दुरासयपि ॥ ॥ १३ ॥

नापुट्ठो वागरे किचि, पुट्ठो वा नालिय वए। कोह असच्च कुव्वेज्जा, धारेज्जा पियमप्पिय ॥ १४ ॥
अप्पा चेव दमेयव्वो, अप्पा हु खलु दुद्दमो। अप्पा दन्तो सुही होइ, अस्सि लोए परत्थ य ॥ १५ ॥
वर मे अप्पा दन्तो, सजमेण तवेण य। माह परेहि दम्मन्तो, बन्धणेहि वहेहि य ॥ १६ ॥
पडिणीय च बुद्धाण, वाया अदुव कम्मुणा। आवी वा जइ वा रहस्से, नेव कुज्जा कयाइ वि ॥ १७ ॥
न पक्खओ न पुरओ, नेव किच्चाण पिट्ठओ। न जुजे ऊरुणा ऊरु, सयणे नो पडिस्सुणे ॥ १८ ॥
नेव पल्हत्थिय कुज्जा, पक्खपिण्ड च सजए। पाए पसारिए वावि, न चिट्ठे गुरुणन्तिए ॥ १९ ॥
आयरिएहि वाहित्तो, तुसिणीओ न कयाइ वि। पसायपेही नियागट्ठी, उवचिट्ठे गुरु सया ॥ २० ॥

आलवन्ते लवन्ते वा, न निसीएज्ज कयाइ वि। चइऊणमासण धीरो, जओ जत्त पडिस्सुणे ॥ २१ ॥
आसणगओ न पुच्छेज्जा,नेव सेज्जागओ कया। आगम्मुक्कुडुओ स‍तो, पुच्छिज्जा पजलीउडो ॥ २२ ॥
एव विणयजुत्तस्स, सुत्त अत्थ च तदुभय। पुच्छमाणस्स सीसस्स, वागरिज्ज जहासुय ॥ २३ ॥
मुस परिहरे भिक्खू न य ओहारिणिं वए। भासादोस परिहर, माय च वज्जए सया ॥ २४ ॥
न लवेज्ज पुट्ठो सावज्ज, न निरट्ठ न मम्मय। अप्पणट्ठा परट्ठा वा, उभयस्स‍तरेण वा ॥ २५ ॥
समरेसु अगारेसु, सन्धीसु य महापहे। एगो एगत्थिए सद्धिं, नेव चिट्ठे न सलवे ॥ २६ ॥
ज मे बुद्धाऽणुसासन्ति, सीएण फरुसेण वा। मम लाहो त्ति पेहाए, पयओ त पडिस्सुणे ॥ २७ ॥
अणुसासणमोवाय, दुक्कडस्स य चोयण। हिय त मण्णई पण्णो, वेस होइ असाहुणो ॥ २८ ॥
हिय विगयभया बुद्धा, फरुसपि अणुसासण। वेस त होइ मूढाण, खतिसोहिकर पय ॥ २९ ॥
आसणे उवचिट्ठेज्जा, अणुच्चे अकुए थिरे। अप्पुट्ठाई निरुट्ठाई, निसीएज्जप्पकुक्कुए ॥ ३० ॥
कालेण निक्खमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे। अकाल च विवज्जित्ता, काले काल समायरे ॥ ३१ ॥
परिवाडीए न चिट्ठेज्जा, भिक्खू दत्तेसण चरे। पडिरूवेण एसित्ता, मिय कालेण भक्खए ॥ ३२ ॥
नाइदूरमणासन्ने, नाऽन्नेसि चक्खुफासओ। एगो चिट्ठेज भत्तट्ठा, लघित्ता त नाऽइक्कमे ॥ ३३ ॥
नाइउच्चे न नीए वा, नासन्ने नाइदूरओ। फासुय परकड पिण्ड, पडिगाहेज्ज सजए ॥ ३४ ॥
अप्पपाणेऽप्पबीयम्मि, पडिच्छन्नम्मि सवुडे। समय सजए भुजे, जय अपरिसाडिय ॥ ३५ ॥
सुकडित्ति सुपक्कित्ति, सुच्छिन्न सुहडे मडे। सुणिट्ठिए सुलट्ठित्ति, सावज्ज वज्जए मुणी ॥ ३६ ॥
रमए पण्डिए सास, हय भद्द व वाहए। बाल सम्मइ सासतो, गलियस्स व वाहए ॥ ३७ ॥
खड्डुया मे चवेडा मे, अक्कोसा य वहा य मे। कल्लाणमणुसासन्तो, पावदिट्ठित्ति मन्नई ॥ ३८ ॥
पुत्तो मे भाय नाइ त्ति, साहू कल्लाण मन्नई। पावदिट्ठि उ अप्पाण, सास दासु त्ति मन्नई ॥ ३९ ॥
न कोवए आयरिय, अप्पाणपि न कोवए। बुद्धोवघाई न सिया, न सिया तोत्तगवेसए ॥ ४० ॥
आयरिय कुविय नच्चा, पत्तिएण पसायए। विज्झवेज्ज पजलीउडो, वएज्ज न पुणोत्ति य ॥ ४१ ॥
धम्मज्जिय च ववहार, बुद्धेहायरिय सया। तमायरन्तो ववहार, गरह नाभिगच्छई ॥ ४२ ॥
मणोगय वक्कगय, जाणित्तायरियस्स उ। त परिगिज्झ वायाए, कम्मुणा उववायए ॥ ४३ ॥
वित्ते अचोइए निच्च, खिप्प हवइ सुचोइए। जहोवइट्ठ सुकय, किच्चाइ कुव्वई सया ॥ ४४ ॥
नच्चा नमइ मेहावी, लोए कित्ती से जायए। हवई किच्चाण सरण, भूयाण जगई जहा ॥ ४५ ॥
पुज्जा जस्स पसीयन्ति, सबुद्धा पुव्वसथुया। पसन्ना लाभइस्सति, विउल अट्ठिय सुय ॥ ४६ ॥

स पुज्जसत्थे सुविणीयससए, मणोरुई चिट्ठइ कम्मसपया।
तवोसमायारिसमाहिसवुडे, महज्जुई पच वयाइ पालिया ॥ ॥ ४७ ॥

स देवगन्धव्वमणुस्सपूइए, चइत्तु देह मलपकपुव्वय।
सिद्धे वा हवइ सासए देवे वा अप्परए महिड्ढीए ॥ ॥ ४८ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ विणयसुय नाम पढम अज्झयण समत्त ॥

॥ अह दुइअ परिसहज्झयण ॥

सुय मे आउस–तेण भगवया एवमक्खाय। इह खलु बावीस परीसहा समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया। जे भिक्खू सोचा नचा जिचा अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयन्तो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा॥ कयरे ते खलु बावीस परीसहा समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया जे भिक्खू सोचा नचा जिचा अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयतो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा?॥ इमे ते खलु बावीस परीसहा समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया, जे भिक्खू सोचा नचा जिचा अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयतो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा, तजहा–दिगिछापरीसहे १ पिवासापरीसहे २ सीयपरीसहे ३ उसिणपरीसहे ४ दसमसयपरीसहे ५ अचेलपरीसहे ६ अरइपरीसहे ७ इत्थीपरीसहे ८ चरियापरीसहे ९ निसीहियापरीसहे १० सेज्जापरीसहे ११ अक्कोसपरीसहे १२ वहपरीसहे १३ जायणापरीसहे १४ अलाभपरीसहे १५ रोगपरीसहे १६ तणफासपरीसहे १७ जल्लपरीसहे १८ सक्कारपुरक्कारपरीसहे १९ पन्नापरीसहे २० अन्नाणपरीसहे २१ दसणपरीसहे २२॥

परीसहाण पविभत्ती, कासवेण पवेइया। त भे उदाहरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे॥ १॥
दिगिंछापरिगए देहे, तवस्सी भिक्खू थामव। न छिंदे न छिंदावए, न पए न पयावए॥ २॥
कालीपव्वगसकासे किसे धमणिसतए। मायन्ने असणपाणस्स, अदीणमणसो चरे॥ ३॥
तओ पुट्ठो पिवासाए, दोगुन्छी लज्जसजए। सीओदग न सेविज्जा, वियडस्सेसण चरे॥ ४॥
छिन्नावाएसु पथेसु, आउरे सुपिवासिए। परिसुक्कमुहाऽदीणे, त तितिक्खे परीसह॥ ५॥
चरत विरय लूह, सीय फुसइ एगया। नाइवेल मुणी गच्छे, सोच्चाण जिणसासण॥ ६॥
न मे निवारण अत्थि, छवित्ताण न विज्जई। अह तु अग्गि सेवामि, इइ भिक्खू न चिंतए॥ ७॥
उसिण परियावेण, परिदाहेण तज्जिए। घिसु वा परियावेण, साय नो परिदेवए॥ ८॥
उण्हाहितत्ते मेहावी, सिणाण नो वि पत्थए। गाय नो परिसिंचेज्जा न वीएज्जा य अप्पय॥ ९॥
पुट्ठो य दसमसएहिं, समरे व महामुणी। नागो सगामसीसे वा, सूरो अभिहणे पर॥ १०॥
न सतसे न वारेज्जा, मण पि न पओसए। उवेहे न हणे पाणे, भुजते मससोणिय॥ ११॥
परिजुण्णेहि वत्थेहिं, होक्खामि त्ति अचेलए। अदुवा सचेले होक्खामि इइ भिक्खू न चिंतए॥ १२॥
एगयाऽचेलए होइ, सचेले आवि एगया। एय धम्म हिय नच्चा, नाणी नो परिदेवए॥ १३॥
गामाणुगाम रीयत, अणगार अकिंचण। अरई अणुप्पवेसेज्जा, त तितिक्खे परीसह॥ १४॥
अरइ पिट्ठओ किच्चा, विरए आयरक्खिए। धम्मारामे निरारम्भे, उवसन्ते मुणी चरे॥ १५॥
सङ्गो एस मणूसाण, जाओ लोगम्मि इत्थिओ। जस्स एया परिन्नाया, सुकड तस्स सामण्ण॥ १६॥
एयमादाय मेहावी, पङ्कभूया उ इत्थिओ। नो ताहिं विणिहम्मेज्जा, चरेज्जत्तगवेसए॥ १७॥
एग एव चरे लाढे, अभिभूय परीसहे। गामे वा नगरे वावि, निगमे वा रायहाणिए॥ १८॥
असमाणे चरे भिक्खू, नेव कुज्जा परिग्गह। असंसत्ते गिहत्थेहिं, अणिएओ परिव्वए॥ १९॥
सुसाणे सुन्नगारे वा, रुक्खमूले व एगओ। अकुक्कुओ निसीएज्जा, न य वित्तासए पर॥ २०॥

तत्थ से चिट्ठमाणस्स, उवसग्गाभिधारए। सकाभीओ न गच्छेज्जा, उट्ठित्ता अन्नमासण ॥ २१ ॥
उच्चावयाहिं सेज्जाहिं, तवस्सी भिक्खू थामव। नाइवेलं विहम्मेज्जा, पावदिट्ठी विहम्मई ॥ २२ ॥
पइरिक्कुवस्सय लद्धु, कल्लाणमदुवा पावय। किमेगराइ करिस्सइ, एव तत्थऽहियासए ॥ २३ ॥
अक्कोसेज्जा परे भिक्खु, न तेसिं पडिसजले। सरिसो होइ बालाण, तम्हा भिक्खू न सजले ॥ २४ ॥
सोच्चाण फरुसा भासा, दारुणा गामकण्टगा। तुसिणीओ उवेहेज्जा, न ताओ मणसीकरे ॥ २५ ॥
हओ न सजले भिक्खू, मणपि न पओसए। तितिक्ख परम नच्चा, भिक्खू धम्म समायरे ॥ २६ ॥
समण सजय दत, हणिज्जा कोइ कत्थई। नत्थि जीवस्स नासुत्ति, एव पेहेज्ज सजए ॥ २७ ॥
दुक्कर खलु भो निच्च, अणगारस्स भिक्खुणो। सव्व से जाइय होइ, नत्थि किंचि अजाइय ॥ २८ ॥
गोयरग्गपविट्ठस्स, पाणी नो सुप्पसारए। सुओ अगारवासुत्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ २९ ॥
परेसु घासमेसज्जा, भोयणे परिणिट्ठिए। लद्धे पिण्डे अलद्धे वा, नाणुतप्पेज्ज पडिए ॥ ३० ॥
अज्जेवाह न लब्भामि, अवि लाभो सुए सिया। जो एव पडिसचिक्खे, अलाभो त न तज्जए ॥ ३१ ॥
नच्चा उप्पइय दुक्ख, वेयणाए दुहट्टिए। अदीणो थावए पन्न, पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३२ ॥
तेइच्छ नाभिनदेज्जा सचिक्खत्तगवेसए। एव खु तस्स सामण्ण, ज न कुज्जा न कारवे ॥ ३३ ॥
अचेलगस्स लूहस्स, सजयस्स तवस्सिणो। तणेसु सयमाणस्स, हुज्जा गायविराहणा ॥ ३४ ॥
आयवस्स निवाएण, अउला हवइ वेयणा। एव नच्चा न सेवति, ततुज तणतज्जिया ॥ ३५ ॥
किलिन्नगाए मेहावी, पकेण व रएण वा। घिंसु वा परियावेण, साय नो परिदेवए ॥ ३६ ॥
वेएज्ज निज्जरापेही, आरिय धम्मणुत्तर। जाव सरीरभेउत्ति, जल्ल काएण धारए ॥ ३७ ॥
अभिवायणमब्भुट्ठाण, सामी कुज्जा निमतण। जे ताइ पडिसेवन्ति, न तेसिं पीहए मुणी ॥ ३८ ॥
अणुक्कसाई अप्पिच्छे, अनाएसी अलोलुए। रसेसु नाणुगिज्झेज्जा, नाणुतप्पेज्ज पन्नव ॥ ३९ ॥
से नूण मए पुव्व, कम्माऽणाणफला कडा। जेणाह नाभिजाणामि, पुट्ठो केणइ कण्हुई ॥ ४० ॥
अह पच्छा उइज्जन्ति, कम्माऽणाणफला कडा। एवमस्सासि अप्पाण, नच्चा कम्मविवागय ॥ ४१ ॥
निरट्ठगम्मि विरओ, मेहुणाओ सुसवुडो। जो सक्ख नाभिजाणामि, धम्म कल्लाणपावग ॥ ४२ ॥
तवोवहाणमादाय, पडिम पडिवज्जओ। एव पि विहरओ मे, छउम न नियट्टई ॥ ४३ ॥
नत्थि नूण परे लोए, इड्ढी वावि तवस्सिणो। अदुवा वचिओमित्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४४ ॥
अभू जिणा अत्थि जिणा, अदुवावि भविस्सई। मुस ते एवमाहसु, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४५ ॥
एए परीसहा सव्व कासवेण पवेइया। जे भिक्खू न विहम्मेज्जा, पुट्ठो केणइ कण्हुई ॥ ४६ ॥

त्ति बेमि॥ इअ दुइअ परिसहज्झयण समत्त ॥ २ ॥

॥ अह तइअं चाउरंगिज्जं अज्झयणं ॥

चत्तारि परमंगाणि दुल्लहाणीह जंतुणो। माणुसत्तं सुई सद्धा, संजमम्मि य वीरियं ॥ १ ॥
समावन्ना ण संसारे, नाणागोत्तासु जाइसु। कम्मा नाणाविहा कट्टु, पुढो विस्संभिया पया ॥ २ ॥
एगया देवलोएसु, नरएसु वि एगया। एगया आसुरं कायं, अहाकम्मेहिं गच्छई ॥ ३ ॥
एगया खत्तिओ होइ, तओ चण्डालबोक्कसो। तओ कीडपयंगो य, तओ कुन्थुपिवीलिया ॥ ४ ॥
एवमावट्टजोणीसु, पाणिणो कम्मकिब्बिसा। न निविज्जन्ति संसारे, सव्वट्ठेसु व खत्तिया ॥ ५ ॥
कम्मसंगेहिं सम्मूढा, दुक्खिया बहुवेयणा। अमाणुसासु जोणीसु, विणिहम्मन्ति पाणिणो ॥ ६ ॥
कम्माणं तु पहाणाए, आणुपुव्वी कयाइ उ। जीवा सोहिमणुप्पत्ता, आययंति मणुस्सयं ॥ ७ ॥
माणुस्सं विग्गहं लद्धुं, सुई धम्मस्स दुल्लहा। जं सोच्चा पडिवज्जंति, तवं खंतिमहिंसयं ॥ ८ ॥
आहच्च सवणं लद्धुं, सद्धा परमदुल्लहा। सोच्चा नेआउयं मग्गं, बहवे परिभस्सई ॥ ९ ॥
सुइं च लद्धुं सद्धं च, वीरियं पुण दुल्लहं। बहवे रोयमाणावि, नो य णं पडिवज्जए ॥ १० ॥
माणुसत्तंमि आयाओ, जो धम्मं सुच्च सद्दहे। तवस्सी वीरियं लद्धुं, संवुडे निध्धुणे रयं ॥ ११ ॥
सोही उज्जुय भूयस्स, धम्मो सुद्धस्स चिट्ठई। निव्वाणं परमं जाइ, घयसित्तिव्व पावए ॥ १२ ॥
विगिंच कम्मुणो हेउं, जसं संचिणु खंतिए। सरीरं पाढवं हिच्चा, उड्ढं पक्कमए दिसं ॥ १३ ॥
विसालसेहिं सीलेहिं, जक्खा उत्तरउत्तरा। महासुक्का व दिप्पंता, मन्नंता अपुणच्चयं ॥ १४ ॥
अप्पिया देवकामाणं, कामरूवविउव्विणो। उड्ढं कप्पेसु चिट्ठंति, पुव्वावाससया बहु ॥ १५ ॥
तत्थ ठिच्चा जहाठाणं, जक्खा आउक्खये चुया। उवेंति माणुसं जोणिं, से दसंगेभिजायए ॥ १६ ॥
खित्तं वत्थु हिरण्णं च, पसवो दासपोरुसं। चत्तारि कामखंधाणि। तत्थ से उववज्जइ ॥ १७ ॥
मित्तवं नाइवं होइ, उच्चागोए य वण्णवं। अप्पायंके महापन्ने, अभिजाए जसो बले ॥ १८ ॥
भुच्चा माणुस्सए भोए, अप्पडिरूवे अहाउयं। पुव्वं विसुद्धसद्धम्मे, केवलं बोहिबुज्झिया ॥ १९ ॥
चउरंगं दुल्लहं नच्चा, संजमं पडिवज्जिया। तवसा धुयकम्मंसे, सिद्धे हवइ सासए ॥ २० ॥

त्ति बेमि ॥ इअ तृतीयं परिज्झयणं समत्तं ॥

॥ अह चतुर्थं असंखयं अज्झयणं ॥

असंखयं जीविय मा पमायए, जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं।
एवं वियाणाहि जणे पमत्ते, कन्नु विहिंसा अजिया गिहिंति ॥ १ ॥
जे पावकम्मेहिं धणं मणूसा, समाययंती अमइं गहाय।
पहाय ते पासपयट्टिए नरे, वेराणुबद्धा नरयं उवेंति ॥ २ ॥
तेणे जहा संधिमुहे गहीए, सकम्मुणा किच्चइ पावकारी।
एवं पया पेच्च इहं च लोए, कडाण कम्माण न मुक्खु अत्थि ॥ ३ ॥

ससारमावन्न परस्स अट्ठा, साहारण ज च करेइ कम्म ।
कम्मस्स ते तस्स उवेयकाले, न बधवा बधवय उविंति ॥ ४ ॥
विचेण ताण न लभे पमचे, इममि लोए अदुवा परत्थ ।
दीवप्पणट्ठेव अणतमोहे, नेयाउय दट्ठुमदट्ठुमेव ॥ ५ ॥
सुत्तेसुआवी पडिबुद्धजीवी, न वीससे पडिय आसुपण्णे ।
घोरा मुहुत्ता अबल सरीर, भारडपक्खीव चरऽप्पमत्तो ॥ ६ ॥
चरे पयाइ परिसकमाणो, ज किंचि पास इह मन्नमाणो ।
लाभतरे जीवियवूहइत्ता, पच्छा परिन्नाय मलावधसी ॥ ७ ॥
छदनिरोहेण उवेइ मोक्ख, आसे जहा सिक्खियवम्मधारी ।
पुव्वाइ वासाइ चरप्पमत्तो, तम्हा मुणी खिप्पमुवेइ मुक्ख ॥ ८ ॥
स पुव्वमेव न लभेज्ज पच्छा, एसोवमा सासयवाइयाण ।
विसीदई सिढिले आउयम्मि, कालोवणीए सरीरस्स भेए ॥ ९ ॥
खिप्प न सक्केइ विवेगमेउ, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे ।
समिच्च लोय समया महेसी, आयाणुरक्खी चरमप्पमत्ते ॥ १० ॥
मुहु मुहु मोहगुणे जय त, अणेगरूवा समण चरन्त ।
फासा फुसन्ती असमजस च, न तेसि भिक्खू मणसा पउस्से ॥ ११ ॥
मन्दा य फासाबहुलोहणिज्जा, तहप्पगारेसु मण न कुज्जा ।
रक्खिज्ज कोह विणएज्ज माण, माय न सेवेज्ज पयहेज्ज लोह ॥ १२ ॥
जेऽसखया तुच्छपरप्पवाइ ते पिज्जदोसाणुगया परव्भा ।
एए अहम्मे त्ति दुगुछमाणो, कखे गुणे जाव सरीरभेउ ॥ १३ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ असखय चउत्थ अज्झयण समत्त ॥

॥ अह अकाममरणिज्ज पञ्चम अज्झयण ॥

अण्णवसि महोहसि एगे तिण्णे दुरुत्तर । तत्थ एगे महापन्ने, इम पण्हमुदाहरे ॥ १ ॥
सन्तिमे य दुवे ठाणा, अक्खाया मरणन्तिया । अकाममरण चेव, सकाममरण तहा ॥ २ ॥
बालाण तु अकाम तु, मरण असइ भवे । पण्डियाण सकाम तु, उक्कोसेण सइ भवे ॥ ३ ॥
तत्थिम पढम ठाण, महावीरेण देसिय । कामगिद्धे जहा बाले, भिस कूराइ कुव्वई ॥ ४ ॥
जे गिद्धे कामभोगेसु, एगे कूडाय गच्छइ । न मे दिट्ठे परे लोए, चक्खुदिट्ठा इमा रइ ॥ ५ ॥
हत्थागया इमे कामा, कालिया जे अणागया । को जाणइ परे लोए, अत्थि वा नत्थि वा पुणो ॥ ६ ॥
जणेण सद्धिं होक्खामि इइ बाले पगब्भइ । कामभोगाणुराएण, केस सपडिवज्जइ ॥ ७ ॥
तओ से दण्ड समारभइ, तसेसु थावरेसु य । अट्ठाए य अणट्ठाए, भूयगाम विहिंसई ॥ ८ ॥
हिंसे बाले मुसावाइ, माइल्ले पिसुणे सढे । भुञ्जमाणे सुर मस, सेयमेय ति मन्नई ॥ ९ ॥

कायसा वयसा मत्ते, वित्ते गिद्धे य इत्थिसु। दुहओ मलं संचिणइ, सिसुणागु व्व मट्टियं ॥ १० ॥
तओ पुट्ठो आयकेण, गिलाणो परितप्पई। पभीओ परलोगस्स, कम्माणुप्पेहि अप्पणो ॥ ११ ॥
सुया मे नरए ठाणा, असीलाणं च जा गई। बालाणं कूरकम्माणं, पगाढा जत्थ वेयणा ॥ १२ ॥
तत्थोववाइयं ठाणं, जहा मेयमणुस्सुयं। आहाकम्मेहिं गच्छन्तो, सो पच्छा परितप्पइ ॥ १३ ॥
जहा सागडिओ जाणं, समं हिच्चा महापहं। विसमं मग्गमोइण्णो अक्खे भग्गम्मि सोयइ ॥ १४ ॥
एवं धम्मं विउक्कम्म, अहम्मं पडिवज्जिया। बाले मच्चुमुहं पत्ते, अक्खे भग्गे व सोयई ॥ १५ ॥
तओ से मरणन्तम्मि, बाले सन्तसई भया। अकाममरणं मरई, धुत्ते व कलिणा जिए ॥ १६ ॥
एयं अकाममरणं, बालाणं तु पवेइयं। एत्तो सकाममरणं, पण्डियाणं सुणेह मे ॥ १७ ॥
मरणं पि सपुण्णाणं, जहा मेयमणुस्सुयं। विप्पसण्णमणाघायं, संजयाणं वुसीमओ ॥ १८ ॥
न इमं सव्वेसु भिक्खूसु, न इमं सव्वेसु गारिसु। नाणासीला अगारत्था, विसमसीला य भिक्खुणो॥ १९ ॥
सन्ति एगेहि भिक्खूहिं, गारत्था संजमुत्तरा। गारत्थेहि य सव्वेहिं, साहवो संजमुत्तरा ॥ २० ॥
चीराजिणं नगिणिणं, जडी संघाडिमुण्डिणं। एयाणि वि न तायन्ति, दुस्सीलं परियागयं ॥ २१ ॥
पिंडोलए व्व दुस्सीले, नरगाओ न मुच्चई। भिक्खाए वा गिहत्थे वा, सुव्वए कम्मई दिवं ॥ २२ ॥
अगारिसामाइयंगाणि, सड्ढी काएण फासए। पोसहं दुहओ पक्खं, एगरायं न हावए ॥ २३ ॥
एवं सिक्खासमावन्ने, गिहिवासे वि सुव्वए। मुच्चई छविपव्वाओ, गच्छे जक्खसलोगयं ॥ २४ ॥
अह जे संवुडे भिक्खू, दोण्हं अन्नयरे सिया। सव्वदुक्खपहीणे वा, देवे वावि महिड्ढीए ॥ २५ ॥
उत्तराइं विमोहाइं, जुईमन्ताणुपुव्वसो। समाइण्णाइं जक्खेहिं, आवासाइं जससिणो ॥ २६ ॥
दीहाउया इड्ढीमन्ता, समिद्धा कामरूविणो। अहुणोववन्नसंकासा, भुज्जो अच्चिमालिप्पभा ॥ २७ ॥

ताणि ठाणाणि गच्छन्ति, सिक्खित्ता संजमं तवं।
भिक्खाए वा गिहत्थे वा, जे सन्ति पडिनिव्वुडा ॥ ॥ २८ ॥

तेसिं सोच्चा सपुज्जाणं, संजयाणं वुसीमओ। न संतसंति मरणन्ते, सीलवन्ता बहुस्सुया ॥ २९ ॥
तुलिया विसेसमादाय, दयाधम्मस्स खन्तिए। विप्पसीएज्ज मेहावी, तहाभूएण अप्पणा ॥ ३० ॥
तओ काले अभिप्पए, सड्ढी तालिसमन्तिए। विणएज्ज लोमहरिसं, भेयं देहस्स कंखए ॥ ३१ ॥
अह कालम्मि संपत्ते, आघायाय समुस्सयं। सकाममरणं मरई तिण्हमन्नयरं मुणी ॥ ३२ ॥

त्ति बेमि॥ इअ अकाममरणिज्जं पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥ ५ ॥

॥ अह खुड्डागनियण्ठिज्जं छट्ठं अज्झयणं ॥

जावन्तविज्जापुरिसा सव्वे ते दुक्खसंभवा। लुप्पन्ति बहुसो मूढा, संसारम्मि अणन्तए ॥ १ ॥
समिक्ख पण्डिए तम्हा, पासजाईपहे बहू। अप्पणा सच्चमेसेज्जा, मेत्तिं भूएसु कप्पए ॥ २ ॥
माया पिया ण्हुसा भाया, भज्जा पुत्ता य ओरसा। नालं ते मम ताणाय, लुप्पन्तस्स सकम्मुणा ॥ ३ ॥
एयमट्ठं सपेहाए, पासे समियदंसणे। छिन्द गेद्धिं सिणेहं च, न कंखे पुव्वसंथुयं ॥ ४ ॥
गवासं मणिकुण्डलं, पसवो दासपोरुसं। सव्वमेयं चइत्ताणं, कामरूवी भविस्ससि ॥ ५ ॥

अज्झत्थ सव्वओ सव्व, दिस्स पाणे पियायए। न हणे पाणिणो पाणे, भयवेराओ उवरए ॥ ६ ॥
आदाण नरय दिस्स, नायएज्ज तणामवि । दोगुञ्छी अप्पणो पाए, दिन्न भुंजेज्ज भोयण ॥ ७ ॥
इहमेगे उ मन्नन्ति, अपच्चक्खाय पावग । आयरिय विदित्ताण, सव्वदुक्खाण मुच्चए ॥ ८ ॥
भणता अकरेन्ता य, बन्धमोक्खपइण्णिणो । वायाविरियमेत्तेण, समासासेन्ति अप्पय ॥ ९ ॥
न चित्तातायए भासा, कुओ विज्जाणुसासण। विसन्ना पावकम्मेहिं, बाला पडियमाणिणो ॥ १० ॥
जे केइ सरीरे सत्ता, वण्णे रुवे य सव्वसो । मणसा कायवक्केण, सव्वे ते दुक्खसम्भवा ॥ ११ ॥
आवन्ना दीहमद्धाण, ससारम्मि अणन्तए । तम्हा सव्वदिस पस्स, अप्पमत्तो परिव्वए ॥ १२ ॥
बहिया उड्ढमादाय, नावकखे कयाइ वि । पुव्वकम्मक्खयट्ठाए, इम देह समुद्धरे ॥ १३ ॥
विविच्च कम्मुणो हेउ कालकखी परिव्वए। माय पिंडस्स पाणस्स, कड लद्धूण भक्खए ॥ १४ ॥
सन्निहिं च न कुव्वेज्जा, लेवमायए सजए । पक्खीपत्त समादाय, निरवेक्खो परिव्वए ॥ १५ ॥
एसणासमिओ लज्जू, गामे अणियओ चरे । अप्पमत्तो पमत्तेहिं, पिण्डवाय गवेसए ॥ १६ ॥
एव से उदाहु अणुत्तरनाणी अणुत्तरदसी अणुत्तरनाणदसणधरे अरहा नायपुत्ते भगव वेसालिए वियाहिए

इअ खुड्डागनियण्ठिज्ज छट्ठ अज्झयण समत्त ॥ ६ ॥

॥ अह एलय सत्तम अज्झयण ॥

जहाएस समुद्दिस्स, कोइ पोसेज्ज एलय । ओयण जवस देज्जा, पोसेज्जावि सयङ्गणे ॥ १ ॥
तओ से पुट्ठे परिवूढे, जायमेए महोदरे । पीणिए विउले देहे, आएस परिकखए ॥ २ ॥
जाव न एइ आएसे, ताव जीवइ सो दुही । अह पत्तम्मि आएसे, सीस छेत्तूण भुज्जई ॥ ३ ॥
जहा से खलु उरब्भे, आएसाए समीहिए । एव बाले अहम्मिट्ठे, ईहई नरयाउय ॥ ४ ॥
हिंसे बाले मुसावाई, अद्धाणसि विलोवए । अन्नदत्तहरे तेणे, माई क नु हरे सढे ॥ ५ ॥
इत्थीविसयगिद्धे य, महारभपरिग्गहे । भुजमाणे सुर मस, परिवूढे परदमे ॥ ६ ॥
अयकक्करभोई य, तुंडिल्ले चियलोहिए । आउय नरए कखे, जहाए व एलए ॥ ७ ॥
आसण सयण जाण, वित्त कामे य भुंजिया । दुस्साहड धण हिच्चा, बहु सचिणिया रय ॥ ८ ॥
तओ कम्मगुरू जतू, पच्चुप्पन्नपरायणे । अए व्व आगयाएसे मरणतम्मि सोयई ॥ ९ ॥
तओ आउपरिक्खीणे, चुया देहा विहिंसगा। आसुरीय दिस बाला, गच्छन्ति अवसा तम ॥ १० ॥
जहा कागिणिए हेउ, सहस्स हारए नरो । अपत्थ अम्बग भोच्चा, राया रज्ज तु हारए ॥ ११ ॥
एव माणुस्सगा कामा, देवकामाण अन्तिए। सहस्सगुणिया भुज्जो, आउ कामा य दिव्विया ॥ १२ ॥
अणेगवासानउया, जा सा पन्नवओ ठिई । जाणि जीयन्ति दुम्मेहा, ऊणवाससयाउए ॥ १३ ॥
जहा य तिन्नि वाणिया, मूल घेत्तूण निग्गया। एगोऽत्थ लहई लाभ एगो मूलेण आगओ ॥ १४ ॥
एगो मूल पि हारित्ता, आगओ तत्थ वाणिओ। ववहारे उवमा एसा, एव धम्मे वियाणह ॥ १५ ॥
माणुसत्त भवे मूल, लाभो देवगई भवे । मूलच्छेएण जीवाण नरगतिरिक्खत्तण धुव ॥ १६ ॥
दुहओ गई बालस्स, आवई वहमूलिया । देवत्त माणुसत्त च, ज जिए लोलयासढे ॥ १७ ॥

तओ जिए सइ होइ, दुविह दोग्गइ गए। दुल्लहा तस्स उम्मग्गा, अद्धाए सुइरादवि ॥ १८ ॥
एव जिय सपेहाए, तुलिया वाल च पण्डिय। मूलिय ते पवेसन्ति, माणुसिं जोणिमेन्ति जे ॥ १९ ॥
वेमायाहिं सिक्खाहिं, जे नरा गिहिसुव्वया। उवेन्ति माणुस जोणिं, कम्मसच्चा हु पाणिणो ॥ २० ॥
जेसिं तु विउला सिक्खा, मूलिय ते अइच्छिया। सीलवन्ता सवीसेसा, अदीणा जन्ति देवय ॥ २१ ॥
एवमदीणव भिक्खु, आगारिं च वियाणिया। कहण्णु जिच्चमेलिक्ख, जिच्चमाणे न सविदे ॥ २२ ॥
जहा कुसग्गे उदग, समुद्देण सम मिणे। एव माणुस्सगा कामा, देवकामाण अतिए ॥ २३ ॥
कुसग्गमेत्ता इमे कामा, सन्निरुद्धम्मि आउए। कस्स हेउ पुराकाउ, जोगक्खेम न सविदे ॥ २४ ॥
इह कामाणियट्टस्स, अत्तट्ठे अवरज्झइ। सोच्चा नेयाउय मग्ग, ज भुज्जो परिभस्सई ॥ २५ ॥
इह कामणियट्टस्स, अत्तट्ठे नावरज्झई। पूइदेहनिरोहेण, भवे देवि त्ति मे सुय ॥ २६ ॥
इड्ढी जुई जसो वण्णो, आउ सुहमणुत्तर। भुज्जो जत्थ मणुस्सेसु, तत्थ से उववज्जई ॥ २७ ॥
बालस्स पस्स बालत्त, अहम्म पडिवज्जिया। चिच्चा धम्म अहम्मिट्ठे, नरए उववज्जई ॥ २८ ॥
धीरस्स पस्स धीरत्त, सव्वधम्माणुवत्तिणो। चिच्चा अधम्म धम्मिट्ठे, देवेसु उववज्जई ॥ २९ ॥
तुलियाण बालभाव, अबाल चेव पण्डिए। चइऊण बालभाव, अबाल सेवई मुणि ॥ ३० ॥

त्ति बेमि ॥ उरब्भिज्ज-अज्झयण समत्त ॥ ७ ॥

॥ अह काविलिय अट्ठम अज्झयण ॥

अधुवे असासयम्मि, ससारम्मि दुक्खपउराए।
कि नाम होज्ज त कम्मय जेणाह दोग्गइ न गच्छेज्जा ॥ १ ॥
विजहित्तु पुव्वसजोय, न सिणेह कहिंचि कुव्वेज्जा।
असिणेहसिणेहकरेहिं, दोसपओसेहि मुच्चए भिक्खू ॥ २ ॥
तो नाणदसणसमग्गो, हियनिस्सेसाय सव्वजीवाण।
तेसिं विमोक्खणट्ठाए, भासई मुणिवरो विगयमोहो ॥ ३ ॥
सव्व गथ कलह च, विप्पजहे तहाविह भिक्खू।
सव्वेसु कामजाएसु, पासमाणो न लिप्पई ताई ॥ ४ ॥
भोगामिसदोसविसन्ने, हियनिस्सेयसबुद्धिवोच्चत्थे।
बाले य मन्दिए मूढे, बज्झइ मच्छिया व खेलम्मि ॥ ५ ॥
दुप्परिच्चया इमे कामा, नो सुजहा अधीरपुरिसेहिं।
अह सन्ति सुव्वया साहू जे तरन्ति अतर वणिया वा ॥ ६ ॥
समणामु एगे वयमाणा, पाणवह मिया अयाणन्ता।
मन्दा निरय गच्छन्ति, बाला पावियाहिं दिट्ठीहिं ॥ ७ ॥
न हु पाणवह अणुजाणे, मुच्चेज्ज कयाइ सव्वदुक्खाण।
एवारिएहिं अक्खाय, जेहिं इमो साहुधम्मो पन्नत्तो ॥ ८ ॥

पाणे य नाइवाएज्जा, से समीइ त्ति वुच्चई ताई।
तओ से पावयं कम्मं, निज्जाइ उदगं व थलाओ ॥ ९ ॥
जगनिस्सिएहिं भूएहिं, तसनामेहिं थावरेहिं च।
नो तेसिमारभे दंडं, मणसा वायसा कायसा चेव ॥ १० ॥
सुद्धेसणाओ नच्चाणं, तत्थ ठवेज्ज भिक्खू अप्पाणं।
जायाए घासमेसेज्जा, रसगिद्धे न सिया भिक्खाए ॥ ११ ॥
पंताणि चेव सेवेज्जा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं।
अदु वुक्कसं पुलागं वा, जवणट्ठाए निसेवए मंथुं ॥ १२ ॥
जे लक्खणं च सुविणं, अङ्गविज्जं च जे पउञ्जन्ति।
न हु ते समणा वुच्चन्ति, एवं आयरिएहिं अक्खायं ॥ १३ ॥
इहजीवियं अणियमेत्ता, पब्भट्ठा समाहिजोएहिं।
ते कामभोगरसगिद्धा, उववज्जन्ति आसुरे काए ॥ १४ ॥
तत्तो वि य उव्वट्टित्ता, संसारं बहुं अणुपरियडन्ति।
बहुकम्मलेवलित्ताणं, बोही होइ सुदुल्लहा तेसिं ॥ १५ ॥
कसिणंपि जो इमं लोयं, पडिपुण्णं दलेज्ज इक्कस्स।
तेणावि से न संतुस्से, इइ दुप्पूरए इमे आया ॥ १६ ॥
जहा लाहो तहा लोहो, लाहा लोहो पवड्ढइ।
दोमासकयं कज्जं, कोडीए वि न निट्ठियं ॥ १७ ॥
नो रक्खसीसु गिज्झेज्जा, गंडवच्छासु ऽणेगचित्तासु।
जाओ पुरिसं पलोभित्ता, खेलन्ति जहा व दासेहिं ॥ १८ ॥
नारीसु नोवगिज्झेज्जा, इत्थी विप्पजहे अणागारे।
धम्मं च पेसलं नच्चा, तत्थ ठवेज्ज भिक्खू अप्पाणं ॥ १९ ॥
इइ एस धम्मे अक्खाए कविलेणं च विसुद्धपन्नेणं।
तरिहिन्ति जे उ काहिन्ति, तेहिं आराहिया दुवे लोगा ॥ २० ॥
त्ति बेमि ॥ इअ काविलीयं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥ ८ ॥

॥ अह नवमं नमिपव्वज्जा अज्झयणं ॥

चइऊण देवलोगाओ, उववन्नो माणुसम्मि लोगम्मि। उवसन्तमोहणिज्जो, सरइ पोराणियं जाइं ॥ १ ॥
जाइं सरित्तु भयवं, सहसंबुद्धो अणुत्तरे धम्मे। पुत्तं ठवेत्तु रज्जे, अभिणिक्खमई नमी राया ॥ २ ॥
से देवलोगसरिसे, अन्तेउरवरगओ वरे भोए। भुंजित्तु नमी राया, बुद्धो भोगे परिच्चयई ॥ ३ ॥
मिहिलं सपुरजणवयं, बलमारोहं च परियणं सव्वं। चिच्चा अभिनिक्खन्तो एगन्तमहिट्ठिओ भयवं ॥ ४ ॥
कोलाहलगसंभूयं, आसी मिहिलाए पव्वयन्तम्मि। तइया रायरिसिम्मि, नमिम्मि अभिणिक्खमन्तम्मि ॥ ५ ॥

अब्भुट्ठिय रायरिसिं, पव्वज्जाठाणमुत्तमं। सक्को माहणरूवेण, इमं वयणमब्बवी ॥ ६ ॥
किण्णु भो अज्ज मिहिला, कोलाहलगसंकुला। सुव्वन्ति दारुणा सद्दा, पासाएसु गिहेसु य ॥ ७ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ८ ॥
मिहिलाए चेइए वच्छे, सीयच्छाए मणोरमे। पत्तपुप्फफलोवेए, बहूण बहुगुणे सया ॥ ९ ॥
वाएण हीरमाणम्मि, चेइयम्मि मणोरमे। दुहिया असरणा अत्ता, एए कन्दन्ति भो खगा ॥ १० ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ११ ॥
एस अग्गी य वाऊ य, एयं डज्झइ मन्दिरं। भयवं अन्तेउरं तेणं, कीस णं नावपेक्खह ॥ १२ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ १३ ॥
सुहं वसामो जीवामो, जेसिं मो नत्थि किंचण। मिहिलाए डज्झमाणीए, न मे डज्झइ किंचण ॥ १४ ॥
चत्तपुत्तकलत्तस्स, निव्वावारस्स भिक्खुणो। पियं न विज्जई किंचि, अप्पियं पि न विज्जई ॥ १५ ॥
बहुं खु मुणिणो भद्दं, अणगारस्स भिक्खुणो। सव्वओ विप्पमुक्कस्स, एगन्तमणुपस्सओ ॥ १६ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ १७ ॥
पागारं कारइत्ताणं, गोपुरट्टालगाणि च। उस्सूलगसयग्घीओ तओ गच्छसि खत्तिया ॥ १८ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ १९ ॥
सद्धं नगरं किच्चा, तवसंवरमग्गलं। खन्ति निउणपागारं, तीगुत्तं दुप्पधंसयं ॥ २० ॥
धणुं परक्कमं किच्चा, जीवं च इरियं सया। धिइं च केयणं किच्चा, सच्चेण पलिमन्थए ॥ २१ ॥
तवनारायजुत्तेण, भित्तूण कम्मकंचुयं। मुणी विगयसंगामो, भवाओ परिमुच्चए ॥ २२ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ २३ ॥
पासाए कारइत्ताणं, वद्धमाणगिहाणि य। वालग्गपोइयाओ य तओ गच्छसि खत्तिया ॥ २४ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ २५ ॥
संसयं खलु सो कुणइ, जो मग्गे कुणई घरं। जत्थेव गन्तुमिच्छेज्जा, तत्थ कुव्वेज्ज सासयं ॥ २६ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ २७ ॥
आमोसे लोमहारे य, गंठिभेए य तक्करे। नगरस्स खेमं काऊणं, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ २८ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ २९ ॥
असइं तु मणुस्सेहिं, मिच्छा दण्डो पजुञ्जई। अकारिणोऽत्थ बज्झन्ति, मुच्चई कारओ जणो ॥ ३० ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ३१ ॥
जे केइ पत्थिवा तुज्झं, नानमन्ति नराहिवा। वसे ते ठावइत्ताणं, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ३२ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविंदो इणमब्बवी ॥ ३३ ॥
जो सहस्सं सहस्साणं, संगामे दुज्जए जिणे। एगं जिणेज्ज अप्पाणं, एस से परमो जओ ॥ ३४ ॥
अप्पाणमेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ। अप्पणामेवमप्पाणं, जइत्ता सुहमेहए ॥ ३५ ॥
पंचिन्दियाणि कोहं, माणं मायं तहेव लोहं च। दुज्जयं चेव अप्पाणं, सव्वं अप्पे जिए जियं ॥ ३६ ॥
एयमट्ठं निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ३७ ॥
जइत्ता विउले जन्ने, भोइत्ता समणमाहणे। दच्चा भोच्चा य जिट्ठा य, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ३८ ॥

एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ३९ ॥
जो सहस्स सहस्साण, मासे मासे गव दए। तस्स वि सजमो सेओ, अदिन्तस्स वि किंचण ॥ ४० ॥
एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ४१ ॥
घोरासम चइत्ताण, अन्न पत्थेसि आसम। इहेव पोसहरओ, भवाहि मणुयाहिवा ॥ ४२ ॥
एयमट्ठ निसामित्ता हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ४३ ॥
मासे मासे तु जो बालो, कुसग्गेण तु भुजए। न सो सक्खायधम्मस्स, कल अग्घइ सोलसिं ॥ ४४ ॥
एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ, तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ४५ ॥
हिरण्ण सुवण्ण मणिमुत्त, कस दूस च वाहण। कोस वड्ढावइत्ताण, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ४६ ॥
एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ४७ ॥

सुवण्णरुप्पस्स उ पव्वया भवे, सिया हु केलाससमा असखया।
नरस्स लुद्धस्स न तेहि किंचि, इच्छा उ आगाससमा अणन्तिया ॥ ॥ ४८ ॥

पुढवी साली जवा चेव, हिरण्ण पसुभिस्सह। पडिपुण्ण नालमेगस्स, इइ विज्जा तव चरे ॥ ४९ ॥
एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमिं रायरिसिं, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ५० ॥
अच्छेरयमब्भुए भोए, चयसि पत्थिवा। असन्ते कामे पत्थेसि, सकप्पेण विहम्मसि ॥ ५१ ॥
एयमट्ठ निसामित्ता, हेऊकारणचोइओ। तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमब्बवी ॥ ५२ ॥
सल्ल कामा विस कामा, कामा आसीविसोवमा। कामे पत्थेमाणा, अकामा जन्ति दोग्गइ ॥ ५३ ॥
अहे वयन्ति कोहेण, माणेण अहमा गई। माया गई पडिग्घाओ, लोभाओ दुहओ भय ॥ ५४ ॥
अवउज्झिऊण माहणरूव, विउव्विऊण इन्दत्त। वन्दइ अभित्थुणन्तो, इमाहि महुराहिं वग्गूहिं ॥ ५५ ॥
अहो ते निज्जिओ कोहो, अहो माणो पराजिओ। अहो निरक्किया माया, अहो लोभो वसीकओ ॥ ५६ ॥
अहो ते अज्जव साहु, अहो ते साहु मद्दव। अहो ते उत्तमा खन्ती, अहो ते मुत्ति उत्तमा ॥ ५७ ॥
इह सि उत्तमो भन्ते, पच्छा होहिसि उत्तमो। लोगुत्तमुत्तम ठाण, सिद्धिं गच्छसि नीरओ ॥ ५८ ॥
एव अभित्थुणन्तो, रायरिसिं उत्तमाए सद्धाए। पयाहिण करेन्तो, पुणो पुणो वन्दई सक्को ॥ ५९ ॥
तो वन्दिऊण पाए, चक्ककुसलक्खणे मुणिवरस्स। आगासेणुप्पइओ, ललियचलकुडलतिरीडी ॥ ६० ॥
नमी नमेइ अप्पाण, सक्ख सक्केण चोइओ। चइऊण गेह च वेदेही, सामण्णे पज्जुवट्ठिओ ॥ ६१ ॥
एव करेन्ति सबुद्धा, पडिया पवियक्खणा। विणियट्टन्ति भोगेसु, जहा से नमी रायरिसि ॥ ६२ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ नमिपव्वज्जा समत्ता ॥

॥ अह दुमपत्तय दसम अज्झयण ॥

दुमपत्तए पंडुयए जहा, निवडइ राइगणाण अचए।
एव मणुयाण जीविय, समय गोयम मा पमायए ॥ १ ॥
कुसग्गे जह ओसबिन्दुए, थोव चिट्ठइ लम्बमाणए।
एव मणुयाण जीविय, समय गोयम मा पमायए ॥ २ ॥
इइ इत्तरियम्मि आउए, जीवियए बहुपच्चवायए।
विहुणाहि रय पुरे कड, समय गोयम मा पमायए ॥ ३ ॥
दुल्लहे खलु माणुसे भवे, चिरकाले वि सव्वपाणिण।
गाढा य विवाग कम्मुणो, समय गोयम मा पमायए ॥ ४ ॥
पुढविक्कायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखाईय, समय गोयम मा पमायए ॥ ५ ॥
आउक्कायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखाईय, समय गोयम मा पमायए ॥ ६ ॥
तेउक्कायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखाईय समय गोयम मा पमायए ॥ ७ ॥
वाउक्कायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखाईय, समय गोयम मा पमायए ॥ ८ ॥
वणस्सइकायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
कालमणन्तदुरन्तय समय गोयम मा पमायए ॥ ९ ॥
बेइन्दियकायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायए ॥ १० ॥
तेइन्दियकायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवसे।
काल सखिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायए ॥ ११ ॥
चउरिन्दियकायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवस।
काल सखिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायए ॥ १२ ॥
पचिन्दियकायमइगओ, उक्कोस जीवो उ सवस।
सत्तट्ठभवग्गहणे, समय गोयम मा पमायए ॥ १३ ॥
देवे नेरइए य अइगओ उक्कोस जीवो उ सवसे।
इक्किक्कभवग्गहणे समय गोयम मा पमायए ॥ १४ ॥
एव भवससारे, ससरइ सुहासुहेहि कम्मेहि।
जीवो पमायबहुलो, समय गोयम मा पमायए ॥ १५ ॥

लद्धूण वि माणुसत्तणं, आरिअत्तं पुणरावि दुल्लहं ।
विगलिन्दियया हु दीसई, समयं गोयम मा पमायए ॥ १६ ॥
लद्धूण वि आयरित्तणं, अहीणपंचेन्दियया हु दुल्लहा ।
विगलिन्दियया हु दीसई, समयं गोयम मा पमायए ॥ १७ ॥
अहीणपंचेन्दियत्तं पि से लहे, उत्तमधम्मसुई हु दुल्लहा ।
कुतित्थिनिसेवए जणे, समयं गोयम मा पमायए ॥ १८ ॥
लद्धूण वि उत्तमं सुइं, सद्दहणा पुणरावि दुल्लहा ।
मिच्छत्तनिसेवए जणे, समयं गोयम मा पमायए ॥ १९ ॥
धम्मं पि हु सद्दहन्तया, दुल्लहया काएण फासया ।
इह कामगुणेहि मुच्छिया, समयं गोयम मा पमायए ॥ २० ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से सोयबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २१ ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से चक्खुबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २२ ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से घाणबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २३ ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से जिब्भबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २४ ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से फासबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २५ ॥
परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
से सव्वबले य हायई, समयं गोयम मा पमायए ॥ २६ ॥
अरई गण्डं विसूइया, आयंका विविहा फुसन्ति ते ।
विहडइ विद्धंसइ ते सरीरयं, समयं गोयम मा पमायए ॥ २७ ॥
वोच्छिन्द सिणेहमप्पणो, कुमुयं सारइयं व पाणियं ।
से सव्वसिणेहवज्जिए, समयं गोयम मा पमायए ॥ २८ ॥
चिच्चाण धणं च भारियं, पव्वइओ हि सि अणगारियं ।
मा वन्तं पुणो वि आइए समयं गोयम मा पमायए ॥ २९ ॥
अवउज्झिय मित्तबन्धवं, विउलं चेव धणोहसंचयं ।
मा तं विइयं गवेसए, समयं गोयम मा पमायए ॥ ३० ॥
न हु जिणे अज्ज दिस्सई बहुमए दिस्सइ मग्गदेसिए ।
संपइ नेयाउए पहे, समयं गोयम मा पमायए ॥ ३१ ॥
अवसोहिय कण्टगा पहं, ओइण्णो सि पहं महालयं ।

गच्छसि मग्ग विसोहिया, समय गोयम मा पमायए ॥ ३२ ॥
अनले जह भारवाहए, मा मग्गे विसमे वगाहिया ।
पच्छा पच्छाणुतावए, समय गोयम मा पमायए ॥ ३३ ॥
तिण्णो हु सि अण्णव मह, किं पुण चिट्ठसि तीरमागओ ।
अभितुर पार गमित्तए, समय गोयम मा पमायए ॥ ३४ ॥
अकलेवरसेणि उस्सिया, सिद्धिं गोयम लोय गच्छसि ।
खेम च सिव अणुत्तर, समय गोयम मा पमायए ॥ ३५ ॥
बुद्धे परिनि वुडे चरे, गामगए नगरे व सजए ।
सन्तीमग्ग च वूहए, समय गोयम मा पमायए ॥ ३६ ॥
बुद्धस्स निसम्म भासिय, सुकहियमट्ठपओवसोहिय ।
राग दोस च छिन्दिया, सिद्धिगइ गए गोयमे ॥ ३७ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ दुमपत्तय समत्त ॥ १० ॥

॥ अह बहुस्सुयपुज्ज एगारस अज्झयण ॥

सजोगा विप्पमुक्कस्स, अणगारस्स भिक्खुणो। आयार पाउकरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे ॥ १ ॥
जे यावि होइ नि विज्जे, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे अभिक्खण उल्लयइ, अविणीए अबहुस्सुए ॥ २ ॥
अह पचहिं ठाणेहिं, जेहिं सिक्खा न लब्भइ । थम्भा कोहा पमाएण, रोगेणालस्सएण य ॥ ३ ॥
अह अट्ठहिं ठाणेहिं, सिक्खासीलि त्ति वुच्चइ । अहस्सिरे सया दन्ते, न य मम्ममुदाहरे ॥ ४ ॥
नासीले न विसीले न सिया अइलोलुए । अकोहणे सच्चरए, सिक्खासीलि त्ति वुच्चई ॥ ५ ॥
अह चोइसहिं ठाणेहिं, वट्टमाणे उ सजए। अविणीए वुच्चइ सो उ, निव्वाण च न गच्छइ ॥ ६ ॥
अभिक्खण कोही हवइ, पबन्ध च पकुव्वइ । मेत्तिज्जमाणो वमइ, सुय लद्धूणमज्जई ॥ ७ ॥
अवि पावपरिक्खेवी, अवि मित्तेसु कुप्पइ । सुप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे भासइ पावय ॥ ८ ॥
पइण्णवाइ दुहिले, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे । असविभागी अवियत्ते, अविणीए त्ति वुच्चइ ॥ ९ ॥
अह पन्नरसहिं ठाणेहिं, सुविणीए त्ति वुच्चइ । नीयावत्ती अचवले, अमाई अकुऊहले ॥ १० ॥
अप्प च अहिक्खिवई, पबन्ध च न कुव्वई । मेत्तिज्जमाणो भयई, सुय लद्धु न मज्जई ॥ ११ ॥
न य पावपरिक्खेवी, न य मित्तेसु कुप्पई । अप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे कल्लाण भासई ॥ १२ ॥
कलहडमरवज्जिए बुद्धे अभिजाइए । हिरिम पडिसलीणे, सुविणीए त्ति वुच्चई ॥ १३ ॥
वसे गुरुकुले निच्च, जोगव उवहाणव । पियकरे पियवाई, से सिक्ख लद्धुमरिहई ॥ १४ ॥
जहा सखम्मि पय, निहिय दुहओ वि विरायइ । एव बहुस्सुए भिक्खू, धम्मो कित्ती तहा सुय ॥ १५ ॥
जहा से कम्बोयाण, आइण्णे कन्थए सिया । आसे जवेण पवरे, एव हवइ बहुस्सुए ॥ १६ ॥
जहाइण्णसमारूढे, सूरे दढपरक्कमे । उभओ नन्दिघोसेण, एव हवइ बहुस्सुए ॥ १७ ॥
जहा करेणुपरिकिण्णे, कुजरे सट्ठिहायणे । बलवन्ते अप्पडिहए, एव हवइ बहुस्सुए ॥ १८ ॥

जहा से तिक्खसिंगे, जायखन्धे विरायई। वसहे जूहाहिवई, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ १९ ॥
जहा से तिक्खदाढे, उदग्गे दुप्पहंसए। सीहे मियाण पवरे, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २० ॥
जहा से वासुदेवे, संखचक्कगयाधरे। अप्पडिहयबले जोहे, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २१ ॥
जहा से चाउरन्ते, चक्कवट्टीमहिड्ढिए। चोद्दसरयणाहिवई, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २२ ॥
जहा से सहस्सक्खे, वज्जपाणी पुरन्दरे। सक्के देवाहिवई, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २३ ॥
जहा से तिमिरविद्धंसे, उत्तिट्ठन्ते दिवायरे। जलन्ते इव तेएण, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २४ ॥
जहा से उडुवई चन्दे नक्खत्तपरिवारिए। पडिपुण्णे पुण्णमासीए, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २५ ॥
जहा से समाइयाणं कोट्ठागारे सुरक्खिए। नाणाधन्नपडिपुण्णे एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २६ ॥
जहा सा दुमाण पवरा, जम्बू नाम सुदंसणा। अणाढियस्स देवस्स, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २७ ॥
जहा सा नईण पवरा, सलिला सागरंगमा। सीया नीलवन्तपवहा, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २८ ॥
जहा से नगाण पवरे, सुमहं मन्दरे गिरी। नाणोसहिपज्जलिए, एवं हवइ बहुस्सुए ॥ २९ ॥
जहा से सयंभुरमणे, उदही अक्खओदए। नाणारयणपडिपुण्णे एवं हवइ बहुस्सुए ॥ ३० ॥

समुद्दगम्भीरसमा दुरासया, अचक्किया केणइ दुप्पहंसया।
सुयस्स पुण्णा विउलस्स ताइणो, खवित्तु कम्मं गइमुत्तमं गया ॥ ३१ ॥

तम्हा सुयमहिट्ठिज्जा, उत्तमट्ठगवेसए। जेणप्पाणं परं चेव, सिद्धिं संपाउणेज्जासि ॥ ३२ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ बहुस्सुयपुज्जं समत्तं ॥ ११ ॥

॥ अह हरिएसिज्जं बारहं अज्झयणं ॥

सोवागकुलसंभूओ, गुणुत्तरधरो मुणी, हरिएसबलो नाम, आसि भिक्खू जिइन्दिओ ॥ १ ॥
इरिएसणभासाए, उच्चारसमिईसु य। जओ आयाणनिक्खेवे, संजओ सुसमाहिओ ॥ २ ॥
मणगुत्तो वयगुत्तो, कायगुत्तो जिइन्दिओ। भिक्खट्ठा बम्भइज्जम्मि, जन्नवाडे उवट्ठिओ ॥ ३ ॥
तं पासिऊण एज्जन्तं तवेण परिसोसियं। पन्तोवहिउवगरणं, उवहसन्ति अणारिया ॥ ४ ॥
जाईमयपडिथद्धा, हिंसगा अजिइन्दिया। अबम्भचारिणो बाला, इमं वयणमब्बवी ॥ ५ ॥

कयरे आगच्छइ दित्तरूवे, काले विगराले फोक्कनासे।
ओमचेलए पंसुपिसायभूए संकरदूसं परिहरिय कण्ठे ॥ ६ ॥
को रे तुमं इय अदंसणिज्जे, काए व आसाइहमागओसि।
ओमचेलया पंसुपिसायभूया, गच्छक्खलाहि किमिहं ठिओ सि ॥ ७ ॥
जक्खे तहिं तिन्दुयरुक्खवासी, अणुकम्पओ तस्स महामुणिस्स।
पच्छायइत्ता नियगं सरीरं, इमाइं वयणाइमुदाहरित्था ॥ ८ ॥
समणो अहं संजओ, बम्भयारी, विरओ धणपयणपरिग्गहाओ।
परप्पवित्तस्स उ भिक्खकाले, अन्नस्स अट्ठा इहमागओमि ॥ ९ ॥
वियरिज्जइ खज्जइ भुज्जई, अन्नं पभूयं भवयाणमेयं।

जाणेह मे जायणजीविणु त्ति, सेसावसेसं लभऊ तवस्सी ॥ १० ॥
उवक्खडं भोयण माहणाणं, अत्तट्ठियं सिद्धमिहेगपक्खं ।
न ऊ वयं एरिसमन्नपाणं, दाहामु तुज्झं किमिहं ठिओ सि ॥ ११ ॥
थलेसु बीयाइ ववंति कासगा, तहेव निन्नेसु य आससाए ।
एयाए सद्धाए दलाह मज्झं, आराहए पुण्णमिणं खु खित्तं ॥ १२ ॥
खेत्ताणि अम्हं विइयाणि लोए, जहिं पकिण्णा विरुहन्ति पुण्णा ।
जे माहणा जाइविज्जोववेया, ताइं तु खेत्ताइं सुपेसलाइं ॥ १३ ॥
कोहो य माणो य वहो य जेसिं, मोसं अदत्तं च परिग्गहं च ।
ते माहणा जाइविज्जाविहूणा, ताइं तु खेत्ताइं सुपावयाइं ॥ १४ ॥
तुब्भेत्थ भो भारधरा गिराणं, अट्ठं न जाणेह अहिज्ज वेए ।
उच्चावयाइं मुणिणो चरन्ति, ताइं तु खेत्ताइं सुपेसलाइं ॥ १५ ॥
अज्झावयाणं पडिकूलभासी, पभाससे किं तु सगासि अम्हं ।
अवि एयं विणस्सउ अन्नपाणं, न य णं दाहामु तुमं नियण्ठा ॥ १६ ॥
समिईहि मज्झं सुसमाहियस्स, गुत्तीहि गुत्तस्स जिइन्दियस्स ।
जइ मे न दाहित्थ अहेसणिज्जं, किमज्ज जन्नाण लहित्थ लाहं ॥ १७ ॥
के एत्थ खत्ता उवजोइया वा, अज्झावया वा सह खण्डिएहिं ।
एयं दण्डेण फलेण हन्ता, कण्ठम्मि घेत्तूण खलेज्ज जो णं ॥ १८ ॥
अज्झावयाणं वयणं सुणेत्ता, उद्धाइया तत्थ बहू कुमारा ।
दण्डेहि वित्तेहि कसेहि चेव, समागया तं इसि तालयन्ति ॥ १९ ॥
रन्नो तहिं कोसलियस्स धूया, भद्द त्ति नामेण अणिन्दियङ्गी ।
तं पासिया संजय हम्ममाणं, कुद्धे कुमारे परिनिव्ववेइ ॥ २० ॥
देवाभिओगेण निओइएणं, दिन्ना मु रन्ना मणसा न झाया ।
नरिन्ददेविन्दभिवन्दिएणं, जेणम्हि वन्ता इसिणा स एसो ॥ २१ ॥
एसो हु सो उग्गतवो महप्पा, जितिन्दिओ संजओ बम्भयारी ।
जो मे तया नेच्छइ दिज्जमाणिं, पिउणा सयं कोसलिएण रन्ना ॥ २२ ॥
महाजसो एस महाणुभागो, घोरव्वओ घोरपरक्कमो य ।
मा एयं हीलह अहीलणिज्जं, मा सव्वे तेएण मे निद्दहेज्जा ॥ २३ ॥
एयाइं तीसे वयणाइं सोच्चा, पत्तीइ भद्दाइ सुहासियाइं ।
इसिस्स वेयावडियट्ठयाए, जक्खा कुमारे विणिवारयन्ति ॥ २४ ॥
ते घोररूवा ठिय अन्तलिक्खेऽसुरा तहिं तं जण तालयन्ति ।
ते भिन्नदेहे रुहिरं वमन्ते, पासित्तु भद्दा इणमाहु भुज्जो ॥ २५ ॥
गिरिं नहेहिं खणह, अयं दन्तेहिं खायह ।
जायतेयं पाएहि हणह, जे भिक्खु अवमन्नह ॥ २६ ॥

आसीविसो उग्गतवो महेसी, घोरव्वओ परक्कमो य।
अगणिं व पक्खद पयंगसेणा, जे भिक्खुय भत्तकाले वहेह ॥ २७ ॥
सीसेण एयं सरणं उवेह, समागया सव्वजणेण तुब्भे।
जइ इच्छह जीवियं वा धणं वा, लोगंपि एसो कुविओ डहेज्जा ॥ २८ ॥
अवहेडिय पिट्ठिसउत्तमंगे, पसारिया बाहु अकम्मचेट्ठे।
निज्झेरियच्छे रुहिरं वमन्ते, उद्धंमुहे निग्गयजीहनेत्ते ॥ २९ ॥
ते पासिया खण्डियकट्ठभूए, विमणो विसण्णो अह माहणो सो।
इसिं पसाएइ सभारियाओ, हीलं च निन्दं च खमाह भन्ते ॥ ३० ॥
बालेहिं मूढेहिं अयाणएहिं, जं हीलिया तस्स खमाह भन्ते।
महप्पसाया इसिणो हवन्ति, न हु मुणी कोवपरा हवन्ति ॥ ३१ ॥
पुव्विं च इण्हिं च अणागयं च, मणप्पदोसो न मे अत्थि कोइ।
जक्खा हु वेयावडियं करन्ति, तम्हा हु एए निहया कुमारा ॥ ३२ ॥
अत्थं च धम्मं च वियाणमाणा, तुब्भे न वि कुप्पह भूइपन्ना।
तुब्भं तु पाए सरणं उवेमो, समागया सव्वजणेण अम्हे ॥ ३३ ॥
अच्चेमु ते महाभाग, न ते किंचि न अच्चिमो।
भुंजाहि सालिमं कूरं, नाणावंजणसंजुयं ॥ ३४ ॥
इमं च मे अत्थि पभूयमन्नं, तं भुंजसू अम्ह अणुग्गहट्ठा।
बाढं ति पडिच्छइ भत्तपाणं, मासस्स ऊ पारणए महप्पा ॥ ३५ ॥
तहियं गन्धोदयपुप्फवासं, दिव्वा तहिं वसुहारा य वुट्ठा।
पहयाओ दुन्दुहीओ सुरेहिं, आगासे अहो दाणं च घुट्ठं ॥ ३६ ॥
सक्खं खु दीसइ तवोविसेसो न दीसई जाइविसेस कोई।
सोवागपुत्तं हरिएससाहुं, जस्सेरिसा इड्ढि महाणुभागा ॥ ३७ ॥
किं माहणा जोइसमारभन्ता, उदएण सोहिं बहिया विमग्गह।
जं मग्गहा बाहिरियं विसोहिं न तं सुइट्ठं कुसला वयन्ति ॥ ३८ ॥
कुसं च जूवं तणकट्ठमग्गिं, सायं च पायं उदगं फुसंता।
पाणाइ भूयाइ विहेडयन्ता, भुज्जो वि मन्दा पगरेह पावं ॥ ३९ ॥
कहं चरे भिक्खु वयं जयामो, पावाइ कम्माइ पणोल्लयामो।
अक्खाहि णे संजय जक्खपूइया, कहं सुइट्ठं कुसला वयन्ति ॥ ४० ॥
छज्जीवकाए असमारभन्ता, मोसं अदत्तं च असेवमाणा।
परिग्गहं इत्थिओ माणमायं, एयं परिन्नाय चरन्ति दन्ता ॥ ४१ ॥
सुसंवुडा पंचहिं संवरेहिं इह जीवियं अणवकंखमाणा।
वोसट्ठकाइ सुइचत्तदेहा, महाजयं जयइ जन्नसिट्ठं ॥ ४२ ॥
के ते जोइ के व ते जोइठाणे, का ते सुया किं व ते कारिसंग।

एहा य ते कयरा सन्ति भिक्खू, कयरेण होमेण हुणासि जोइं ॥ ४३ ॥
तवो जोइ जीवो जोइठाण, जोगा सुया सरीर कारिसंग।
कम्मेहा संजमजोगसन्ती, होम हुणामि इसिण पसत्थ ॥ ४४ ॥
के ते हरए के य ते सन्तितित्थे, कहिं सिणाओ व रयं जहासि।
आइक्ख णे संजय जक्खपूइया, इच्छामो नाउ भवओ सगासे ॥ ४५ ॥
धम्मे हरए बम्भे सन्तितित्थ, अणाविले अत्तपसन्नलेसे।
जहिं सिणाओ विमलो विसुद्धो, सुसीइभूओ पजहामि दोसं ॥ ४६ ॥
एय सिणाण कुसलेहि दिट्ठ, महासिणाण इसिण पसत्थ।
जहिं सिणाया विमला विसुद्धा, महारिसी उत्तम ठाण पत्त ॥ ४७ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ हरिएसिज्ज समत्त ॥ १२ ॥

॥ अह चित्तसम्भूइज्ज तेरहम अज्झयण ॥

जाइपराजइओ खलु, कासि नियाण तु हत्थिणपुरम्मि। चुलणीए बम्भदत्तो, उववन्नो पउमगुम्माओ ॥ १ ॥
कम्पिल्ले सम्भूओ, चित्तो पुण जाओ पुरमतालम्मि। सेट्ठिकुलम्मि विसाले, धम्म सोऊण पव्वइओ ॥ २ ॥
कम्पिल्लम्मि य नयरे, समागया दो वि चित्तसम्भूया। सुहदुक्खफलविवाग, कहेन्ति ते एक्कमेक्कस्स ॥ ३ ॥
चक्कवट्टी महिड्ढीओ, बम्भदत्तो महायसो। भायर बहुमाणेण, इम वयणमब्बवी ॥ ४ ॥
आसीमु भायरो दोवि, अन्नमन्नवसाणुगा। अन्नमन्नमणूरत्ता, अन्नमन्नहिएसिणो ॥ ५ ॥
दासा दसण्णे आसीमु, मिया कालिंजरे नगे। हंसा मयगतीरे, सोवागा कासिभूमिए ॥ ६ ॥
देवा य देवलोगम्मि, आसि अम्हे महिड्ढीया। इमा नो छट्ठिया जाई, अन्नमन्नेण जा विणा ॥ ७ ॥
कम्मा नियाणपयडा, तुमे राय विचिन्तिया। तेसिं फलविवागेण, विप्पओगमुवागया ॥ ८ ॥
सच्चसोयप्पगडा, कम्मा मए पुरा कडा। ते अज्ज परिभुञ्जामो, किं नु चित्तेवि से तहा ॥ ९ ॥

सव्व सुचिण्ण सफल नराण, कडाण कम्माण न मोक्ख अत्थि।
अत्थेहि कामेहि य उत्तमेहिं, आया मम पुण्णफलोववेए ॥ १० ॥
जाणाहि सभूय महाणुभाग, महिड्ढीय पुण्णफलोववेय।
चित्त पि जाणाहि तहेव राय, इड्ढी जुइ तस्स वियप्पभूया ॥ ११ ॥
महत्थरूवा वयणप्पभूया, गाहाणुगीया नरसघमज्झे।
ज भिक्खुणो सीलगुणोववेया, इह जयन्ते समणो मि जाओ ॥ १२ ॥
उच्चोयए महु कक्के य बम्भे, पवेइया आवसहा य रम्मा।
इम गिह चित्त धणप्पभूय, पसाहि पचालगुणोववेय ॥ १३ ॥
नट्टेहि गीएहि य वाइएहिं, नारीजणाहि परिवारयन्तो।
भुजाहि भोगाइ इमाइ भिक्खू, मम रोयई पव्वज्जा हु दुक्ख ॥ १४ ॥

त पुव्वनेहेण कयाणुराग, नराहिव कामगुणेसु गिद्ध ।
धम्मस्सिओ तस्स हियाणुपेही, चित्तो इम वयणमुदाहरित्था ॥ १५ ॥
सव्व विलविय गीय, सव्व नट्ट विडम्बिय ।
सव्वे आभरणा भारा, सव्वे कामा दुहावहा ॥ १६ ॥
बालाभिरामेसु दुहावहेसु, न त सुह कामगुणेसु राय ।
विरत्तकामाण तवोहणाण, ज भिक्खुण सीलगुणे रयाण ॥ १७ ॥
नरिंद जाइ अहमा नराण, सोवागजाई दुहओ गयाण ।
जहिं वय सव्वजणस्स, वस्सा, वसी य सोवागनिवेसणेसु ॥ १८ ॥
तीसे य जाईइ उ पावियाए, वुच्छा मु सोवागनिवेसणेसु ।
सव्वस्स लोगस्स दुगछणिज्जा, इह तु कम्माइ पुरे कडाइ ॥ १९ ॥
सो दाणि सि राय महाणुभागो, महिड्ढी पुण्णफलोववेओ ।
चइत्तु भोगाइ असासयाइ, आदाणहेउ अभिणिक्खमाहि ॥ २० ॥
इह जीविए राय असासयम्मि धणिय तु पुण्णाइ अकुव्वमाणो ।
से सोयइ मच्चुमुहोवणीए, धम्म अकाऊण परसि लोए ॥ २१ ॥
जहेह सीहो व मिय गहाय, मच्चू नर नेइ हु अन्तकाले ।
न तस्स माया न पिया न भाया, कालम्मि तम्मसहरा भवन्ति ॥ २२ ॥
न तस्स दुक्ख विभयन्ति, नाइओ, न मित्तवग्गा न सुया न बधवा ।
एक्को सय पच्चणुहोइ दुक्ख, कत्तारमेव अणुजाइ कम्म ॥ २३ ॥
चेच्चा दुपय च चउप्पय च, खेत्त गिह धणधन्न च सव्व ।
सकम्मबीओ अवसो पयाइ, पर भव सुदर पावग वा ॥ २४ ॥
त एक्क तुच्छसरीरग से, चिईगय दहिय उ पावगेण ।
भज्जा य पुत्तावि य नायओ य, दायरमन्न अणुसकमन्ति ॥ २५ ॥
उवणिज्जइ जीवियमप्पमाय वण्ण जरा हरइ नरस्स राय ।
पचालराया वयण सुणाहि मा कासि कम्माइ महालयाइ ॥ २६ ॥
अह पि जाणामि जहेह साहू ज मे तुम साहसि वक्कमेय ।
भोगा इमे सगकरा हवन्ति, जे दुज्जया अज्जो अम्हारिसेहिं ॥ २७ ॥
हत्थिणपुरम्मि चित्ता दट्ठूण नरवइ महिड्ढीय ।
कामभोगेसु गिद्धेण, नियाणमसुह कड ॥ २८ ॥
तस्स मे अपडिकन्तस्स, इम एयारिस फल ।
जाणमाणो वि ज धम्म, कामभोगेसु मुच्छिओ ॥ २९ ॥
नागो जहा पकजलावसन्नो, दट्ठु थल नाभिसमेइ तीर ।
एव वय कामगुणेसु गिद्धा, न भिक्खुणो मग्गमणुव्वयामो ॥ ३० ॥
अच्चेइ कालो तरन्ति राइओ, न यावि भोगा पुरिसाण निच्चा ।

उविच्च भोगा पुरिसं चयन्ति, दुमं जहा खीणफलं व पक्खी ॥ ३१ ॥
जइ तं सि भोगे चइउं असत्तो, अज्जाइं कम्माइं करेहि राय ।
धम्मे ठिओ सव्वपयाणुकम्पी, तो होहिसि देवो इओ विउव्वी ॥ ३२ ॥
न तुज्झ भोगे चइऊण बुद्धी, गिद्धो सि आरम्भपरिग्गहेसु ।
मोहं कओ एत्तिउ विप्पलावो, गच्छामि रायं आमन्तिओ सि ॥ ३३ ॥
पञ्चालराया वि य बम्भदत्तो, साहुस्स तस्स वयणं अकाउं ।
अणुत्तरे भुञ्जिय कामभोगे, अणुत्तरे सो नरए पविट्ठो ॥ ३४ ॥
चित्तो वि कामेहि विरत्तकामो, उदग्गचारित्ततवो महेसी ।
अणुत्तरं संजमं पालइत्ता, अणुत्तरं सिद्धिगइं गओ ॥ ३५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ चित्तसम्भूइज्जं समत्तं ॥

॥ अह उसुयारिज्जं चोद्दहमं अज्झयणं ॥

देवा भवित्ताण पुरे भवम्मी, केई चुया एगविमाणवासी ।
पुरे पुराणे उसुयारनामे, खाए समिद्धे सुरलोगरम्मे ॥ १ ॥
सकम्मसेसेण पुराकएणं, कुलेसुदग्गेसु य ते पसूया ।
निव्विण्णसंसारभया जहाय, जिणिंदमग्गं सरणं पवन्ना ॥ २ ॥
पुमत्तमागम्म कुमार दो वी, पुरोहिओ तस्स जसा य पत्ती ।
विसालकित्ती य तहोसुयारो, रायत्थ देवी कमलावई य ॥ ३ ॥
जाईजरामच्चुभयाभिभूया, बहिंविहाराभिनिविट्ठचित्ता ।
संसारचक्कस्स विमोक्खणट्ठा, दट्ठूण ते कामगुणे विरत्ता ॥ ४ ॥
पियपुत्तगा दोन्नि वि माहणस्स, सकम्मसीलस्स पुरोहियस्स ।
सरित्तु पोराणिय तत्थ जाइं, तहा सुचिण्णं तवसंजमं च ॥ ५ ॥
ते कामभोगेसु असज्जमाणा, माणुस्सएसुं जे यावि दिव्वा ।
मोक्खाभिकंखी अभिजायसड्ढा, तायं उवागम्म इमं उदाहु ॥ ६ ॥
असासयं दट्ठु इमं विहारं, बहुअन्तरायं न य दीहमाउं ।
तम्हा गिहंसि न रइं लहामो, आमन्तयामो चरिस्सामु मोणं ॥ ७ ॥
अह तायगो तत्थ मुणीण तेसिं, तवस्स वाघायकरं वयासी ।
इमं वयं वेयविओ वयन्ति, जहा न होई असुयाण लोगो ॥ ८ ॥
अहिज्ज वेए परिविस्स विप्पे, पुत्ते परिट्ठप्प गिहंसि जाया ।
भोचाण भोए सह इत्थियाहिं, आरण्णगा होह मुणी पसत्था ॥ ९ ॥
सोयग्गिणा आयगुणिन्धणेणं, मोहाणिला पज्जलणाहिएणं ।
संतत्तभावं परितप्पमाणं, लालप्पमाणं बहुहा बहुं च ॥ १० ॥

पुरोहियं तं कमसोऽणुणिन्त, निमंतयन्तं च सुए धणेण ।
जहक्कमं कामगुणेहि चेव, कुमारगा ते पसमिक्ख वक्कं ॥ ११ ॥
वेया अहीया न भवन्ति ताणं, भुत्ता दिया निन्ति तमं तमेणं ।
जाया य पुत्ता न हवन्ति ताणं, को णाम ते अणुमन्नेज्ज एयं ॥ १२ ॥
खणमेत्तसोक्खा बहुकालदुक्खा, पगामदुक्खा अणिगामसोक्खा ।
संसारमोक्खस्स विपक्खभूया, खाणी अणत्थाण उ कामभोगा ॥ १३ ॥
परिव्वयन्ते अणियत्तकामे, अहो य राओ परितप्पमाणे ।
अन्नप्पमत्ते धणमेसमाणे, पप्पोति मच्चुं पुरिसे जरं च ॥ १४ ॥
इमं च मे अत्थि इमं च नत्थि, इमं च मे किच्च इमं अकिच्चं ।
तं एवमेवं लालप्पमाणं, हरा हरंति त्ति कहं पमाए ॥ १५ ॥
धणं पभूयं सह इत्थियाहिं, सयणा तहा कामगुणा पगामा ।
तवं कए तप्पइ जस्स लोगो, तं सव्व साहीणमिहेव तुब्भं ॥ १६ ॥
धणेण किं धम्मधुराहिगारे, सयणेण वा कामगुणेहि चेव ।
समणा भविस्साम गुणोहधारी, बहिंविहारा अभिगम्म भिक्खं ॥ १७ ॥
जहा य अग्गी अरणी असन्तो, खीरे घयं तेल्लमहा तिलेसु ।
एमेव ताया सरीरंसि सत्ता, संमुच्छई नासइ नावचिट्ठे ॥ १८ ॥
नो इन्दियग्गेज्झ अमुत्तभावा अमुत्तभावा वि य होइ निच्चो ।
अज्झत्थहेउं नियअस्स बन्धो, संसारहेउं च वयन्ति बन्धं ॥ १९ ॥
जहा वयं धम्म अजाणमाणा, पावं पुरा कम्ममकासि मोहा ।
ओरुब्भमाणा परिरक्खयन्ता, तं नेव भुज्जो वि समायरामो ॥ २० ॥
अब्भाहयम्मि लोगम्मि, सव्वओ परिवारिए ।
अमोहाहिं पडन्तीहिं, गिहंसि न रइं लभे ॥ २१ ॥
केण अब्भाहओ लोगो, केण वा परिवारिओ ।
का वा अमोहा वुत्ता, जाया चिन्तावरो हुमे ॥ २२ ॥
मच्चुणाऽब्भाहओ लोगो, जराए परिवारिओ ।
अमोहा रयणी वुत्ता, एवं ताय विजाणह ॥ २३ ॥
जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तइ ।
अहम्मं कुणमाणस्स, अफला जन्ति राइओ ॥ २४ ॥
जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तई ।
धम्मं च कुणमाणस्स, सफला जन्ति राइओ ॥ २५ ॥
एगओ संवसित्ताणं, दुहओ सम्मत्तसंजुया ।
पच्छा जाया गमिस्सामो, भिक्खमाणा कुले कुले ॥ २६ ॥
जस्सत्थि मच्चुणा सक्खं, जस्स वत्थि पलायणं ।

णो जाणे न मरिस्सामि, सो हु कखे सुए सिया ॥ २७ ॥
अज्जेव धम्म पडिवज्जयामो, जहिं पवन्ना न पुणब्भवामो ।
अणागय नेव य अत्थि किंची, सद्धाखमणे विणइत्तु राग ॥ २८ ॥
पहीणपुत्तस्स हु नत्थि वासो, नासिट्ठि भिक्खायरियाइ कालो ।
साहाहि रुक्खो लहई समाहिं, छिन्नाहि साहाहि तमेव ठाणु ॥ २९ ॥
पखाविहूणो व्व जहेव पक्खी, भिच्चविहूणो व्व रणे नरिंदो ।
विवन्नसारो वणिओ व्व पोए, पहीणपुत्तो मि तहीं अहपि ॥ ३० ॥
सुसभिया कामगुणे इमे ते, सपिण्डिया अग्गरसप्पभूया ।
भुजाम ता कामगुणे पगाम, पच्छा गमिस्सामु पहाणमग्ग ॥ ३१ ॥
भुत्ता रसा भोइ जहाइ णे वओ न जीवियट्ठा पजहामि भोए ।
लाभ अलाभ च सुह च दुक्ख, सचिक्खमाणो चरिस्सामि मोण ॥ ३२ ॥
मा हू तम सोयरियाण सम्भरे, जुणो व हसो पडिसोत्तगामी ।
भुजाहि भोगाइ मए समाण, दुक्ख खु भिक्खायरियाविहारो ॥ ३३ ॥
जहा य भोइ तणुय भुयगो, निम्मोयर्णि हिच्च पलेइ मुत्तो ।
एमेए जाया पयहन्ति भोए, ते ह कह नाणुगमिस्समेक्को ॥ ३४ ॥
छिन्दित्तु जाल अबल व रोहिया, मच्छा जहा कामगुणे पहाय ।
धोरेयसीला तवसा उदारा, धीरा हु भिक्खायरिय चरन्ति ॥ ३५ ॥
नहेव कुचा समइक्कमन्ता तयाणि जालाणि दलित्तु हसा ।
पलेन्ति पुत्ता य पई य मज्झ, ते ह कह नाणुगमिस्समेका ॥ ३६ ॥
पुरोहिय त ससुय सदार, सोच्चाऽभिनिक्खम्म पहाय भोए ।
कुडुम्बसार विउलुत्तम च, राय, अभिक्ख समुवाय देवी ॥ ३७ ॥
वन्तासी पुरिसो राय, न सो होइ पसंसिओ ।
माहणेण परिच्चत्त, धण आयाउमिच्छसि ॥ ३८ ॥
सव्व जग जइ तुह, सव्व वावि धण भवे ।
सव्व पि ते अपज्जत्त, नेव ताणाय त तव ॥ ३९ ॥
मरिहिसि राय जया तया वा, मणोरमे कामगुणे विहाय ।
एक्को हु धम्मो नरदेव ताण न विज्जई अन्नमिहेह किंचि ॥ ४० ॥
नाह रमे पक्खिणि पजरे वा, सताणछिन्ना चरिस्सामि मोण ।
अकिचणा उज्जुकडा निरामिसा, परिग्गहारम्भनियत्तदोसा ॥ ४१ ॥
दवग्गिणा जहा रण्णे, डज्झमाणेसु जन्तुसु । अन्ने सत्ता पमोयन्ति, रागद्दोसवस गया ॥ ४२ ॥
एवमेव वय मूढा, कामभोगेसु मुच्छिया । डज्झमाण न बुज्झामो, रागद्दोसग्गिणा जग ॥ ४३ ॥
भोगे भोच्चा वमित्ता य, लहुभूयविहारिणो । आमोयमाणा गच्छन्ति, दिया कामकमा इव ॥ ४४ ॥
इमे य बद्धा फन्दन्ति, मम हत्थज्जमागया । वय च सत्ता कामेसु, भविस्सामो जहा इमे ॥ ४५ ॥

सामिसं कुललं दिस्स, बज्झमाणं निरामिसं। आमिसं सव्वमुज्झित्ता, विहरिस्सामि निरामिसा ॥ ४६ ॥
गिद्धोवमा उ नच्चाणं, कामे संसारवड्ढणे। उरगो सुवण्णपासे व्व, संकमाणो तणुं चरे ॥ ४७ ॥
नागो व्व बंधणं छित्ता, अप्पणो वसहिं वए। एयं पत्थं महारायं, उसुयारि त्ति मे सुयं ॥ ४८ ॥
चइत्ता विउलं रज्जं, कामभोगे य दुच्चए। निव्विसया निरामिसा, निन्नेहा निप्परिग्गहा ॥ ४९ ॥
धम्मं धम्मं वियाणित्ता, चेच्चा कामगुणे वरे। तवं पगिज्झहक्खायं, घोरं घोरपरक्कमा ॥ ५० ॥
एवं ते कमसो बुद्धा, सव्वे धम्मपरायणा। जम्ममच्चुभउव्विग्गा, दुक्खस्संतगवेसिणो ॥ ५१ ॥
सासणे विगयमोहाणं, पुव्विं भावणभाविया। अचिरेणेव कालेण, दुक्खस्संतमुवागया ॥ ५२ ॥
राया सह देवीए, माहणो य पुरोहिओ। माहणी दारगा चेव सव्वे ते परिनिव्वुडे ॥ ५३ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ उसुयारिज्जं समत्तं ॥ १४ ॥

॥ अह सभिक्खू पंचदहं अज्झयणं ॥

मोणं चरिस्सामि समिच्च धम्मं, सहिए उज्जुकडे नियाणछिन्ने।
संथवं जहिज्ज अकामकामे, अन्नायएसी परिव्वए स भिक्खू ॥ १ ॥
राओवरयं चरेज्ज लाढे, विरए वेयवियायरक्खिए।
पन्ने अभिभूय सव्वदंसी जे, कम्हिचि न मुच्छिए स भिक्खू ॥ २ ॥
अक्कोसवहं विइत्तु धीरे, मुणी चरे लाढे निच्चमायगुत्ते।
अव्वग्गमणे असंपहिट्ठे, जे कसिणं अहियासए स भिक्खू ॥ ३ ॥
पंतं सयणासणं भइत्ता, सीउण्हं विविहं च दंसमसगं।
अव्वग्गमणे असंपहिट्ठे, जे कसिणं अहियासए स भिक्खू ॥ ४ ॥
नो सक्कइमिच्छई न पूयं, नो वि य वंदणगं कुओ पसंसं।
से संजए सुव्वए तवस्सी, सहिए आयगवेसए स भिक्खू ॥ ५ ॥
जेण पुण जहाइ जीवियं, मोहं वा कसिणं नियच्छई।
नरनारिं पजहे सया तवस्सी, न य कोऊहलं उवेइ स भिक्खू ॥ ६ ॥
छिन्नं सरं भोममंतलिक्खं, सुमिणं लक्खणदण्डवत्थुविज्जं।
अंगवियारं सरस्स विजयं, जे विज्जाहिं न जीवइ स भिक्खू ॥ ७ ॥
मंतं मूलं विविहं वेज्जचिंतं, वमणविरेयणधूमणेत्तसिणाणं।
आउरे सरणं तिगिच्छियं च, तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू ॥ ८ ॥
खत्तियगणउग्गरायपुत्ता, माहणभोइय विविहा य सिप्पिणो।
नो तेसिं वयइ सिलोगपूयं, तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू ॥ ९ ॥
गिहिणो जे पव्वइएण दिट्ठा, अप्पव्वइएण व संथुया हविज्जा।
तेसिं इहलोइयफलट्ठा, जो संथवं न करेइ स भिक्खू ॥ १० ॥
सयणासणपाणभोयणं, विविहं खाइमसाइमं परेसिं।

अदए पडिसेहिए नियण्ठे, जे तत्थ न पउस्सई स भिक्खू ॥ ११ ॥
ज किं चि आहारपाणजाय, विविह खाइमसाइम परेसिं लध्धु ।
जो त तिविहेण नाणुकम्पे, मणवयकायसुसवुडे स भिक्खु ॥ १२ ॥
आयामग चेव जवोदण च, सीय सोवीरजवोदग च ।
न हीलए पिण्ड नीरस तु, पन्तकुलाइ परिव्वए स भिक्खू ॥ १३ ॥
सद्दा विविहा भवन्ति लोए, दिव्वा माणुस्सगा तिरिच्छा ।
भीमा भयभेरवा उराला, सोच्चा न विहिज्जई स भिक्खू ॥ १४ ॥
वाद विविह समिच्च लोए, सहिए खेयाणुगए य कोवियप्पा ।
पन्ने अभिभूय सव्वदसी, उवसन्ते अविहेडिए स भिक्खू ॥ १५ ॥
अविसप्पजीवी अगिद्धे अमित्ते, जिइन्दिए सव्वओ विप्पमुक्के ।
अणुक्कसाई लहुअप्पभक्खी, चेच्चा गिह एगचरे स भिक्खू ॥ १६ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ सभिक्खुय समत्त ॥ १५ ॥

॥ अह बम्भचेरसमाहिठाणाणाम सोलसम अज्झयण ॥

सुय मे आउस–तेण भगवया एवमक्खाय । इह खलु थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बम्भचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म सजमबहुले सवरबहुले समाहिबहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुत्तबम्भयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बम्भचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म सजमबहुले समाहिबहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुत्तबम्भयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा ॥ इमे खलु ते थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बम्भचेरठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म सजमबहुले सवरबहुले समाहिबहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुत्तबम्भयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा तजहा विवित्ताइ सयणासणाइ सेवित्ता हवइ से निग्गन्थे । नो इत्थीपसुपण्डगससत्ताइ सयणासणाइ सेवित्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थिपसुपण्डगससत्ताइ सयणासणाइ सेवमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्ज । तम्हा नो इत्थिपसुपण्डगससत्ताइ सयणासणाइ सेवित्ता हवइ से निग्गन्थे ॥ १ ॥ नो इत्थिण कह कहित्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण कह कहेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा नो इत्थीण कह कहज्जा ॥ २ ॥ नो इत्थीण सद्धिं सन्निसेज्जागए विहरित्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागयस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसज्जा । तम्हा खलु

नो निग्गंथे इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागए विहरेज्जा ॥ ३ ॥ नो इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोइत्ता निज्झाइत्ता हवइ से निग्ग थे । त कहमिति चे आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोएमाणस्स निज्झायमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद ना लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोएज्ज निज्झाएज्जा ॥ ४ ॥ नो इत्थीण कुड्डु तरसि वा दूसन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूइयसद्द वा रुइयसद्द वा गीयसद्द वा हसियसद्द वा थणियसद्द वा कन्दियसद्द वा विलवियसद्द वा सुणेत्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण कुड्डन्तरसि व दूसन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूइयसद्द वा रुइयसद्द वा गीयसद्द वा हसियसद्द वा थणियसद्द वा कन्दियसद्द वा विलवियसद्द वा सुणेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे इत्थीण कुड्डु तरसि वा दूसन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूइयसद्द वा रुइयसद्द वा गीयसद्द वा हसियसद्द वा थणियसद्द वा कन्दियसद्द वा विलवियसद्द वा सुणेमाणे विहरेज्जा ॥ ५ ॥ नो निग्गन्थे पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुसरित्ता हवइ से निग्गन्थे त कहमिति चे । आयरियाह । निग्ग थस्स खलु पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुसरमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गथे पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुसरेज्जा ॥ ६ ॥ नो पणीय आहार आहरित्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु पणीय आहार आहारेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे पणीय आहार आहारेज्जा ॥ ७ ॥ नो अइमायाए पाणभोयण आहारेत्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु अ मायाए पाण भोयण आहारेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गथे अइमायाए पाणभोयण आहारेज्जा ॥ ८ ॥ नो विभूसाणुवादी हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे आयरियाह । विभूसावत्तिए विभूसियसरीरे इत्थिजणस्स अभिलसणिज्जे हवइ तओ ण इत्थिजणेण अभिलसिज्जमाणस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गथे विभूसाणुवादी हविज्जा ॥ ९ ॥ नो सद्दरूवरसगन्धफासाणुवादी हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु सद्दरूवगन्धफासाणुवादिस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केव

लिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो सद्दरूवरसगन्धफासाणुवादी भवेज्जा से निग्गन्थे। दसमे बम्भचेरसमाहिठाणे हवइ ॥ १० ॥ भवन्ति इत्थ सिलोगा तजहा—

ज विवित्तमणाइण, रहिय इत्थि जणेण य बम्भचेरस रक्खट्ठा, आलय तु निसेवए ॥ १ ॥
मणपल्हायजणणी, कामरागविवड्ढणी। बम्भचेररओ भिक्खु, थीकह तु विवज्जए ॥ २ ॥
सम च सथव थीहि, सकह च अभिक्खण। बम्भचेररओ भिक्खु, निच्चसो परिवज्जए ॥ ३ ॥
अगपच्चगसठाण, चारुल्लवियपेहिय। बम्भचेररओ थीण, चक्खुगिज्झ विवज्जए ॥ ४ ॥
कूइय रुइय गीय, हसिय थणियकन्दिय। बम्भचेररओ थीण, सोयगेज्झ विवज्जए ॥ ५ ॥
हास किड्ड रइ दप्प, सहसावित्तासियाणि य। बम्भचेररओ थीण नाणुचिन्ते कयाइ वि ॥ ६ ॥
पणीय भत्तपाण तु, खिप्प मयविवड्ढण। बम्भचेररओ भिक्खु, निच्चसो परिवज्जए ॥ ७ ॥
धम्मलद्ध मिय काले, जत्तत्थ पणिहाणव। नाइमत्त तु भुञ्जेज्जा, बम्भचेररओ सया ॥ ८ ॥
विभूस परिवज्जेज्जा, सरीरपरिमण्डण। बम्भचेररओ भिक्खु, सिंगारत्थ न धारए ॥ ९ ॥
सद्दे रूवे य ग धे य, रसे फासे तहेव य। पचविहे कामगुणे, निच्चसो परिवज्जए ॥ १० ॥
आलओ थीजणाइण्णो, थीकहा य मणोरमा। सथवो चेव नारीण, तासि इन्दियदरिसण ॥ ११ ॥
कूइय रुइय गीय, हासभुत्तासियाणि य। पणीय भत्तपाण च, अइमाय पाणभोयण ॥ १२ ॥
गत्तभूसणमिट्ठ च, कामभोगा य दुज्जया। नरस्सत्तगवेसिस्स, विस तालउड जहा ॥ १३ ॥
दुज्जए कामभोगे य, निच्चसो परिवज्जए। सकाथाणाणि सव्वाणि, वज्जेज्जा पणिहाणव ॥ १४ ॥
धम्मारामरते चरे भिक्खू, धिइम धम्मसारही। धम्मारामरते दन्ते, बम्भचेरसमाहिए ॥ १५ ॥
देवदाणवगन्धव्वा, जक्खरक्खसकिन्नरा। बम्भयारिं नमसन्ति, दुक्कर जे करन्ति त ॥ १६ ॥
एस धम्मे धुवे निच्चे, सासए जिणदेसिए। सिद्धा सिज्झन्ति चाणेण, सिज्झिस्सन्ति तहावरे ॥ १७ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ बम्भचेरसमाहिठाणा समत्ता ॥ १६ ॥

॥ अह पावसमणिज्ज सत्तदह अज्झयण ॥

जे केइ उ पव्वइए नियण्ठे, धम्म सुणित्ता विणओववन्ने।
सुदुल्लह लहिउ बोहिलाभ, विहरेज्ज पच्छा य जहासुह तु ॥ १ ॥
सेज्जा दढा पाउरणम्मि अत्थि, उप्पज्जइ भोत्तु तहेव पाउ।
जाणामि ज वट्टइ आउसु त्ति, कि नाम काहामि सुएण भन्ते ॥ २ ॥

जे केई पव्वइए, निद्दासीले पगामसो। भोच्चा पेच्चा सुह सुवइ पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ३ ॥
आयरियउवज्झाएहि सुय विणय च गाहिए। ते चेव खिंसई बाले, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ४ ॥
आयरियउवज्झायाण, सम्म न पडितप्पइ। अप्पडिपूयए थद्धे पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ५ ॥
सम्मद्दमाणो पाणाणि, बीयाणि हरियाणि य। असजए सजयमन्नमाणो, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ६ ॥
सथार फलग पीढ, निसेज्ज पायकम्बल। अप्पमज्जियमारुहइ, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ७ ॥
दवदवस्स चरई, पमत्ते य अभिक्खण। उल्लघणे य चण्डे य, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ८ ॥

पडिलेहेइ पमत्ते, पउञ्झइ पायकम्बलं। पडिलेहा अणाउत्ते, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ९ ॥
पडिलेहेइ पमत्ते, से किंचि हु निसामिया। गुरुपरिभावए निच्चं, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १० ॥
बहुमाई पमुहरे, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे। असंविभागी अचियत्ते, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ ११ ॥
विवादं च उदीरेइ, अहम्मे अत्तपन्नहा। वुग्गहे कलहे रत्ते, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १२ ॥
अथिरासणे कुक्कुइए, जत्थ तत्थ निसीयई। आसणम्मि अणाउत्ते, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १३ ॥
ससरक्खपाए सुवई, सेज्जं न पडिलेहइ। संथारए अणाउत्ते, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १४ ॥
दुद्धदहीविगईओ, आहारेइ अभिक्खणं। अरए य तवोकम्मे, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १५ ॥
अत्थन्तम्मि य सूरम्मि आहारेइ अभिक्खणं। चोइओ पडिचोएइ, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १६ ॥
आयरियपरिच्चाई, परपासण्डसेवए। गाणंगणिए दुब्भूए, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १७ ॥
सयं गेहं परिच्चज्ज, परगेहंसि वावरे। निमित्तेण य ववहरइ, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १८ ॥
सन्नाइ पिण्डं जेमेइ, नेच्छई सामुदाणियं। गिहिनिसेज्जं च वाहेइ, पावसमणि त्ति वुच्चई ॥ १९ ॥

एयारिसे पंचकुसीलसंवुडे, रूवंधरे मुणिपवराण हेट्ठिमे।
अयंसि लोए विसमेव गरहिए, न से इहं नेव परत्थ लोए ॥ २० ॥
जे वज्जए एए सया उ दोसे, से सुव्वए होइ मुणीण मज्झे।
अयंसि लोए अमयं व पूइए, आराहए लोगमिणं तहा परं ॥ २१ ॥

॥ त्ति बेमि ॥ इअ पावसमणिज्जं समत्तं ॥ १७ ॥

॥ अह संजइज्जं अट्ठारहमं अज्झयणं ॥

कम्पिल्ले नयरे राया, उदिण्णबलवाहणे। नामेण संजए नामं, मिगव्वं उवणिग्गए ॥ १ ॥
हयाणीए गयाणीए, रहाणीए तहेव य। पायत्ताणीए महया, सव्वओ परिवारिए ॥ २ ॥
मिए छुहित्ता हयगओ, कम्पिल्लुज्जाण केसरे। भीए सन्ते मिए तत्थ, वहेइ रसमुच्छिए ॥ ३ ॥
अह केसरम्मि उज्जाणे, अणगारे तवोधणे। सज्झायज्झाणसंजुत्ते, धम्मज्झाणं झियायइ ॥ ४ ॥
अप्फोवमण्डवम्मि, झायइ क्खवियासवे। तस्सागए मिगं पासं वहेइ से नराहिवे ॥ ५ ॥
अह आसगओ राया, खिप्पमागम्म सो तहिं। हए मिए उ पासित्ता अणगारं तत्थ पासई ॥ ६ ॥
अह राया तत्थ संभन्तो, अणगारो मणा हओ। मए उ मन्दपुण्णेणं, रसगिद्धेण घन्तुणा ॥ ७ ॥
आसं विसज्जइत्ताणं, अणगारस्स सो निवो। विणएण वन्दए पाए भगवं एत्थ मे खमे ॥ ८ ॥
अह मोणेण सो भगवं, अणगारे झाणमस्सिए। रायाणं न पडिमन्तेइ, तओ राया भयद्दुओ ॥ ९ ॥
संजओ अहमम्मीति, भगवं वाहराहि मे। कुद्धे तेएण अणगारे, डहेज्ज नरकोडिओ ॥ १० ॥
अभओ पत्थिवा तुब्भं, अभयदाया भवाहि य। अणिच्चे जीवलोगम्मि, किं हिंसाए पसज्जसी ॥ ११ ॥
जया सव्वं परिच्चज्ज, गन्तव्वमवसस्स ते। अणिच्चेजीवलोगम्मि, किं रज्जम्मि पसज्जसी ॥ १२ ॥
जीवियं चेव रूवं च, विज्जुसंपाय चंचलं। जत्थ तं मुज्झसी राय पेच्चत्थं नावबुज्झसे ॥ १३ ॥
दाराणि य सुया चेव, मित्ता य तह बन्धवा। जीवन्तमणुजीवन्ति, मयं नाणुव्वयन्ति य ॥ १४ ॥

नीहरन्ति मय पुत्ता, पितर परमदुक्खिया । पितरो वि तहा पुत्ते, बन्धू राय तव चरे ॥ १५ ॥
तओ तेणज्जिए दव्वे, दारे य परिरक्खिए । कीलन्तिऽन्ने नरा राय, हट्ठतुट्ठमलकिया ॥ १६ ॥
तेणावि ज कय कम्म, सुह वा जइ वा दुह । कम्मुणा तेण सजुत्तो, गच्छई उ पर भव ॥ १७ ॥
सोऊण तस्स सो धम्म, अणगारस्स अन्तिए । महया सवेगनिव्वेद, समावन्नो नराहिवो ॥ १८ ॥
सजओ चइउ रज्ज, निक्खन्तो जिणसासणे । गद्दभालिस्स भगवओ, अणगारस्स अन्तिए ॥ १९ ॥
चिच्चा रट्ठ पव्वइए, खत्तिए परिभासइ । जहा ते दीसई रूव, पसन्न ते महा मणो । २० ॥
किं नामे कि गोत्त, कस्सट्ठाए व माहणे । कह पडियरसी बुद्धे, कह विणीए त्ति वुच्चसी ॥ २१ ॥
सजओ नाम नामेण, तहा गोत्तेण गोयमो । गद्दभाली ममायरिया विज्जाचरणपारगा ॥ २२ ॥
किरिय अकिरिय विणय, अन्नाण च महामुणी । एएहिं चउहि ठाणेहिं, मेयन्ने कि पभासई ॥ २३ ॥
इइ पाउकरे बुद्धे, नायए परिणिव्वुए । विज्जाचरणसपन्ने, सच्चे सच्चपरक्कमे ॥ २४ ॥
पडन्ति नरए घोरे, जे नरा पावकारिणो । दिव्व च गइ गच्छन्ति, चरित्ता धम्ममारिय ॥ २५ ॥
मायावुइयमेय तु, मुसाभासा निरत्थिया । सजममाणो वि अह, वमामि इरियामि य ॥ २६ ॥
सव्वेए विइय मज्झ, मिच्छादिट्ठी अणारिया । विज्जमाणे परे लोए, सम्म जाणामि अप्पग ॥ २७ ॥
अहमासि महापाणे, जुइम वरिससओवमे । जा सा पालिमहापाली, दिव्वा वरिससओवमा ॥ २८ ॥
से चुए बम्भलोगाओ, माणुस्स भवमागए । अप्पणो य परेसिं च, आउ जाणे जहा तहा ॥ २९ ॥
नाणारुइ च छन्द च, परिवज्जेज्ज सजए । अणट्ठा जे य सव्वत्था, इयविज्जामणुसचरे ॥ ३० ॥
पडिक्कमामि पसिणाण परमतेहिं वा पुणो । अहो उट्ठिए अहोराय, इइ विज्जा तव चरे ॥ ३१ ॥
ज च मे पुच्छसी काले, सम्म सुद्धेण चेयसा । ताइ पाउकरे बुद्धे त नाण जिणसासणे ॥ ३२ ॥
किरिय च रोयई धीरे, अकिरिय परिवज्जए । दिट्ठीए दिट्ठीसम्पन्ने, धम्म चरसु दुच्चर ॥ ३३ ॥
एय पुण्णपय सोच्चा, अत्थधम्मोवसोहिय । भरहो वि भारह वास, चेच्चा कामाइ पव्वए ॥ ३४ ॥
सगरो वि सागरन्त, भरहवास नराहिवो । इस्सरिय केवल हिच्चा, दयाइ परिनिव्वुडे ॥ ३५ ॥
चइत्ता भारह वास, चक्कवट्टी महिड्ढिओ । पव्वज्जमब्भुवगओ, मघव नाम महाजसो ॥ ३६ ॥
सणकुमारो मणुस्सिन्दो चक्कवट्टी महिड्ढिओ । पुत्त रज्जे ठवेऊण, सो वि राया तव चरे ॥ ३७ ॥
चइत्ता भारह वास, चक्कवट्टी महिड्ढिओ । सन्ती सन्तिकरे लोए, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ३८ ॥
इक्खागरायवसभो, कुथु नाम नरीसरो । विक्खायकित्ती भगव पत्तो गइमणुत्तर ॥ ३९ ॥
सागरन्त चइत्ताण, भरह नरवरीसरो । अरो य अरय पत्तो, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४० ॥
चइत्ता भारह वास, चइत्ता बलवाहण । चइत्ता उत्तमे भोए महापउमे तव चरे ॥ ४१ ॥
एगच्छत्त पसाहित्ता, महिं माणनिसूरणो । हरिसेणो मणुस्सिन्दो, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४२ ॥
अन्निओ रायसहस्सेहिं सुपरिच्चाई, दम चरे । जयनामो जिणक्खाय, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४३ ॥
दसण्णरज्ज मुदिय चइत्ताण मुणी चरे । दसण्णभद्दो निक्खन्तो, सक्ख सक्केण चोइओ ॥ ४४ ॥
नमी नमेइ अप्पाण, सक्ख सक्केण चोइओ । चइऊण गेह वइदेही, सामण्णे पज्जुवट्ठिओ ॥ ४५ ॥
करकण्डू कलिंगेसु, पचालेसु य दुम्मुहो । नमी राया विदेहेसु, गन्धारेसु य नग्गई ॥ ४६ ॥
एए नरिन्दवसभा, निक्खन्ता जिणसासणे । पुत्ते रज्जे ठवेऊण, सामण्णे पज्जुवट्ठिया ॥ ४७ ॥

सोवीररायवसभो, चइत्ताण मुणी चरे। उदायणो पव्वइओ, पत्तो गइमणुत्तरं ॥ ४८ ॥
तहेव कासीराया, सेओसच्चपरक्कमे। कामभोगे परिच्चज्ज, पहणे कम्ममहावणं ॥ ४९ ॥
तहेव विजओ राया, अणट्ठाकित्ति पव्वए। रज्जं तु गुणसमिद्धं, पयहित्तु महाजसो ॥ ५० ॥
तहेवुग्गं तवं किच्चा, अव्वक्खित्तेण चेयसा। महब्बलो रायरिसी, आदाय सिरसा सिरिं ॥ ५१ ॥
कहं धीरो अहेऊहिं, उम्मत्तो व महिं चरे। एए विसेसमादाय, सूरा दढपरक्कमा ॥ ५२ ॥
अच्चन्तनियाणखमा, सच्चा मे भासिया वई। अतरिंसु तरन्तेगे, तरिस्सन्ति अणागया ॥ ५३ ॥
कहिं धीरे अहेऊहिं अत्ताणं परियावसे। सव्वसंगविनिम्मुक्के, सिद्धे भवइ नीरए ॥ ५४ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ संजइज्जं समत्तं ॥ १८ ॥

॥ मियापुत्तीयं एगूणवीसइमं अज्झयणं ॥

सुग्गीवे नयरे रम्मे, काणणुज्जाणसोहिए। राया बलभद्दि त्ति, मिया तस्सग्गमाहिसी ॥ १ ॥
तेसिं पुत्ते बलसिरी, मियापुत्ते त्ति विस्सुए। अम्मापिऊण दइए, जुवराया दमीसरे ॥ २ ॥
नन्दणे सो उ पासाए, कीलए सह इत्थिहिं। देवो दोगुन्दगे चेव, निच्चं मुइयमाणसो ॥ ३ ॥
मणिरयणकोट्टिमतले पासायालोयणट्ठिओ। आलोएइ नगरस्स, चउक्क त्तियचच्चरे ॥ ४ ॥
अह तत्थ अइच्छन्तं, पासई समणसंजयं। तवनियमसंजमधरं, सीलड्ढं गुणआगरं ॥ ५ ॥
तं देहई मियापुत्ते, दिट्ठीए अणिमिसाए उ। कहिं मन्नेरिसं रूवं, दिट्ठपुव्वं मए पुरा ॥ ६ ॥
साहुस्स दरिसणे तस्स, अज्झवसाणम्मि सोहणे। मोहं गयस्स सन्तस्स, जाईसरणं समुप्पन्नं ॥ ७ ॥
जाईसरणे समुप्पन्ने, मियापुत्ते महिड्ढिए। सरई पोराणियं जाइं, सामण्णं च पुरा कयं ॥ ८ ॥
विसएहि अरज्जन्तो, रज्जन्तो संजमम्मि य। अम्मापियरमुवागम्म, इमं वयणमब्बवी ॥ ९ ॥
सुयाणि मे पंच महव्वयाणि नरएसु दुक्खं च तिरिक्खजोणिसु।
निव्विण्णकामो मि महण्णवाओ, अणुजाणह पव्वइस्सामि अम्मो ॥ १० ॥
अम्म ताय मए भोगा, भुत्ता विसफलोवमा। पच्छा कडुयविवागा, अणुबन्धदुहावहा ॥ ११ ॥
इमं सरीरं अणिच्चं असुइं असुइसंभवं। असासयावासमिणं दुक्खकेसाण भायणं ॥ १२ ॥
असासए सरीरम्मि, रइं नोवलभामहं। पच्छा पुरा व चइयव्वे फेणबुब्बुयसन्निभे ॥ १३ ॥
माणुसत्ते असारम्मि, वाहीरोगाण आलए। जरामरणघत्थम्मि, खणंपि न रमामहं ॥ १४ ॥
जम्मं दुक्खं जरा दुक्खं, रोगाणि मरणाणि य। अहो दुक्खो हु संसारो, जत्थ कीसन्ति जन्तवो ॥ १५ ॥
खेत्तं वत्थुं हिरण्णं च पुत्तदारं च बन्धवा। चइत्ताण इमं देहं, गन्तव्वमवसस्स मे ॥ १६ ॥
जह किम्पागफलाणं, परिणामो न सुन्दरो। एवं भुत्ताण भोगाणं, परिणामो न सुन्दरो ॥ १७ ॥
अद्धाणं जो महन्तं तु, अप्पाहेओ पवज्जई। गच्छन्तो सो दुही होइ, छुहातण्हाए पीडिओ ॥ १८ ॥
एवं धम्मं अकाऊणं, जो गच्छइ परं भवं। गच्छन्तो सो दुही होइ, वाहीरोगेहि पीडिओ ॥ १९ ॥
अद्धाणं जो महन्तं तु, सपाहेओ पवज्जई। गच्छन्तो सो सुही होइ, छुहातण्हाविवज्जिओ ॥ २० ॥

एव धम्म पि काऊण, जो गच्छइ पर भव। गच्छन्तो सो सुही होइ, अप्पकम्मे अवेयणे ॥ २१ ॥
जहा गेहे पलित्तम्मि, तस्स गेहस्स जो पहू। सारभण्डाणि नीणेइ, असार अवउज्झइ ॥ २२ ॥
एव लोए पलित्तम्मि, जराए मरणेण य। अप्पाण तारइस्सामि, तुब्भेहिं अणुमन्निओ ॥ २३ ॥
त बिन्तम्मापियरो, सामण्ण पुत्त दुच्चर। गुणाण तु सहस्साइ, धारेयवाइ भिक्खुणा ॥ २४ ॥
समया सव्वभूएसु, सत्तुमित्तेसु वा जगे। पाणाइवायविरई, जावज्जीवाए दुक्कर ॥ २५ ॥
निच्चकालप्पमत्तेण, मुसावायविवज्जण। भासियव्व हिय सच्च, निच्चाउत्तेण दुक्कर ॥ २६ ॥
दन्तसोहणमाइस्स, अदत्तस्स विवज्जण। अणवज्जेसणिज्जस्स, गिहणा अवि दुक्कर ॥ २७ ॥
विरई अबम्भचेरस्स, कामभोगरसन्नुणा। उग्ग महव्वय बम्भ, धारेयव्व सुदुक्कर ॥ २८ ॥
धणधन्नपेसवग्गेसु परिग्गहविवज्जण। सव्वारम्भपरिच्चाओ, निम्ममत्त सुदुक्कर ॥ २९ ॥
चउव्विहे वि आहारे, राईभोयणवज्जणा। सन्निहीसचओ चेव, वज्जेयव्वो सुदुक्कर ॥ ३० ॥
छुहा तण्हा य सीउण्ह दसमसगवेयणा। अक्कोसा दुक्खसेज्जा य, तणफासा जलमेव य ॥ ३१ ॥
तालणा तज्जणा चेव, वहबधपरीसहा। दुक्ख भिक्खायरिया, जायणा य अलाभया ॥ ३२ ॥
कावोया जा इमा वित्ती, केसलोओ य दारुणो। दुक्ख बम्भवय घोर, धारेउ य महप्पणो ॥ ३३ ॥
सुहोइओ तुम पुत्ता, सुकुमालो सुमज्जिओ। न हु सी पभू तुम पुत्ता, सामण्णमणुपालिया ॥ ३४ ॥
जावज्जीवमविस्सामो गुणाण तु महब्भरो। गुरु उ लोहभारव्व, जो पुत्ता होइ दुव्वहो ॥ ३५ ॥
आगासे गगसोउ व्व, पडिसोउ व्व दुत्तरो। बाहाहि सागरो चेव, तरियव्वो गुणोदही ॥ ३६ ॥
वालुया कवले चेव, निरस्साए उ सजमे। असिधारागमण चेव, दुक्कर चरिउ तवो ॥ ३७ ॥
अही वेगन्तदिट्ठीए, चरित्ते पुत्त दुक्कर। जवा लोहमया चेव, चावयव्वा सुदुक्कर ॥ ३८ ॥
जहा अग्गिसिहा दित्ता, पाउ होइ सुदुक्करा। तहा दुक्कर करेउ जे, तारुण्णे समणत्तण ॥ ३९ ॥
जहा दुक्ख भरेउ जे, होइ वायस्स कोत्थलो। तहा दुक्ख करउ जे, कीवेण समणत्तण ॥ ४० ॥
जहा तुलाए तोलेउ, दुक्करो मन्दरो गिरी। तहा निहुयनीसक, दुक्कर समणत्तण ॥ ४१ ॥
जहा भुयाहिं तरिउ, दुक्कर रयणायरो। तहा अणुवसन्तेण, दुक्कर दमसागरो ॥ ४२ ॥
भुज माणुस्सए भोगे, पचलक्खणए तुम। भुत्तभोगी तओ जाया, पच्छा धम्म चरिस्ससि ॥ ४३ ॥
सो बेइ अम्मापियरो, एवमेय जहा फुड। इह लोए निप्पिवासस्स, नत्थि किंचिवि दुक्कर ॥ ४४ ॥
सारीरमाणसा चेव, वेयणाओ अणन्तसो। मए सोढाओ भीमाओ, असइ दुक्खभयाणी य ॥ ४५ ॥
जरामरणकन्तारे, चाउरन्ते भयागरे। मए सोढाणि भीमाणि, जम्माणि मरणाणि य ॥ ४६ ॥
जहा इह अगणी उण्हो, एत्तोऽणन्तगुणे तहिं। नरएसु वेयणा उण्हा, अस्साया वेइया मए ॥ ४७ ॥
जहा इह इम सीय, एत्तोऽणन्तगुणे तहिं। नरएसु वेयणा सीया, अस्साया वेइया मए ॥ ४८ ॥
कन्दन्तो कन्दुकुम्भीसु, उड्ढपाओ अहोसिरो। हुयासणे जलन्तम्मि पक्कपुव्वो अणन्तसो ॥ ४९ ॥
महादवग्गिसकासे, मरुम्मि वइरवालुए। कदम्बवालुयाए य, दड्ढपुव्वो अणन्तसो ॥ ५० ॥
रसन्तो कन्दुकुम्भीसु, उड्ढ बद्धो अबन्धवो। करवत्तकरकयाईहिं छिन्नपुव्वो अणन्तसो ॥ ५१ ॥
अइतिक्खकण्टगाइण्णे, तुगे सिम्बलिपायवे। खेवियं पासबद्धेण, कड्ढोकड्ढाहिं दुक्कर ॥ ५२ ॥
महाजन्तेसु उच्छू वा, आरसन्तो सुभेरव। पीडिओ मि सकम्मेहिं, पावकम्मो अणन्तसो ॥ ५३ ॥

कुवन्तो कोलसुणएहिं, सामेहिं सबलेहि य। फाडिओ फालिओ छिन्नो, विप्फुरन्तो अणेगसो ॥ ५४ ॥
असीहि अयसिवण्णाहि, भल्लेहिं पट्टिसेहि य। छिन्नो भिन्नो विभिन्नो य, ओइण्णो पावकम्मुणा ॥ ५५ ॥
अवसे लोहरहे जुत्तो, जलन्ते समिलाजुए। चोइओ तोत्तजुत्तेहिं, रोज्झो वा जह पाडिओ ॥ ५६ ॥
हुयासणे जलन्तम्मि, चियासु महिसो विव। दड्ढो पक्को य अवसो, पावकम्मेहि पाविओ ॥ ५७ ॥
बला संडासतुण्डेहिं, लोहतुण्डेहिं पक्खिहिं। विलुत्तो विलवन्तो हं, ढंकगिद्धेहिऽणन्तसो ॥ ५८ ॥
तण्हाकिलन्तो धावन्तो, पत्तो वेयरणिं नदिं। जलं पाहिं ति चिन्तन्तो, खुरधाराहिं विवाइओ ॥ ५९ ॥
उण्हाभितत्तो संपत्तो, असिपत्तं महावणं। असिपत्तेहिं पडन्तेहिं, छिन्नपुव्वो अणेगसो ॥ ६० ॥
मुग्गरेहिं मुसण्ढीहिं, सूलेहिं मुसलेहिं य। गया संभग्गगत्तेहिं, पत्तं दुक्खं अणन्तसो ॥ ६१ ॥
खुरेहिं तिक्खधारेहिं, छुरियाहिं कप्पणीहि य। कप्पिओ फालिओ छिन्नो, उक्कित्तो य अणेगसो ॥ ६२ ॥
पासेहिं कूडजालेहिं मिओ वा अवसो अहं। वाहिओ बद्धरुद्धो वा, बहू चेव विवाइओ ॥ ६३ ॥
गलेहिं मगरजालेहिं, मच्छो वा अवसो अहं। उल्लिओ फालिओ गहिओ, मारिओ य अणन्तसो ॥ ६४ ॥
वीदंसएहि जालेहिं लेप्पाहिं सउणो विव। गहिओ लग्गो बद्धो य, मारिओ य अणन्तसो ॥ ६५ ॥
कुहाडफरसुमाईहिं, वड्ढईहिं दुमो विव। कुट्टिओ फालिओ छिन्नो, तच्छिओ य अणन्तसो ॥ ६६ ॥
चवेडमुट्ठिमाईहिं कुमारेहिं अयं पिव। ताडिओ कुट्टिओ भिन्नो, चुण्णिओ य अणन्तसो ॥ ६७ ॥
तत्ताइं तम्बलोहाइं, तउयाइं सीसयाणि य। पाइओ कलकलन्ताइं, आरसन्तो सुभेरवं ॥ ६८ ॥
तुहं पियाइं मंसाइं, खण्डाइं सोल्लगाणि य। खाविओ मि समंसाइं, अग्गिवण्णाइंऽणेगसो ॥ ६९ ॥
तुहं पिया सुरा सीहू, मेरओ य महूणि य। पाइओ मि जलन्तीओ, वसाओ रुहिराणि य ॥ ७० ॥
निच्चं भीएण तत्थेण, दुहिएण वहिएण य। परमा दुहसंबद्धा वेयणा वेदिता मए ॥ ७१ ॥
तिव्वचण्डप्पगाढाओ, घोराओ अइदुस्सहा। महब्भयाओ भीमाओ, नरएसु वेदिता मए ॥ ७२ ॥
जारिसा माणुसे लोए, ताया दीसन्ति वेयणा। एत्तो अणन्तगुणिया, नरएसु दुक्खवेयणा ॥ ७३ ॥
सव्वभवेसु अस्साया, वेयणा वेदिता मए। निमेसन्तरमित्तं पि, जं साता नत्थि वेयणा ॥ ७४ ॥
तं बिन्तऽम्मापियरो, छन्देणं पुत्त पव्वया। नवरं पुण सामण्णे, दुक्खं निप्पडिकम्मया ॥ ७५ ॥
सो बेइ अम्मापियरो, एवमेयं जहा फुडं। पडिकम्मं को कुणई, अरण्णे मियपक्खिणं ॥ ७६ ॥
एगब्भूए अरण्णे व, जहा उ चरई मिगे। एवं धम्मं चरिस्सामि, संजमेण तवेण य ॥ ७७ ॥
जया मिगस्स आयंको, महारण्णम्मि जायई। अच्छन्तं रुक्खमूलम्मि, को णं ताहे तिगिच्छई ॥ ७८ ॥
को वा से ओसहं देइ, को वा से पुच्छई सुहं। को से भत्तं च पाणं वा, आहरित्तु पणामए ॥ ७९ ॥
जया से सुही होइ, तया गच्छइ गोयरं। भत्तपाणस्स अट्ठाए वल्लराणि सराणि य ॥ ८० ॥
खाइत्ता पाणियं पाउं, वल्लरेहिं सरेहि य। मिगचारियं चरित्ताणं गच्छई मिगचारियं ॥ ८१ ॥
एवं समुट्ठिओ भिक्खू, एवमेव अणेगए। मिगचारियं चरित्ताणं, उड्ढं पक्कमई दिसं ॥ ८२ ॥

जहा मिगे एग अणेगचारी, अणेगवासे धुवगोयरे य।
एवं मुणी गोयरियं पविट्ठे, नो हीलए नो वि य खिंसएज्जा ॥ ॥ ८३ ॥

मिगचारियं चरिस्सामि, एवं पुत्ता जहासुहं। अम्मापिईहिंऽणुन्नाओ, जहाइ उवहिं तहा ॥ ८४ ॥
मियचारियं चरिस्सामि, सव्वदुक्खविमोक्खणिं। तुब्भेहिं अब्भणुन्नाओ, गच्छ पुत्त जहासुहं ॥ ८५ ॥

एव सो अम्मापियरो, अणुमाणित्ताण बहुविह । ममत्त छिन्दई ताहे, महानागो व्व कचुय ॥ ८६ ॥
इड्ढी वित्त च मित्ते य, पुत्तदार च नायओ । रेणुय व पडे लग्ग, निध्धुत्ताण निग्गओ ॥ ८७ ॥
पचमहव्वयजुत्तो, पचहि समिओ तिगुत्तिगुत्तो य। सब्भिन्तरबाहिरओ, तवोकम्मसि उज्जुओ ॥ ८८ ॥
निम्ममो निरहकारो, निस्सगो चत्तगारवो । समो य सव्वभूएसु, तसेसु थावरेसु य ॥ ८९ ॥
लाभालाभे सुहे दुक्खे, जीविए मरणे तहा । समो निन्दापससासु, तहा माणावमाणओ ॥ ९० ॥
गारवेसु कसाएसु, दण्डसल्लभएसु य । नियत्तो हाससोगाओ, अनियाणो अबन्धणो ॥ ९१ ॥
अणिस्सिओ इह लोए, परलोए अणिस्सिओ । वासीचन्दणकप्पो य, असणे अणसणे तहा ॥ ९२ ॥
अप्पसत्थेहि दारेहिं, सव्वओ पिहियासवे । अज्झप्पज्झाणजोगेहिं, पसत्थदमसासणे ॥ ९३ ॥
एव नाणेण चरणेण, दसणेण तवेण य । भावणाहि य सुद्धाहिं, सम्म भावेत्तु अप्पय ॥ ९४ ॥
बहुयाणि उ वासाणि, सामण्णमणुपालिया । मासिएण उ भत्तेण, सिद्धिं पत्तो अणुत्तर ॥ ९५ ॥
एव करन्ति सबुद्धा, पण्डिया पवियक्खणा । विणिअट्टन्ति भोगेसु, मियापुत्ते जहारिसी ॥ ९६ ॥

महापभावस्स महाजसस्स, मियापुत्तस्स निसम्म भासिय ।
तवप्पहाण चरिय च उत्तम, गइप्पहाण च तिलोगविस्सुत ॥ ॥ ९७ ॥
वियाणिया दुक्खविवद्धण धण, ममत्तबन्ध च महाभयावह ।
सुहावह धम्मधुर अणुत्तर, धारेज्ज निव्वाणगुणावह मह ॥ ॥ ९८ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ मियापुत्तीय समत्त ॥ १९ ॥

॥ अह महानियण्ठिज्ज वीसइम अज्झयणं ॥

सिद्धाण नमो किच्चा, सजयाण च भावओ । अत्थधम्मगई तच्च अणुसट्ठिं सुणेह मे ॥ १ ॥
पभूयरयणो राया, सेणिओ मगहाहिवो । विहारजत्त निज्जाओ, मण्डिकुच्छिसि चेइए ॥ २ ॥
नाणादुमलयाइण्ण, नाणापक्खिनिसेविय । नाणाकुसुमसछन्न, उज्जाण नन्दणोवम ॥ ३ ॥
तत्थ सो पासई साहु, सजय सुसमाहिय । निसन्न रुक्खमूलम्मि, सुकुमाल सुहोइय ॥ ४ ॥
तस्स रूव तु पासित्ता, राइणो तम्मि सजए । अच्चन्तपरमो आसी, अउलो रूवविम्हओ ॥ ५ ॥
अहो वण्णो अहो रूव, अहो अज्जस्स सोमया। अहो खन्ती अहो मुत्ती, अहो भोगे असगया ॥ ६ ॥
तस्स पाए उ वन्दित्ता, काऊण य पयाहिण । नाइदूरमणासन्ने, पजली पडिपुच्छई ॥ ७ ॥
तरुणो सि अज्जो पव्वइओ, भोगकालम्मि सजया। उवट्ठिओ सि सामण्णे, एयमट्ठ सुणेमि ता ॥ ८ ॥
अणाहोमि महाराय, नाहो मज्झ न विज्जई । अणुकम्पग सुहिं वावि, कचि नाभिसमेमह ॥ ९ ॥
तओ सो पहसिओ राया, सेणिओ मगहाहिवो। एव ते इड्ढिमन्तस्स, कह नाहो न विज्जई ॥ १० ॥
होमि नाहो भयन्ताण, भोगे भुजाहि सजया । मित्तनाईपरिवुडो, माणुस्स खु सुदुल्लह ॥ ११ ॥
अप्पणा वि अणाहो सि, सेणिया मगहाहिवा। अप्पणा अणाहो सन्तो, कस्स नाहो भविस्ससि ॥ १२ ॥
एव वुत्तो नरिन्दो सो, सुसभन्तो सुविम्हिओ। वयण अस्सुयपुव्व, साहुणा विम्हयन्निओ ॥ १३ ॥
अस्सा हत्थी मणुस्सा मे, पुर अन्तेउर च मे। भुजामि माणुस्से भोगे, आणा इस्सरिय च मे ॥ १४ ॥

एरिसे मम्पयग्गम्मि, सव्वकामसमप्पिए। न्ह अणाहो भवइ, मा हु भन्ते मुस वए ॥ १५ ॥
न तुम जाणे अणाहस्स, अत्थ पोत्थ च पत्थिवा। जहा अणाहो भवई, सणाहो वा नराहिवा ॥ १६ ॥
सुणेह मे महाराय, अवक्खित्तेण चेयसा। जहा अणाहो भवई, जहा मेय पवत्तिय ॥ १७ ॥
कोसम्बी नाम नयरी, पुराण पुरभेयणी। तत्थ आसी पिया मज्झ, पभूयधणसचओ ॥ १८ ॥
पढमे वए महाराय, अउला मे अच्छिवेयणा। अहोत्था विउलो डाहो, सव्वगत्तेसु पत्थिवा ॥ १९ ॥
सत्थ जहा परमतिक्ख, सरीरविवरन्तर। आवीलिज्ज अरी कुद्धो, एव मे अच्छिवेयणा ॥ २० ॥
तिय मे अन्तरिच्छ च, उत्तमग च पीडइ। इन्दासणिसमा घोरा, वेयणा परमदारुणा ॥ २१ ॥
उवट्ठिया मे आयरिया, विज्जामन्ततिगिच्छगा। अधीया सत्थकुसला, मन्तमूलविसारया ॥ २२ ॥
ते मे तिगिच्छ कुव्वन्ति, चाउप्पाय जहाहिय। न य दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २३ ॥
पिया मे सव्वसारपि, दिज्जाहि मम कारणा। न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २४ ॥
माया य मे महाराय, पुत्तसोगदुहट्टिया। न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २५ ॥
भायरो मे महाराय, सगा जेट्ठकणिट्ठगा। न य दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २६ ॥
भइणीओ मे महाराय, सगा जेट्ठकणिट्ठगा। न य दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २७ ॥
भारिया मे महाराय, अणुरत्ता अणुव्वया। अंसुपुण्णेहिं नयणेहिं, उर मे परिसिचई ॥ २८ ॥
अन्न च पाण ण्हाण च, गन्धमल्लविलेवण। मए नायमनाय वा, सा बाला नेव भुंजई ॥ २९ ॥
खण पि मे महाराय, पासाओ मे न फिट्टई। न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ ३० ॥
तओ ह एवमाहसु, दुक्खमा हु पुणो पुणो। वेयणा अणुभविउ जे, ससारम्मि अणन्तए ॥ ३१ ॥
सइ च जइ मुच्चेज्जा, वेयणा विउला इओ। खन्तो दन्तो निरारम्भो, पव्वए अणगारिय ॥ ३२ ॥
एव च चिन्तइत्ताण, पसुत्तो मि नराहिवा। परियत्तन्तीए राईए, वेयणा मे खय गया ॥ ३३ ॥
तओ कल्ले पभायम्मि, आपुच्छित्ताण बन्धवे। खन्तो दन्तो निरारम्भो, पव्वइओऽणगारिय ॥ ३४ ॥
तो ह नाहो जाओ, अप्पणो य परस्स य। सव्वेसिं चेव भूयाण, तसाण थावराण य ॥ ३५ ॥
अप्पा नई वेयरणी, अप्पा मे कूडसामली। अप्पा कामदुहा धेणू, अप्पा मे नदण वण ॥ ३६ ॥
अप्पा कत्ता विकत्ता य, दुक्खाण य सुहाण य। अप्पा मित्तममित्त च, दुप्पट्ठियसुपट्ठिओ ॥ ३७ ॥

इमा हु अन्ना वि अणाहया निवा, तमेगचित्तो निहुओ सुणेहि।
नियण्ठधम्म लहीयाण वी जहा, सीयन्ति एगे बहुकायरा नरा ॥ ३८ ॥
जो पव्वइत्ताण महव्वयाइ, सम्म च नो फासयई पमाया।
अनिग्गहप्पा य रसेसु गिद्धे, न मूलओ छिन्नइ बन्धण से ॥ ३९ ॥
आउत्तया जस्स न अत्थि काइ, इरियाए भासाए तहेसणाए।
आयाणनिक्खेवदुगछणाए, न वीरजाय अणुजाइ मग्ग ॥ ४० ॥
चिर पि से मुण्डरुई भवित्ता, अथिरव्वए तवनियमेहि भट्ठे।
चिर पि अप्पाण किलेसइत्ता, न पारए होइ हु सपराए ॥ ४१ ॥
पोल्ले व मुट्ठी जह से असारे, अयन्तिए कूडकहावणे वा।
राढामणी वेरुलियप्पगासे, अमहग्घए होइ हु जाणएसु ॥ ४२ ॥

कुसीललिंगं इह धारइत्ता, इसिज्झयं जीविय वूहइत्ता ।
असंजए संजयलप्पमाणे, विणिग्घायमागच्छइ से चिरंपि ॥ ४३ ॥
विसं तु पीयं जह कालकूडं, हणाइ सत्थं जह कुग्गहीयं ।
एमो वि धम्मो विसओववन्नो, हणाइ वेयाल इवाविवन्नो ॥ ४४ ॥
जे लक्खणं सुविणं पउंजमाणे, निमित्तकोऊहलसंपगाढे ।
कुहेडविज्जासवदारजीवी, न गच्छई सरणं तम्मि काले ॥ ४५ ॥
तम तमेणेव उ से असीले, सया दुही विप्परियासुवेइ ।
संधावइ नरगतिरिक्खजोणिं, मोणं विराहेत्तु असाहुरूवे ॥ ४६ ॥
उद्देसियं कीयगडं नियागं, न मुंचई किंचि अणेसणिज्जं ।
अग्गी विवा सव्वभक्खी भवित्ता, इत्तो चुए गच्छइ कट्टु पावं ॥ ४७ ॥
न तं अरी कंठछेत्ता करेइ, जं से करे अप्पणिया दुरप्पया ।
से नाहई मच्चुमुहं तु पत्ते, पच्छाणुतावेण दयाविहूणो ॥ ४८ ॥
निरट्ठिया नग्गरुई उ तस्स, जे उत्तमट्ठं विवज्जासमेइ ।
इमे वि से नत्थि परे वि लोए, दुहओ वि से झिज्जइ तत्थ लोए ॥ ४९ ॥
एमेव हा छन्दकुसीलरूवे, मग्गं विराहेत्तु जिणुत्तमाणं ।
कुररी विवा भोगरसाणुगिद्धा, निरट्ठसोया परियावमेइ ॥ ५० ॥
सोच्चाण मेहावि सुभासियं इमं, अणुसासणं नाणगुणोववेयं ।
मग्गं कुसीलाण जहाय सव्वं, महानियण्ठाण वए पहेणं ॥ ५१ ॥
चरित्तमायारगुणन्निए तओ, अणुत्तरं संजम पालियाणं ।
निरासवे संखवियाण कम्मं, उवेइ ठाणं विउलुत्तमं धुवं ॥ ५२ ॥
एवुग्गदन्ते वि महातवोधणे, महामुणी महापइन्ने महायसे ।
महानियण्ठिज्जमिणं महासुयं, से काहए महया वित्थरेणं ॥ ५३ ॥
तुट्ठो य सेणिओ राया, इणमुदाहु कयंजली ।
अणाहत्तं जहाभूयं सुट्ठु मे उवदंसियं ॥ ५४ ॥
तुज्झं सुलद्धं खु मणुस्स जम्मं, लाभा सुलद्धा य तुमे महेसी ।
तुब्भे सणाहा य सबन्धवा य, जं भे ठिया मग्गे जिणुत्तमाणं ॥ ५५ ॥
तं सि नाहो अणाहाणं, सव्वभूयाण संजया ।
खामेमि ते महाभाग, इच्छामि अणुसासिउं ॥ ५६ ॥
पुच्छिऊण मए तुब्भं, झाणविग्घाओ जो कओ ।
निमन्तिया य भोगेहिं तं सव्वं मरिसेहि मे ॥ ५७ ॥
एवं थुणित्ताण स रायसीहो, अणगारसीहं परमाइ भत्तीए ।
सओरोहो सपरियणो सबन्धवो, धम्माणुरत्तो विमलेण चेयसा ॥ ५८ ॥
ऊससियरोमकूवो, काऊण य पयाहिणं ।

अभिवन्दिऊण सिरसा, अइयाओ नराहिवो ॥ ५९ ॥
न्यरो वि गुणसमिद्धो, तिगुत्तिगुत्तो तिदण्डविरओ य ।
निहग इव विप्पमुक्को, विहरइ वसुह विगयमोहो ॥ ६० ॥
त्ति बेमि ॥ इअ महानियण्ठिज्ज समत्त ॥

॥ अह समुद्दपालीय एगवीसइमं अज्झयण ॥

चम्पाए पालिए नाम, सावए आसि वाणिए । महावीरस्स भगवओ, सीसे सो उ महप्पणो ॥ १ ॥
निग्गन्थे पावयणे, सावए से वि कोविए । पोएण ववहरन्ते, पिहुण्ड नगरमागए ॥ २ ॥
पिहुण्डे ववहरन्तस्स, वाणिओ देइ धूयर । त ससत्त पइगिज्झ, सदेसमह पत्थिओ ॥ ३ ॥
अह पालियस्स घरिणी, समुद्दम्मि पसवई । अह बालए तहिं जाए, समुद्दपालि त्ति नामए ॥ ४ ॥
खेमेण आगए चम्प, सावए वाणिए घर । सवड्ढइ तस्स घरे, दारए से सुहोइए ॥ ५ ॥
बावत्तरी कलाओ य, सिक्खई नीइकोविए । जोव्वणेण य सपन्ने, सुरूवे पियदसणे ॥ ६ ॥
तस्स रुववइ भज्ज, पिया आणेइ रूविणि । पासाए कीलए रम्मे, देवो दोगुन्दओ जहा ॥ ७ ॥
अह अन्नया कयाई, पासायालोयणे ठिओ । वज्झमण्डणसोभाग, वज्झ पासइ वज्झग ॥ ८ ॥
त पासिऊण सवेग, समुद्दपालो इणमब्बवी । अहोऽसुभाण कम्माण, निज्जाण पावग इम ॥ ९ ॥
सबुद्धो सो तहिं भगव, परमसवेगमागओ । आपुच्छम्मापियरो, पव्वए अणगारिय ॥ १० ॥

जहित्तु सग्गन्थमहाकिलेस, महन्तमोह कसिण भयावह ।
परियायधम्म चभिरोयएज्जा, वयाणि सीलाणि परीसहे य ॥ ११ ॥
अहिंससच्च च अतेणग च, तत्तो य बम्भ अपरिग्गह च ।
पडिवज्जिया पच महव्वयाणि, चरिज्ज धम्म जिणदेसिय विदू ॥ १२ ॥
सव्वेहिं भूएहिं दयाणुकम्पी, खन्तिक्खमे सजमबम्भयारी ।
सावज्जजोग परिवज्जयन्तो, चरिज्ज भिक्खू सुसमाहिइन्दिए ॥ १३ ॥
कालेण काल विहरेज्ज रट्ठे, बलाबलं जाणिय अप्पणो य ।
सीहो व सद्देण न सतसेज्जा, वयजोग सुच्चा न असब्भमाहु ॥ १४ ॥
उवेहमाणो उ परिव्वएज्जा, पियमप्पिय सव्व तितिक्खएज्जा ।
न सव्व सव्वत्थ ऽभिरोयएज्जा, न यावि पूय गरह च सजए ॥ १५ ॥
अणेगच्छन्दामिह माणवेहिं, जे भावओ सपगरेइ भिक्खू ।
भयभेरवा तत्थ उइन्ति भीमा दिव्वा मणुस्सा अदुवा तिरिच्छा ॥ १६ ॥
परीसहा दुव्विसहा अणेगे, सीयन्ति जत्था बहुकायरा नरा ।
से तत्थ पत्ते न वहिज्ज भिक्खू, सगामसीसे इव नागराया ॥ १७ ॥
सीओसिणा दसमसा य फासा, आयका विविहा फुसन्ति देह ।
अकुक्कुओ तत्थऽहियासएज्जा, रयाइ खेवेज्ज पुरे कयाइ ॥ १८ ॥

पहाय राग च तहेन दोस, मोह च भिक्खू सतत वियक्खणो ।
मेरु व्व वाएण अकम्पमाणो, परीसहे आयगुत्ते सहेज्जा ॥ १९ ॥
अणुन्नए नावणए महेसी, न यावि पूय गरह च सजए ।
स उज्जभाव पडिवज्ज, सजए, निव्वाणमग्ग विरए उवेइ ॥ २० ॥
अरइरइसहे पहीणसथवे, विरए आयहिए पहाणव ।
परमट्ठपएहिं चिट्ठई, छिन्नसोए अममे अकिंचणे ॥ २१ ॥
विवित्तलयणाइ भएज्ज ताई, निरोवलेवाइ असथडाइ ।
इसीहि चिण्णाइ महायसेहिं, काएण फासेज्ज परीसहाइ ॥ २२ ॥
सन्नाणनाणोवगए महेसी अणुत्तर चरिउ धम्मसचय ।
अणुत्तरे नाणधरे जससी, ओभासई सूरिए वन्तलिक्खे ॥ २३ ॥
दुविह खवेऊण य पुण्णपाव, निरगणे सव्वओ विप्पमुक्के ।
तरित्ता समुद्द व महाभवोघ, समुद्दपाले अपुणागम गए ॥ २४ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ समुद्दपालीय समत्त ॥

॥ अह रहनेमिज्ज बावीसइम अज्झयण ॥

सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्ढिए । वसुदेवु त्ति नामेण, रायलक्खणसजुए ॥ १ ॥
तस्स भज्जा दुवे आसी, रोहिणी देवई तहा । तासिं दोण्ह दुवे पुत्ता, इट्ठा रामकेसवा ॥ २ ॥
सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्ढिए । समुद्दविजए नाम, रायलक्खणसजुए ॥ ३ ॥
तस्स भज्जा सिवा नाम, तीसे पुत्तो महायसो । भगव अरिट्ठनेमि त्ति लोगनाहे दमीसरे ॥ ४ ॥
सो ऽरिट्ठनेमिनामो उ, लक्खणस्सरसजुओ । अट्ठसहस्सलक्खणधरो, गोयमो कालगच्छवी ॥ ५ ॥
वज्जरिसहसघयणो, समचउरसो झसोयरो । तस्स राइमई कन्न, भज्ज जायइ केसवो ॥ ६ ॥
अह सा रायवरकन्ना, सुसीला चारुपेहणी । सव्वलक्खणसपन्ना, विज्जुसोयामणिप्पभा ॥ ७ ॥
अहाह जणओ तीसे, वासुदेव महिड्ढिय । इहागच्छउ कुमारो, जा से कन्न ददामि ह ॥ ८ ॥
सव्वोसहीहिं ण्हविओ, कयकोउयमगलो । दिव्वजुयलपरिहिओ, आभरणेहिं विभूसिओ ॥ ९ ॥
मत्त च गधहत्थिं, वासुदेवस्स जेट्ठग । आरूढो सोहए अहिय, सिरे चूडामणि जहा ॥ १० ॥
अह ऊसिएण छत्तेण चामराहि य सोहिए । दसारचक्केण य सो सव्वओ परिवारिओ ॥ ११ ॥
चउरगिणीए सेणाए, रइयाए जहक्कम । तुरियाण सनिनाएण, दिव्वेण गगण फुसे ॥ १२ ॥
एयारिसाए इड्ढीए, जुत्तीए उत्तमाइ य । नियगाओ भवणाओ, निज्जाओ वण्हिपुगवो ॥ १३ ॥
अह सो तत्थ निज्जन्तो, दिस्स पाणे भयद्दुए । वाडेहिं पजरेहिं च, सन्निरुद्धे सुदुक्खिए ॥ १४ ॥
जीवियन्त तु सम्पत्ते, मसट्ठा भक्खियव्वए । पासेत्ता से महापन्ने, सारहिं इणमब्बवी ॥ १५ ॥
कस्स अट्ठा इमे पाणा, एए सव्वे सुहेसिणो । वाडेहिं पजरेहिं च, सन्निरुद्धा य अच्छहिं ॥ १६ ॥
अह सारही तओ भणइ, एए भद्दा उ पाणिणो । तुज्झ विवाहकज्जम्मि, भोयावेउ बहु जण ॥ १७ ॥

सोऊण तस्स वयण, बहुपाणिविणासण । चिन्तेइ से महापन्नो, साणुक्कोसे जिए हिऊ ॥ १८ ॥
जइ मज्झ कारणा एए, हम्मन्ति सुबहू जिया । न मे एय तु निस्सेसं, परलोगे भविस्सई ॥ १९ ॥
सो कुण्डलाण जुयल, सुत्तग च महायसो । आभरणाणि य सव्वाणि, सारहिस्स पणामए ॥ २० ॥
मणपरिणामे य कए, देवा य जहोइय समोइण्णा । सव्वड्ढीइ सपरिसा, निक्खमण तस्स काउ जे ॥ २१ ॥
देवमणुस्सपरिवुडो सीयारयण तओ समारूढो, निक्खिमय वारगाओ, रेवयम्मि ट्ठिओ भगव ॥ २२ ॥
उज्जाण सपत्तो, ओइण्णो उत्तमाउ सीयाओ । साहस्सीए परिवुडो, मह निक्खमइ उ चित्ताहिं ॥ २३ ॥
अह से सुगन्धगन्धीए, तुरिय मउकुचिए । सयमेव लुचई केसे, पचमुट्ठीहिं समाहिओ ॥ २४ ॥
वासुदेवो य ण भणइ लुत्तकेस जिइन्दिय । इच्छियमणोरह तुरिय, पावसू त दमीसरा ॥ २५ ॥
नाणेण दसणेण च, चरित्तेण तहेव य । खन्तीए मुत्तीए, वड्ढमाणो भवाहि य ॥ २६ ॥
एव ते रामकेसवा, दसारा य बहू जणा । अरिट्ठणेमिं वन्दित्ता, अभिगया बारगापुरिं ॥ २७ ॥
सोऊण रायकन्ना, पव्वज्ज सा जिणस्स उ । नीहासा य निराणन्दा, सोगेण उ समुत्थिया ॥ २८ ॥
राईमई विचिन्तेइ, धिरत्थु मम जीविय । जा ह तेण परिच्चत्ता, सेय पव्वइउ मम ॥ २९ ॥
अह सा भमरसन्निभे, कुच्चफणगसाहिए । सयमेव लुचई केसे, धिइमन्ता ववस्सिया ॥ ३० ॥
वासुदेवो य ण भणइ, लुत्तकेस जिइन्दिय । ससारसागर घोर, तर कन्ने लहु लहु ॥ ३१ ॥
सा पव्वइया सन्ती, पव्वावेसी तहिं बहु सयण परियण चेव, सीलवन्ता बहुस्सुया ॥ ३२ ॥
गिरिं रेवतय जन्ती, वासेणुल्ला उ अन्तरा । वासन्ते अन्धयारम्मि, अन्तो लयणस्स सा ठिया ॥ ३३ ॥
चीवराइ विसारन्ती, जहा जाय त्ति पासिया । रहनेमी भग्गचित्तो, पच्छा दिट्ठो य तीइ वि ॥ ३४ ॥
भीया य सा तहिं दट्ठु, एगन्ते सजय तय । बाहाहिं काउ सगोप्फ, वेवमाणी निसीयई ॥ ३५ ॥
अह सो वि रायपुत्तो, समुद्दविजयगओ । भीय पवेविय दट्ठु, इम वक्क उदाहरे ॥ ३६ ॥
रहनेमी अह भद्दे, सुरूवे चारुभासिणी । मम भयाहि सुयणु, न ते पीला भविस्सई ॥ ३७ ॥
एहि ता भुजिमो भोए, माणुस्स खु सुदुल्लह । भुत्तभोगी पुणो पच्छा, जिणमग्ग चरिस्समो ॥ ३८ ॥
दट्ठुण रहनेमिं त, भग्गुज्जोयपराजिय । राईमई असम्भन्ता, अप्पाण सवरे तहिं ॥ ३९ ॥
अह सा रायवरकन्ना, सुट्ठिया नियमव्वए । जाई कुल च सील च, रक्खमाणी तय वए ॥ ४० ॥
जइ सि रूवेण वेसमणो, ललिएण नलकुबरो । तहा वि ते न इच्छामि, जइ सि सक्ख पुरदरो ॥ ४१ ॥
धिरत्थु तेऽजसोकामी, जो त जीवियकारणा । वन्त इच्छसि आवाउ, सेय ते मरण भवे ॥ ४२ ॥
अह च भोगरायस्स, त च सि अन्धगवण्हिणो । मा कुले गन्धणा होमो, सजम निहुओ चर ॥ ४३ ॥
जइ त काहिसि भाव, जा जा दच्छसि नारिओ । वायाविद्धो व हढो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ४४ ॥
गोवालो भण्डवालो वा, जहा तद्दव्वणिस्सरो । एव अणिस्सरो त पि, सामण्णस्स भविस्ससि ॥ ४५ ॥
तीसे सो वयण सोच्चा, सजयाए सुभासिय । अकुसेण जहा नागो, धम्मे सपडिवाइओ ॥ ४६ ॥
मणगुत्तो वयगुत्तो, कायगुत्तो जिइन्दिए । सामण्ण निच्चल फासे, जावज्जीव दढव्वओ ॥ ४७ ॥
उग्ग तव चरित्ताण, जाया दोण्णि वि केवली । सव्व कम्म खवित्ताण, सिद्धिं पत्ता अणुत्तर ॥ ४८ ॥
एव करन्ति सबुद्धा, पण्डिया पवियक्खणा । विणियट्टन्ति भोगेसु, जहा सो पुरिसोत्तमो ॥ ४९ ॥

त्ति बेमि ॥ रहनेमिज्ज समत्त ॥

॥ अह केसिगोयमिज्ज तेवीसइम अज्झयण ॥

जिणे पासि त्ति नामेण, अरहा लोगपूइओ । सबुद्धप्पा य सव्वन्नू, धम्मतित्थयरे जिणे ॥ १ ॥
तस्स लोगपदीवस्स, आसि सीसे महायसे । केसी कुमारसमणे, विज्जाचरणपारगे ॥ २ ॥
ओहिनाणसुए बुद्धे, सीससघसमाउले । गामाणुगाम रीयन्त, सावत्थि पुरमागए ॥ ३ ॥
ति दुय नाम उज्जाण, तम्मि नगरमण्डले । फासुए सिज्जसथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ४ ॥
अह तेणेव कालेण धम्मतित्थयर जिणे । भगव वद्धमाणि त्ति, सव्वलोगम्मि विस्सुए ॥ ५ ॥
तस्स लोगपदीवस्स आसि सीसे महायसे । भगव गोयमे नाम, विज्जाचरणपारए ॥ ६ ॥
बारसगविऊ बुद्धे, सीससघसमाउले । गामाणुगाम रीयन्ते, से वि सावत्थिमागए ॥ ७ ॥
कोट्ठग नाम उज्जाण, तम्मी नगरमण्डले । फासुए सिज्जसथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ८ ॥
केसी कुमारसमणे, गोयमे य महायसे । उभओ वि तत्थ विहरिंसु, अल्लीणा सुसमाहिया ॥ ९ ॥
उभओ सीससघाण, सजयाण तवस्सिण, । तत्थ चिन्ता समुप्पन्ना, गुणवन्ताण ताइण ॥ १० ॥
केरिसो वा इमो धम्मो, इमो धम्मो व केरिसो । आयारधम्म पणिही, इमा वा सा व केरिसी ॥ ११ ॥
चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पचसिक्खिओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महामुणी ॥ १२ ॥
अचेलओ य जो धम्मो, जो इमो सन्तरुत्तरो । एगकज्जपवन्नाण, विसेसे किं नु कारण ॥ १३ ॥
अह ते तत्थ सीसाण, विन्नाय पवितक्कियं । समागमे कयमई, उभओ केसिगोयमा ॥ १४ ॥
गोयमे पडिरूवन्नू, सीससघसमाउले । जेट्ठ कुलमवेक्खन्तो, तिन्दुय वणमागओ ॥ १५ ॥
केसी कुमारसमणे, गोयम दिस्समागय । पडिरूव पडिवत्ति सम्म सपडिवज्जई ॥ १६ ॥
पलाल फासुय तत्थ, पचम कुसतणाणि य । गोयमस्स निसेज्जाए, खिप्प सपणामए ॥ १७ ॥
केसी कुमारसमणे, गोयमे य महायसे । उभओ निसण्णा सोहन्ति, चन्दसूरसमप्पभा ॥ १८ ॥
समागया बहू तत्थ, पासण्डा कोउगा मिया । गिहत्थाण चणेगाओ, साहस्सीओ समागया ॥ १९ ॥
देवदाणवगन्धव्वा, जक्खरक्खसकिन्नरा । अदिस्साण च भूयाण, आसी तत्थ समागमो ॥ २० ॥
पुच्छामि ते महाभाग, केसी गोयमम व्वी । तओ केसिं बुवन्त तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ २१ ॥
पुच्छ भन्ते जहिच्छ ते, केसिं गोयमम ब्बवी । तओ केसी अणुन्नाए, गोयम इणमब्बवी ॥ २२ ॥
चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पचसिक्खिओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महामुणी ॥ २३ ॥
एगकज्जपवन्नाण, विसेसे किं नु कारण । धम्मे दुविहे मेहावी, कह विप्पचओ न ते ॥ २४ ॥
तओ केसिं बुवन्त तु, गोयमो इणमब्बवी । पन्ना समिक्खए धम्मतत्त तत्तविणिच्छिय ॥ २५ ॥
पुरिमा उज्जुजडा उ, वक्कजडा य पच्छिमा । मज्झिमा उज्जुपन्ना उ, तेण धम्मे दुहा कए ॥ २६ ॥
पुरिमाण दुव्विसोज्झो उ, चरिमाण दुरणुपालओ । कप्पो मज्झिमगाण तु, सुविसोज्झो सुपालओ ॥ २७ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ २८ ॥
अचेलगो य जो धम्मो जो इमो सन्तरुत्तरो । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महाजसा ॥ २९ ॥
एगकज्जपवन्नाण, विसेसे किं नु कारण । लिंगे दुविहे मेहावी, कह विप्पचओ न ते ॥ ३० ॥

केसिमेव बुवाण तु, गोयमो इणमब्बवी । विन्नाणेण समागम्म, धम्मसाहणमिच्छिय ॥ ३१ ॥
पच्चयत्थ च लोगस्स, नाणाविहविगप्पण । जत्तत्थ गहणत्थ च, लोगे लिंगपओयण ॥ ३२ ॥
अह भवे पइन्ना उ, मोक्खसब्भूयसाहणा । नाण च दसण चेव, चरित्त चेव निच्छए ॥ ३३ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ३४ ॥
अणेगाण सहस्साण, मज्झे चिट्ठसि गोयमा। ते य ते अहिगच्छन्ति, कह ते निज्जिया तुमे ॥ ३५ ॥
एगे जिए जिया पच, पच जिए जिया दस । दसहा उ जिणित्ताण, सव्वसत्तु जिणामह ॥ ३६ ॥
सत्तू य इइ के वुत्ते, केसी गोयम मब्बवी । तओ केसिं बुवत तु गोयमो इणमब्बवी ॥ ३७ ॥
एगप्पा अजिए सत्तु, कसाया इन्दियाणि य । ते जिणित्तु जहानाय, विहरामि अह मुणी ॥ ३८ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो, अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ३९ ॥
दीसन्ति बहवे लोए, पासबद्धा सरीरिणो । मुक्कपासो लहुब्भूओ, कह विहरसी मुणी ॥ ४० ॥
ते पासे सव्वसो छित्ता, निहन्तूण उवायओ । मुक्कपासो लहुब्भूओ, कह विहरामि अह मुणी ॥ ४१ ॥
पासा य इइ के वुत्ता, केसी गोयममब्बवी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ४२ ॥
रागद्दोसादओ तिव्वा, नेहपासा भयकरा । ते छिन्दित्ता जहानाय, विहरामि जहक्कम ॥ ४३ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ४४ ॥
अन्तोहियय सभूया, लया चिट्ठइ गोयमा । फलेइ विसभक्खीणि, सा उ उद्धरिया कह ॥ ४५ ॥
त लय सव्वसो छित्ता, उद्धरित्ता समूलिय । विहरामि जहानाय मुक्को मि विसभक्खण ॥ ४६ ॥
लया य इइ का वुत्ता, केसी गोयममब्बवी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ४७ ॥
भवतण्हा लया वुत्ता, भीमा भीमफलोदया । तमुद्धित्ता जहानाय, विहरामि जहासुह ॥ ४८ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ४९ ॥
सपज्जलिया घोरा, अग्गी चिट्ठइ गोयमा। जे डहन्ति सरीरत्थे, कह विज्झाविया तुमे ॥ ५० ॥
महामेहप्पसूयाओ, गिज्झ वारि जलुत्तम । सिंचामि सयय देह सित्ता नो व डहन्ति मे ॥ ५१ ॥
अग्गी य इइ के वुत्ता, केसी गोयममब्बवी । केसिमेव बुवत तु गोयमो इणमब्बवी ॥ ५२ ॥
कसाया अग्गिणो वुत्ता, सुयसीलतवो जल। सुयधाराभिहया सन्ता, भिन्ना हु न डहन्ति मे ॥ ५३ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ५४ ॥
अय साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिधावई । जसि गोयममारूढो, कह तेण न हीरसि ॥ ५५ ॥
पधावन्त निगिण्हामि सुयरस्सीसमाहिय । न मे गच्छइ उम्मग्ग, मग्ग च पडिवज्जइ ॥ ५६ ॥
आसे य इइ के वुत्ते, केसी गोयममब्बवी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ५७ ॥
मणो साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिधावइ। त सम्म तु निगिण्हामि, धम्मसिक्खाइ कन्थग ॥ ५८ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ५९ ॥
कुप्पहा बहवो लोए, जेहिं नासन्ति जन्तुणो। अद्धाणे कह वट्टन्ते, त न नाससि गोयमा ॥ ६० ॥
जे य मग्गेण गच्छन्ति, जे य उम्मग्गपट्ठिया। ते सव्वे वेइया मज्झ, तो न नस्सामह मुणी ॥ ६१ ॥
मग्गे य इइ के वुत्ते, केसी गोयममब्बवी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ६२ ॥
कुप्पवयणपासण्डी, सव्वे उम्मग्गपट्ठिया । सम्मग्ग तु जिणक्खाय, एस मग्गे हि उत्तमे ॥ ६३ ॥

साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ६४ ॥
महाउदगवेगेण, वुज्झमाणाण पाणिण। सरण गई पइट्ठा य, दीव क मन्नसी मुणी ॥ ६५ ॥
अत्थि एगो महादीवो, वारिमज्झे महालओ। महाउदगवेगस्स, गई तत्थ न विज्जई ॥ ६६ ॥
दीवे य इइ के वुत्ते, केसी गोयममब्बवी। केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ६७ ॥
जरामरणवेगेण, वुज्झमाणाण पाणिण। धम्मो दीवो पइट्ठा य, गइ सरणमुत्तम ॥ ६८ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ६९ ॥
अण्णवसि महोहसि, नावा विपरिधावइ। जसि गोयममारूढो, कह पार गमिस्ससि ॥ ७० ॥
जा उ सस्साविणी नावा, न सा पारस्स गामिणी। जा निरस्साविणी नावा, सा उ पारस्स गामिणी ॥ ७१ ॥
नावा य इइ का वुत्ता, केसी गोयममब्बवी। केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ७२ ॥
सरीरमाहु नाव त्ति, जीवे वुच्चइ नाविओ। ससारो अण्णवो वुत्तो, ज तरति महेसिणो ॥ ७३ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ७४ ॥
अन्धयारे तमे घोरे, चिट्ठन्ति पाणिणो बहू। को करिस्सइ उज्जोय, सव्वलोयम्मि पाणिण ॥ ७५ ॥
उग्गओ विमलो भाणू, सव्वलोयपभकरो। सो करिस्सइ उज्जोय, सव्वलोयम्मि पाणिण ॥ ७६ ॥
भाणू य इइ के वुत्ते, केसी गोयममब्बवी। केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ७७ ॥
उग्गओ खीणससारो, सव्वन्नू जिणभक्खरो। सो करिस्सइ उज्जोय, सव्वलोयम्मि पाणिण ॥ ७८ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ७९ ॥
सारीरमाणसे दुक्खे, बज्झमाणाण पाणिण। खेम सिवमणाबाह, ठाण कि मन्नसी मुणी ॥ ८० ॥
अत्थि एग धुव ठाण, लोगग्गम्मि दुरारुह। जत्थ नत्थि जरा मच्चू, वाहिणो वेयणा तहा ॥ ८१ ॥
ठाणे य इइ के वुत्ते, केसी गोयममब्बवी। केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ८२ ॥
निव्वाण ति अबाह ति, सिद्धी लोगग्गमेव य। खेम सिव अणाबाह, ज चरति महेसिणो ॥ ८३ ॥
त ठाण सासय वास, लोयग्गम्मि दुरारुह। ज सपत्ता न सोयन्ति, भवोहन्तकरा मुणी ॥ ८४ ॥
साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। नमो ते ससयातीत, सव्वसुत्तमहोयही ॥ ८५ ॥
एव तु ससए छिन्ने, केसी घोरपरक्कमे। अभिवन्दित्ता सिरसा, गोयम तु महायस ॥ ८६ ॥
पचमहव्वयधम्म, पडिवज्जइ भावओ। पुरिमस्स पच्छिमम्मि, मग्गे तत्थ सुहावहे ॥ ८७ ॥
केसीगोयमओ निच्च, तम्मि आसि समागम। सुयसीलसमुक्कसो, महत्थत्थविणिच्छओ ॥ ८८ ॥
तोसिया परिसा सव्वा, सम्मग्ग समुवट्ठिया। सथुया ते पसीयन्तु भयव केसिगोयमे ॥ ८९ ॥

त्ति बेमि ॥ केसिगोयमिज्ज समत्त ॥ २३ ॥

॥ अह समिईओ चउवीसइम अज्झयणं ॥

अट्ठ पवयणमायाओ, समिई गुत्ती तहेव य । पचेव य समिइओ, तओ गुत्तीउ आहीया ॥ १ ॥
इरियाभासेसणादाणे, उच्चारे समिई इय । मणगुत्ती वयगुत्ती, कायगुत्ती य अट्ठमा ॥ २ ॥
एयाओ अट्ठ समिइओ, समासेण वियाहिया । दुवालसग जिणक्खाय, माय जत्थ उ पवयण ॥ ३ ॥
आलम्बणेण कालेण, मग्गेण जयणाय य । चउकारणपरिसुद्ध, सजए इरियं रिए ॥ ४ ॥
तत्थ आलम्बण नाण दसण चरण तहा । काले य दिवसे वुत्ते, मग्गे उप्पहवज्जिए ॥ ५ ॥
दव्वओ खेत्तओ चेव, कालओ भावओ तहा । जायणा चउव्विहा वुत्ता, त मे कित्तयओ सुण ॥ ६ ॥
दव्वओ चक्खुसा पेहे, जुगमित्त च खेत्तओ । कालओ जाव रीइज्जा, उवउत्ते य भावओ ॥ ७ ॥
इन्दियत्थे विवज्जित्ता, सज्झाय चेव पचहा । तम्मुत्ती तप्पुरक्कारे, उवउत्ते रिय रिए ॥ ८ ॥
कोहे माणे य मायाए, लोभे य उवउत्तया । हासे भए मोहरिए, विकहासु तहेव य ॥ ९ ॥
एयाइ अट्ठ ठाणाइ, परिवज्जित्तु सजए । असावज्ज मिय काले, भास भासिज्ज पन्नव ॥ १० ॥
गवेसणाए गहणे य, परिभोगेसणाय य । आहारोवहिसेज्जाए, एए तिन्नि विसोहए ॥ ११ ॥
उग्गमुप्पायण पढम, बीए सोहेज्ज एसण । परिभोयम्मि चउक्क, विसोहेज्ज जय जइ ॥ १२ ॥
ओहोवहोवग्गहिय, भण्डग दुविह मुणी । गिण्हन्तो निक्खिवन्तो वा, पउजेज्ज इम विहिं ॥ १३ ॥
चक्खुसा पडिलेहित्ता, पमज्जेज्ज जय जइ । आइए निक्खिवेज्जा वा, दुहओ वि समिए सया ॥ १४ ॥
उच्चार पासवण, खेल सिंघाणजल्लिय । आहार उवहिं देह, अन्न वावि तहाविह ॥ १५ ॥
अणावायमसलोए, अणावाए चेव होइ सलोए । आवायमसलोए, आवाए चेव सलोए ॥ १६ ॥
अणावायमसलोए, परस्सणुवघाइए । समे अज्झुसिरे यावि, अचिरकालकयम्मि य ॥ १७ ॥
विच्छिण्णे दूरमोगाढे, नासन्ने बिलवज्जिए । तसपाणबीयरहिए, उच्चाराइणि वोसिरे ॥ १८ ॥
एयाओ पञ्च समिइओ, समासेण वियाहिया । एत्तो य तओ गुत्तीओ, वोच्छामि अणुपुव्वसो ॥ १९ ॥
सच्चा तहेव मोसा य, सच्चामोसा तहेव य । चउत्थी असच्चमोसा य, मणगुत्तीओ चउव्विहा ॥ २० ॥
सरम्भसमारम्भे, आरम्भे य तहेव य । मण पवत्तमाण तु, नियत्तेज्ज जय जई ॥ २१ ॥
सच्चा तहेव मोसा य, सच्चामोसा तहेव य । चउत्थी असच्चमोसा य, वइगुत्ती चउव्विहा ॥ २२ ॥
सरम्भसमारम्भे आरम्भे य तहेव य । वय पवत्तमाण तु, नियत्तेज्ज जय जई ॥ २३ ॥
ठाणे निसीयणे चेव, तहेव य तुयट्टणे । उल्लघणपल्लघणे, इन्दियाण य जुजणे ॥ २४ ॥
सरम्भसमारम्भे, आरम्भम्मि तहेव य । काय पवत्तमाण तु नियत्तेज्ज जय जई ॥ २५ ॥
एयाओ पञ्च समिईओ, चरणस्स य पवत्तणे । गुत्ती नियत्तणे वुत्ता, असुभत्थेसु सव्वसो ॥ २६ ॥
एसा पवयणमाया, जे सम्म आयरे मुणी । खिप्प सव्वससारा, विप्पमुच्चइ पण्डिए ॥ २७

त्ति बेमि ॥ इअ समिईओ समत्ताओ

॥ अह जन्नइज्ज पञ्चवीसइम अज्झयण ॥

माहणकुलसंभूओ, आसि विप्पो महायसो। जायाई जमजन्नम्मि, जयघोसि त्ति नामओ ॥ १ ॥
इन्दियग्गामनिग्गाही, मग्गगामी महामुणी। गामाणुग्गाम रीयंते, पत्ते वाणारसिं पुरिं ॥ २ ॥
वाणारसीए बहिया, उज्जाणम्मि मणोरमे। फासुए सेज्जसथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ३ ॥
अह तेणेव कालेण, पुरीए तत्थ माहणे। विजयघोसि त्ति नामेण, जन्न जयइ वेयवी ॥ ४ ॥
अह से तत्थ अणगारे, मासक्खमणपारणे। विजयघोसस्स जन्नम्मि, भिक्खमट्ठा उवट्ठिए ॥ ५ ॥
समुवट्ठियं तहिं संत, जायगो पडिसेहए। न हु दाहामि ते भिक्खं, भिक्खू जायाहि अन्नओ ॥ ६ ॥
जे य वेयविऊ विप्पा, जन्नट्ठा य जे दिया। जोइसंगविऊ जे य, जे य धम्माण पारगा ॥ ७ ॥
जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य। तेसिं अन्नमिणं देयं, भो भिक्खू सव्वकामियं ॥ ८ ॥
सो तत्थ एव पडिसिद्धो, जायगेण महामुणी। न वि रुट्ठो न वि तुट्ठो, उत्तिमट्ठगवेसओ ॥ ९ ॥
नन्नट्ठं पाणहेउं वा, न वि निव्वाहणाय वा। तेसिं विमोक्खणट्ठाए, इणं वयणमब्बवी ॥ १० ॥
न वि जाणसि वेयमुहं, न वि जन्नाण जं मुहं। नक्खत्ताण मुहं जं च, जं च धम्माण वा मुहं ॥ ११ ॥
जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य। न ते तुमं वियाणासि, अह जाणासि तो भण ॥ १२ ॥
तस्सक्खेवपमोक्खं तु, अचयन्तो तहिं दिओ। सपरिसो पंजली होउं, पुच्छई तं महामुणिं ॥ १३ ॥
वेयाण च मुहं बूहि, बूहि जन्नाण जं मुहं। नक्खत्ताण मुहं बूहि, बूहि धम्माण वा मुहं ॥ १४ ॥
जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य। एयं मे संसयं सव्वं, साहू कहसु पुच्छिओ ॥ १५ ॥
अग्गिहुत्तमुहा वेया, जन्नट्ठी वेयसा मुहं। नक्खत्ताण मुहं चन्दो, धम्माणं कासवो मुहं ॥ १६ ॥
जहा चंद गहाईया, चिट्ठन्ती पंजलीउडा। वन्दमाणा नमंसन्ता, उत्तमं मणहारिणो ॥ १७ ॥
अजाणगा जन्नवाई, विज्जामाहणसंपया। गूढा सज्झायतवसा, भासच्छन्ना इवग्गिणो ॥ १८ ॥
जो लोए बम्भणो वुत्तो, अग्गीव महिओ जहा। सया कुसलसंदिट्ठं, तं वयं बूम माहणं ॥ १९ ॥
जो न सज्जइ आगन्तुं, पव्वयन्तो न सोयई। रमए अज्जवयणम्मि, तं वयं बूम माहणं ॥ २० ॥
जायरूवं जहामट्ठं, निद्धन्तमलपावगं। रागदोसभयाईयं, तं वयं बूम माहणं ॥ २१ ॥
तवस्सियं किसं दन्तं अवचियमंससोणियं। सुव्वयं पत्तनिव्वाणं, तं वयं बूम माहणं ॥ २२ ॥
तसपाणे वियाणेत्ता, संगहेण य थावरे। जो न हिंसइ तिविहेण, तं वयं बूम माहणं ॥ २३ ॥
कोहा वा जइ वा हासा, लोहा वा जइ वा भया। मुसं न वयई जो उ, तं वयं बूम माहणं ॥ २४ ॥
चित्तमन्तमचित्तं वा, अप्पं वा जइ वा बहुं। न गिण्हाइ अदत्तं जे, तं वयं बूम माहणं ॥ २५ ॥
दिव्वमाणुसतेरिच्छं, जो न सेवइ मेहुणं। मणसा कायवक्केणं, तं वयं बूम माहणं ॥ २६ ॥
जहा पोमं जले जायं, नोवलिप्पइ वारिणा। एवं अलित्तं कामेहिं, तं वयं बूम माहणं ॥ २७ ॥
अलोलुयं मुहाजीविं, अणगारं अकिंचणं। असंसत्तं गिहत्थेसु, तं वयं बूम माहणं ॥ २८ ॥
जहित्ता पुव्वसंजोगं नाइसंगे य बन्धवे। जो न सज्जइ भोगेसु, तं वयं बूम माहणं ॥ २९ ॥
पसुबन्धा सव्ववेया य, जट्ठं च पावकम्मुणा। न तं तायन्ति दुस्सीलं, कम्माणि बलवन्ति हि ॥ ३० ॥

न वि मुण्डिएण समणो, न आकारेण बम्भणो । न मुणी रण्णवासेण, कुसचीरेण तावसो ॥ ३१ ॥
समयाए समणो होइ बम्भचेरेण बम्भणो । नाणेण उ मुणी होइ, तवेण होइ तावसो ॥ ३२ ॥
कम्मुणा बम्भणो होइ, कम्मुणा होइ खत्तिओ । वइसो कम्मुणा होइ, सुद्दो हवइ कम्मुणा ॥ ३३ ॥
एए पाउकरे बुद्धे जेहिं होइ सिणायओ । सव्वकम्मविणिम्मुक्कं, तं वयं बूम माहणं ॥ ३४ ॥
एवं गुणसमाउत्ता जे भवन्ति दिउत्तमा । ते समत्था उ उद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य ॥ ३५ ॥
एवं तु ससए छिन्ने, विजयघोसे य माहणे । समुदाय तयं तं तु, जयघोसं महामुणिं ॥ ३६ ॥
तुट्ठे य विजयघोसे, इणमुदाहु कयंजली । माहणत्तं जहाभूयं, सुट्ठु मे उवदंसियं ॥ ३७ ॥
तुब्भे जइया जन्नाणं, तुब्भे वेयविऊ विऊ । जो सगविऊ तुब्भे, तुब्भे धम्माण पारगा ॥ ३८ ॥
तुब्भे समत्था उद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य । तमणुग्गहं करेहम्हं भिक्खेण भिक्खु उत्तमा ॥ ३९ ॥
न कज्जं मज्झ भिक्खेण, खिप्पं निक्खमसू दिया । मा भमिहिसि भयावट्टे घोरे संसारसागरे ॥ ४० ॥
उवलेवो होइ भोगेसु अभोगी नोवलिप्पई । भोगी भमइ संसारे, अभोगी विप्पमुच्चई ॥ ४१ ॥
उल्लो सुक्को य दो छूढा गोलया मट्टियामया । दो वि आवडिया कुड्डे, जो उल्लो सोऽत्थ लग्गइ ॥ ४२ ॥
एवं लग्गन्ति दुम्मेहा, जे नरा कामलालसा । विरत्ता उ न लग्गन्ति, जहा से सुक्कगोलए ॥ ४३ ॥
एवं से विजयघोसे, जयघोसस्स अन्तिए । अणगारस्स निक्खन्तो, धम्मं सोच्चा अणुत्तरं ॥ ४४ ॥
खवित्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य । जयघोसविजयघोसा, सिद्धिं पत्ता अणुत्तरं ॥ ४५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ जन्नइज्जं समत्तं ॥ २५ ॥

॥ अह सामायारी छब्बीसइमं अज्झयणं ॥

सामायारिं पवक्खामि, सव्वदुक्खविमोक्खणिं । जं चरित्ताण निग्गन्था, तिण्णा संसारसागरं ॥ १ ॥
पढमा आवस्सिया नाम, बिइया य निसीहिया । आपुच्छणा य तइया, चउत्थी पडिपुच्छणा ॥ २ ॥
पंचमी छंदणा नाम इच्छाकारो य छट्ठओ । सत्तमो मिच्छकारो य, तहक्कारो य अट्ठमो ॥ ३ ॥
अब्भुट्ठाणं च नवमं, दसमी उवसंपदा । एसा दसंगा साहूणं, सामायारी पवेइया ॥ ४ ॥
गमणे आवस्सियं कुज्जा, ठाणे कुज्जा निसीहियं । आपुच्छणा सयंकरणे, परकरणे पडिपुच्छणा ॥ ५ ॥
छन्दणा दव्वजाएणं, इच्छाकारो य सारणे । मिच्छाकारो य निन्दाए, तहक्कारो पडिस्सुए ॥ ६ ॥
अब्भुट्ठाणं गुरूपूया, अच्छणे उवसंपदा । एवं दुपंचसंजुत्ता, सामायारी पवेइया ॥ ७ ॥
पुव्विल्लम्मि चउब्भाए, आइच्चम्मि समुट्ठिए । भण्डयं पडिलेहित्ता, वन्दित्ता य तओ गुरुं ॥ ८ ॥
पुच्छिज्ज पंजलीउडो, किं कायव्वं मए इह । इच्छं निओइउं भंते, वेयावच्चे व सज्झाए ॥ ९ ॥
वेयावच्चे निउत्तेण, कायव्वं अगिलायओ । सज्झाए वा निउत्तेण, सव्वदुक्खविमोक्खणे ॥ १० ॥
दिवसस्स चउरो भागे, भिक्खू कुज्जा वियक्खणो । तओ उत्तरगुणे कुज्जा, दिणभागेसु चउसु वि ॥ ११ ॥
पढमं पोरिसिं सज्झायं, बीयं झाणं झियायई । तइयाए भिक्खायरियं, पुणो चउत्थीइ सज्झायं ॥ १२ ॥
आसाढे मासे दुपया, पोसे मासे चउप्पया । चित्तासोएसु मासेसु, तिप्पया हवइ पोरिसी ॥ १३ ॥
अंगुलं सत्तरत्तेणं, पक्खेण च दुरंगुलं । वड्ढए हायए वावि, मासेणं चउरंगुलं ॥ १४ ॥

आसाढबहुलपक्खे, भद्दवए कत्तिए य पोसे य। फग्गुणवइसाहेसु य, बोद्धव्वा ओमरत्ताओ ॥ १५ ॥
जेट्ठामूले आसाढसावणे, छहिं अंगुलेहिं पडिलेहा। अट्ठहिं बीयतम्मि तइए दस अट्ठहिं चउत्थे ॥ १६ ॥
रत्तिं पि चउरो भागे, भिक्खू कुज्जा वियक्खणो। तओ उत्तरगुणे कुज्जा, राइभाएसु चउसु वि ॥ १७ ॥
पढमं पोरिसि सज्झायं, बीयं झाणं झियायई। तइयाए निद्दमोक्खं तु चउत्थी भुज्जो वि सज्झायं ॥ १८ ॥
जं नेइ जया रत्तिं, नक्खत्तं तम्मि नहचउब्भाए। संपत्ते विरमेज्जा, सज्झायं पओसकालम्मि ॥ १९ ॥
तम्मेव य नक्खत्ते, गयणचउब्भागसावसेसम्मि। वेरत्तियं पि कालं, पडिलेहित्ता मुणी कुज्जा ॥ २० ॥
पुव्विल्लम्मि चउब्भाए, पडिलेहित्ताण भण्डयं। गुरुं वन्दित्तु सज्झायं कुज्जा दुक्खविमोक्खणं ॥ २१ ॥
पोरिसीए चउब्भाए, वन्दित्ताण तओ गुरुं। अपडिक्कमित्ता कालस्स, भायणं पडिलेहए ॥ २२ ॥
मुहपोत्तिं पडिलेहित्ता, पडिलेहिज्ज गोच्छगं। गोच्छगलइयंगुलिओ, वत्थाइं पडिलेहए ॥ २३ ॥
उड्ढं थिरं अतुरियं, पुव्वं ता वत्थमेव पडिलेहे। तो बिइयं पप्फोडे, तइयं च पुणो पमज्जिज्जा ॥ २४ ॥
अणच्चावियं अवलियं, अणाणुबन्धिममोसलिं चेव। छप्पुरिमा नव खोडा, पाणीपाणिविसोहणं ॥ २५ ॥
आरभडा सम्मद्दा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया। पप्फोडणा चउत्थी, विक्खित्ता वेइया छट्ठी ॥ २६ ॥
पसिढिलपलम्बलोला, एगामोसा अणेगरूवधुणा। कुणइ पमाणिपमायं, संकियगणणोवगं कुज्जा ॥ २७ ॥
अणूणाइरित्तपडिलेहा, अविवच्चासा तहेव य। पढमं पयं पसत्थं, सेसाणि य अप्पसत्थाइं ॥ २८ ॥
पडिलेहणं कुणन्तो, मिहो कहं कुणइ जणवयकहं वा। देइ व पच्चक्खाणं, वाएइ सयं पडिच्छइ वा ॥ २९ ॥
पुढवीआउक्काए, तेऊवाऊवणस्सइतसाणं। पडिलेहणापमत्तो, छण्हं पि विराहओ होइ ॥ ३० ॥
पुढवीआउक्काए, तेऊवाऊवणस्सइतसाणं। पडिलेहणाआउत्तो, छण्हं संरक्खओ होइ ॥ ३१ ॥
तइयाए पोरिसीए, भत्तं पाणं गवेसए। छण्हं अन्नयराए, कारणम्मि समुट्ठिए ॥ ३२ ॥
वेयण वेयावच्चे, इरियट्ठाए य संजमट्ठाए। तह पाणवत्तियाए, छट्ठं पुण धम्मचिन्ताए ॥ ३३ ॥
निग्गन्थो धिइमन्तो निग्गन्थी वि न करेज्ज छहिं चेव। ठाणेहिं उ इमेहिं, अणइक्कमणाइ से होइ ॥ ३४ ॥
आयंके उवसग्गे, तितिक्खया बम्भचेरगुत्तीसु। पाणिदया तवहेउं, सरीरवोच्छेयणट्ठाए ॥ ३५ ॥
अवसेसं भण्डगं गिज्झ, चक्खुसा पडिलेहए। परमद्धजोयणाओ, विहारं विहरए मुणी ॥ ३६ ॥
चउत्थीए पोरिसीए, निक्खिवित्ताण भायणं। सज्झायं तओ कुज्जा, सव्वभावविभावणं ॥ ३७ ॥
पोरिसीए चउब्भाए, वन्दित्ताण तओ गुरुं। पडिक्कमित्ता कालस्स, सेज्जं तु पडिलेहए ॥ ३८ ॥
पासवणुच्चारभूमिं च, पडिलेहिज्ज जयं जई। काउस्सग्गं तओ कुज्जा, सव्वदुक्खविमोक्खणं ॥ ३९ ॥
देवसियं च अईयारं, चिन्तिज्जा अणुपुव्वसो। नाणे य दंसणे चेव, चरित्तम्मि तहेव य ॥ ४० ॥
पारियकाउस्सग्गो, वन्दित्ताण तओ गुरुं। देसियं तु अईयारं, आलोएज्ज जहक्कमं ॥ ४१ ॥
पडिक्कमित्तु निस्सल्लो, वन्दित्ताण तओ गुरुं। काउस्सग्गं तओ कुज्जा, सव्वदुक्खविमोक्खणं ॥ ४२ ॥
पारियकाउस्सग्गो, वन्दित्ताण तओ गुरुं। थुइमंगलं च काऊण, कालं संपडिलेहए ॥ ४३ ॥
पढमं पोरिसि सज्झायं, बितियं झाणं झियायई। तइयाए निद्दमोक्खं तु, सज्झायं तु चउत्थिए ॥ ४४ ॥
पोरिसीए चउत्थीए, कालं तु पडिलेहिया। सज्झायं तु तओ कुज्जा, अबोहन्तो असंजए ॥ ४५ ॥
पोरिसीए चउब्भाए, वन्दिऊण तओ गुरुं। पडिक्कमित्तु कालस्स, कालं तु पडिलेहए ॥ ४६ ॥
आगए कायवोस्सग्गे, सव्वदुक्खविमोक्खणे। काउस्सग्गं तओ कुज्जा सव्वदुक्खविमोक्खणं ॥ ४७ ॥

राइय च अईयर, चिन्तिज्ज अणुपुव्वसो। नाणमि दसणमि य, चरित्तमि तवमि य ॥ ४८ ॥
पारियकाउस्सग्गो, वन्दित्ताण तओ गुरु। राइय तु अईयार, आलोएज्ज जहक्कम्म ॥ ४९ ॥
पडिकमित्तु निस्सल्लो, वन्दित्ताण तओ गुरु। काउस्सग्ग तओ कुज्जा, सव्वदुक्खण ॥ ५० ॥
किं तव पडिवज्जामि, एव तत्थ विचिन्तए। काउस्सग्ग तु पारित्ता, वन्दई य तओ गुरु ॥ ५१ ॥
पारियकाउस्सग्गो, वन्दित्ताण तओ गुरु। तव तु पडिवज्जेज्जा, कुज्जा सिद्धाण सथव ॥ ५२ ॥
एसा सामायारी, समासेण वियाहिया। ज चरित्ता बहू जीवा, तिण्णा ससारसागर ॥ ५३ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ सामायारी समत्ता ॥ २६ ॥

॥ अह खलुंकिज्ज सत्तवीसइम अज्झयण ॥

थेरे गणहरे गग्गे, मुणी आसि विसारए। आइण्णे गणिभावम्मि, समाहिं पडिसधए ॥ १ ॥
वहणे वहमाणस्स कन्तर अइवत्तई। जोगे वहमाणस्स, ससारो अइवत्तई ॥ २ ॥
खलुके जो उ जोएइ, विहम्माणो किलिस्सई। असमाहिं ज वेएइ, तोत्तओ से य भज्जई ॥ ३ ॥
एग डसइ पुच्छम्मि, एग विन्धइऽभिक्खण। एगो भजइ समिल, एगो उप्पहपट्ठिओ ॥ ४ ॥
एगो पडइ पासेण, निवसइ निवज्जई। उक्कुद्दइ उप्फिडइ, सढे बालगवी वए ॥ ५ ॥
माई मुद्धेण पडइ, कुद्धे गच्छे पडिप्पह। मयलक्खेण चिट्ठई, वेगेण य पहावई ॥ ६ ॥
छिन्नाले छिन्दई सेल्लिं, दुद्दन्तो भजए जुग। सेवि य सुस्सुयाइत्ता, उज्जहित्ता पलायए ॥ ७ ॥
खलुका जारिसा जोज्जा, दुस्सीसा वि हु तारिसा। जोइया धम्मजाणम्मि, भजन्ती धिइदुब्बला ॥ ८ ॥
इड्ढीगारविए एगे, एगेऽत्थ रसगारवे। सायागारविए एगे, एगे सुचिरकोहणे ॥ ९ ॥
भिक्खालसिए एगे, एगे ओमाणभीरुए। थद्धे एगे अणुसासम्मी, हेऊहिं कारणेहि य ॥ १० ॥
सो वि अन्तरभासिल्लो, दोसमेव पकुव्वई। आयरियाण तु वयण, पडिकूलेइऽभिक्खण ॥ ११ ॥
न सा मम वियाणाइ, न य सा मज्झ दाहिई। निग्गया होहिई मन्ने, साहू अन्नोत्थ वच्चउ ॥ १२ ॥
पेसिया पलिउचन्ति, ते परियन्ति, समन्तओ। रायवेट्ठिं च मन्नन्ता, करेन्ति भिउडिं मुहे ॥ १३ ॥
वाइया सगहिया चेव, भत्तपाणेण पोसिया। जायपक्खा जहा हसा, पक्कमन्ति दिसो दिसिं ॥ १४ ॥
अह सारही विचिन्तेइ, खलुकेहिं समागओ। किं मज्झ दुट्ठसीसेहिं, अप्पा मे अवसीयई ॥ १५ ॥
जारिसा मम सीसाओ, तारिसा गलिगद्दहा। गलिगद्दहे जहित्ताण, दढ पगिण्हई तव ॥ १६ ॥
मिउमद्दवसपन्नो, गम्भीरो सुसमाहिओ। विहरइ महिं महप्पा, सीलभूएण अप्पणा ॥ १७ ॥

त्ति बेमि ॥ खलुंकिज्ज समत्त ॥ २७ ॥

॥ अह मोक्खमग्गगई अट्ठावीसइमं अज्झयणं ॥

मोक्खमग्गगइं तच्चं, सुणेह जिणभासियं । चउकारणसंजुत्तं, नाणदंसणलक्खणं ॥ १ ॥
नाणं च दंसणं चेव, चरित्तं च तवो तहा । एस मग्गु त्ति पन्नत्तो, जिणेहिं वरदंसिहिं ॥ २ ॥
नाणं च दंसणं चेव, चरित्तं च तवो तहा । एयमग्गमणुप्पत्ता, जीवा गच्छन्ति सोग्गइं ॥ ३ ॥
तत्थ पंचविहं नाणं, सुयं आभिनिबोहियं । ओहिनाणं तु तइयं, मणनाणं च केवलं ॥ ४ ॥
एयं पंचविहं नाणं, दव्वाण य गुणाण य । पज्जवाणं य सव्वेसिं, नाणं नाणीहिं दंसियं ॥ ५ ॥
गुणाणमासओ दव्वं, एगदव्वस्सिया गुणा । लक्खणं पज्जवाणं तु उभओ अस्सिया भवे ॥ ६ ॥
धम्मो अहम्मो आगासं, कालो पुग्गल जन्तवो । एस लोगो त्ति पन्नत्तो, जिणेहिं वरदंसिहिं ॥ ७ ॥
धम्मो अहम्मो आगासं, दव्वं इक्किक्कमाहियं । अणन्ताणि य दव्वाणि, कालो, पुग्गलजन्तवो ॥ ८ ॥
गइलक्खणो उ धम्मो, अहम्मो ठाणलक्खणो । भायणं सव्वदव्वाणं, नहं ओगाहलक्खणं ॥ ९ ॥
वत्तणालक्खणो कालो, जीवो उवओगलक्खणो । नाणेणं दंसणेणं च, सुहेण य दुहेण य ॥ १० ॥
नाणं च दंसणं चेव, चरित्तं च तवो तहा । वीरियं उवओगो य, एयं जीवस्स लक्खणं ॥ ११ ॥
सद्दन्धयार उज्जोओ, पहा छाया तवे इ वा । वण्णरसगन्धफासा, पुग्गलाणं तु लक्खणं ॥ १२ ॥
एगत्तं च पुहत्तं च, संखा संठाणमेव य । संजोगा य विभागा य, पज्जवाणं तु लक्खणं ॥ १३ ॥
जीवाजीवा य बन्धो य, पुण्णं पावासवा तहा । संवरो निज्जरा मोक्खो, सन्तेए तहिया नव ॥ १४ ॥
तहियाणं तु भावाणं, सब्भावे उवएसणं । भावेणं सद्दहन्तस्स, सम्मत्तं तं वियाहियं ॥ १५ ॥
निसग्गुवएसरुई, आणरुई सुत्त बीयरुइमेव । अभिगम वित्थाररुई, किरिया संखेव धम्मरुई ॥ १६ ॥
भूयत्थेणाहिगया, जीवाजीवा य पुण्णपावं च । सहसम्मुइयासवसंवरो य रोएइ उ निस्सग्गो ॥ १७ ॥
जो जिणदिट्ठे भावे, चउव्विहे सद्दहाइ सयमेव । एमेव नन्नह त्ति य, स निसग्गरुइ त्ति नायव्वो ॥ १८ ॥
एए चेव उ भावे, उवइट्ठे जो परेण सद्दहइ । छउमत्थेण जिणेण व, उवएसरुइ त्ति नायव्वो ॥ १९ ॥
रागो दोसो मोहो, अन्नाणं जस्स अवगयं होइ । आणाए रोयंतो, सो खलु आणारुई नाम ॥ २० ॥
जो सुत्तमहिज्जन्तो, सुएण ओगाहई उ सम्मत्तं । अंगेण बाहिरेण व, सो सुत्तरुइ त्ति नायव्वो ॥ २१ ॥
एगेण अणेगाइं, पयाइं जो पसरई उ सम्मत्तं । उदए व्व तेल्लबिन्दू, सो बीयरुइ त्ति नायव्वो ॥ २२ ॥
सो होइ अभिगमरुई, सुयनाणं जेण अत्थओ दिट्ठं । एक्कारस अंगाइं, पइण्णगं दिट्ठिवाओ य ॥ २३ ॥
दव्वाण सव्वभावा, सव्वपमाणेहिं जस्स उवलद्धा । सव्वाहि नयविहीहि, वित्थाररुइ त्ति नायव्वो ॥ २४ ॥
दंसणनाणचरित्ते, तवविणए सच्चसमिइगुत्तीसु । जो किरियाभावरुई, सो खलु किरियारुई नाम ॥ २५ ॥
अणभिग्गहियकुदिट्ठी संखेवरुइ त्ति होइ नायव्वो । अविसारओ पवयणे, अणभिग्गहिओ य सेसेसु ॥ २६ ॥
जो अत्थिकायधम्मं, सुयधम्मं खलु चरित्तधम्मं च । सद्दहइ जिणाभिहियं, सो धम्मरुइ त्ति नायव्वो ॥ २७ ॥
परमत्थसंथवो वा, सुदिट्ठपरमत्थसेवणं वा वि । वावन्नकुदंसणवज्जणा, य सम्मत्तसद्दहणा ॥ २८ ॥
नत्थि चरित्तं सम्मत्तविहूणं, दंसणे उ भइयव्वं । सम्मत्तचरित्ताइं, जुगवं पुव्वं व सम्मत्तं ॥ २९ ॥
नादंसणिस्स नाणं, नाणेण विणा न हुन्ति चरणगुणा ।
अगुणिस्स नत्थि मोक्खो, नत्थि अमोक्खस्स निव्वाणं ॥ ३० ॥

निस्संकिय निक्कंखिय निव्वितिच्छा अमूढदिट्ठी य । उववूह थिरीकरणे, वच्छल पभावणे अट्ठ ॥ ३१ ॥
सामाइयत्थ पढमं, छेओवट्ठावणं भवे बीयं । परिहारविसुद्धीयं, सुहुमं तह संपरायं च ॥ ३२ ॥
अकसायमहक्खायं, छउमत्थस्स जिणस्स वा । एयं चयरित्तकरं, चारित्तं होइ आहियं ॥ ३३ ॥
तवो य दुविहो वुत्तो, बाहिरब्भन्तरो तहा । बाहिरो छव्विहो वुत्तो, एमेवब्भन्तरो तवो ॥ ३४ ॥
नाणेण जाणई भावे, दंसणेण य सद्दहे । चरित्तेण निगिण्हाइ, तवेण परिसुज्झइ ॥ ३५ ॥
खवेत्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य । सव्वदुक्खप्पहीणट्ठा पक्कमंति महेसिणो ॥ ३६ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ मोक्खमग्गगई समत्ता ॥ २८ ॥

॥ अह सम्मत्तपरक्कम एगूणतीसइम अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं—तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु सम्मत्तपरक्कमे नाम अज्झयणे समणेण भगवया महावीरेण कासवेणं पवेइए, जं सम्मं सद्दहित्ता पत्तियाइत्ता रोयइत्ता फासित्ता पालइत्ता तीरित्ता कित्तइत्ता सोहइत्ता आराहित्ता आणाए अणुपालइत्ता बहवे जीवा सिज्झन्ति बुज्झन्ति मुच्चन्ति परिनिव्वायन्ति सव्वदुक्खाणमन्तं करन्ति । तस्स णं अयमट्ठे एवमाहिज्जइ, तंजहा—संवेगे १ निव्वेए २ धम्मसद्धा ३ गुरुसाहम्मियसुस्सूसणया ४ आलोयणया ५ निंदणया ६ गरिहणया ७ सामाइए ८ चउवीसत्थवे ९ वन्दणे १० पडिक्कमणे ११ काउस्सग्गे १२ पच्चक्खाणे १३ थवथुईमंगले १४ कालपडिलेहणया १५ पायच्छित्तकरणे १६ खमावणया १७ सज्झाए १८ वायणया १९ पडिपुच्छणया २० पडियट्टणया २१ अणुप्पेहा २२ धम्मकहा २३ सुयस्स आराहणया २४ एगग्गमणसंनिवेसणया २५ संजमे २६ तवे २७ वोदाणे २८ सुहसाए २९ अपडिबद्धया ३० विवित्तसयणासणसेवणया ३१ विणियट्टणया ३२ संभोगपच्चक्खाणे ३३ उवहिपच्चक्खाणे ३४ आहारपच्चक्खाणे ३५ कसायपच्चक्खाणे ३६ जोगपच्चक्खाणे ३७ सरीरपच्चक्खाणे ३८ सहायपच्चक्खाणे ३९ भत्तपच्चक्खाणे ४० सब्भावपच्चक्खाणे ४१ पडिरूवणया ४२ वेयावच्चे ४३ सव्वगुणसंपुण्णया ४४ वीयरागया ४५ खन्ती ४६ मुत्ती ४७ मद्दवे ४८ अज्जवे ४९ भावसच्चे ५० करणसच्चे ५१ जोगसच्चे मणगुत्तया ५३ वयगुत्तया ५४ कायगुत्तया ५५ मणसमाधारणया ५६ वयसमाधारणया ५७ कायसमाधारणया ५८ नाणसंपन्नया ५९ दंसणसंपन्नया ६० चरित्तसंपन्नया ६१ सोइन्दियनिग्गहे ६२ चक्खिन्दियनिग्गहे ६३ घाणिन्दियनिग्गहे ६४ जिब्भिन्दियनिग्गहे ६५ फासिन्दियनिग्गहे ६६ कोहविजए ६७ माणविजए ६८ मायाविजए ६९ लोहविजए ७० पेज्जदोसमिच्छादंसणविजए ७१ सेलेसी ७२ अकम्मया ॥ ७३ ॥

संवेगेणं भन्ते जीवे किं जणयइ । संवेगेणं अणुत्तरं धम्मसद्धं जणयइ । अणुत्तराए धम्मसद्धाए संवेगं हव्वमागच्छइ अणन्ताणुबन्धिकोहमाणमायालोभे खवेइ । कम्मं न बन्धइ । तप्पच्चइयं च णं मिच्छत्तविसोहिं काऊण दंसणाराहए भवइ । दंसणविसोहीए य णं विसुद्धाए अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झई । सोहीए य णं विसुद्धाए तच्चं पुणो भवग्गहणं नाइक्कमइ ॥ १ ॥ निव्वेएणं

भन्ते जीवे किं जणयइ। निव्वेएणं दिव्वमाणुसतेरिच्छिएसु कामभोगेसु निव्वेयं हव्वमागच्छइ सव्वविसएसु विरज्जइ। सव्वविसएसु विरज्जमाणे आरम्भपरिच्चायं करेइ। आरम्भपरिच्चायं करेमाणे संसारमग्गं वोच्छिन्दइ, सिद्धिमग्गं पडिवन्ने य भवइ ॥२॥ धम्मसद्धाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। धम्मसद्धाए णं सायासोक्खेसु रज्जमाणे विरज्जइ। आगारधम्मं च णं चयइ। अणगारिए णं जीवे सारीरमाणसाणं दुक्खाणं छेयणभेयणसंजोगाईणं वोच्छेयं करेइ अव्वाबाहं च सुहं निव्वत्तेइ ॥ ३ ॥ गुरुसाहम्मिय-सुस्सूसणाए णं विणयपडिवत्तिं जणयइ। विणयपडिवन्ने य णं जीवे अणच्चासायणसीले नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवदुग्गईओ निरुम्भइ। वण्णसंजलणभत्तिबहुमाणयाए मणुस्सदेवसुगईओ निबन्धइ, सिद्धिं सोग्गइं च विसोहेइ। पसत्थाइं च णं विणयमूलाइं सव्वकज्जाइं साहेइ अन्ने य बहवे जीवे विणित्ता भवइ ॥४॥ आलोयणाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। आलोयणाए णं मायानियाणमिच्छादंसणसल्लाणं मोक्खमग्गविग्घाणं अणन्तसंसारवद्धणाणं उद्धरणं करेइ। उज्जुभावं च जणयइ। उज्जुभावपडिवन्ने य णं जीवे अमाई इत्थीवेयनपुंसगवेयं च न बन्धइ। पुव्वबद्धं च णं निज्जरेइ ॥ ५ ॥ निन्दणयाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। निन्दणयाए णं पच्छाणुतावं जणयइ। पच्छाणुतावेणं विरज्जमाणे करणगुणसेढिं पडिवज्जइ। करणगुणसेढीपडिवन्ने य णं अणगारे मोहणिज्जं कम्मं उग्घाएइ ॥६॥ गरहणयाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। गरहणयाए अपुरक्कारं जणयइ। अपुरक्कारगए णं जीवे अप्पसत्थेहिंतो जोगेहिंतो नियत्तेइ पसत्थे य पडिवज्जइ। पसत्थजोगपडिवन्ने य णं अणगारे अणन्तघाइपज्जवे खवेइ ॥७॥ सामाइएणं भन्ते जीवे किं जणयइ। सामाइएणं सावज्जजोगविरइं जणयइ ॥८॥ चउव्वीसत्थएणं भन्ते जीवे किं जणयइ। च० दंसणविसोहिं जणयइ ॥९॥ वन्दणएणं भन्ते जीवे किं जणयइ। व० नीयागोयं कम्मं खवेइ। उच्चागोयं कम्मं निबन्धइ सोहग्गं च णं अपडिहयं आणाफलं निव्वत्तेइ। दाहिणभावं च णं जणयइ ॥१०॥ पडिक्कमणेणं भन्ते जीवे किं जणयइ। प० वयछिद्दाणि पिहेइ। पिहियवयछिद्दे पुण जीवे निरुद्धासवे असबलचरित्ते अट्ठसु पवयणमायासु उवउत्ते अपुहत्ते सुप्पणिहिइन्दिए विहरइ ॥ ११ ॥ काउस्सग्गेणं भन्ते जीवे किं जणयइ। का० तीयपडुप्पन्नं पायच्छित्तं विसोहेइ। विसुद्धपायच्छित्ते य जीवे निव्वुयहियए ओहरियभरु व्व भारवहे पसत्थज्झाणोवगए सुहंसुहेणं विहरइ ॥ १२ ॥ पच्चक्खाणेणं भन्ते जीवे किं जणयइ। प० आसवदाराइं निरुम्भइ। पच्चक्खाणेणं इच्छानिरोहं जणयइ। इच्छानिरोहं गए य णं जीवे सव्वदव्वेसु विणीयतण्हे सीइभूए विहरइ ॥ १३ ॥ थवथुइमङ्गलेणं भन्ते जीवे किं जणयइ। थ० नाणदंसणचरित्तबोहिलाभं जणयइ। नाणदंसणचरित्तबोहिलाभसंपन्ने य णं जीवे अन्तकिरियं कप्पविमाणोववत्तिगं आराहणं आराहेइ ॥ १४ ॥ कालपडिलेहणयाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। का० नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ ॥ १५ ॥ पायच्छित्तकरणेणं भन्ते जीवे किं जणयइ। पा० पावकम्मविसोहिं जणयइ निरइयारे यावि भवइ। सम्मं च णं पायच्छित्तं पडिवज्जमाणे मग्गं च मग्गफलं च विसोहेइ आयारं च आयारफलं च आराहेइ ॥ १६ ॥ खमावणयाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। ख० पल्हायणभावं जणयइ। पल्हायणभावमुवगए य सव्वपाणभूयजीवसत्तेसु मेत्तीभावमुप्पाएइ। मेत्तीभावमुवगए यावि जीवे भावविसोहिं काऊण निब्भए भवइ ॥१७॥ सज्झाएणं भन्ते जीवे किं जणयइ। स० नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ ॥ १८ ॥ वायणाए णं भन्ते जीवे किं जणयइ। वा० निज्जरं जणयइ सुयस्स य अणासायणाए

जहा सूई ससुत्ता न विणस्सइ तहा जीवे ससुत्ते ससारे न विणस्सइ, नाणविणयतवचरित्तजोगे सपाउणइ, ससमयपरसमयविसारए य असघायणिज्जे भवइ ॥ ५९ ॥ दसणसपन्नयाए ण भते जीवे किं जणयइ । द० भवमिच्छत्तछेयण करेइ न विज्झायइ । पर अविज्झाएमाणे अणुत्तरेण नाणदसणेण अप्पाण सजोएमाणे सम्म भावेमाणे विहरइ ॥ ६० ॥ चरित्तसपन्नयाए ण भते जीवे कि जणयइ । च० सेलेसीभाव जणयइ । सलेसि पडिवन्ने य अणगारे चत्तारि केवलिकम्मसे खवेइ । तओ पच्छा सिज्झइ बुज्झइ मुचइ परिनिव्वायइ सव्वदुक्खाणम त करेइ ॥ ६१ ॥ सोइन्दियनिग्गहेण भ ते जीवे कि जणयइ । सो० मणुन्नामणुन्नेसु सद्देसु रागदोसनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६२ ॥ चक्खिन्दियनिग्गहेण भ ते जीवे कि जणयइ । च० मणुन्नामणुन्नेसु रूवेसु रागदोसनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६३ ॥ घाणिन्दियनिग्गहेण भ ते जीवे किं जणयइ । घा० मणुन्नामणुन्नेसु गन्धेसु रागदोसनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६४ ॥ जिब्भिन्दियनिग्गहेण भन्ते जीवे किं जणयइ । जि० मणुन्नामणुन्नेसु रसेसु रागदोसनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६५ ॥ फासिन्दियनिग्गहेण भन्ते जीवे किं जणयइ । फा० मणुन्नामणुन्नेसु फासेसु रागदोसनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६६ ॥ कोहविजएण भ ते जीवे किं जणयइ । को० खन्ति जणयइ कोहवेयणिज्ज कम्म न बन्धइ पुव्वबद्ध च निज्जरेइ । ६७॥ माणविजएण भन्ते जीवे कि जणयइ । मा० मद्दव जणयइ, माणवेयणिज्ज कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६८ ॥ मायाविजएण भन्ते जीवे किं जणयइ । मा० अज्जव जणयइ, मायावेयणिज्ज कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६९ ॥ लोभविजएण भन्ते जीवे किं जणयइ । लो० सतोस जणयइ, लोभवेयणिज्ज कम्म न बन्धइ, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥७० ॥ पिज्जदोसमिच्छादसणविजएण भन्ते जीवे किं जणयइ । पि० नाणदसणचरित्ताराहणयाए अब्भुट्ठेइ । अट्ठविहस्स कम्मस्स कम्मगण्ठिविमोयणयाए तप्पढमयाए जहाणुपुव्वीए अट्ठवीसइविह मोहणिज्ज कम्म उग्घाएइ, पञ्चविह नाणावरणिज्ज, नवविह दसणावरणिज्ज, पचविह अन्तराइय, एए तिन्नि वि कम्मसे खवेइ । तओ पच्छा अणुत्तर कसिण पडिपुण्ण निरावरण वितिमिर विसुद्ध लोगालोगप्पभाव केवलवरनाणदसण समुप्पाडेइ । जाव सजोगी भवइ, ताव ईरियावहिय कम्म निबन्धइ सुहफरिस दुसमयठिइय । त पढमसमए बद्ध, बिइयसमए वेइय, तइयसमए निज्जिण्ण, त बद्ध पुट्ठ उदीरिय वेइय निज्जिण्ण सेयाले य अकम्मया च भवइ ॥७१॥ अह आउय पालइत्ता अन्तोमुहुत्तद्धावसेसाए जोगनिरोह करेमाणे सुहुमकिरिय अप्पडिवाइ सुक्कज्झाण झायमाणे तप्पढमयाए मणजोग निरुम्भइ, वयजोग निरुम्भइ, कायजोग निरुम्भइ, आणपाणुनिरोह करेइ, इसि पचहस्सक्खरुच्चारणद्धाए य ण अणगारे समुच्छिन्नकिरिय अनियट्टिसुक्कज्झाण झियायमाणे वेयणिज्ज आउय नाम गोत्त च एए चत्तारि कम्मसे जुगव खवेइ॥७२॥ तओ ओरालियतेयकम्माइ सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहित्ता उज्जुसेढिपत्ते अफुसमाणगइ उड्ढ एगसमएण अविग्गहेण त त्थ गन्ता सागारोवउत्ते सिज्झइ बुज्झइ जाव अत करेइ ॥ ७३ ॥ एस खलु सम्मत्तपरक्कमस्स अज्झयणस्स अट्ठे समणेण भगवया महावीरेण आघविए पन्नविए परूविए दसिए उवदसिए ॥ ७४ ॥ त्ति बेमि ॥ इअ सम्मत्तपरक्कमे समत्ते ॥ २९ ॥

॥ अह तवमग्ग तीसइम अज्झयण ॥

जहा उ पावग कम्म, रागदोसर मज्जिय । खवे॰ तवसा भिक्खू, तमेगग्गमणो सुण ॥ १ ॥
पाणिवहमुसावायाअदत्तमेहुणपरिग्गहा विरओ । राइभोयणविरओ, जीवो भवइ अणासवो ॥ २ ॥
पचसमिओ तिगुत्तो, अकसाओ जिइदिओ । अगारवो य निस्सल्लो, जीवो होइ अणासवो ॥ ३ ॥
एएसि तु विवच्चासे, रागदोससमज्जिय । खवे॰ उ जहा भिक्खू, तमेगग्गमणो सुण ॥ ४ ॥
जहा महातलायस्स, सन्निरुद्धे जलागमे । उस्सिचणाए तवणाए, कमेण सोसणा भवे ॥ ५ ॥
एव तु सजयस्सावि, पावकम्मनिरासवे । भवकोडीसचिय कम्म, तवसा निज्जरिज्जइ ॥ ६ ॥
सो तवो दुविहो वुत्तो, बाहिरब्भतरो तहा । बाहिरो छव्विहो वुत्तो, एवमब्भन्तरो तवो ॥ ७ ॥
अणसणमूणोयरिया,भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ। कायकिलेसो सलीणया य बज्झो तवो होइ ॥ ८ ॥
इत्तरिय मरणकाला य, अणसणा दुविहा भवे । इत्तरिय सावकखा, निरवकखा उ बिइज्जिया ॥ ९ ॥
जो सो इत्तरियतवो, सो समासेण छव्विहो । सेढितवो पयरतवो, घणो य तह होइ वग्गो य ॥ १० ॥
तत्तो य वग्गवग्गो, पचमो छट्ठओ पइण्णतवो । मणइच्छियचित्तत्थो, नायव्वो होइ इत्तरिओ ॥ ११ ॥
जा सा अणसणा मरणे दुविहा सा वि वियाहिया। सवियारमवियारा, कायचिट्ठ पई भवे ॥ १२ ॥
अहवा सपरिकम्मा, अपरिकम्मा य आहिया । नीहारिमनीहारी, आहारच्छेओ दोसु वि ॥ १३ ॥
ओमोयरण पचहा, समासेण वियाहिय । दव्वओ खेत्तकालेण, भावेण पज्जवेहि य ॥ १४ ॥
जो जस्स उ आहारो, तत्तो ओम तु जो करे । जहन्नेणेगसित्थाई, एव दव्वेण ऊ भवे ॥ १५ ॥
गामे नगरे तह रायहाणिनिगमे य आगरे पल्ली । खेडे कब्बडदोणमुहपट्टणमडम्बसबाहे ॥ १६ ॥
आसमपए विहारे, सन्निवेसे समायघोसे य । थलिसेणाखधारे, सत्थे सवट्टकोट्टे य ॥ १७ ॥
वाडेसु व रच्छासु व, घरेसु वा एवमित्तिय खेत्त। कप्पइ उ एवमाई, एव खेत्तेण ऊ भवे ॥ १८ ॥
पेडा य अद्धपेडा, गोमुत्तिपयगवीहिया चेव । सम्बुकावट्टाययगन्तुपच्चागया छट्ठा ॥ १९ ॥
दिवसस्स पोरसीण, चउण्ह पि उ जत्तिओ भवे कालो। एव चरमाणो खलु कालोमाण मुणेयव्व ॥ २० ॥
अहवा तइयाए पोरिसीए ऊणाइ घासमेसतो । चउभागूणाए वा, एव कालेण ऊ भवे ॥ २१ ॥
इत्थी वा पुरिसो वा, अलकिओ वाऽनलकिओ वावि। अन्नयरवयत्थो वा, अन्नयरेण व वत्थेण ॥ २२ ॥
अन्नेण विसेसेण, वण्णेण भावमणुमुयन्ते उ । एव चरमाणो खलु भावोमाण मुणेयव्व ॥ २३ ॥
दव्वे खेत्ते काले, भावम्मि य आहिया उ जे भावा। एएहि ओमचरओ, पज्जवचरओ भवे भिक्खू ॥ २४ ॥
अट्ठविहगोयरग्ग तु, तहा सत्तेव एसणा । अभिग्गहा य जे अन्ने, भिक्खायरियमाहिया ॥ २५ ॥
खीरदहिसप्पिमाई, पणीय पाणभोयण । परिवज्जण रसाण तु, भणिय रसविवज्जण ॥ २६ ॥
ठाणा वीरासणाइया, जीवस्स उ सुहावहा। उग्गा जहा धरिज्जन्ति, कायकिलेस तमाहिय ॥ २७ ॥
एगन्तमणावाए, इत्थीपसुविवज्जिए । सयणासणसेवणया, विवित्तसयणासण ॥ २८ ॥
एसो बाहिरगतवो, समासेण वियाहिओ । अब्भितर तव एत्तो, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ २९ ॥
पायच्छित्त विणओ, वेयावच्च तहेव सज्झाओ । झाण च विउस्सग्गो, एसो अब्भितरो तवो ॥ ३० ॥

आलोयणारिहाईयं, पायच्छित्तं तु दसविहं । जं भिक्खू वहई सम्मं, पायच्छित्तं तमाहियं ॥ ३१ ॥
अब्भुट्ठाणं अंजलिकरणं, तहेवासणदायणं । गुरुभत्तिभावसुस्सूसा, विणओ एस वियाहिओ ॥ ३२ ॥
आयरियमाईए, वेयावच्चम्मि दसविहे । आसेवणं जहाथामं, वेयावच्चं तमाहियं ॥ ३३ ॥
वायणा पुच्छणा चेव, तहेव परियट्टणा । अणुप्पेहा धम्मकहा, सज्झाओ पञ्चहा भवे ॥ ३४ ॥
अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता, झाएज्जा सुसमाहिए । धम्मसुक्काइं झाणाइं, झाणं तं तु बुहावए ॥ ३५ ॥
सयणासणठाणे वा, जे उ भिक्खू न वावरे । कायस्स विउस्सग्गो, छट्ठो सो परिकित्तिओ ॥ ३६ ॥
एवं तवं तु दुविहं, जे सम्मं आयरे मुणी । सो खिप्पं सव्वसंसारा, विप्पमुच्चइ पण्डिओ ॥ ३७ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ तवमग्गं समत्तं ॥ ३० ॥

॥ अह चरणविही एगतीसइमं अज्झयणं ॥

चरणविहिं पवक्खामि, जीवस्स उ सुहावहं । जं चरित्ता बहू जीवा, तिण्णा संसारसागरं ॥ १ ॥
एगओ विरइं कुज्जा, एगओ य पवत्तणं । असंजमे नियत्तिं च, संजमे य पवत्तणं ॥ २ ॥
रागद्दोसे य दो पावे, पावकम्मपवत्तणे । जे भिक्खू रुम्भई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ३ ॥
दण्डाणं गारवाणं च, सल्लाणं च तियं तियं । जे भिक्खू चयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ४ ॥
दिव्वे य जे उवसग्गे, तहा तेरिच्छमाणुसे । जे भिक्खू सहई जयई, से न अच्छइ मण्डले ॥ ५ ॥
विगहाकसायसन्नाणं, झाणाणं च दुयं तहा । जे वज्जइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ६ ॥
वएसु इंदियत्थेसु, समिईसु किरियासु य । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ७ ॥
लेसासु छसु काएसु, छक्के आहारकारणे । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ८ ॥
पिण्डोग्गहपडिमासु, भयट्ठाणेसु सत्तसु । जे भिक्खू जयइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ९ ॥
मदेसु बम्भगुत्तीसु, भिक्खुधम्मम्मि दसविहे । जे भिक्खू जयइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १० ॥
उवासगाणं पडिमासु, भिक्खूणं पडिमासु य । जे भिक्खू जयइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ ११ ॥
किरियासु भूयगामेसु, परमाहम्मिएसु य । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १२ ॥
गाहासोलसएहिं, तहा असंजमम्मि य । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १३ ॥
बम्भम्मि नायज्झयणेसु, ठाणेसु य समाहिए । जे भिक्खू जयइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १४ ॥
एगवीसाए सबले, बावीसाए परीसहे । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १५ ॥
तेवीसाइ सूयगडे, रूवाहिएसु सुरेसु अ । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १६ ॥
पणुवीसभावणासु, उद्देसेसु दसाइणं । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १७ ॥
अणगारगुणेहिं च, पगप्पम्मि तहेव य । जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १८ ॥
पावसुयपसंगेसु, मोहट्ठाणेसु चेव य । जे भिक्खू जयइ निच्चं, से न अच्छइ मण्डले ॥ १९ ॥
सिद्धाइगुणजोगेसु, तेत्तीसासायणासु य । जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले ॥ २० ॥
इय एएसु ठाणेसु, जे भिक्खू जयई सया । खिप्पं सो सव्वसंसारा, विप्पमुच्चइ पण्डियो ॥ २१ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ चरणविही समत्ता ॥ ३१ ॥

॥ अह पमायट्ठाणं बत्तीसइम अज्झयण ॥

अच्चन्तकालस्स समूलगस्स सव्वस्स दुक्खस्स उ जो पमोक्खो ।
त भासओ मे पडिपुण्णचित्ता, सुणेह एगन्तहिय हियत्थ ॥ १ ॥
नाणस्स सव्वस्स पगासणाए, अन्नाणमोहस्स विवज्जणाए ।
रागस्स दोसस्स य सखएण, एगन्तसोक्ख समुवेइ मोक्ख ॥ २ ॥
तस्सेस मग्गो गुरुविद्धसेवा, विवज्जणा बालजणस्स दूरा ।
सज्झायएगन्तनिसेवणा य, सुत्तत्थसचिन्तणया धिई य ॥ ३ ॥
आहारमिच्छे मियमेसणिज्ज, सहायमिच्छे निउणत्थबुद्धिं ।
निकेयमिच्छेज्ज विवेगजोग्ग, समाहिकामे समणे तवस्सी ॥ ४ ॥
न य लभेज्जा निउण सहाय, गुणाहिय वा गुणओ सम वा ।
एक्को वि पावाइ विवज्जयन्तो, विहरेज्ज कामेसु असज्जमाणो ॥ ५ ॥
जहा य अण्डप्पभवा बलागा, अण्ड बलागप्पभव जहा य ।
एमेव मोहाययण खु तण्हा, मोह च तण्हाययण वयन्ति ॥ ६ ॥
रागो य दोसो वि य कम्मबीय, कम्म च मोहप्पभव वयन्ति ।
कम्म च जाइमरणस्स मूल, दुक्ख च जाईमरण वयन्ति ॥ ७ ॥
दुक्ख हय जस्स न होइ मोहो, मोहो हओ जस्स न होइ तण्हा ।
तण्हा हया जस्स न होइ लोहो, लोहो हओ जस्स न किंचणाइ ॥ ८ ॥
राग च दोस च तहेव मोह, उद्धत्तु कामेण समूलजाल ।
जे जे उवाया पडिवज्जियव्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणुपुव्विं ॥ ९ ॥
रसा पगाम न निसेवियव्वा, पाय रसा दित्तिकरा नराण ।
दित्त च कामा समभिद्दवन्ति, दुम जहा साउफल व पक्खी ॥ १० ॥
जहा दवग्गी पउरिन्धणे वणे, समारुओ नोवसम उवेइ ।
एविन्दियग्गी वि पगामभोइणो,न बम्भयारिस्स हियाय कस्सइ ॥११॥
विवित्तसेज्जासणजन्तियाण, ओमासणाण दमिइन्दियाण ।
न रागसत्तू धरिसेइ चित्त, पराइओ वाहिरिवोसहेहिं ॥ १२ ॥
जहा विरालावसहस्स मूले, न मूसगाण वसही पसत्था ।
एमेव इत्थीनिलयस्स मज्झे, न बम्भयारिस्स खमो निवासो ॥ १३ ॥
न रूवलावण्णविलासहास, न जंपियइंगियपेहिय वा ।
इत्थीण चित्तंसि निवेसइत्ता, दट्ठुं ववस्से समणे तवस्सी ॥ १४ ॥
अदंसण चेव अपत्थण च, अचिन्तण चेव अकित्तण च ।
इत्थीजणस्सारियज्झाणजुग्ग, हिय सया बम्भवए रयाण ॥ १५ ॥

कामं तु देवीहि विभूसियाहिं, न चाइया खोभइउं तिगुत्ता ।
तहा वि एगंतहियं ति नच्चा, विवित्तवासो मुणिणं पसत्थो ॥ १६ ॥
मोक्खाभिकंखिस्स उ माणवस्स, संसारभीरुस्स ठियस्स धम्मे ।
नेयारिसं दुत्तरमत्थि लोए, जहित्थिओ बालमणोहराओ ॥ १७ ॥
एए य संगे समइक्कमित्ता, सुदुत्तरा चेव भवंति सेसा ।
जहा महासागरमुत्तरित्ता, नई भवे अवि गंगासमाणा ॥ १८ ॥
कामाणुगिद्धिप्पभवं खु दुक्खं, सव्वस्स लोगस्स सदेवगस्स ।
जं काइयं माणसियं च किंचि, तस्सन्तगं गच्छइ वीयरागो ॥ १९ ॥
जहा य किम्पागफला मणोरमा, रसेण वण्णेण य भुज्जमाणा ।
ते खुड्डए जीविय पच्चमाणा, एओवमा कामगुणा विवागे ॥ २० ॥
जे इन्दियाणं विसया मणुन्ना, न तेसु भावं निसिरे कयाइ ।
न यामणुन्नेसु मणं पि कुज्जा, समाहिकामे समणे तवस्सी ॥ २१ ॥
चक्खुस्स चक्खुं गहणं वयन्ति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु ।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ २२ ॥
रूवस्स चक्खुं गहणं वयन्ति, चक्खुस्स रूवं गहणं वयन्ति ।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ २३ ॥
रूवेसु जो गेहिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं ।
रागाउरे से जह वा पयंगे, आलोयलोले समुवेइ मच्चुं ॥ २४ ॥
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि रूवं अवरज्झई से ॥ २५ ॥
एगन्तरत्ते रुइरंसि रूवे, अतालिसे से कुणई पओसं ।
दुक्खस्स सम्पीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ २६ ॥
रूवाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइ णेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ २७ ॥
रूवाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसंनिओगे ।
वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ २८ ॥
रूवे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ २९ ॥
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, रूवे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ३० ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो, रूवे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ३१ ॥
रूवाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि ।

तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ३२ ॥
एमेव रूवम्मि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ३३ ॥
रूवे विरत्तो-मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण ।
न लिप्पए भवमज्झे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ३४ ॥
सोयस्स सद्दं गहणं वयन्ति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु ।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ३५ ॥
सद्दस्स सोयं गहणं वयन्ति, सोयस्स सद्द-गहणं वयन्ति ।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ३६ ॥
सद्देसु जो गेहिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं ।
रागाउरे हरिणमिगे व मुद्धे सद्दे अतित्ते समुवेइ मच्चुं ॥ ३७ ॥
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि सद्दं अवरुज्झई से ॥ ३८ ॥
एगन्तरत्ते रुइरंसि सद्दे, अतालिसे से कुणइ पओसं ।
दुक्खस्स सम्पीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ३९ ॥
सद्दाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ४० ॥
सद्दाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ४१ ॥
सद्दे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ४२ ॥
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, सद्दे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ४३ ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो, सद्दे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ४४ ॥
सद्दाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि ।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ४५ ॥
एमेव सद्दम्मि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ४६ ॥
सद्दे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण ।
न लिप्पए भवमज्झे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ४७ ॥
घाणस्स गन्धं गहणं वयन्ति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु ।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ४८ ॥

गन्धस्स घाण गहण वयन्ति, घाणस्स गन्ध गहण वयन्ति ।
रागस्स हेउ समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ४९ ॥
गन्धेसु जो गेहिमुवेइ तिव्व, अकालिय पावइ से विणास ।
रागाउरे ओसहगन्धगिद्धे, सप्पे बिलाओ विव निक्खमते ॥ ५० ॥
जे यावि दोस समुवेइ तिव्व, तसिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि गन्ध अवरुज्झई से ॥ ५१ ॥
एगन्तरत्ते रुइरसि गन्धे, अतालिसे से कुणई पओस ।
दुक्खस्स सपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ५२ ॥
गन्धाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ५३ ॥
गन्धाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
वए विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ५४ ॥
ग धे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्त ॥ ५५ ॥
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, गन्धे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुस वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ५६ ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एव अदत्ताणि समाययन्तो, ग धे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ५७ ॥
ग धाणुरत्तस्स नरस्स एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किंचि ।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्ख, निव्वतई जस्स कएण दुक्ख ॥ ५८ ॥
एमेव गन्धम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ५९ ॥
गन्धे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
न लिप्पइ भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलास ॥ ६० ॥
जिब्भाए रस गहण वयन्ति, त रागहेउ तु मणुन्नमाहु ।
त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ६१ ॥
रसस्स जिब्भ गहण वयति, जिब्भाए रस गहण वयन्ति ।
रागस्स हेउ समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ६२ ॥
रसेसु जो गेहिमुवेइ तिव्व, अकालिय पावइ से विणास ।
रागाउरे बडिसविभिन्नकाए, मच्छे जहा आमिसभोगगिद्धे ॥ ६३ ॥
जे यावि दोस समुवेइ तिव्व, तसिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि रस अवरुज्झइ से ॥ ६४ ॥
एगन्तरत्ते रुइरसि रसे अतालिसे से कुणइ पओस

दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पइ तेण मुणी विरागो ॥ ६५ ॥
रसाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरेहिंसइऽणेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ६६ ॥
रसाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ६७ ॥
रसे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ६८ ॥
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, रसे अदत्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ६९ ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो, रसे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ७० ॥
रसाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि ।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ७१ ॥
एमेव रसम्मि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ७२ ॥
रसे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण ।
न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ७३ ॥
कायस्स फासं गहणं वयन्ति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु ।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ७४ ॥
फासस्स कायं गहणं वयन्ति, कायस्स फासं गहणं वयंति ।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ७५ ॥
फासेसु जो गेहिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं ।
रागाउरे सीयजलावसन्ने, गाहग्गहीए महिसे विवन्ने ॥ ७६ ॥
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि फासं अवरुज्झई से ॥ ७७ ॥
एगन्तरत्ते रुइरंसि फासे, अतालिसे से कुणई पओसं ।
दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पइ तेण मुणी विरागो ॥ ७८ ॥
फासाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरूकिलिट्ठे ॥ ७९ ॥
फासाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ८० ॥
फासे अतित्ते य, परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययइ अदत्तं ॥ ८१ ॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, फासे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुस वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ८२ ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एव अदत्ताणि समाययन्तो, फासे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ८३ ॥
फासाणुरत्तस्स नरस्स एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किंचि ।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ८४ ॥
एमेव फासम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ८५ ॥
फासे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलास ॥ ८६ ॥
मणस्स भाव गहण वयन्ति, त रागहेउ तु मणुन्नमाहु ।
त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ८७ ॥
भावस्स मण गहण वयन्ति, मणस्स भाव गहण वयन्ति ।
रागस्स हेउ समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ८८ ॥
भावेसु जो गेहिमुवेइ तिव्व, अकालिय पावइ से विणास ।
रागाउरे कामगुणेसु गिद्धे, करेणुमग्गावहिए गजे वा ॥ ८९ ॥
जे यावि दोस समुवेइ तिव्व, तसिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू, न किंचि भाव अवरुज्झई से ॥ ९० ॥
एगन्तरत्ते रुइरसि भावे, अतालिसे से कुणई पओस ।
दुक्खस्स सपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ९१ ॥
भावाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे ।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ९२ ॥
भावाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
वए विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ९३ ॥
भावे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्त ॥ ९४ ॥
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, भावे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
मायामुस वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ९५ ॥
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
एव अदत्ताणि समाययन्तो, भावे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ९६ ॥
भावाणुरत्तस्स नरस्स एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किंचि ।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ९७ ॥
एमेव भावम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।

पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ९८ ॥
भावे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
न लिप्पइ भवमज्झे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणी पलास ॥ ९९ ॥
एविन्दियत्था य मणस्स अत्था दुक्खस्स हेउ मणुयस्स रागिणो ।
ते चेव थोव पि कयाइ दुक्ख, न वीयरागस्स करेन्ति किंचि ॥ १०० ॥
न कामभोगा समय उवेन्ति, न यावि भोगा विगइ उवेन्ति ।
जे तप्पओसी य परिग्गही य, सो तेसु मोहा विगइ उवेइ ॥ १०१ ॥
कोह च माण च तहेव माय लोह दुगुच्छ अरइ रइ च ।
हास भय सोगपुमित्थिवेय, नपुसवेय विविहे य भावे ॥ १०२ ॥
आवज्जई एवमणेगरूवे, एवविहे कामगुणेसु सत्तो ।
अन्ने य एयप्पभवे विसेसे, कारुण्णदीणे हिरिमे वइस्से ॥ १०३ ॥
कप्प न इच्छिज्ज सहायलिच्छू, पच्छाणुताव न तवप्पभाव ।
एव वियारे अमियप्पयारे, आवज्जइ इन्दियचोरवस्से ॥ १०४ ॥
तओ से जायन्ति पओयणाइ, निमिज्जिउ मोहमहण्णवम्मि ।
सुहेसिणो दुक्खविणोयणट्ठा, तप्पच्चय उज्जमए य रागी ॥ १०५ ॥
विरज्जमाणस्स य इन्दियत्था, सद्दाइया तावइयप्पगारा ।
न तस्स सव्वे वि मणुन्नय वा, निव्वत्तयन्ती अमणुन्नय वा ॥ १०६ ॥
एव ससकप्पविकप्पणासु, सजायई समयमुवट्ठियस्स ।
अत्थे असकप्पयओ तओ से, पहीयए कामगुणेसु तण्हा ॥ १०७ ॥
स वीयरागो कयसव्वकिच्चो, खवेइ नाणावरण खणेण ।
तहेव ज दसणमावरेइ, ज च तराय पकरेइ कम्म ॥ १०८ ॥
सव्व तओ जाणइ पासए य, अमोहणे होइ निरन्तराए ।
अणासवे झाणसमाहिजुत्ते, आउक्खए मोक्खमुवेइ सुद्धे ॥ १०९ ॥
सो तस्स सव्वस्स दुहस्स मुक्को, ज बाहई सयय जन्तुमेय ।
दीहामय विप्पमुक्को पसत्थो, तो होइ अच्चन्तसुही कयत्थो ॥ ११० ॥
अणाइकालप्पभवस्स एसो, सव्वस्स दुक्खस्स पमोक्खमग्गो ।
वियाहिओ ज समुविच्च सत्ता, कमेण अच्चन्तसुही भवन्ति ॥ १११ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ पमायट्ठाण समत्त ॥ ३२ ॥

॥ अह कम्मप्पयडी तेत्तीसइम अज्झयण ॥

अट्ठ कम्माइ वोच्छामि आणुपुव्विं जहाक्कम । जेहि बद्धो अय जीवो, ससारे परिवट्टई ॥ १ ॥
नाणस्सावरणिज्ज, दसणावरण तहा । वेयणिज्ज तहा मोह, आउकम्म तहेव य ॥ २ ॥
नामकम्म च गोय च, अन्तराय तहेव य । एवमेयाइ कम्माइ, अट्ठेव उ समासओ ॥ ३ ॥
नाणावरण पञ्चविह, सुय आभिणिबोहिय । ओहिनाण च तइय, मणनाण च केवल ॥ ४ ॥
निद्दा तहेय पयला, निद्दानिद्दा पयलपयला य । तत्तो य थीणगिद्धी उ, पचमा होइ नायवा ॥ ५ ॥
चक्खुमचक्खुओहिस्स, दसणे केवले य आवरणे । एव तु नवविगप्प, नायव दसणावरण ॥ ६ ॥
वेयणीयपि य दुविह, सायमसाहिय च अहिय । सायस्स उ बहू भेया, एमेव असायस्स वि ॥ ७ ॥
मोहणिज्जपि च दुविह, दसणे चरणे तहा । दसणे तिविह वुत्त, चरणे दुविह भवे ॥ ८ ॥
सम्मत्त चेव मिच्छत्त, सम्मामिच्छत्तमेव य। एयाओ तिन्नि पयडीओ, मोहणिज्जस्स दसणे ॥ ९ ॥
चरित्तमोहण कम्म, दुविह त वियाहिय कसायमोहणिज्ज तु, नोकसाय तहेव य ॥ १० ॥
सोलसविहभेएण, कम्म तु कसायज । सत्तविह नवविह वा, कम्म च नोकसायज ॥ ११ ॥
नेरइयतिरिक्खाउ, मणुस्साउ तहेव य । देवाउय चउत्थ तु, आउ कम्म चउव्विह ॥ १२ ॥
नाम कम्म तु दुविह, सुहमसुह च आहिय । सुभस्स उ बहू भेया, एमेव असुहस्स वि ॥ १३ ॥
गोय कम्म दुविह, उच्च नीय च आहिय । उच्च अट्ठविह होइ, एव नीय पि आहिय ॥ १४ ॥
दाणे लामे य भोगे य, उवभोगे वीरिए तहा । पञ्चविहमन्तराय, समासेण वियाहिय ॥ १५ ॥
एयाओ मूलपयडीओ, उत्तराओ य आहिया । पएसग्ग खेत्तकाले य, भाव च उत्तर सुण ॥ १६ ॥
सव्वेसिं चेव कम्माण, पएसग्गमणन्तग । गण्ठियसत्ताइय, अन्तो सिद्धाण आहिय ॥ १७ ॥
सव्वजीवाण कम्म तु, सगहे छद्दिसागय । सव्वेसु वि पएसेसु, सव्व सव्वेण बद्धग ॥ १८ ॥
उदहीसरिसनामाण, तीसई कोडिकोडिओ । उक्कोसिय ठिई होइ, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९ ॥
आवरणिज्जाण दुण्हपि, वेयणिज्जे तहेव य । अन्तराए य कम्मम्मि, ठिई एसा वियाहिया ॥ २० ॥
उदहीसरिसनामाण, सत्तरि कोडिकोडीओ । मोहणिज्जस्स उक्कोसा, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २१ ॥
तत्तीस सागरोवमा, उक्कोसेण वियाहिया । ठिइ उ आउकम्मस्स, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २२ ॥
उदहीसरिसनामाण, वीसई कोडिकोडीओ । नामगोत्ताण उक्कोसा, अट्ठ मुहुत्ता जहन्निया ॥ २३ ॥
सिद्धाणणन्तभागो य, अणुभागा हवन्ति उ । सव्वेसु वि पएसग्ग, सव्वजीवे अइच्छिय ॥ २४ ॥
तम्हा एएसि कम्माण, अणुभागा वियाणिया । एएसि सवरे चेव, खवणे य जए बुहो ॥ २५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ कम्मप्पयडी समत्ता ॥ ३३ ॥

॥ अह लेसज्झयण चोत्तीसइम अज्झयण ॥

लेसज्झयणं पवक्खामि, आणुपुव्वि जहक्कम । छण्हपि कम्म लेसाण, अणुभावे सुहण मे ॥ १ ॥
नामाइ वण्णरसग धफासपरिणामलक्खण । ठाण ठिइ गइ चाउ, लेसाण तु सुणेह मे ॥ २ ॥
किण्हा नीला य काऊ य, तेऊ पम्हा तहेव य । सुक्कलेसा य छट्ठा य, नामाइ तु जहक्कम ॥ ३ ॥
जीमूयनिद्धसकासा, गवलरिट्ठगसन्निभा । खजणनयणनिभा, किण्हलेसा उ वण्णओ ॥ ४ ॥
नीलासोगसकासा, चासपिच्छसमप्पभा । वेरुलियनिद्धसकासा, नीललेसा उ वण्णओ ॥ ५ ॥
अयसीपुप्फसकासा, कोइलच्छदसन्निभा । सुयतुण्डपईवनिभा, काउलेसा उ वण्णओ ॥ ६ ॥
हिंगुलधाउसकासा, तरुणाइचसन्निभा । सुयतुण्डपईवनिभा, तेऊलेसा उ वण्णओ ॥ ७ ॥
हरियालभेयसकासा, हलिद्दाभेयसमप्पभा सणासणकुसुमनिभा पम्हलेसा उ वण्णओ ॥ ८ ॥
सखककुन्दसकासा, खीरपूरसमप्पभा । रयणहारसकासा, सुक्कलेसा उ वण्णओ ॥ ९ ॥

जह कडुयतुम्बगरसो, निम्बरसो कडुयरोहिणिरसो वा ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो य किण्हाए नायव्वो ॥ १० ॥
जह तिगडुयस्स य रसो, तिक्खो जह हत्थिपिप्पलीए वा ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ नीलाए नायव्वो ॥ ११ ॥
जह परिणअम्बगरसो, तुवरकविट्ठस्स वावि जारिसओ ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ काऊए नायव्वो ॥ १२ ॥
जह परिणयम्बगरसो, पक्ककविट्ठस्स वावि जारिसओ ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ तेऊए नायव्वो ॥ १३ ॥
वरवारुणीए वारसो, विविहाण व आसवाण जारिसओ ।
महुमेरयस्स व रसो, एत्तो पम्हाए परएण ॥ १४ ॥

खज्जूरमुद्दियरसो, खीररसो खडसक्कररसो वा । एत्तो वि अणतगुणो, रसो उ सुक्काए नायव्वो ॥ १५ ॥
जह गोमडस्स गधो सुणगमडस्स व जहा अहिमडस्स । एत्तो वि अणतगुणो, लेसाण अप्पसत्थाण ॥ १६ ॥
जह सुरहिकुसुमगधो गधवासाण पिस्समाणाण । एत्तो वि अणतगुणो, पसत्थलेसाण तिण्ह पि ॥ १७ ॥
जह करगयस्स फासो, गोजिब्भाए य सागपत्ताण । एत्तो वि अणतगुणो लेसाण अप्पसत्थाण ॥ १८ ॥
जह बूरस्स व फासो, नवणीयस्स व सिरीसकुसुमाण । एत्तो वि अणतगुणो, पसत्थलेसाण तिण्हपि ॥ १९ ॥
तिविहो व नवविहो वा, सत्तावीसइविहेक्कसीओ वा । दुसओ तेयालो वा लेसाण होइ परिणामो ॥ २० ॥
पचासवप्पवत्तो, तीहिं अगुत्तो छसु अविरओ य । तिव्वारम्भपरिणओ, खुद्दो साहसिओ नरो ॥ २१ ॥
निद्धन्धसपरिणामो, निस्ससो अजिइन्दिओ । एयजोगसमाउत्तो किण्हलेस तु परिणमे ॥ २२ ॥
इस्सा अमरिस अतवो, अविज्जमाया अहीरिय । गेद्धी पओसे य सढे, पमत्ते रसलोलुए ॥ २३ ॥
सायगवेसए य आरम्भाओ अविरओ, खुद्दो साहस्सिओ नरो । एयजोगसमाउत्तो, नीललेस तु परिणमे ॥ २४
वक वकसमायारे, नियडिल्ले अणुज्जुए । पलिउचगओवहिए, मिच्छदिट्ठी अणारिए ॥ २५ ॥
उप्फालगदुट्ठवाई य, तेणे यावि य मच्छरी । एयजोगसमाउत्तो, काउलेस तु परिणमे ॥ २६ ॥

नीयावत्ती अचवले, अमाई अकुऊहले। विणीयविणए दन्ते, जोगव उवहाणव ॥ २७ ॥
पियधम्मे दढधम्मेऽवज्जभीरू हिएसए। एयजोगसमाउत्तो, तेउल्लेस तु परिणमे ॥ २८ ॥
पयणुकोहमाणे य, मायालोभे य पयणुए। पसन्तचित्ते द तप्पा, जोगव उवहाणव ॥ २९ ॥
तहा पयणुवाई य, उवस ते जिइन्दिए। एयजोगसमाउत्तो, पम्हलेस तु परिणमे ॥ ३० ॥
अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता, धम्मसुक्काणि झायए। पसन्तचित्ते द तप्पा, समिए गुत्ते य गुत्तिसु ॥ ३१ ॥
सरागे वीयरागे वा, उवसन्ते जिइन्दिए। एयजोगसमाउत्तो, सुक्कलेस तु परिणमे ॥ ३२ ॥
असखिज्जाणोसप्पिणीण, उस्सप्पिणीण जे समया। सखाइया लोगा, लेसाण हवन्ति ठाणाइ ॥ ३३ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, तेत्तीसा सागरा मुहुत्तहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा किण्हलेसाए ॥ ३४ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दस उदही पलियमसखभागमब्भहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा नीललेसाए ॥ ३५ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, तिण्णुदही पलियमसखभागमब्भहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा काउलेसाए ॥ ३६ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दोण्णुदही पलियमसखभागमब्भहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा तेउलेसाए ॥ ३७ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दस होंति य सागरा मुहुत्तहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा पम्हलेसाए ॥ ३८ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना तेत्तीस सागरा मुहुत्तहिया। उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा सुक्कलेसाए ॥ ३९ ॥
एसा खलु लेसाण, ओहेण ठिई वण्णिया होइ। चउसु वि गईसु एत्तो, लेसाण ठिई तु वोच्छामि ॥ ४० ॥
दस वाससहस्साइ, काऊए ठिइ जहन्निया होइ। तिण्णुदही पलिओवम, असखभाग च उक्कोसा ॥ ४१ ॥
तिण्णुदही पलिओवममसखभागो जहन्नेण नीलठिई। दस उदही पलिओवममसखभाग च उक्कोसा ॥ ४२ ॥
दसउदही पलिओवममसखभग जहन्निया होइ। तेत्तीससागराइ उक्कोसा, होइ किण्हाए लेसाए ॥ ४३ ॥
एसा नेरइयाण, लेसाण ठिई उ वण्णिा होइ। तेण पर वोच्छामि, तिरियमणुस्साण देवाण ॥ ४४ ॥
अन्तोमुहुत्तमद्ध, लेसाण जहिं जहिं जाउ। तिरियाण नराण वा, वज्जित्ता केवल लेस ॥ ४५ ॥
मुहुत्तद्ध तु जहन्ना उक्कोसा होइ पुव्वकोडीओ। नवहि वरिसेहि ऊणा, नायव्वा सुक्कलेसाए ॥ ४६ ॥

एसा तिरियनराण, लेसाण ठिई उ वण्णिया होइ।
तेण पर वोच्छामि, लेसाण ठिइउ देवाण। ४७ ॥
दस वाससहस्साइ, किण्हाए ठिई जहन्निया होइ।
पलियमसखिज्ज इमो, उक्कोसो होइ किण्हाए ॥ ४८ ॥
जा किण्हाए ठिइ खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।
जहन्नेण नीलाए, पलियमसख च उक्कोसो ॥ ४९ ॥
जा नीलाए ठिइ खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।
जहन्नेण काऊए, पलियमसख च उक्कोसा ॥ ५० ॥

तेण पर वोच्छामि, तेऊलेसा जहा सुरगाण। भवणवइवाणमन्तरजोइसवेमाणियाण च ॥ ५१ ॥
पलिओवम जहन्न, उक्कोसा सागरा उ दुन्नहिया। पलियमसखेज्जेण, होइ भागेण तेऊए ॥ ५२ ॥
दस वाससहस्साइ, तेऊए ठिई जहन्निया होइ। दुन्नुदही पलिओवमअसखभाग च उक्कोसा ॥ ५३ ॥

जा तेऊए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।
जहन्नेण पम्हाए, दस उ मुहुत्ताहियाइ उक्कोसा ॥ ५४ ॥

जा पम्हाए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया। जहन्नेण सुकाए, तेत्तीस मुहुत्तमब्भहिया ॥ ५५ ॥
किण्हा नीला काऊ, तिन्नि वि एयाओ अहमलेसाओ। एयाहि तिहिवि जीवो, दुग्गइं उववज्जइ ॥ ५६ ॥
तेऊ पम्हा सुक्का, तिन्निवि एयाओ धम्मलेसाओ। एयाहि तिहिवि जीवो, सुग्गइं उववज्जइ ॥ ५७ ॥
लेसाहिं सव्वाहिं, पढमे समयम्मि परिणयाहिं तु। न हु कस्सइ उववाओ, परे भवे अत्थि जीवस्स ॥ ५८ ॥
लेसाहिं सव्वाहिं, चरिमे समयम्मि परिणयाहिं तु। न हु कस्सइ उववाओ परे भवे होइ जीवस्स ॥ ५९ ॥
अन्तमुहुत्तम्मि गए अ तमुहुत्तम्मि सेसए चेव। लेसाहि परिणयाहिं, जीवा गच्छन्ति परलोयं ॥ ६० ॥
तम्हा एयासि लेसाण,आणुभावे वियाणिया। अप्पसत्थाओ वज्जित्ता, पसत्थाओऽहिट्ठिए मुणि ॥ ६१ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ लेसज्झयणं समत्तं ॥ ३४ ॥

॥ अह अणगारज्झयणं णाम पचतीसइमं अज्झयणं ॥

सुणेह मे एगग्गमणा, मग्गं बुद्धेहि दसियं। जमायरन्तो भिक्खू, दुक्खाणन्त करे भवे ॥ १ ॥
गिहवासं परिच्चज्ज, पवज्जामस्सिए मुणी। इमे सगे वियाणिज्ज, जेहिं सज्जन्ति माणवा ॥ २ ॥
तहेव हिंसं अलियं, चोज्जं अबम्भसेवणं। इच्छाकामं च लोभं च, संजओ परिवज्जए ॥ ३ ॥
मणोहरं चित्तघरं, मल्लधूवेण वासियं। सकवाडं पण्डुरुल्लोयं, मणसावि न पत्थए ॥ ४ ॥
इन्दियाणि उ भिक्खुस्स, तारिसम्मि उवस्सए। दुक्कराइं निवारेउं, कामरागविवड्ढणे ॥ ५ ॥
सुसाणे सुन्नगारे वा, रुक्खमूले व इक्कओ। पइरिक्के परकडे वा, वासं तत्थाभिरोयए ॥ ६ ॥
फासुयम्मि अणाबाहे, इत्थीहिं अणभिद्दुए। तत्थ संकप्पए वासं, भिक्खू परमसंजए ॥ ७ ॥
न सयं गिहाइं कुव्विज्जा णेव अन्नेहिं कारए। गिहकम्मसमारम्भे भूयाणं दिस्सए वहो ॥ ८ ॥
तसाणं थावराणं च, सुहुमाण बायराण य। तम्हा गिहसमारम्भं, संजओ परिवज्जए ॥ ९ ॥
तहेव भत्तपाणेसु, पयणे पयावणेसु य। पाणभूयदयट्ठाए, न पए न पयावए ॥ १० ॥
जलधन्ननिस्सिया जीवा पुढवीकट्ठनिस्सिया। हम्मन्ति भत्तपाणेसु तम्हा भिक्खू न पयावए ॥ ११ ॥
विसप्पे सव्वओ धारे, बहुपाणिविणासणे। नत्थि जोइसमे सत्थे, तम्हा जोइं न दीवए ॥ १२ ॥
हिरण्णं जायरूवं च, मणसा वि न पत्थए। समलेट्ठुकंचणे भिक्खू, विरए कयविक्कए ॥ १३ ॥
किणन्तो कइओ होइ, विक्किणन्तो य वाणिओ। कयविक्कयम्मि वट्टन्तो, भिक्खू न भवइ तारिसो ॥ १४ ॥
भिक्खियव्वं न केयव्वं, भिक्खुणा भिक्खवत्तिणा। कयविक्कओ महादोसो भिक्खावत्ती सुहावहा ॥ १५ ॥
समुयाणं उंछमेसिज्जा, जहासुत्तमणिन्दियं। लाभालाभम्मि संतुट्ठे पिण्डवायं चरे मुणी ॥ १६ ॥
अलोले न रसे गिद्धे, जिब्भादन्ते अमुच्छिए। न रसट्ठाए भुंजिज्जा, जवणट्ठाए महामुणी ॥ १७ ॥
अच्चणं रयणं चेव, वन्दणं पूयणं तहा। इड्ढीसक्कारसम्माणं, मणसा वि न पत्थए ॥ १८ ॥
सुक्कज्झाणं झियाएज्जा, अणियाणे अकिंचणे। वोसट्ठकाए विहरेज्जा, जाव कालस्स पज्जओ ॥ १९ ॥
निज्जूहिऊण आहारं, कालधम्मे उवट्ठिए। जहिऊण माणुसं बोन्दिं, पहू दुक्खे विमुच्चइ ॥ २० ॥
निम्ममे निरहंकारे, वीयरागो अणासवो। संपत्तो केवलं नाणं, सासयं परिणिव्वुए ॥ २१ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ अणगारज्झयणं समत्तं ॥ ३५ ॥

॥ अह जीवाजीवविभत्ती णाम छत्तीसइम अज्झयण ॥

जीवाजीवविभत्ति, सुणेह मे एगमणा इओ । ज जाणिऊण भिक्खू , सम्म जयइ सजमे ॥ १ ॥
जीवा चेव अजीवा य, एस लोए वियाहिए । अजीवदेसमागासे, अलोगे से वियाहिए ॥ २ ॥
दव्वओ खेत्तओ चेव, कालओ भावओ तहा । परूवणा तेसि भवे, जीवाणमजीवाण य ॥ ३ ॥
रूविणो चेवरूवी य अजीवा दुविहा भवे । अरूवी दसहा वुत्ता, रूविणो य चउव्विहा ॥ ४ ॥
धम्मत्थिकाए तद्देसे, तप्पएसे य आहिए । अहम्मे तस्स देसे य तप्पएसे य आहिए ॥ ५ ॥
आगासे तस्स देसे य, तप्पएसे य आहिए । अद्धासमए चेव, अरूवी दसहा भवे ॥ ६ ॥
धम्माधम्मे य दो चेव, लोगमित्ता वियाहिया । लोगालोगे य आगासे, समए समयखेत्तिए ॥ ७ ॥
धम्माधम्मागासा, तिन्निवि एए अणाइया । अपज्जवसिया चेव, सव्वद्ध तु वियाहिया ॥ ८ ॥
समएवि सतइ पप्प, एवमेव वियाहिए । आएस पप्प साईए, सपज्जवसिएवि य ॥ ९ ॥
खन्धा य खन्धदेसा य, तप्पएसा तहेव य । परमाणुणो य बोधव्वा रूविणो य चउव्विहा ॥ १० ॥
एगत्तेण पुहुत्तेण, खन्धा य परमाणुणो । लोएगदेसे लोए य, भइयव्वा ते उ खेत्तओ ॥ ११ ॥
इत्तो कालविभाग तु, तेसिं वुच्छ चउव्विह ॥ १२ ॥
सतइ पप्प तऽणाई, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १३ ॥
असखकालमुक्कोस,एक्को समओ जहन्नय । अजीवाण य रूवीण, ठिइ एसा वियाहिया ॥ १४ ॥
अणतकालमुक्कोसमेक्को, समओ जहन्नय । अजीवाण य रूवीण, अतरेय वियाहिय ॥ १५ ॥
वण्णओ गन्धओ चेव,रसओ फासओ तहा । सठाणओ य विन्नेओ, परिणामो तेसि पचहा ॥ १६ ॥
वण्णओ परिणया जे उ,पञ्चहा ते पकित्तिया। किण्हा नीला य लोहिया,हलिद्दा सुक्किला तहा ॥ १७ ॥
गन्धओ परिणया जे उ,दुविहा ते वियाहिया। सुब्भिगन्धपरिणामा,दुब्भिगन्धा तहेव य ॥ १८ ॥
रसओ परिणया जे उ, पञ्चहा ते पकित्तिया । तित्तकडुयकसाया, अम्बिला महुरा तहा ॥ १९ ॥
फासओ परिणया जे उ, अट्ठहा ते पकित्तिया। कक्खडा मउआ चेव, गरुया लहुया तहा ॥ २० ॥
सीया उण्हा य निद्धा य,तहा लुक्खा य आहिया। इय फासपरिणया एए,पुग्गला समुदाहिया ॥ २१ ॥
सठाणओ परिणया जे उ पञ्चहा ते पकित्तिया। परिमण्डला य वट्टा य, तसा चउरसमायया ॥ २२ ॥
वण्णओ जे भवे किण्हे, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २३ ॥
वण्णओ जे भवे नीले भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २४ ॥
वण्णओ लोहिए जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव भइए सठाणओवि य ॥ २५ ॥
वण्णओ पीयए जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २६ ॥
वण्णओ सुक्किले जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २७ ॥
गन्धओ जे भवे सुब्भी, भइए से उ वण्णओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २८ ॥
गन्धओ जे भवे दुब्भी, भइए से उ वण्णओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २९ ॥
रसओ तित्तए जे उ, भइए से उ वण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ ३० ॥

रसओ कडुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ फासओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३१ ॥
रसओ कसाए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ फासओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३२ ॥
रसओ अम्बिले जे उ भइए से उ वण्णओ। गन्धओ फासओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३३ ॥
रसओ महुरए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ फासओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३४ ॥
फासओ कक्खडे जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओवि य ॥ ३५ ॥
फासओ मउए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३६ ॥
फासओ गुरुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३७ ॥
फासओ लहुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३८ ॥
फासओ सीयए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ३९ ॥
फासओ उण्हए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ४० ॥
फासओ निद्धए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ४१ ॥
फासओ लुक्खए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए संठाणओवि य ॥ ४२ ॥
परिमण्डलसंठाणे, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए से फासओवि य ॥ ४३ ॥
संठाणओ भवे वट्टे, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए से फासओवि य ॥ ४४ ॥
संठाणओ भवे तसे, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए से फासओवि य ॥ ४५ ॥
संठाणओ जे चउरंसे, भइए से उ वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए से फासओवि य ॥ ४६ ॥
जे आययसंठाणे, भइए से वण्णओ। गन्धओ रसओ चेव, भइए से फासओवि य ॥ ४७ ॥
एसा अजीवविभत्ती, समासेण वियाहिया। इत्तो जीवविभत्तिं, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ ४८ ॥
संसारत्था य सिद्धा य, दुविहा जीवा वियाहिया। सिद्धाणेगविहा वुत्ता, तं मे कित्तयओ सुण ॥ ४९ ॥
इत्थी पुरिससिद्धा य, तहेव य नपुंसगा। सलिंगे अन्नलिंगे य, गिहिलिंगे तहेव य ॥ ५० ॥
उक्कोसोगाहणाए य, जहन्नमज्झिमाइ य। उड्ढं अहे तिरियं च, समुद्दम्मि जलम्मि य ॥ ५१ ॥
दस य नपुंसएसु वीसं इत्थियासु य। पुरिसेसु य अट्ठसयं, समएणेगेण सिज्झइ ॥ ५२ ॥
चत्तारि य गिहिलिंगे, अन्नलिंगे दसेव य। सलिंगेण अट्ठसयं समएणेगेण सिज्झई ॥ ५३ ॥
उक्कोसोगाहणाए य सिज्झन्ते जुगवं दुवे। चत्तारि जहन्नाए, मज्झे अट्ठुत्तरं सयं ॥ ५४ ॥

चउरुड्ढलोए य दुवे समुद्दे, तओ जले वीसमहे तहेव य।
सयं च अट्ठुत्तर तिरियलोए, समएणेगेण सिज्झइ धुवं ॥ ॥ ५५ ॥

कहिं पडिहया सिद्धा, कहिं सिद्धा पइट्ठिया। कहिं बोन्दिं, चइत्ताणं, कत्थ गन्तूण सिज्झई ॥ ५६ ॥
अलोए पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पइट्ठिया। इह बोन्दिं चइत्ताणं, तत्थ गन्तूण सिज्झइ ॥ ५७ ॥
बारसहिं जोयणेहिं, सव्वट्ठस्सुवरिं भवे। ईसिपब्भारनामा, पुढवी छत्तसंठिया ॥ ५८ ॥
पणयालसयसहस्सा, जोयणाणं तु आयया। तावइयं चेव वित्थिण्णा, तिगुणो तस्सेव परिरओ ॥ ५९ ॥
अट्ठजोयणबाहुला, सा मज्झम्मि वियाहिया। परिहायन्ती चरिमंते, मच्छियपत्ताउ तणुयरी ॥ ६० ॥

अज्जुणसुवण्णगमई, सा पुढवी निम्मला सहावेणं।
उत्ताणगछत्तगसंठिया य, भणिया जिणवरेहिं ॥ ६१ ॥

सखककुदसकासा, पण्डुरा निम्मला सुहा। सीयाणे जोयणे तत्तो, लोयन्तो उ वियाहिओ ॥ ६२ ॥
जोयणस्स उ जो तत्थ, कोसो उवरिमो भवे। तस्स कोसस्स सब्भाए, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६३ ॥
तत्थ सिद्धा महाभागा, लोयग्गम्मि पइट्ठिया। भवपपचओ मुक्का, सिद्धिं वरगइ गया ॥ ६४ ॥
उस्सेहो जेसिं जो होइ, भवम्मि चरिमम्मि उ। तिभागहीणो तत्तो य, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६५ ॥
एगत्तेण साइया, अपज्जवसियावि य। पुहत्तेण अणाइया, अपज्जवसियावि य ॥ ६६ ॥
अरूविणो जीवघणा, नाणदसणसन्निया। अउलं सुहं सपन्ना, उवमा जस्स नत्थि उ ॥ ६७ ॥
लोगेगदेसे ते सव्वे, नाणदसणसन्निया। ससारपारनित्थिण्णा, सिद्धिं वरगइं गया ॥ ६८ ॥
ससारत्था उ जे जीवा, दुविहा ते वियाहिया। तसा य थावरा चेव, थावरा तिविहा तहिं ॥ ६९ ॥
पुढवी आउजीवा य, तहेव य वणस्सई। इच्चेए थावरा तिविहा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ ७० ॥
दुविहा पुढवीजीवा य, सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ७१ ॥
बायरा जे उ पज्जत्ता, दुविहा ते वियाहिया। सण्हा खरा य बोधव्वा सण्हा सत्तविहा तहिं ॥ ७२ ॥
किण्हा नीला य रुहिरा य, हलिद्दा सुक्किला तहा। पण्डुपणगमट्टिया, खरा छत्तीसइविहा ॥ ७३ ॥

पुढवी य सक्करा वालुया य, उवले सिला य लोणूसे।
अय-तम्ब तउय-सीसग-रुप्प-सुवण्णे य वइरे य ॥ ॥ ७४ ॥
हरियाले हिंगुलुए, मणोसिला सासगञ्जण-पवाले।
अब्भपडलब्भवालुय, बायरकाए मणिविहाले ॥ ॥ ७५ ॥

गोमेज्जए य रुयगे, अके फलिहे य लोहियक्खे य। मरगय मसारगल्ले, भुयमोयग इन्दनीले य ॥ ७६ ॥
चन्दण गेरुय हसगब्भे, पुलए सोगन्धिए य बोधव्वे। चन्दप्पहवेरुलिए, जलकन्ते सूरकन्ते य ॥ ७७ ॥
एए खरपुढवीए, भेया छत्तीसमाहीया। एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ ७८ ॥
सुहुमा सव्वलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा। इत्तो कालविभाग तु, वुच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ ७९ ॥
सतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ ८० ॥
बावीससहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे। आउठिई पुढवीण, अन्तोमुहुत्तं जहन्नय ॥ ८१ ॥
असखकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई पुढवीण, तं कायं तु अमुचओ ॥ ८२ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, पुढविजीवाण अन्तरं ॥ ८३ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। सठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ८४ ॥
दुविहा आऊजीवा उ, सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ८५ ॥
बायरा जे उ पज्जत्ता, पचहा ते पकित्तिया। सुद्धोदए य उस्से, हरतणू महिया हिमे ॥ ८६ ॥
एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया। सुहुमा सव्वलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा ॥ ८७ ॥
सन्तइं पप्पणाइया, अपज्जवसियावि। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ ८८ ॥
सत्तेव सहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे। आउठिई आऊण, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ८९ ॥
असखकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई आऊण तं कायं तु अमुचओ ॥ ९० ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, आऊजीवाण अन्तरं ॥ ९१ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। सठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ९२ ॥

दुविहा वणस्सईजीवा, सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेव दुहा पुणो ॥ ९३ ॥
बायरा जे उ पज्जत्ता, दुविहा ते वियाहिया। साहारणसरीरा य, पत्तेगा य तहेव य ॥ ९४ ॥
पत्तेगसरीराओऽणेगहा ते पकित्तिया। रुक्खा गुच्छा य गुम्मा य, लया वल्ली तणा तहा ॥ ९५ ॥
चलया पव्वगा कुहुणा, जलरुहा ओसही तहा। हरियकाया बोधव्वा, पत्तेगाइ वियाहिया ॥ ९६ ॥
साहारणसरीराओऽणेगहा ते पकित्तिया। आलुए मूलए चेव, सिंगबेरे तहेव य ॥ ९७ ॥
हरिली सिरिली सस्सिरिली, जावई केयकन्दली। पलण्डुलसणकन्दे य, कन्दली य कुडुवए ॥ ९८ ॥
लोहिणीहू य थीहू य, कुहगा य तहेव य। कन्दे य वज्जकन्दे य, कन्दे सूरणए तहा ॥ ९९ ॥
अस्सकण्णी य बोधव्वा, सीहकण्णी तहेव य। मुसुण्ढी य हलिद्दा, य णेगहा एवमायओ ॥ १०० ॥
एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया सुहुमा सव्वलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा ॥ १०१ ॥
संतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ १०२ ॥
दस चेव सहस्साइं, वासाणुकोसिया वणाण। वणप्फईण आउं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १०३ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई पणगाणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १०४ ॥
असंखकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, पणगजीवाण अन्तरं ॥ १०५ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। संठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १०६ ॥
इच्चेए थावरा तिविहा, समासेण वियाहिया। इत्तो उ तसे तिविहे, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ १०७ ॥
तेऊ वाऊ य बोधव्वा, उराला य तसा तहा। इच्चेए तसा तिविहा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १०८ ॥
दुविहा तेऊजीवा उ, सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो ॥ १०९ ॥
बायरा जे उ पज्जत्ताणेगहा ते वियाहिया। इंगाले मुम्मुरे अगणी अच्चिजाला तहेव य ॥ ११० ॥
उक्का विज्जू य बोधव्वा णेगहा एवमायओ। एगविहमणाणत्ता, सुहुमा ते वियाहिया ॥ १११ ॥
सुहुमा सव्वलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा। इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ ११२ ॥
संतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ ११३ ॥
तिण्णेव अहोरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया। आउठिई तेऊणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ११४ ॥
असंखकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई तेऊणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ ११५ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, तेऊजीवाण अन्तरं ॥ ११६ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। संठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ११७ ॥
दुविहा वाउजीवा उ, सुहुमा बायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ११८ ॥
बायरा जे उ पज्जत्ता, पञ्चहा ते पकित्तिया। उक्कलिया मण्डलिया, घणगुंजा सुद्धवाया य ॥ ११९ ॥
संवट्टगवाया यणेगहा एवमायओ। एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ १२० ॥
सुहुमा सव्वलोगम्मि, एगदेसे य बायरा। इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ १२१ ॥
सन्तइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ १२२ ॥
तिण्णेव सहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे। आउठिई वाऊणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १२३ ॥
असंखकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। कायठिई वाऊणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १२४ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, वाऊजीवाण अन्तरं ॥ १२५ ॥

एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १२६ ॥
उराला तसा जे उ, चउहा ते पकित्तिया । बेइन्दिय-तेइन्दिय-चउरो पचिन्दिया चेव ॥ १२७ ॥
बेइन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १२८ ॥
किमिणो सोमगला चेव, अलसा माइवाहया । वासीमुहा य सिप्पिया, सङ्ख सखणगा तहा ॥ १२९ ॥
पल्लोयाणुल्लया चेव, तहेव य वराडगा । जलुगा जालगा चेव, चन्दणा य तहेव य ॥ १३० ॥
इइ बेइन्दिया एएऽणेगहा एवमायओ । लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १३१ ॥
सतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य । ठिइं पडुच्च साइया, सपज्जवसियावि य ॥ १३२ ॥
वासाइं बारसा चेव, उक्कोसेण वियाहिया । बेइन्दियआउठिई अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १३३ ॥
सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । बेइन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १३४ ॥
अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । बेइन्दियजीवाण, अन्तर च वियाहिय ॥ १३५ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १३६ ॥
तेइन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १३७ ॥
कुथुपिवीलिउड्डसा, उक्कलुद्देहिया तहा । तणहारकट्ठहारा य, मालुगा पत्तहारगा ॥ १३८ ॥
कप्पासट्ठिम्मि जायन्ति, दुगा तउसमिंजगा । सदावरी य गुम्मी य, बोधव्वा इन्दगाइया ॥ १३९ ॥
इन्दगोवगमाईयाणेगहा एवमायओ । लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १४० ॥
सतइं पप्पणाइया, अपज्जवसियावि य । ठिइं पडुच्च साइया, सपज्जवसियावि य ॥ १४१ ॥
एगूणपण्णहोरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया । तेइन्दियआउठिई, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १४२ ॥
सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । तेइन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १४३ ॥
अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । तेइन्दियजीवाण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १४४ ॥
एएसि वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १४५ ॥
चउरिन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १४६ ॥
अन्धिया पोत्तिया चेव, मच्छिया मसगा तहा । भमरे कीडपयगे य, ढिंकुणे ककुणे तहा ॥ १४७ ॥
कुक्कुडे भिंगिरीडी य, नन्दावत्ते य विच्छुए । डोले भिंगारी य, विरली अच्छिवेहए ॥ १४८ ॥

अच्छिले माहए अच्छिरोडए, विचित्ते चित्तपत्तए ।
उहिंजलिया जलकारी य, नीया तन्तवयाइया ॥ ॥ १४९ ॥

इय चउरिन्दिया, एएऽणेगहा एवमायओ । लोगेगदेसे त सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १५० ॥
सतइं पप्पणाइया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १५१ ॥
छच्चेव मासाऊ, उक्कोसेण वियाहिया । चउरिन्दियआउठिई, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १५२ ॥
सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । चउरिन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १५३ ॥
अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । चउरिन्दियजीवाण, अन्तर च वियाहिय ॥ १५४ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १५५ ॥
पचिन्दिया उ जे जीवा, चउविहा ते वियाहिया । नेरइयतिरिक्खा य, मणुया देवा य आहिया ॥ १५६ ॥
नेरइया सत्तविहा, पुढवीसु सत्तसू भवे । रयणाभसक्कराभा, वालुयाभा य आहिया ॥ १५७ ॥

पंकाभा धूमाभा, तमा तमतमा तहा। इइ नेरइया एए, सत्तहा परिकित्तिया ॥ १५८ ॥
लोगस्स एगदेसम्मि, ते सव्वे उ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १५९ ॥
संतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साइया, सपज्जवसियावि य ॥ १६० ॥
सागरोवममेगं तु, उक्कोसेण वियाहिया। पढमाए जहन्नेणं, दसवाससहस्सिया ॥ १६१ ॥
तिण्णेव सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। दोच्चाए जहन्नेणं, एगं तु सागरोवमं ॥ १६२ ॥
सत्तेव सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। तइयाए जहन्नेणं, तिण्णेव सागरोवमा ॥ १६३ ॥
दस सागरोवमा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। चउत्थीए जहन्नेणं, सत्तेव सागरोवमा ॥ १६४ ॥
सत्तरस सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। पंचमीए जहन्नेणं, दसेव सागरोवमा ॥ १६५ ॥
बावीस सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। छट्ठीए जहन्नेणं, सत्तरस सागरोवमा ॥ १६६ ॥
तेत्तीस सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया। सत्तमाए जहन्नेणं, बावीसं सागरोवमा ॥ १६७ ॥
जा चेव य आउठिई, नेरइयाणं वियाहिया। सा तेसिं कायठिई, जहन्नुक्कोसिया भवे ॥ १६८ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, नेरइयाणं अन्तरं ॥ १६९ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। संठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १७० ॥

पंचिन्दियतिरिक्खाओ, दुविहा ते वियाहिया।
सम्मुच्छिमतिरिक्खाओ, गब्भवक्कन्तिया तहा ॥ ॥ १७१ ॥

दुविहा ते भवे तिविहा, जलयरा थलयरा तहा। नहयरा य बोधव्वा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १७२ ॥
मच्छा य कच्छभा य, गाहा य मगरा तहा। सुसुमारा य बोधव्वा, पंचहा जलयराहिया ॥ १७३ ॥
लोएगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १७४ ॥
संतइं पप्पणाईया, अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साइया, सपज्जवसिया वि य ॥ १७५ ॥
एगा य पुव्वकोडी, उक्कोसेण वियाहिया। आउठिई जलयराणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १७६ ॥
पुव्वकोडिपुहत्तं तु, उक्कोसेण वियाहिया। कायठिई जलयराणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ १७७ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, जलयराणं अन्तरं ॥ १७८ ॥
चउप्पया य परिसप्पा, दुविहा थलयरा भवे। चउप्पया चउविहा, ते मे कित्तयओ सुण ॥ १७९ ॥
एगखुरा दुखुरा चेव, गण्डीपयसणहप्पया। हयमाइगोणमाइगयमाइसीहमाइणो ॥ १८० ॥
भुओरगपरिसप्पा य, परिसप्पा दुविहा भवे। गोहाइ अहिमाई य, एक्केक्काणेगहा भवे ॥ १८१ ॥
लोएगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया। एत्तो कालविभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १८२ ॥
संतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ १८३ ॥
पलिओवमाइं तिण्णि उ, उक्कोसेण वियाहिया। आउठिई थलयराणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १८४ ॥
पुव्वकोडिपुहत्तेणं, अन्तोमुहुत्तं जहन्निया। कायठिई थलयराणं, अन्तरं तेसिमं भवे ॥ १८५ ॥
कालमणन्तमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, थलयराणं तु अन्तरं ॥ १८६ ॥

चम्मे उ लोमपक्खी य, तइया समुग्गपक्खिया।
विययपक्खी य बोधव्वा, पक्खिणो य चउव्विहा ॥ ॥ १८७ ॥

लोएगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया। इत्तो कालविभागं तु वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १८८ ॥

सतइं पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइं पडुच्च माईया, सपज्जवसियावि य ॥ १८९ ॥
पलिओवमस्स भागो, असखेज्जइमो भवे। आउठिइं खहयराण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९० ॥
असखभाग पलियस्स, उक्कोसेण उ साहिया। पुव्वकोडीपुहत्तेण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९१ ॥
ठिइं खहयराण, अन्तरे तेसिमे भवे। काल अणन्तमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त, जहन्नय ॥ १९२ ॥
एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ। सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १९३ ॥
मणुया दुविहभेया उ, ते मे कित्तयओ सुण। समुच्छिमा य मणुया, गब्भवक्कन्तिया तहा ॥ १९४ ॥
गब्भवक्कन्तिया जे उ, तिविहा ते वियाहिया। कम्मअकम्मभूमा य, अन्तरद्दीवया तहा ॥ १९५ ॥
पन्नरस तीसविहा, भेया अट्ठवीसइ। सखा उ कम्मसो तेसिं, इइ एसा वियाहिया ॥ १९६ ॥
समुच्छिमाण एसेव, भेओ होइ वियाहिओ। लोगस्स एगदेसम्मि, ते सव्वे वि वियाहिया ॥ १९७ ॥
सतइ पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ १९८ ॥
पलिओवमाउ तिण्णवि, असखेज्जइमो भवे। आउट्ठिई मणुयण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९९ ॥
पलिओवमाइ तिण्णि उ, उक्कोसेण उ साहिया। पुव्वकोडिपुहत्तेण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २०० ॥
कायठिइं मणुयाण, अन्तर तेसिम भवे। अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय ॥ २०१ ॥
एएसिं, वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ २०२ ॥
देवा चउविहा वुत्ता, ते मे कित्तयओ सुण। भोमिज्जवाणमन्तरजोइसवेमाणिया तहा ॥ २०३ ॥
दसहा उ भवणवासी, अट्ठहा वणचारिणो। पचविहा जोइसिया, दुविहा वेमाणिया तहा ॥ २०४ ॥

असुरा नागसुवण्णा, विज्जू अग्गी वियाहिया।
दीवोदहिदिसा वाया, थणिया भवणवासिणो ॥ ॥ २०५ ॥

पिसायभूया जक्खा य, रक्खसा किन्नरा किंपुरिसा।
महोरगा य गन्धव्वा, अट्ठविहा वाणमन्तरा ॥ ॥ २०६ ॥

चन्दा सूरा य नक्खत्ता, गहा तारागणा तहा।
ठिया विचारिणो चेव, पचहा जोइसालया ॥ ॥ २०७ ॥

वेमाणिया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया। कप्पोवगा य बोधव्वा, कप्पाईया तहेव य ॥ २०८ ॥
कप्पोवगा बारसहा, सोहम्मीसाणगा तहा। सणकुमारमाहिन्दबम्भलोगा य लन्तगा ॥ २०९ ॥
महासुक्का सहस्सारा, आणया पाणया तहा। आरणा अच्चुया चेव, इइ कप्पोवगा सुरा ॥ २१० ॥
कप्पाईया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया। गेविज्जाणुत्तरा चेव, गेविज्जा नवविहा तहिं ॥ २११ ॥
हेट्ठिमा हेट्ठिमा चेव, हेट्ठिमा मज्झिमा तहा। हेट्ठिमा उवरिमा चेव, मज्झिमा हेट्ठिमा तहा ॥ २१२ ॥

मज्झिमा मज्झिमा चेव, मज्झिमा उवरिमा तहा।
उवरिमा हेट्ठिमा चेव, उवरिमा मज्झिमा तहा ॥ ॥ २१३ ॥

उवरिमा उवरिमा चेव, इय गेविज्जगा सुरा। विजया वेजयन्ता य, जयन्ता अपराजिया ॥ २१४ ॥
सव्वत्थसिद्धगा चेव, पचहाणुत्तरा सुरा। इय वेमाणिया एएऽणेगहा एवमायओ ॥ २१५ ॥
लोगस्स एगदेसम्मि, ते सव्वेवि वियाहिया। इत्तो कालविभाग तु, वुच्छ तेसिं चउव्विह ॥ २१६ ॥
सतइ पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य। ठिइ पडुच्च साइया, सपज्जवसियावि य ॥ २१७ ॥

साहीय सागर एक्क, उक्कोसेण ठिई भवे। भोमेज्जाण जहन्नेण, दसवाससहस्सिया ॥ २१८ ॥
पलिओवममेगं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। वन्तराण जहन्नेण, दसवाससहस्सिया ॥ २१९ ॥
पलिओवममेगं तु, वासलक्खेण साहिय। पलिओवमट्ठभागो, जोइसेसु जहन्निया ॥ २२० ॥
दो चेव सागराइं, उक्कोसेण वियाहिया। सोहम्मम्मि जहन्नेण, एगं च पलिओवमं ॥ २२१ ॥
सागरा साहिया दुन्नि, उक्कोसेण वियाहिया। ईसाणम्मि जहन्नेण, साहियं पलिओवमं ॥ २२२ ॥
सागराणि य सत्तेव उक्कोसेण ठिई भवे। सणंकुमारे जहन्नेण, दुन्नि उ सागरोवमा ॥ २२३ ॥
साहिया सागरा सत्त, उक्कोसेण ठिई भवे। माहिन्दम्मि जहन्नेण, साहिया दुन्नि सागरा ॥ २२४ ॥
दस चेव सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। बम्भलोए जहन्नेण, सत्त ऊ सागरोवमा ॥ २२५ ॥
चउदस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। लन्तगम्मि जहन्नेण, दस उ सागरोवमा ॥ २२६ ॥
सत्तरस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। महासुक्के जहन्नेण, चोद्दस सागरोवमा ॥ २२७ ॥
अट्ठारस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। सहस्सारम्मि जहन्नेण, सत्तरस सागरोवमा ॥ २२८ ॥
सागरा अउणवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। आणयम्मि जहन्नेण, अट्ठारस सागरोवमा ॥ २२९ ॥
वीसं तु सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। पाणयम्मि जहन्नेण, सागरा अउणवीसई ॥ २३० ॥
सागरा इक्कवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। आरणम्मि जहन्नेण, वीसई सागरोवमा ॥ २३१ ॥
बावीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। अच्चुयम्मि जहन्नेण, सागरा इक्कवीसई ॥ २३२ ॥
तेवीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। पढमम्मि जहन्नेण, बावीसं सागरोवमा ॥ २३३ ॥
चउवीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। बिइयम्मि जहन्नेण, तेवीसं सागरोवमा ॥ २३४ ॥
पणवीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। तइए जहन्नेण, चउवीसं सागरोवमा ॥ २३५ ॥
छव्वीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। चउत्थम्मि जहन्नेण, सागरा पणुवीसई ॥ २३६ ॥
सागरा सत्तवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। पञ्चमम्मि जहन्नेण, सागरा उ छवीसई ॥ २३७ ॥
सागरा अट्ठवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। छट्ठम्मि जहन्नेण, सागरा सत्तवीसई ॥ २३८ ॥
सागरा अउणतीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे। सत्तमम्मि जहन्नेण, सागरा अट्ठवीसई ॥ २३९ ॥
तीसं तु सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे। अट्ठमम्मि जहन्नेण, सागरा अउणतीसई ॥ २४० ॥
सागरा इक्कतीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे। नवमम्मि जहन्नेण, तीसई सागरोवमा ॥ २४१ ॥
तेत्तीसा सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे। चउसुपि विजयाईसु, जहन्नेणेक्कतीसई ॥ २४२ ॥
अजहन्नमणुक्कोसा, तेत्तीसं सागरोवमा। महाविमाणे सव्वट्ठे, ठिई एसा वियाहिया ॥ २४३ ॥
जा चेव उ आउठिई, देवाणं तु वियाहिया। सा तेसिं कायठिई, जहन्नमुक्कोसिया भवे ॥ २४४ ॥
अणन्तकालमुक्कोसं, अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढम्मि सए काए, देवाणं हुज्ज अन्तरं ॥ २४५ ॥
एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ। संठाणदेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ २४६ ॥
संसारत्था य सिद्धा य, इय जीवा वियाहिया। रूविणो चेवरूवी य, अजीवा दुविहावि य ॥ २४७ ॥
इय जीवमजीवे य, सोच्चा सद्दहिऊण य। सव्वनयाणमणुमए रमेज्ज संजमे मुणी ॥ २४८ ॥
तओ बहूणि वासाणि, सामण्णमणुपालिय। इमेण कम्मजोगेण, अप्पाणं संलिहे मुणी ॥ २४९ ॥
बारसेव उ वासाइं, संलेहुक्कोसिया भवे। संवच्छरमज्झिमिया, छम्मासा य जहन्निया ॥ २५० ॥

पढमे वासचउक्कम्मि, विगई-निज्जूहण करे। बिईए वासचउक्कम्मि, विचित्तं तु तवं चरे ॥ २५१ ॥
एगन्तरमायामं, कट्टु संवच्छरे दुवे। तओ संवच्छरद्धं तु, नाइविगिट्ठं तवं चरे ॥ २५२ ॥
तओ संवच्छरद्धं तु, विगिट्ठं तु तवं चरे। परिमियं चेव आयामं, तम्मि संवच्छरे करे ॥ २५३ ॥
कोडीसहियमायामं, कट्टु, संवच्छरे मुणी। मासद्धमासिएण तु, आहारेण तवं चरे ॥ २५४ ॥
कन्दप्पमाभिओगं च, किब्बिसियं मोहमासुरत्तं च।
एयाउ दुग्गईओ, मरणम्मि विराहिया होन्ति ॥ ॥ २५५ ॥
मिच्छादंसणरत्ता, सनियाणा उ हिंसगा। इय जे मरन्ति जीवा, तेसिं पुण दुल्लहा बोही ॥ २५६ ॥
सम्मद्दंसणरत्ता, अनियाणा सुक्कलेसमोगाढा। इय जे मरन्ति जीवा, तेसिं सुलहा भवे बोही ॥ २५७ ॥
मिच्छादंसणरत्ता, सनियाणा कण्हलेसमोगाढा।
इय जे मरन्ति जीवा, तेसिं पुण दुल्लहा बोही ॥ ॥ २५८ ॥
जिणवयणे अणुरत्ता, जिणवयणं करेन्ति भावेण। अमला असंकिलिट्ठा, ते होन्ति परित्तसंसारी ॥ २५९ ॥
बालमरणाणि बहुसो, अकाममरणाणि चेव य बहूणि।
मरिहन्ति ते वराया जिणवयणं जे न जाणन्ति ॥ ॥ २६० ॥
बहुआगमविन्नाणा, समाहिउप्पायगा य गुणगाही। एएण कारणेणं, अरिहा आलोयणं सोउं ॥ २६१ ॥
कन्दप्पकुक्कुयाइं, तह सीलसहावहसणविगहाइं। विम्हावेन्तो वि परं, कन्दप्पं भावणं कुणइ ॥ २६२ ॥
मन्ताजोगं काउं, भूईकम्मं च जे पउञ्जन्ति। साय-रस-इड्ढिहेउं अभिओगं भावणं कुणइ ॥ २६३ ॥
नाणस्स केवलीणं, धम्मायरियस्स संघसाहूणं। माई अवण्णवाई, किब्बिसियं भावणं कुणइ ॥ २६४ ॥
अणुबद्धरोसपसरो, तह य निमित्तम्मि होइ पडिसेवी। एएहि कारणेहिं, आसुरियं भावणं कुणइ ॥ २६५ ॥
सत्थग्गहणं विसभक्खणं च जलणं च जलपवेसो य।
अणायारभण्डसेवा, जम्मणमरणाणि बन्धन्ति ॥ ॥ २६६ ॥
इय पाउकरे बुद्धे, नायए परिनिव्वुए। छत्तीसं उत्तरज्झाए, भवसिद्धीयसंबुडे ॥ २६७ ॥
त्ति बेमि ॥ जीवाजीवविभत्ती समत्ता ॥ ३६ ॥

॥ इअ उत्तरज्झयण सुत्तं समत्तं ॥



॥ णमो समणस्स भगवओ महावीरस्स ॥

॥ सिरि-दसवेआलियं-सुत्तं ॥

॥ दुमपुप्फिया पढम अज्झयण ॥

धम्मो मगलमुक्किट्ठ, अहिंसा सजमो तवो । देवा वि त नमसति, जस्स धम्मे सया मणो ॥ १ ॥
जहा दुमस्स पुप्फेसु, भमरो आवियइ रस । ण य पुप्फ किलामेइ, सो अ पीणेइ अप्पय ॥ २ ॥
एमेए समणा मुत्ता, जे लोए सति साहुणो । विहगमा व पुप्फेसु, दाणभत्तेसणे रया ॥ ३ ॥
वय च वित्तिं लब्भामो, ण य कोइ उवहम्मइ । अहागडेसु रीयते, पुप्फेसु भमरा जहा ॥ ४ ॥
महुगा (का) रसमा बुद्धा, जे भवति अणिस्सिया । नाणपिंडरया दता, तेण वुच्चति साहुणो ॥ ५ ॥

त्ति बेमि ॥ दुमपुप्फिया पढममज्झयण समत्त ॥

॥ अह सामण्णपुव्वय दुइअ अज्झयण ॥

कह नु कुज्जा सामण्ण, जो कामे न निवारए । पए पए विसीअतो, सकप्पस्स वस गओ ॥ १ ॥
वत्थगधमलकार, इत्थीओ सयणाणि य । अच्छदा जे न भुजति, न से चाइ त्ति वुच्चइ ॥ २ ॥
जे य कते पिए भोए, लद्धे वि पिट्ठि कुव्वइ । साहीणे चयइ भोए, से हु चाइ त्ति वुच्चइ ॥ ३ ॥
समाइ पेहाइ परिव्वयतो, सिया मणो निस्सरइ बहिद्धा ।
न सा मह नोवि अह वि तीसे, इच्चेव ताओ विणएज्ज राग ॥ ॥ ४ ॥
आयावयाही चय सोगमल्ल, कामे कमाहि कमिय खु दुक्ख ।
छिंदाहि दोस विणएज्ज राग, एव सुही होहिसि सपराए ॥ ॥ ५ ॥
पक्खदे जलिय जोइ, धूमकेउ दुरासय । नेच्छति वतय भोत्तु, कुले जाया अगधणे ॥ ६ ॥
धिरत्थु तेऽजसोकामी, जो त जीवियकारणा । वत इच्छसि आवेउ, सेय ते मरण भवे ॥ ७ ॥
अह च भोगरायस्स त चऽसि अधगवण्हिणो । मा कुले गधणा होमो, सजम निहुओ चर ॥ ८ ॥
जइ त काहिसि भाव, जा जा दिच्छसि नारिओ । वायाविद्धो व हडो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ९ ॥
तीसे सो वयण सोच्चा, सजयाइ सुभासिय । अकुसेण जहा नागो, धम्मे सपडिवाइओ ॥ १० ॥
एव करति सबुद्धा, पडिया पवियक्खणा । विणियट्टति भोगेसु, जहा से पुरिसुत्तमो ॥ ११ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ सामण्णपुव्वय नाम अज्झयण समत्त ॥ २ ॥

॥ अह खुड्डयायारकहा तइअ अज्झयण ॥

सजमे सुट्ठिअप्पाण, विप्पमुक्काण ताइण । तेसिमेयमणाइण्ण, निग्गथाण महेसिण ॥ १ ॥
उद्देसिय कीयगड, नियागमभिहडाणि य । राइभत्ते सिणाणे य, गधमल्ले य वीयणे ॥ २ ॥
सनिही गिहिमत्ते य, रायपिंडे किमिच्छए । सबाहणा दतपहोयणा य, सपुच्छणा देहपलोयणा य ॥ ३ ॥
अट्ठावए य नालीए, छत्तस्स य धारणट्ठाए । तेगिच्छ पाहणापाए, समारभ च जोइणो ॥ ४ ॥
सिज्जायरपिंड च, आसदीपलियकए । गिहतरनिसिज्जा य, गायस्सुवट्टणाणि य ॥ ५ ॥
गिहिणो वेआवडिय, जा य आजीववत्तिया । तत्तानिव्वुडभोइत्त, आउरस्सरणाणि य ॥ ६ ॥
मूलए सिंगबेरे य, उच्छुखडे अनिव्वुडे । कदे मूले य सच्चित्त, फले बीए य आमए ॥ ७ ॥
सोवचले सिंधवे लोणे, रोमालोणे य आमए । समुद्दे पसुखारे य, कालालोणे य आमए ॥ ८ ॥
धुवणे त्ति वमणे य, वत्थीकम्मविरेयणे । अजणे दतवणे य, गायब्भगविभूसणे ॥ ९ ॥
सव्वमेयमणाइन्न, निग्गथाण महेसिण । सजमम्मि अ जुत्ताण, लहुभूयविहारिण ॥ १० ॥
पचासवपरिण्णाया, तिगुत्ता छसु सजया । पचनिग्गहणा धीरा, निग्गथा उज्जुदसिणो ॥ ११ ॥
आयावयति गिम्हेसु, हेमतेसु अवाउडा । वासासु पडिसलीणा, सजया सुसमाहिया ॥ १२ ॥
परीसहरिऊदता, धूअमोहा जिइदिया । सव्वदुक्खपहीणट्ठा, पक्कमन्ति महेसिणो ॥ १३ ॥
दुक्कराइ करित्ताण, दुस्सहाइ सहित्तु य । केइत्थ देवलोएसु, केइ सिज्झन्ति नीरया ॥ १४ ॥
खवित्ता पुव्वकम्माइ, सजमेण तवेण य । सिद्धिमग्गमणुप्पत्ता, ताइणो परिणिव्वुड ॥ ॥ १५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ खुड्डयायारकहा नाम तइयमज्झयण ॥

॥ अह छज्जीवणियानाम चउत्थ अज्झयण ॥

सुअ मे आउसतेण भगवया एवमक्खाय, इह खलु छज्जीवणिया नामज्झयण समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ अज्झयण धम्मपण्णत्ती ॥ १ ॥ कयरा खलु सा छज्जीवणिया नामज्झयण समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ अज्झयण धम्मपण्णत्ती ॥ २ ॥ इमा खलु सा छज्जीवणिया नामज्झयण समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ अज्झयण धम्मपन्नत्ती ॥ तजहा—पुढविकाइया १, आउकाइया २ तेउकाइया ३, वाउकाइया ४, वणस्सइकाइया ५, तसकाइया ६ । पुढवी चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । आऊ चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । तेऊ चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । वाऊ चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । वणस्सई चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण तजहा—अग्गबीया, मूलबीया, पोरबीया, खधबीया, बीयरुहा, सम्मुच्छिमा, तणलया, वणस्सइकाइया, सबीया चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । से जे पुण इमे

अणेगे बहवे तसा पाणा, तंजहा–अंडया, पोयया, जराउया, रसया, ससेइमा, सम्मुच्छिमा उब्भिया उववाइया, जेसिं केसिंचि पाणाणं, अभिक्कंतं, पडिक्कंतं, संकुचियं, पसारियं, रुयं, भंतं, तसियं, पलाइयं आगइगइविन्नाया, जे अ कीडपयङ्गा, जा य कुंथुपिपीलिया, सव्वे बेइंदिया, सव्वे तेइंदिया, सव्वे चउरिंदिया सव्वे पंचिंदिया, सव्वे तिरिक्खजोणिया, सव्वे नेरइया, सव्वे मणुआ, सव्वे देवा, सव्वे पाणा, परमाहम्मिआ, एसो खलु छट्ठो जीवनिकाओ तसकाओ त्ति पवुच्चइ । इच्चेसिं छण्हं जीवनिकायाणं नेव सयं दंडं समारंभिज्जा, नेवन्नेहिं दंडं समारंभाविज्जा, दंडं समारंभन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि, जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥

पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं । सव्वं भन्ते ! पाणाइवायं पच्चक्खामि । से सुहुमं वा, बायरं वा, तसं वा, थावरं वा, नेव सयं पाणे अइवाइज्जा, नेवऽन्नेहिं पाणे अइवायाविज्जा, पाणे अइवायन्तेऽवि अन्ने न समणुजाणामि, जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अन्नं न समणुजाणामि तस्स भंते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । पढमे भन्ते ! महव्वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १ ॥

अहावरे दुच्चे भन्ते ! महव्वए मुसावायाओ वेरमणं । सव्वं भन्ते ! मुसावायं पच्चक्खामि । से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, नेव सयं मुसं वइज्जा, नेवन्नेहिं मुसं वायाविज्जा, मुसं वयन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अन्नं न समणुजाणामि तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । दुच्चे भंते ! महव्वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं ॥ २ ॥

अहावरे तच्चे भन्ते ! महव्वए अदिन्नादाणाओ वेरमणं । सव्वं भन्ते ! अदिन्नादाणं पच्चक्खामि । से गामे वा, नगरे वा, रण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, नेव सयं अदिन्नं गिण्हिज्जा, नेवन्नेहिं अदिन्नं गिण्हाविज्जा, अदिन्नं गिण्हन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । तच्चे भन्ते ! महव्वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं ॥ ३ ॥

अहावरे चउत्थे भन्ते ! महव्वए मेहुणाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! पच्चक्खामि । से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, नेव सयं मेहुणं सेविज्जा, नेवन्नेहिं मेहुणं सेवाविज्जा, मेहुणं सेवन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । चउत्थे भन्ते ! महव्वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं ॥ ४ ॥

अहावरे पञ्चमे भन्ते ! महव्वए परिग्गहाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! परिग्गहं पच्चक्खामि । से अप्पं वा, बहुं वा अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा । नेव सयंपरिग्गहं परिगिण्हिज्जा,

नेवन्नेहिं परिग्गह परिगिण्हन्ते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न समणुजाणामि, तस्स भन्ते! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि। पञ्चमे भन्ते! महव्वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमण ॥ ५ ॥

अहावरे छट्ठे भन्ते! वए राइभोअणाओ वेरमण। सव्व भन्ते! राइभोयण पच्चक्खामि। से असण वा, पाण वा, खाइम वा, साइम वा। नेव सय राइ भुजिज्जा, नेव राइ भुजिज्जा, नेवन्नेहिं राइ भुजाविज्जा, राइ भुजतेऽवि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि। तस्स भन्ते! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण वोसिरामि। छट्ठे भते! वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ राइभोअणाओ वेरमण ॥६॥ इच्चेयाइ पचमहव्वयाइ राइभोअणवेरमणछट्ठाइ अत्तहियट्ठियाए उवसपज्जित्ता ण विहरामि ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से पुढविं वा, भित्तिं वा, सिल वा, लट्ट वा, ससरक्ख वा काय, ससरक्ख वा वत्थ, हत्थेण वा, पाएण वा, कट्ठेण किलिंचेण वा, अगुलियाए वा, सिलागाए वा, सिलागहत्थेण वा न आलिहिज्जा, न विलिहिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिंदिज्जा, अन्न न आलिहाविज्जा न विलिहाविज्जा, न घट्टाविज्जा, न भिंदाविज्जा, अन्न आलिहत वा, विलिहत वा, घट्टत वा, भिंदत वा न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि तस्स। भते! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ १ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से उदग वा, ओस वा, हिम वा, महिय वा, करग वा, हरितणुग वा, सुद्धोदग वा, उदउल्ल वा वत्थ, ससिणिद्ध वा काय, ससिणिद्ध वा वत्थ न आमुसिज्जा, न सफुसिज्जा, न आवीलिज्जा, न पवीलिज्जा, न अक्खोडिज्जा, न पक्खोडिज्जा, न आयाविज्जा, न पयाविज्जा, अन्न न आमुसाविज्जा, न सफुसाविज्जा, न आवीलाविज्जा, न पवीलाविज्जा, न अक्खोडाविज्जा, न पक्खोडाविज्जा, न आयाविज्जा, न पयाविज्जा, अन्न आमुसत वा, सफुसत वा, आवीलत वा, पवीलत वा, अक्खोडत वा, पक्खोडत वा, आयावत वा, पयावत वा न समणुजाणिज्जा, जावज्जीवाए, तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि। तस्स भन्ते! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥२॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से अगणिं वा, इगाल वा, मुम्मुर वा, अच्चिं वा, जाल वा, अलाय वा, सुद्धागणिं वा, उक्क वा, न उजिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिंदिज्जा, न उज्जालिज्जा, न पज्जालिज्जा, न निव्वाविज्जा, अन्न न उज्जाविज्जा, न घट्टाविज्जा, न भिंदाविज्जा, न

उज्जालाविज्ञा, न पज्जालाविज्ञा, न निव्वाविज्ञा, अन्न उज्ज त वा, पज्जत वा, भिदत वा, उज्जालत वा, पज्जालत वा, नि वात्त वा, न ममणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवमि करत पि अन्न न ममणुजाणामि। तस्स भन्ते! पडिकमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ३ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सञ्जयविरयपडिहयपचक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, ने सिएण वा, विहुयणेण वा, तालियटेण वा, पत्तेण वा, पत्तभगेण वा, साहाए वा, साहाभगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकन्नेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, अप्पणो वा काय, बाहिर वा वि पुग्गल न फुमिज्जा, न वीएज्जा, अन्न न फूमाविज्जा, न वीआविज्जा, अन्न फूमत वा, वीअत वा न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि। तस्स भन्ते! पडिकमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ४ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सञ्जयविरयपडिहयपचक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से वीएसु वा, वीयपइट्ठेसु वा, रूढेसु वा, रूढपइट्ठेसु वा, जाएसु वा, जायपइट्ठेसु वा, हरिएसु हरियपइट्ठेसु वा, छिन्नेसु वा, छिन्नेसु वा, छिन्नपइट्ठेसु वा, सचित्तेसु वा, सचित्तकोलपडिनिस्सिएसु वा न गच्छेज्जा, न चिट्ठेज्जा, न निसीइज्जा, न तुअट्टिज्जा, अन्न न गच्छाविज्जा, न चिट्ठाविज्जा, न निसीआविज्जा, न तुअट्टाविज्जा, अन्न गच्छत वा, चिट्ठत वा, निसीअत वा, तुयट्टत वा न समणुजामि जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि। तस्स भन्ते! पडिकमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ५ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सञ्जयविरयपडिहयपचक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से कीट वा, पयग वा, कुथु वा, पिपीलिय वा, हत्थसि वा, पायसि वा, बाहुसि वा, उरसि वा, उदरसि वा, सीससि वा, वत्थसि वा, पडिग्गहसि वा, कबलसि वा, पायपुन्छणसि वा, रयहरणसि वा, गुच्छगसि वा, उडगसि वा दडगसि वा पीढगसि वा, फलगसि वा, सथारगसि वा, अन्नयरसि वा तहप्पगारे उवगरणजाए तओ सञ्जयामेव पडिलेहिय पडिलेहिय पमज्जिअ पमज्जिअ एगतमवणिज्जा, नो ण सघायमावज्जिज्जा ॥ ६ ॥

अजय चरमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बन्धइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ १ ॥
अजय चिट्ठमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बधइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ २ ॥
अजय आसमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बधइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ ३ ॥
अजय सयमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बधइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ ४ ॥
अजय भुजमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बधइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ ५ ॥
अजय भासमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ। बधइ पावय कम्म, त से होइ कडुअ फल ॥ ६ ॥

कह चरे कह चिट्ठे, कहमाए कह सए। कह भुजन्तो भासतो, पावकम्म न बधइ ॥ ७ ॥
जय चरे जय चिट्ठे, जयमासे जय सए। जय भुजन्तो भासतो, पावकम्म न बधइ ॥ ८ ॥
सव्वभूयप्पभूयस्स, सम्म भूयाइ पासओ। पिहिआसवस्स दतस्स, पावकम्म न बधइ ॥ ९ ॥
पढम नाण तओ दया, एव चिट्ठइ सव्वसजए। अन्नाणी किं काही, किं वा नाही सेयपावग ॥ १० ॥
सोच्चा जाणइ कल्लाण, सोच्चा जाणइ पावग। उभय पि जाणइ सोच्चा, ज सेय त समायरे ॥ ११ ॥
जो जीवे वि न याणइ, अजीवे वि न याणइ। जीवाजीवे अयाणतो, कह सो नाहीइ सजम ॥ १२ ॥
जो जीवे वियाणेइ, अजीवे वि वियाणइ। जीवाजीवे वियाणतो, सो हु नाहीइ सजम ॥ १३ ॥
जया जीवमजीवे य, दोवि एए वियाणइ। तया गइ बहुविह, सव्व जीवाण जाणइ ॥ १४ ॥
जया गइ बहुविह, सव्वजीवाण जाणइ। तया पुण्ण च पाव च, बध मुक्ख च जाणइ ॥ १५ ॥
जया पुण्ण च पाव च, बध मुक्ख च जाणइ। तया निव्विदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे ॥ १६ ॥
जया निव्विदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे। तया चयइ सजोग, सब्भिन्तर बाहिर ॥ १७ ॥
जया चयइ सजोग, सब्भिंतर बाहिर। तया मुड भवित्ताण, पव्वइए अणगारिय ॥ १८ ॥
जया मुडे भवित्ताण, पव्वइए अणगारिय। तया सवरमुक्किट्ठ, धम्म फासे अणुत्तर ॥ १९ ॥
जया सवरमुक्किट्ठ, धम्म फासे अणुत्तर। तया धुणइ कम्मरय, अबोहिकलुस कड ॥ २० ॥
जया धुणइ कम्मरय, अबोहिकलुस कड। तया सव्वत्तग नाण, दसण चाभिगच्छइ ॥ २१ ॥
जया सव्वत्तग नाण, दसण चाभिगच्छइ। तया लोगमलोग च, जिणो जाणइ केवली ॥ २२ ॥
जया लोगमलोग च, जिणो जाणइ केवली। तया जोगे निरुभित्ता, सेलेसिं पडिवज्जइ ॥ २३ ॥
जया जोगे निरुभित्ता, सेलेसिं पडिवज्जइ। तया कम्म खवित्ताण, सिद्धिं गच्छइ नीरओ ॥ २४ ॥
जया कम्म खवित्ताण, सिद्धिं गच्छइ नीरओ। तया लोगमत्थयत्थो, सिद्धो हवइ सासओ ॥ २५ ॥

सुह सायगस्स समणस्स, सायाउलगस्स निगामसाइस्स।
उच्छोलणापहोअस्स, दुल्लहा सुगई तारिसगस्स ॥ २६ ॥
तवोगुणपहाणस्स, उज्जुमइ खन्तिसजमरयस्स।
परीसहे जिणतस्स, सुलहा सुगई तारिसगस्स ॥ २७ ॥
पच्छा वि ते पयाया, खिप्प गच्छति अमरभवणाइ।
जेसिं पिओ तवो सजमो अ, खती अ बभचेर च ॥ २८ ॥
इच्चेय छज्जीवणिअ, सम्मदिट्ठी सया जए।
दुल्लह लहित्तु सामण्ण, कम्मुणा न विराहिज्जासि ॥ २९ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ छज्जीवणिआ णाम चउत्थ अज्झयण समत्त ॥ ४ ॥

॥ अह पिंडेसणा णाम पचमज्झयण ॥

सपत्ते भिक्खकालम्मि, असभतो अमुच्छिओ । इमेण कमजोगेण, भत्तपाण गवेसए ॥ १ ॥
से गामे वा नगरे वा, गोअरग्गगओ मुणी । चरे मदमणुव्विग्गो, अवक्खित्तेण चेअसा ॥ २ ॥
पुरओ जुगमायाए, पेहमाणो महि चरे । वज्जतो बीअहरियाइ, पाणे अदगमट्टिअ ॥ ३ ॥
ओवाय विसम खाणु, विज्जल परिवज्जए । सकमेण न गच्छिज्जा, विज्जमाणे परक्कमे ॥ ४ ॥
पवडते व से तत्थ, पक्खलते व सजए । हिंसेज्ज पाणभूयाइ, तसे अदुव थावरे ॥ ५ ॥
तम्हा तेण न गच्छिज्जा, सजए सुसमाहिए । सइ अण्णेण मग्गेण, जयमेव परक्कमे ॥ ६ ॥
इगाले छारिय रासिं तुसरासिं च गोमय । ससरक्खेहिं पाएहिं, सजओ त नइक्कमे ॥ ७ ॥
न चरेज्ज वासे वासते, महियाए पडतिए । महावाए व वायते, तिरिच्छसपाइमेसु वा ॥ ८ ॥
न चरेज्ज वेससामते, बभचेरवसाणुए । बभयारिस्स दतस्स, होज्जा तत्थ विसोत्तिआ ॥ ९ ॥
अणायणे चरतस्स, ससग्गीए अभिक्खणं । होज्ज वयाण पीला, सामणम्मि अ ससओ ॥ १० ॥
तम्हा एअ विआणित्ता, दोस दुग्गइवड्ढण । वज्जए वेससामन्त, मुणी एगतमस्सिए ॥ ११ ॥
साण सूइअ गाविं, दित्त गोण हय गय । सडिब्भ कलह जुद्ध, दूरओ परिवज्जए ॥ १२ ॥
अणुन्नए नावणए, अप्पहिट्ठे अणाउले । इदिआइ जहाभाग दमइत्ता मुणी चरे ॥ १३ ॥
दवदवस्स न गच्छेज्जा, भासमाणो अगोअरे । हसन्तो नाभिगच्छेज्जा, कुल उच्चावय सया ॥ १४ ॥
आलोअ थिग्गल दार, सधिं दगभवणाणि अ । चरन्तो न विणिज्झाए, सकट्ठाण विवज्जए ॥ १५ ॥
रण्णो गिहवईण च, रहस्सारक्खियाण य । सकिलेसकर ठाण, दूरओ परिवज्जए ॥ १६ ॥
पडिकुट्ठ कुल न पविसे, मामग परिवज्जए । अचियत्त कुल न पविसे, चियत्त पविसे कुल ॥ १७ ॥
साणीपावारपिहिअ, अप्पणा नावपगुरे । कवाड नो पणुल्लिज्जा, उग्गहसि अजाइआ ॥ १८ ॥
गोअरग्गपविट्ठो अ, वच्चमुत्त न धारए । ओगास फासुअ नच्चा, अणुन्नविय वोसिरे ॥ १९ ॥
णीय दुवार तमस कुट्ठग परिवज्जए । अचक्खुविसओ जत्थ, पाणा दुप्पडिलेहगा ॥ २० ॥
जत्थ पुप्फाइ बीआइ, विप्पइण्णाइ कोट्ठए । अहुणोवलित्त उल्ल, दट्ठूण परिवज्जए ॥ २१ ॥
एलग दारग साण, वच्छग वा वि कुट्ठए । उल्लघिआ न पविसे, विऊहित्ताण व सजए ॥ २२ ॥
असससत्त पलोइज्जा, नाइदूरावलोअए । उप्फुल्ल न विणिज्झाए, नियट्टिज्ज अयपिरो ॥ २३ ॥
अइभूमिं न गच्छेज्जा, गोअरग्गगओ मुणी । कुलस्स भूमिं जाणित्ता, मिअ भूमिं परक्कमे ॥ २४ ॥
तत्थेव पडिलेहिज्जा, भूमिभागविअक्खणो । सिणाणस्स य वच्चस्स, सलोग परिवज्जए ॥ २५ ॥
दगमट्टिअआयाणे, बीआणि हरिआणि अ । परिवज्जतो चिट्ठिज्जा, सव्विंदिअसमाहिए ॥ २६ ॥
तत्थ से चिट्ठमाणस्स, आहारे पाणभोअण । अकप्पिअ न इच्छिज्जा, पडिगाहिज्ज कप्पिअ ॥ २७ ॥
आहारन्ती सिआ तत्थ, परिसाडिज्ज भोअण । दितिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ २८ ॥
समद्दमाणी पाणाणि, बीआणि हरिआणि अ । असजमकरिं नच्चा, तारिसिं परिवज्जए ॥ २९ ॥
साहट्टु निक्खिवित्ता ण, सचित्त घट्टियाणि य । तहेव समणट्ठाए, उदग सपणुल्लिया ॥ ३० ॥

ओगाहइत्ता चलइत्ता, आहारे पाणभोअण । दिंतिअ पडियाइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ३१ ॥
पुरेकम्मेण हत्थेण, दव्वीए भायणेण वा । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ३२ ॥
एव उदउल्ले ससिणिद्धे, ससरक्खे मट्टिआओसे । हरिआले हिंगुलए, मणोसिला अजणे लोणे ॥ ३३ ॥
गेरुअवन्निअसेढिअ, सोरट्ठिअपिट्ठकुक्कुसकए अ । उक्किट्ठमससट्ठे, ससट्ठे चेव बोद्धव्वे ॥ ३४ ॥
अससट्ठेण हत्थेण, दव्वीए भायणेण वा । दिज्जमाण न इच्छिज्जा, पच्छाकम्म जहिं भवे ॥ ३५ ॥
ससट्ठेण य हत्थेण, दव्वीए भायणेण वा । दिज्जमाण पडिच्छिज्जा, ज तत्थेसणिय भवे ॥ ३६ ॥
दुण्ह तु भुजमाणाण, एगो तत्थ निमतए । दिज्जमाण न इच्छिज्जा, छद से पडिलेहए ॥ ३७ ॥
दुण्ह भुजमाणाण, दो वि तत्थ निमतए । दिज्जमाण पडिच्छिज्जा, ज तत्थेसणिय भवे ॥ ३८ ॥
गुव्विणीए उवण्णत्थ, विविह पाणभोअण । भुजमाण विवज्जिज्जा, भुत्तसेस पडिच्छए ॥ ३९ ॥
सिआ य समणट्ठाए, गुव्विणी कालमासिणी । उट्ठिआ वा निसीइज्जा, निसन्ना वा पुणुट्ठए ॥ ४० ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४१ ॥
थणग पिज्जमाणी, दारग वा कुमारिअ । त निक्खिवित्तु रोअत, आहारे पाणभोयण ॥ ४२ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिय । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४३ ॥
ज भवे भत्तपाण तु, कप्पाकप्पम्मि सकिय । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४४ ॥
दगवारेण पिहिअ, नीसाए पीढएण वा । लोढेण वा विलेवेण, सिलेसेण वा केणइ ॥ ४५ ॥
त च उब्भिदिआ दिज्जा, समणट्ठा एव दावए । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४६ ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्ज वा, दाणट्ठा पगड इम ॥ ४७ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४८ ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, पुण्णट्ठा पगड इम ॥ ४९ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५० ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, वणिमट्ठा पगड इम ॥ ५१ ॥
त भवे भत्तपाण तु सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे न मे कप्पइ तारिस ॥ ५२ ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । ज जाणिज्ज सुणिज्जा वा, समणट्ठा पगड इम ॥ ५३ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५४ ॥
उद्देसिय कीयगड, पूइकम्म च आहड । अज्झोअरपामिच्च, मीसजाय विवज्जए ॥ ५५ ॥
उग्गम से अ पुच्छिज्जा, कस्सट्ठा केण वा कड । सुच्चा निस्सकिय सुद्ध, पडिगाहिज्ज सजए ॥ ५६ ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । पुप्फेसु हुज्ज उम्मीस, बीएसु हरिएसु वा ॥ ५७ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५८ ॥
असण पाणग वावि, खाइम साइम तहा । उदगम्मि हुज्ज निक्खित्त, उत्तिगपणगेसु वा ॥ ५९ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ६० ॥

असण पाणग वावि, खाइम, साइम तहा ।
उग्गिम (अगणिम्मि) होज्ज निक्खित्त, त च सघट्टिआ दए ॥ ॥ ६१ ॥

त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ६२ ॥

एव उस्सिक्किया ओसक्किया, उज्जालिआ पज्जालिआ निव्वाविया ।
उस्सिंचिया निस्सिंचिया, उव्वत्तिया (उव्वत्तिया) ओयारिया दए ॥ ॥ ६३ ॥

त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ६४ ॥

हुज्ज कट्ठ सिल वावि, इट्टाल वावि एगया । ठविअ सकमट्ठाए, त च हुज्ज चलाचल ॥ ६५ ॥

न तेण भिक्खू गच्छिज्जा, दिट्ठो तत्थ असजमो । गभीर झुसिर चेव, सव्विदिअ समाहिय ॥ ६६ ॥

निस्सेणिं फलग पीढ, उस्सवित्ता ण मारुहे । मच कील च पासाय, समणट्ठा एव दावए ॥ ६७ ॥

दुरूहमाणी पवडिज्जा, (पडिवज्जा) हत्थ पाय व लूसए ।
पुढवीजीवे वि हिंसेज्जा, जे अ तन्निस्सिआ जगे ॥ ॥ ६८ ॥

एआरिसे महादोसे, जाणिऊण महेसिणो । तम्हा मालोहड भिक्खु, न पडिगिण्हति सजया ॥ ६९ ॥

कद मूल पलब वा, आम छिन्न च सन्निर । तुबाग सिंगबेर च, आमग परिवज्जए ॥ ७० ॥

तहेव सत्तुचुन्नाइ, कोलचुन्नाइ आवणे । सक्कुलिं फाणिअ पूअ, अन्न वा वि तहाविह ॥ ७१ ॥

विक्कायमाण पसढ, रएण परिफासिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ७२ ॥

बहुअट्ठिअ पुग्गल, अणिमिस वा बहुकटय । अत्थिय तिंदुय बिल्ल, उच्छुखड व सिंबलिं ॥ ७३ ॥

अप्पे सिआ भोअणजाए, बहुउज्झिय धम्मिए (य) ।
दिंतिअ पडियाइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ॥ ७४ ॥

तहेवुच्चावय पाण, अदुवा वारधोअण । ससेइम चाउलोदग, अहुणाधोअ विवज्जए ॥ ७५ ॥

जाजाणेज्जा चिराधोआ, मइए दसणेण वा, पडिपुच्छिऊण सुच्चा वा, ज च निस्सकिय भवे ॥ ७६ ॥

अजीव परिणय नच्चा, पडिगाहिज्ज सजए । अह सकिय भविज्जा, आसाइत्ताण रोअए ॥ ७७ ॥

थोवमासायणट्ठाए, हत्थगम्मि दलाहि मे । मामे अच्चबिल पूअ, नाल तिण्ह विणित्तए ॥ ७८ ॥

त च अच्चबिल पूअ, नाल तिण्हविणित्तए । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ७९ ॥

त च हुज्जा अकामेण, विमणेण पडिच्छिअ । त अप्पणा न पिबे । नो वि अन्नस्स दावए ॥ ८० ॥

एगतमवक्कमित्ता, अचित्त पडिलेहिआ । जय परिट्ठविज्जा, परिट्ठप्प पडिक्कमे ॥ ८१ ॥

सिया अ गोअरग्गओ इच्छिज्जा परिभुत्तुअ । कुट्ठग भित्तिमूल वा पडिलेहित्ताण फासुअ ॥ ८२ ॥

अणुन्नवित्तु मेहावी, पडिच्छिन्नम्मि सवुडे । हत्थग सपमज्जित्ता, तत्थ भुजिज्ज सजए ॥ ८३ ॥

तत्थ से भुजमाणस्स, अट्ठिअ कटओ सिआ । तणकट्ठसक्कर वावि, अन्न वावि तहाविह ॥ ८४ ॥

त उक्खिवित्तु न निक्खिवे, आसएण न छड्डए । हत्थेण त गहेऊण, एगतमवक्कमे ॥ ८५ ॥

एगतमवक्कमित्ता अचित्त पडिलेहिआ । जय परिट्ठविज्जा, परिट्ठप्प पडिक्कमे ॥ ८६ ॥

सिआ आभिक्खुइच्छिज्जा, सिज्जमागम्म भुत्तुअ । सपिंडपायमागम्म, उडुअ पडिलेहिआ ॥ ८७ ॥

विणएण पविसित्ता, सगासे गुरूणो मुणी । इरियावहियमायाय, आगओ अ पडिक्कमे ॥ ८८ ॥

आभोइत्ताण नीसेस, अइआर च जहक्कम । गमणागमणे चेव, भत्ते पाणे च सजए ॥ ८९ ॥

उज्जुप्पन्नो अणुव्विग्गो, अवक्खित्तेण चेअसा । आलोए गुरुसगासे, ज जहा गहिय भवे ॥ ९० ॥

न सम्ममालोइअ हुज्जा, पुव्विं पच्छा व ज कड । पुणो पडिक्कमे तस्स, वोसट्ठो चिंतए इम ॥ ९१ ॥

अहो जिणेहिं असावज्जा, वित्ती साहूण देसिआ । मुक्खसाहणहेउस्स, साहुदेहस्स धारणा ॥ ९२ ॥
णमुक्कारेण पारित्ता, करित्ता जिणसथव । सज्झाय पट्ठवित्ताण, वीसमेज्ज खण मुणी ॥ ९३ ॥
वीससतो इम चिंते हियमट्ठ लाभमट्ठिओ । मे अणुगह कुज्जा, साहू हुज्जामि तारिओ ॥ ९४ ॥
साहवो तो चिअत्तेण, निमतिज्ज जहक्कम । जइ तत्थ केइ इच्छिज्जा, तेहिं सद्धिं तु भुजए ॥ ९५ ॥
अह कोइ न इच्छिज्जा, तओ भुजिज्ज एक्कओ । आलोए भायणे साहू जय अपरिसाडिअ ॥ ९६ ॥

तित्तग च कडुअ च, कसाय अबिल च महुर लवण वा ।
एयलद्धमन्नत्थपउत्त महु घय च भुजिज्ज सजए ॥ ॥ ९७ ॥

अरस विरस वावि, सूइअ वा असूइअ । उल्ल वा जइ वा सुक्क, मथुकुम्मासभोअण ॥ ९८ ॥
उप्पण्ण नाइहीलिज्जा, अप्प वा बहु फासुअ । मुहालद्ध मुहाजीवी, भुजिज्जा दोसवज्जिअ ॥ ९९ ॥
दुल्लहाओ मुहादाई, मुहाजीवी, वि दुल्लहा । मुहादाई मुहाजीवी, दो वि गच्छति सुग्गइ ॥ १०० ॥

॥ इअ पिंडेसणाए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

पडिग्गह सलिहित्ताण, लेवमायाइ सजए । दुगध वा, सव्व भुजे न छड्डए ॥ १ ॥
सेज्जा निसीहियाए, समावन्नो अगोचरे । अयावयट्ठा भुच्चाण, जइ तेण न सथरे ॥ २ ॥
तओ कारणमुप्पण्णे, भत्तपाण गवेसए । विहिणा पुव्वउत्तेण, इमेण उत्तरेण य ॥ ३ ॥

कालेण निक्खमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे ।
अकाल च विवज्जित्ता (ज्जा), काले काल समायरे ॥ ॥ ४ ॥
अकाले चरिसि भिक्खू, काल न पडिलेहिसि ।
अप्पाण च किलामेसि, सन्निवेस च गरिहासि ॥ ॥ ५ ॥

सइ काले चरे भिक्खू कुज्जा पुरिसकारिअ । अलाभोत्ति न सोइज्जा तवो त्ति अहियासए ॥ ६ ॥
तहेवुच्चावया पाणा, भत्तट्ठाए समागया । त उज्जुअ न गच्छिज्जा, जयमेव परक्कमे ॥ ७ ॥
गोअरग्गपविट्ठो अ, न निसीइज्ज कत्थइ । कह च न पबधिज्जा, चिट्ठित्ताण व सजए ॥ ८ ॥
अग्गल फलिह दार, कवाड वा वि सजए । अवलबिआ न चिट्ठिज्जा, गोअरग्गओ मुणी ॥ ९ ॥
समण माहण वावि, किविण वा वणीमग । उवसकमत भत्तट्ठा, पाणट्ठाए व सजए ॥ १० ॥
तमइक्कमित्तु न पविसे, न चिट्ठे चक्खुगोअरे । एगतमवक्कमित्ता, तत्थ चिट्ठिज्ज सजए ॥ ११ ॥
वणीमगस्स वा तस्स, दायगस्सुभयस्स वा । अप्पत्तिअ सिआ हुज्जा, लहुत्त पवयणस्स वा ॥ १२ ॥
पडिसेहिए व दिन्ने वा, तओ तम्मि नियत्तिए । उवसकमिज्ज भत्तट्ठा, पाणट्ठाए व सजए ॥ १३ ॥
उप्पल पउम वावि, कुमुअ वा मगदतिअ । अन्न वा पुप्फसच्चित्त, त च सलुचिआ दए ॥ १४ ॥
त भवे भत्तपाण तु सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ १५ ॥
उप्पल पउम वावि, कुमुअ वा मगदतिअ । अन्न वा पुप्फसच्चित्त, त च सम्मद्दिआ दए ॥ १६ ॥
त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआइक्ख, न मे कप्पइ तारिस ॥ १७ ॥
सालुअ वा विरालिअ, कुमुअ उप्पलनालिय । मुणालिअ सासवनालिअ उच्छुखड अनिव्वुड ॥ १८ ॥
तरुणग वा पवाल, रुक्खस्स तणगस्स वा । अन्नस्स वा वि हरिअस्स, आमग परिवज्जए ॥ १९ ॥

तरुणिअ वा छिवार्डि, आमिअ भज्जिय सय । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस २० ॥
तहा कोलमणुस्सिन्न वेलुअ कासवनालिअ । तिलपप्पडग नीम, आमग परिवज्जए ॥ २१ ॥
तहेव चाउल पिट्ठ, विअड तत्तनिव्वुड । तिलपिट्ठपूइपिन्नाग, आमग परिवज्जए ॥ २२ ॥
कविट्ठ माउलिंग च, मूलग मूलगत्तिअ, आम असत्थपरिणय मणसा वि न पत्थए ॥ २३ ॥
तहेव फलमथूणि बीअमथूणि जाणिआ । विहेलग पियाल च, आमग परिवज्जए ॥ २४ ॥
समुआण चरे भिक्खू कुलमुच्चावय सया । नीय कुलमइक्कम्म, ऊसढ नाभिधारए ॥ २५ ॥
अदीणो वित्तिमेसिज्जा, न विसीएज्ज पंडिए । अमुच्छिओ भोअणम्मि, मायण्णे एसणारए ॥ २६ ॥
बहु परघरे अत्थि विविह खाइमसाइम । न तत्थ पंडिओ कुप्पे इच्छा दिज्ज परो न वा ॥ २७ ॥
सयणासणवत्थ वा, भत्त पाण च सजए । अदितस्स न कुप्पिज्जा, पच्चक्खे वि अ दीसओ ॥ २८ ॥
इत्थिअ पुरिस वावि, डहर वा महल्लग । वदमाण न जाइज्जा, नो अण फरुस वए ॥ २९ ॥
जे न वदे न से कुप्पे, वदिओ न समुक्कसे । एवमन्नेसमाणस्स, सामण्णमणुचिट्ठइ ॥ ३० ॥
सिआ एगइओ लद्धु लोभेण विणिगूहइ । मामेय दाइय सत, दट्ठूण सयमायए ॥ ३१ ॥
अत्तट्ठा गुरुओ लुद्धो, बहु पाव पकुव्वइ । दुत्तोसओ अ से (सो) होइ, निव्वाण च न गच्छइ ॥ ३२ ॥
सिआ एगइओ लद्धु, विविह पाणभोअण । भद्दग भद्दग भुच्चा, विवन्न विरसमाहरे ॥ ३३ ॥
जाणतु ता इमे समणा, आययट्ठी अय मुणी । सतुट्ठो सेवए पत, लूहवित्ती सुतोसओ ॥ ३४ ॥
पूयणट्ठा जसोकामी, माणसमाणकामए । बहु पसवई पाव, मायासल्ल च कुव्वइ ॥ ३५ ॥
सुर वा मेरग वावि, अन्न वा मज्जग रस । ससक्ख न पिबे भिक्खू जस सारक्खमप्पणो ॥ ३६ ॥
पियए एगओ तेणो, न मे कोइ विआणइ । तस्स पस्सह दोसाइ, निअडि च सुणेह मे ॥ ३७ ॥
वड्ढई सुडिआ तस्स, मायामोस च भिक्खुणो । अयसो अनिव्वाण, सयय च असाहुआ ॥ ३८ ॥
निच्चुव्विग्गो जहा तेणो, अत्तकम्मेहिं दुम्मइ । तारिसो मरणते वि न आराहइ सवर ॥ ३९ ॥
आयरिए नाराहइ, समणे आवी तारिसो । गिहत्था वि ण गरिहति, जेण जाणति तारिस ॥ ४० ॥
एव तु अगुणप्पेही गुणाण च विवज्जए । तारिसो मरणते वि, ण आराहइ सवर ॥ ४१ ॥
तव कुव्वइ मेहावी, पणीअ वज्जए रस । मज्जप्पमायविरओ, तवस्सी अइउक्कसो ॥ ४२ ॥
तस्स पस्सह कल्लाण अणेगसाहुपूइअ । विउल अत्थसजुत्त, कित्तइस्स सुणेह मे ॥ ४३ ॥
एव तु गुणप्पेही, अगुणाण च विवज्जए (ओ) । तारिसो मरणते वि आराहइ सवर ॥ ४४ ॥
आयरिए आराहइ समणे आवि तारिसो । गिहत्था वि ण पूयति, जेण जाणति तारिस ॥ ४५ ॥
तवतेणे वयतेणे, रूवतेणे अ जे नरे । आयारभावतेणे अ, कुव्वइ देवकिव्विस ॥ ४६ ॥
लद्धूण वि देवत्त, उववन्नो देवकिव्विसे । तत्थावि से न याणाइ कि मे किच्चा इम फल ॥ ४७ ॥
तत्तो वि से चइत्ताण, लब्भइ एलमूअय । नरग तिरिक्खजोणिं वा, बोही जत्थ सुदुल्लहा । ४८ ॥
एअ च दोस दट्ठूण, नायपुत्तेण भासिअ । अणुमाय पि मेहावी, मायामोस विवज्जए ॥ ४९ ॥
सिक्खिऊण भिक्खेसणसोहिं, सजयाण बुद्धाण सगासे । तत्थ भिक्खू सुप्पणिहिंदिए, तिव्वलज्जगुणव विहरिज्जासि ॥५०॥ त्ति बेमि॥ इअ पिंडेसणाए बीओ उद्देसो॥ पचमज्झयण समत्त ॥

॥ अह छट्ठ धम्मत्थकामज्झयण ॥

नाणदसणसपन्न, सजमे अ तवे रय। गणिमागमसपन्न, उज्जाणम्मि समोसढ ॥ १ ॥
रायाओ रायमचा य, माहणा अदुव खत्तिआ। पुच्छति निहुअप्पाणो, कह मे आयारगोयरो ॥ २ ॥
तेसिं सो निहुओ दतो, सव्वभूअसुहावहो, सिक्खाएसु समाउत्तो, आयक्खइ विअक्खणो ॥ ३ ॥
हदि धम्मत्थकामाण निग्गथाण सुणेह मे। आयारगोअर भीम, सयल दुरहिट्ठिअ ॥ ४ ॥
नन्नत्थ एरिस वुत्त, ज लोए परमदुच्चर। विउलट्ठाणभाइस्स, न भूअ न भविस्सइ ॥ ५ ॥
सखुड्डगविअत्ताण, वाहिआण च जे गुणा। अखडफुडिआ कायव्वा, त सुणेह जहा तहा ॥ ६ ॥
दस अट्ठ य ठाणाइ, जाइ बालोऽवरज्झइ। तत्थ अन्नयरे ठाणे, निग्गथत्ताओ भस्सइ ॥ ७ ॥
वयछक्क कायछक्क, अकप्पो गिहिभायण। पलियकनिस[िज्जा] ज्जा य, सिणाण सोहवज्जण ॥ ८ ॥
तत्थिम पढम ठाण, महावीरेण देसिअ। अहिंसा निउणा दिट्ठा, सव्वभूएसु सजमो ॥ ९ ॥
जावति लोए पाणा, तसा अदुव थावरा। ते जाणमजाण वा, न हणे णो विघायए ॥ १० ॥
सव्वे जीवा वि इच्छति, जीविउ न मरिज्जिउ। तम्हा पाणिवह घोर, निग्गथा वज्जयति ण ॥ ११ ॥
अप्पणट्ठा परट्ठा वा, कोहा वा जइ वा भया। हिंसग न मुस बूआ, नोवि अन्न वयावए ॥ १२ ॥
मुसावाओ य लोगम्मि, सव्वसाहूहिं गरिहिओ। अविस्सासो य भूआण, तम्हा मोस विवज्जए ॥ १३ ॥
चित्तमतमचित्त वा, अप्प वा जइ वा बहु। दतसोहणमित्त पि, उग्गहसि अजाइया ॥ १४ ॥
त अप्पणा न गिण्हति, नो वि गिण्हावए पर। अन्न वा गिण्हमाण पि, नाणुजाणति सजया ॥ १५ ॥
अबमचरिअ घोर, पमाय दुरहिट्ठिअ। नायरति मुणी लोए भेआयणवज्जिणो ॥ १६ ॥
मूलमेयमहम्मस्स, महादोससमुस्सय। तम्हा मेहुणससग्ग, निग्गथा वज्जयति ण ॥ १७ ॥
विडमुब्भेइम लोण, तिल्ल सप्पि च फाणिअ। न ते सनिहिमिच्छति, नायपुत्तवओरया ॥ १८ ॥
लोहस्सेसणुफासे, मन्ने अन्नयरामवि। जे सिया सन्निहिं काम, गिही पव्वइए न से ॥ १९ ॥
ज पि वत्थ च पाय वा, कबल पायपुछण। त पि सजमलज्जट्ठा, धारति परिहरति अ ॥ २० ॥
न सो परिग्गहो वुत्तो, नायपुत्तेण ताइणा। मुच्छा परिग्गहो वुत्तो इइ वुत्त महेसिणा ॥ २१ ॥
सव्वत्थुवहिणा बुद्धा, सरक्खणपरिग्गहे अवि अप्पणोऽवि देहम्मि, नायरति ममाइय ॥ २२ ॥
अहो निच्च तवो कम्म, सव्वबुद्धेहि वण्णिअ। जा य लज्जासमा वित्ती, एगभत्त च भोअण ॥ २३ ॥
सति मे सुहुमा पाणा तसा अदुव थावरा। जाइ राओ अपासतो, कहमेसणिअ चरे ॥ २४ ॥
उदउल्ल बीअससत्त, पाणा निवडिया महिं। दिआ ताइ विवज्जिज्जा, राओ तत्थ कह चरे ॥ २५ ॥
एअ च दोस दट्ठूण, नायपुत्तेण भासिय। सव्वाहार न भुजति, निग्गथा राइभोअण ॥ २६ ॥
पुढविकाय न हिंसति, मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, सजया सुसमाहिआ ॥ २७ ॥
पुढविकाय विहिंसतो, हिंसईउ तयस्सिए। तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ २८ ॥
तम्हा एअ विआणित्ता, दोस दुग्गइवड्ढण। पुढविकायसमारभ, जावज्जीवाए वज्जए ॥ २९ ॥
आउकाय न हिंसति मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, सजया सुसमाहिआ ॥ ३० ॥

आउकाय विहिंसंतो, हिंसई तयस्सिए। तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ३१ ॥
तम्हा एअं विआणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। आउकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ३२ ॥
जायतेअं न इच्छंति पावगं जलइत्तए। तिक्खमन्नयरं सत्थं, सव्वओ वि दुरासयं ॥ ३३ ॥
पाईणं पडिणं वावि, उड्ढं अणुदिसामवि। अहे दाहिणिओ वा वि दहे उत्तरओ वि अ ॥ ३४ ॥
भूआणमेसमाघाओ हव्ववाहो न संसओ। तं पईवपयावट्ठा, संजया किंचि नारभे ॥ ३५ ॥
तम्हा एयवियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। तेउकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ३६ ॥
अणिलस्स समारंभं, बुद्धा मन्नंति तारिसं। सावज्जबहुलं चेअं, नेअं ताईहिं सेविअं ॥ ३७ ॥
तालिअंटेण पत्तेण, साहाविहुअणेण वा। न ते वीइउमिच्छंति, वीआवेऊण वा परं ॥ ३८ ॥
जं पि वत्थं व (च) पायं वा, कंबलं पायपुंछणं न ते वायमुईरंति, जयं परिहरंति अ ॥ ३९ ॥
तम्हा एअं विआणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। वाउकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ४० ॥
वणस्सइं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिआ ॥ ४१ ॥
वणस्सइं विहिंसंतो, हिंसइ उ तयस्सिए। तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ४२ ॥
तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। वणस्सइ समारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ४३ ॥
तसकायं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिआ ॥ ४४ ॥
तसकायं विहिंसंतो, हिंसइ उ तयस्सिए। तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ४५ ॥
तम्हा एअं विआणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। तसकायसमारंभं, जावज्जीवाए [इ] वज्जए ॥ ४६ ॥
जाइं चत्तारि भुज्जाइं, इसिणा हारमाइणि। ताइं तु विवज्जंतो, संजमं अणुपालए ॥ ४७ ॥
पिंडं सिज्जं च वत्थं च, चउत्थं पायमेव य। अकप्पिअं न इच्छिज्जा, पडिगाहिज्ज कप्पिअं ॥ ४८ ॥
जे नियागं ममायंति, कीअमुद्देसिआहडं। वह ते समणुजाणंति, इअ उ (वु)त्तं महेसिणा ॥ ४९ ॥
तम्हा असणपाणाइं, कीयमुद्देसियाहडं। वज्जयंति ठिअप्पाणो, निग्गंथा धम्मजीविणो ॥ ५० ॥
कंसेसु कंसपाएसु कुंडमोएसु वा पुणो। भुंजंतो असणपाणाइं, आयारा परिभस्सइ ॥ ५१ ॥
सीओदगसमारंभे, मत्तधोअणछड्डणे जाइं छन्नंति भूआइं, दिट्ठो तत्थ असंजमो ॥ ५२ ॥
पच्छाकम्मं पुरेकम्मं, सिआ तत्थ न कप्पइ। एअमट्ठं न भुंजंति, निग्गंथा गिहिभायणे ॥ ५३ ॥
आसंदीपलिअंकेसु, मंचमासालएसु वा। अणायरिअमज्जाणं आसइत्तु सइत्तु वा ॥ ५४ ॥
नासंदीपलिअंकेसु, न निसिज्जा न पीढए। निग्गंथा पडिलेहाए, बुद्धवुत्तमहिट्ठगा ॥ ५५ ॥
गंभीरविजया एए, पाणा दुप्पडिलेहगा। आसंदी पलिअंको अ, एयमट्ठं विवज्जिआ ॥ ५६ ॥
गोअरग्गपविट्ठस्स, निसिज्जा जस्स कप्पइ। इमणिसमणायारं, आवज्जइ अबोहिअं ॥ ५७ ॥
विवत्ती बंभचेरस्स, पाणाणं च वहे वहो। वणीमगपडिग्घाओ, पडिकोहो अगारिणं ॥ ५८ ॥
अगुत्ती बंभचेरस्स, इत्थीओ वा वि संकणं। कुसीलवड्ढणं, ठाणं, दूरओ परिवज्जए ॥ ५९ ॥
तिण्हमन्नयरागस्स, निसिज्जा जस्स कप्पइ। जराए अभिभूअस्स, वाहिअस्स तवस्सिणो ॥ ६० ॥
वाहिओ वा अरोगी वा, सिणाणं जो उ पत्थए। वुक्कंतो होइ आयारो, जढो हवइ संजमो ॥ ६१ ॥
संतिमे सुहुमा पाणा, घसासु भिलुगासु अ। जे अ भिक्खू सिणायंतो, वियडेणुप्पिलावए ॥ ६२ ॥
तम्हा ते न सिणायंति, सीएण उसिणेण वा। जावज्जीवं वयं घोरं, असिणाणमहिट्ठगा ॥ ६३ ॥

सिणाणं अदुवा कक्कं, लुद्धं पउमगाणि अ। गायस्सुव्वट्टणट्ठाए, नायरंति कयाइ वि ॥ ६४ ॥
नगिणस्स वावि मुंडस्स, दीहरोमनहंसिणो। मेहुणाओ उवसंतस्स, किं विभूसाय कारिअं ॥ ६५ ॥
विभूसावत्तिअं भिक्खू, कम्मं बंधइ चिक्कणं। संसारसायरे घोरे, जेणं पडइ दुरुत्तरे ॥ ६६ ॥
विभूसावत्तिअं चेअं, बुद्धा मन्नंति तारिसं। सावज्जबहुलं चेअं, नेयं ताईहिं सेविअं ॥ ६७ ॥

खवंति अप्पाणममोहदंसिणो, तवे रया संजम अज्जवे गुणे।
धुणंति पावाइं पुरेकडाइं नवाइं पावाइं न ते करंति॥ ॥ ६८ ॥
सओवसंता अममा अकिंचणा, सविज्जविज्जाणुगया जसंसिणो।
उउप्पसन्ने विमले व चंदिमा। सिद्धिं विमाणाइं उवेंति (वयंति) ताइणो ॥ ६९ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ छट्टं धम्मत्थकामज्झयणं समत्तं ॥ ६ ॥

॥ अह सुवक्कसुद्धी णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

चउण्हं खलु भासाणं, परिसंखाय पन्नवं। दुण्हं तु विणयं सिक्खे, दो न भासिज्ज सव्वसो ॥ १ ॥
जा अ सच्चा अवत्तव्वा, सच्चामोसा अ जा मुसा। जा अ बुद्धेहिं नाइन्ना, न तं भासिज्ज पन्नवं ॥ २ ॥
असच्चमोसं सच्चं च, अणवज्जमकक्कसं। समुप्पेहमसंदिद्धं गिरं भासिज्ज पन्नवं ॥ ३ ॥
एयं च अट्ठमन्नं वा, जं तु नामेइ सासयं। स भासं सच्चमोसं च पि तं (पि) धीरो विवज्जए ॥ ४ ॥
वितहं पि तहामुत्तिं, जं गिरं भासओ नरो। तम्हा सो पुट्ठो पावेणं, किं पुण जो मुसं वए ॥ ५ ॥

तम्हा गच्छामो वक्खामो, अमुगं वा णे भविस्सइ।
अहं वा णं करिस्सामि, एसो वा णं करिस्सइ ॥ ॥ ६ ॥

एवमाइ उ जा भासा, एसकालम्मि संकिआ। संपयाइअमट्ठे वा, तं पि धीरो विवज्जए ॥ ७ ॥
अइअम्मि अ कालम्मि, पच्चुप्पण्णमणागए। जमट्ठं तु न जाणिज्जा, एवमेअं ति नो वए ॥ ८ ॥
अइअम्मि अ कालम्मि, पच्चुप्पण्णमणागए। जत्थ संका भवे तं तु, एवमेअं तु नो वए ॥ ९ ॥
अईअम्मि य कालम्मि, पच्चुप्पण्णमणागए। निस्संकिअं भवे जं तु, एवमेअं तु निद्दिसे ॥ १० ॥
तहेव फरुसा भासा, गुरुभूओवघाइणी। सच्चा वि सा न वत्तव्वा, जओ पावस्स आगमो ॥ ११ ॥
तहेव काणं काणं त्ति, पंडगं पंडगं त्ति वा। वाहिअं वा वि रोगि त्ति, तेणं चोरे त्ति नो वए ॥ १२ ॥
एएणन्नेण अट्ठेण, परो जेणुवहम्मइ। आयारभावदोसन्नू न तं भासिज्ज पण्णवं ॥ १३ ॥
तहेव होले गोलि त्ति, साणे वा वसुलि त्ति अ। दमए दुहए वा वि नेवं भासिज्ज पण्णवं ॥ १४ ॥

अज्जिए पज्जिए वा वि अम्मो माउस्सिअ त्ति अ।
पिउस्सिए भायणिज्ज त्ति, धूए णत्तुणिअ त्ति अ ॥ ॥ १५ ॥
हले हलित्ति अन्नि त्ति, भट्टे सामिणि गोमिणि।
होले गोले वसुलि त्ति, इत्थियं नेवमालवे ॥ ॥ १६ ॥

णामधिज्जेण णं बूआ, इत्थीगुत्तेण वा पुणो। जहारिहमभिगिज्झ, आलविज्ज लविज्ज वा ॥ १७ ॥

अज्जए पज्जए वा वि, बप्पो चुल्लपिउ त्ति अ। माउलो भाइणिज्ज त्ति, पुत्ते णत्तुणिअ त्ति अ ॥ १८ ॥
हे भो! हलित्ति अन्नित्ति, भट्टा सामिअ गोमिअ। होला गोल वसुलित्ति, पुरिसं नेवमालवे ॥ १९ ॥
नामधिज्जेण णं बूआ, परिगुत्तेण वा पुणो। जहारिहमभिगिज्झ, आलविज्ज लविज्ज वा ॥ २० ॥
पंचिंदिआण पाणाण, एस इत्थी अयं पुमं। जाव णं नो विजाणिज्जा, ताव जाइ त्ति आलवे ॥ २१ ॥
तहेव मणुसं पसुं, पक्खिं वा वि सरीसिवं। थूले पमेइले वज्झे, पाइमि त्ति अ नो वए ॥ २२ ॥
परिवुड्ढे त्ति णं बूआ, बूआ उवचिए त्ति अ। संजाए पीणिए वा वि, महाकाय त्ति आलवे ॥ २३ ॥
तहेव गाओ दुज्झाओ, दम्मा गोरहग त्ति अ। वाहिमा रहजोगि त्ति, नेवं भासिज्ज पण्णवं ॥ २४ ॥
जुवं गवि त्ति णं बूआ, धेणुं रसदय त्ति अ। रहस्से महल्लए वा वि, वए संवहणि त्ति अ ॥ २५ ॥
तहेव गंतुमुज्जाणं, पव्वयाणि वणाणि अ। रुक्खा महल्ल पेहाए, नेवं भासिज्ज पण्णवं ॥ २६ ॥
अलं पासायखंभाणं, तोरणाणि गिहाणि अ। फलिहग्गलनावाणं, अलं उदगदोणिणं ॥ २७ ॥
पीढए चंगबेरे अ, नंगले मइयं सिआ। जंतलट्ठी व नाभी वा, गंडिआ व अलं सिआ ॥ २८ ॥
आसणं सयणं जाणं, हुज्जा वा किंचुवस्सए। भूओवघाइणिं भासं, नेवं भासिज्ज पण्णवं ॥ २९ ॥
तहेव गंतुमुज्जाणं, पव्वयाणि वणाणि अ। रुक्खा महल्ल पेहाए, एवं भासिज्ज पण्णवं ॥ ३० ॥
जाइमंता इमे रुक्खा, दीहवट्टा महालया। पयायसाला विडिमा, वए दरिसणि त्ति अ ॥ ३१ ॥
तहा फलाइं पक्काइं, पायखज्जाइं नो वए। वेलोइयाइं टालाइं, वेहिमाइं त्ति नो वए ॥ ३२ ॥
असंथडा इमे अंबा, बहुनिव्वडिमा फला। वइज्ज बहुसंभूआ, भूअरूव त्ति वा पुणो ॥ ३३ ॥
तहेवोसहीओ पक्काओ, नीलिआओ छवीइ अ। लाइमा भज्जिमाउ त्ति, पिहुखज्ज त्ति नो वए ॥ ३४ ॥
रूढा बहुसंभूआ, थिरा ओसढा वि अ। गब्भिआओ पसूआओ, ससाराउ त्ति आलवे ॥ ३५ ॥

तहेव संखडिं नच्चा, किच्चं कज्जं ति नो वए।
तेणगं वा वि वज्झि त्ति, सुतित्थि त्ति अ आवगा ॥ ॥ ३६ ॥
संखडिं संखडिं बूआ, पणिअट्ठ त्ति तेणगं।
बहुसमानि तित्थाणि, आवगाणं विआगरे ॥ ॥ ३७ ॥
तहा नईओ पुण्णाओ, कायतिज्ज त्ति नो वए।
नावाहिं तारिमाउ त्ति, पाणिपिज्ज त्ति नो वए ॥ ॥ ३८ ॥

बहुवाहडा अगाहा, बहुसलिलुप्पिलोदगा। बहुवित्थडोदगा आवि एवं भासिज्ज पण्णवं ॥ ३९ ॥
तहेव सावज्जं जोगं, परस्सट्ठा अ निट्ठिअं। कीरमाणं ति वा नच्चा, सावज्जं न लवे मुणी ॥ ४० ॥
सुकडि त्ति सुपक्कि त्ति, सुच्छिन्ने सुहडे मडे। सुनिट्ठिए सुलट्ठि त्ति, सावज्जं वज्जए मुणी ॥ ४१ ॥

पयत्तपक्कि त्ति व पक्कमालवे, पयत्तछिन्न त्ति व छिन्नमालवे।
पयत्तलट्ठि त्ति व कम्महेउअं, पहारगाढि त्ति व गाढमालवे ॥ ॥ ४२ ॥

सव्वुक्कसं परग्घं वा, अउलं नत्थि एरिसं। अविक्किअमवत्तव्वं अचिअत्तं चेव नो वए ॥ ४३ ॥
सव्वमेअं वइस्सामि, सव्वमेअं ति नो वए। अणुवीइ सव्वं सव्वत्थ, एवं भासिज्ज पण्णवं ॥ ४४ ॥
सुक्कीअं वा सुविक्कीअं, अकिज्जं किज्जमेव वा। इमं गिण्ह इमं मुंच, पणिअं नो विआगरे ॥ ४५ ॥

अप्पग्घे वा महग्घे वा, कए वा विकए वि वा। पडिअट्ठे समुप्पन्ने, अणवज्जं वियागरे ॥ ४६ ॥
तहेवासंजयं धीरो, आस एहि करेहि वा। सयचिट्ठ वयाहित्ति, नेवं भासिज्ज पण्णवं ॥ ४७ ॥
बहवे इमे असाहू, लोए वुच्चंति साहुणो। न लवे असाहुं साहुत्ति, साहुं साहुत्ति आलवे ॥ ४८ ॥
नाणदंसणसंपन्नं, संजमे अ तवे रयं। एवं गुणसमाउत्तं, संजयं साहुमालवे ॥ ४९ ॥
देवाणं मणुआणं च, तिरिआणं च वुग्गहे। अमुगाणं जओ होउ, मा वा होउत्ति नो वए ॥ ५० ॥

वाओ वुट्ठं व सीउण्हं, खेमं धायं सिवं ति वा।
कया णु हुज्ज एयाणि, मा वा होउ त्ति नो वए ॥ ५१ ॥
तहेव मेहं व नहं व माणवं, न देवदेव त्ति गिरं वइज्जा।
समुच्छिए उन्नए वा पओए, वइज्ज वा वुट्ठ बलाहय त्ति ॥ ५२ ॥
अंतलिक्ख त्ति णं बूआ, गुज्झाणुचरिअ त्ति अ।
रिद्धिमंतं नरं दिस्स, रिद्धिमंतं ति आलवे ॥ ५३ ॥
तहेव सावज्जणुमोअणी गिरा, ओहारिणी जा य परोवघायणी।
से कोह लोह भय हास माणवो, न हासमाणो विगिरं वइज्जा ॥ ५४ ॥
सुवक्कसुद्धिं समुपेहिआ मुणी, गिरं च दुट्ठं परिवज्जए सया।
मिअं अदुट्ठं अणुवीइ भासए, सयाण मज्झे लहइ पसंसणं ॥ ५५ ॥
भासाइ दोसे अ गुणे अ जाणिआ, तीसेअ दुट्ठे परिवज्जए सया।
छसु संजए सामणिए सया जए, वइज्ज बुद्धे हिअमाणुलोमिअं ॥ ५६ ॥
परिक्खभासी सुसमाहिइंदिए, चउक्कसायावगए अणिस्सिए।
स निद्धुणे धुत्तमलं पुरेकडं, आराहए लोगमिणं तहा परं ॥ ५७ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ सुवक्कसुद्धीनाम सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥ ७ ॥



॥ अह आयारपणिही अट्ठमज्झयण ॥

आयारपणिहिं लद्धु, जहा कायव्व भिक्खुणा । त मे उदाहरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे ॥ १ ॥
पुढविदगअगणिमारुअ, तणरुक्खस्स बीयगा । तसा अ पाणा जीव त्ति, इइ वुत्त महेसिणा ॥ २ ॥
तेसिं अच्छणजोएण, निच्च होअव्वय सिआ । मणसा कायवक्केण, एव हवइ सजए ॥ ३ ॥
पुढविं भित्तिं सिल लेलु, नेव भिंदे न सलिहे । तिविहेण करणजोएण, सजए सुसमाहिए ॥ ४ ॥
सुद्धपुढवीं न निसीए, ससरक्खम्मि अ आसणे। पमज्जित्तु निसीइज्जा, जाइत्ता जस्स उग्गह ॥ ५ ॥
सीओदग न सेविज्जा, सिलावुट्ठ हिमाणि अ । उसिणोदग तत्तफासुअ, पडिगाहिज्ज सजए ॥ ६ ॥
उदउल्ल अप्पणो काय, नेव पुछे न सलिहे । समुप्पेह तहाभूअ, नो ण सघट्टए मुणी ॥ ७ ॥
इगाल अगणिं अच्चिं, अलाय वा सजोइअ। न उजिज्जा न घट्टिज्जा, नो ण निव्वावए मुणी ॥ ८ ॥
तालिअटेण पत्तेण, साहाए विहुयणेण वा। न वीइज्ज अप्पणो काय, बाहिर वा वि पुग्गल ॥ ९ ॥
तणरुक्ख न छिंदिज्जा, फल मूल च कस्सइ। आमग विविह बीअ, मणसा वि ण पत्थए ॥ १० ॥
गहणेसु न चिट्ठिज्जा, बीएसु हरिएसु वा । उदगम्मि तहा निच्च, उत्तिंगपणगेसु वा ॥ ११ ॥
तसे पाणे न हिंसिज्जा, वाया अदुव कम्मुणा । उवरओ सव्वभूएसु, पासेज्ज विविह जग ॥ १२ ॥
अट्ठ सुहुमाइ पेहाए, जाइ जाणित्तु सजए । दयाहिगारी भूएसु, आस चिट्ठ सएहि वा ॥ १३ ॥
कयराइ अट्ठ सुहुमाइ, जाइ पुच्छिज्ज सजए। इमाइ ताइ मेहावी, आइक्खिज्ज विअक्खणो ॥ १४ ॥
सिणेह पुप्फसुहुम च, पाणुत्तिंग तहेव य । पणग बीअ हरिअ च, अडसुहुम च अट्ठम ॥ १५ ॥
एवमेआणि जाणित्ता, सव्वभावेण सजए । अप्पमत्तो जए निच्च, सव्विंदिअसमाहिए ॥ १६ ॥
धुव च पडिलेहिज्जा, जोगसा पायकबल । सिज्जमुच्चारभूमिं च, सथार अदुवासण ॥ १७ ॥
उच्चार पासवण, खेल सिंघाणजल्लिअ । फासुअ पडिलेहित्ता, परिट्ठाविज्ज सजए ॥ १८ ॥
पविसित्तु परागार, पाणट्ठा भोअणस्स वा। जय चिट्ठे मिअ भासे, न य रूवेसु मण करे ॥ १९ ॥
बहु सुणेइ कण्णेहिं, बहु अच्छीहिं पिच्छइ। न य दिट्ठ सुअ सव्व भिक्खू अक्खाउमरिहइ ॥ २० ॥
सुअ वा जइ वा दिट्ठ, न लविज्जोवघाइअ । न य केण उवाएण, गिहिजोग समायरे ॥ २१ ॥
निट्ठाण रसनिज्जूढ, भद्दग पावग ति वा । पुट्ठो वा वि अपुट्ठो वा, लाभालाभ न निद्दिसे ॥ २२ ॥
न य भोअणम्मि गिद्धो, चरे उछ अयपिरो । अफासुअ न भुजीज्जा, कीअमुद्देसिआहडं ॥ २३ ॥
सनिहिं च न कुव्विज्जा, अणुमाय पि सजए । मुहाजीवी असबद्धे, हविज्ज जगनिस्सिए ॥ २४ ॥
लूहवित्ति सुसतुट्ठे, अप्पिच्छे सुहरे सिआ । आसुरत्त न गच्छिज्जा, सुच्चा ण जिणसासण ॥ २५ ॥
कण्णसुक्खेहिं सद्देहिं, पेम नाभिनिवेसए । दारुण कक्कस फास, काएण अहिआसए ॥ २६ ॥
खुह पिवास दुस्सिज्ज, सीउण्ह अरइ भय । अहिआसे अव्वहिओ देहदुक्ख महाफल ॥ २७ ॥
अत्थ गयम्मि आइच्चे, पुरत्था अ अणुग्गए । आहारमाइअ सव्व, मणसा वि ण पत्थए ॥ २८ ॥
अतितिणे अचवले, अप्पभासी, मिआसणे । हविज्ज उअरे दत, थोव लद्धु न खिसए ॥ २९ ॥
न बाहिर परिभवे अत्ताण न समुक्कसे । सुअलाभे न मज्जिज्जा, जच्चा तवस्सि बुद्धिए ॥ ३० ॥

से जाणमजाण वा, कट्टु आहम्मिअं पयं। संवरे खिप्पमप्पाणं, बीअं तं न समायरे ॥ ३१ ॥
अणायारं परक्कम्म, नेव गूहे न निण्हवे। सुई सया वियडभावे, असंसत्ते जिइंदिए ॥ ३२ ॥
अमोहं वयणं कुज्जा, आयरीअस्स महप्पणो। तं परिगिज्झ वायाए, कम्मुणा उववायए ॥ ३३ ॥
अधुवं जीविअं नच्चा, सिद्धिमग्गं विआणिआ। विणिअट्टिज्ज भोगेसु, आउं परिमिअमप्पणो ॥ ३४ ॥
बलं थामं च पेहाए, सद्धामारुग्गमप्पणो। खित्तं कालं च विन्नाय, तहप्पाणं निजुंजए ॥ ३५ ॥
जरा जाव न पीडेइ, वाही जाव न वड्ढइ। जाविंदिआ न हायंति, ताव धम्मं समायरे ॥ ३६ ॥
कोहं माणं च मायं च, लोभं च पाववड्ढणं। वमे चत्तारि दोसे उ, इच्छंतो हिअमप्पणो ॥ ३७ ॥
कोहो पीइं पणासेइ, माणो विणयनासणो। माया मित्ताणि नासेइ, लोभो सव्वविणासणो ॥ ३८ ॥
उवसमेण हणे कोहं, माणं मद्दवया जिणे। मायमज्जवभावेण, लोभं संतोसओ जिणे ॥ ३९ ॥

कोहो अ माणो अ अणिग्गहीआ, माया अ लोभो अ पवड्ढमाणा।
चत्तारि एए कसिणा कसाया, सिंचंति मूलाइं पुणब्भवस्स ॥ ॥ ४० ॥
रायणिएसु विणयं पउंजे, धुवसीलयं सययं न हावइज्जा।
कुम्मुव्व अल्लीणपलीणगुत्तो, परक्कमिज्जा तवसंजमम्मि ॥ ॥ ४१ ॥

निद्दं च न बहु मन्निज्जा, सप्पहासं विवज्जए। मिहो कहाहिं न रमे, सज्झायम्मि रओ सया ॥ ४२ ॥
जोगं च समणधम्मम्मि, जुंजे अनलसो धुवं। जुत्तो अ समणधम्मम्मि, अट्ठं लहइ णुत्तरं ॥ ४३ ॥
इहलोगपारत्तहिअं, जेणं गच्छइ सुग्गइं। बहुस्सुअं पज्जुवासिज्जा, पुच्छिज्जत्थविणिच्छअं ॥ ४४ ॥
हत्थं पायं च कायं च, पणिहाय जिइंदिए। अल्लीणगुत्तो निसिए, सगासे गुरुणो मुणी ॥ ४५ ॥
न पक्खओ न पुरओ, नेव किच्चाण पिट्ठओ। न य ऊरुं समासिज्ज, चिट्ठिज्जा गुरुणंतिए ॥ ४६ ॥
अपुच्छिओ न भासिज्जा, भासमाणस्स अंतरा। पिट्ठिमंसं न खाइज्जा, मायामोसं विवज्जए ॥ ४७ ॥

अप्पत्तिअं जेण सिआ, आसु कुप्पिज्ज वा परो।
सव्वसो तं न भासिज्जा, भासं अहिअगामिणिं ॥ ॥ ४८ ॥

दिट्ठं मिअं असंदिद्धं, पडिपुन्नं विअं जिअं। अयंपिरमणुव्विग्गं, भासं निसिर अत्तवं ॥ ४९ ॥
आयारपन्नत्तिधरं, दिट्ठिवायमहिज्जगं। वायविक्खलिअं नच्चा, न तं उवहसे मुणी ॥ ५० ॥
नक्खत्तं सुमिणं जोगं, निमित्तं मंतभेसजं। गिहिणो तं न आइक्खे, भूआहिगरणं पयं ॥ ५१ ॥
अन्नट्ठं पगडं लयणं, भइज्जा सयणासणं। उच्चारभूमिसंपन्नं, इत्थीपसुविवज्जिअं ॥ ५२ ॥
विवित्ता अ भवे सिज्जा, नारीणं न लवे कहं। गिहिसंथवं न कुज्जा, कुज्जा साहूहिं संथवं ॥ ५३ ॥
जहा कुक्कुडपोअस्स, निच्चं कुललओ भयं। एवं खु बंभयारिस्स, इत्थीविग्गहओ भयं ॥ ५४ ॥
चित्तभित्तिं न निज्झाए, नारिं वा सअलंकिअं। भक्खरं पिव दट्ठूणं, दिट्ठिं पडिसमाहरे ॥ ५५ ॥
हत्थपायपडिच्छिन्नं, कन्ननासविगप्पिअं। अवि वाससयं नारिं, बंभयारी विवज्जए ॥ ५६ ॥
विभूसा इत्थिसंसग्गी, पणीअं रसभोअणं। नरस्सत्तगवेसिस्स, विसं तालउडं जहा ॥ ५७ ॥
अंगपच्चंगसंठाणं, चारुल्लविअपेहिअं। इत्थीणं तं न निज्झाए, कामरागविवड्ढणं ॥ ५८ ॥
विसएसु मणुण्णेसु, पेमं नाभिनिवेसए। अणिच्चं तेसिं विण्णाय, परिणामं पुग्गलाण उ ॥ ५९ ॥

पोग्गलाण परिणाम, तेसिं नच्चा जहा तहा । विणीअतिण्हो विहरे, सीईभूएण अप्पणा ॥ ६० ॥
जाइ सद्धाइ निक्खतो, परिआयट्ठाणमुत्तम । तमेव अणुपालिज्जा, गुणे आयरियसमए ॥ ६१ ॥

तव चिम सजमजोगय च, सज्झायजोग च सया अहिट्ठ ए ।
सूरे व सेणाए सम्मत्तमाउहे, अलमप्पणो होइ अल परेसिं ॥ ६२ ॥
सज्झायसुज्झाणरयस्स ताइणो, अपावभावस्स तवे रयस्स ।
विसुज्झई ज सि मल पुरेकड, समीरिअ रुप्पमल व जोइणा ॥ ६३ ॥
से तारिसे दुक्खसहे जिइदिए, सुएण जुत्ते अममे अकिंचणे ।
विरायई कम्मघणम्मि अवगए, कसिण ब्भपुडावगमे व चदिम ॥ ६४ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ आयारपणिही णाम अट्ठममज्झयण समत्त ॥ ८ ॥

॥ अह विणयसमाही णाम नवममज्झयण ॥

थभा व कोहा व मयप्पमाया, गुरुस्सगासे विणय न सिक्खे ।
सो चेव उ तस्स अभूइभावो, फल व कीअस्स वहाय होइ ॥ १ ॥
जे आवि मदि त्ति गुरु विइत्ता, डहरे इमे अप्पसुए त्ति नच्चा ।
हीलति मिच्छ पडिवज्जमाणा, करति आसायण ते गुरूण ॥ २ ॥
पगईए मदा वि भवति एगे, डहरा वि अ जे सुअबुद्धोववेआ ।
आयारमता गुणसुट्ठिअप्पा, जे हीलिआ सिहिरिव भास कुज्जा ॥ ३ ॥
जे आवि नाग डहर ति नच्चा, आसायए से अहिआय होइ ।
एवायरिअ पि हु हीलयतो, निअच्छइ जाइपह खु मदे (द) ॥ ४ ॥
आसीविसो वावि पर सुरुट्ठो, किं जीवनासाउ पर न कुज्जा ।
आयरिअपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो ॥ ५ ॥
जो पावग जलिअमवक्कमिज्जा, आसीविस वा वि हु कोवइज्जा ।
जो वा विस खायइ जीविअट्ठी एसोवमासायणया गुरूण ॥ ६ ॥
सिआ हु से पावय नो डहिज्जा, आसीविसो वा कुविओ न भक्खे ।
सिआ विस हालहल न मारे, न आवि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ७ ॥
जो पव्वय सिरसा भित्तुमिच्छे, सुत्त व सीह पडिबोहइज्जा ।
जो वा दए सत्तिअग्गे पहार, एसोवमासायणया गुरूण ॥ ८ ॥
सिआ हु सीसेण गिरिं पि भिंदे, सिआ हु सीहो कुविओ न भक्खे ।
सिआ न भिंदिज्ज व सत्तिअग्ग, न आवि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ९ ॥
आयरिअपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो ।
तम्हा अणाबाहसुहाभिकखी, गुरुप्पसायाभिमुहो रमिज्जा ॥ १० ॥
जहाहिअग्गी जलण नमसे, नाणाहुइमतपयाभिसित्त ।

एवायरिअ उवचिट्ठइज्जा, अणतनाणोवगओ वि सतो ॥ ११ ॥
जस्सतिए धम्मपयाइ सिक्खे, तस्सतिए वेणइय पउजे ।
सक्कारए सिरसा पजलीओ, कायग्गिरा भो मणसा अ निच्च ॥ १२ ॥
लज्जा दया सजमबभचेर, कल्लाणभागिस्स विसोहिठाण ।
जे मे गुरू सययमणुसासयति, तेहिं गुरू सयय पूजयामि ॥ १३ ॥
जहा निसते तवणच्चिमाली, पभासई केवलभारह तु ।
एवायरिओ सुअसीलबुद्धिए, विरायई सुरमज्झे व इदो ॥ १४ ॥
जहा ससी कोमुइजोगजुत्तो, नक्खत्ततारागणपरिवुडप्पा ।
खे सोहई विमले अब्भमुक्के, एव गणी सोहइ भिक्खुमज्झे ॥ १५ ॥
महागरा आयरिआ महेसी, समाहिजोगे सुअसीलबुद्धिए ।
सपाविउकामे अणुत्तराइ, आराहए तोसइ धम्मकामी ॥ १६ ॥
सुच्चा ण मेहावी सुभासिआइ, सुस्सूसए आयरिअप्पमत्तो ।
आराहइत्ताण गुणे अणेगे, से पावई सिद्धिमणुत्तर त्ति बेमि ॥ १७ ॥

॥ इअ विणयसमाहिज्झयणे पढमो उद्देसो समत्तो ॥

मूलाउ खधप्पभवो दुमस्स, खधाउ पच्छा समुविंति साहा ।
साहप्पसाहा विरहति पत्ता, तओ सि (से) पुप्फ च फल रसो अ ॥ ॥ १ ॥
एव धम्मस्स विणओ, मूल परमो अ से मुक्खो, जेण किर्त्ति सुअ सिग्घ, नीसेस चाभिगच्छइ ॥ २ ॥
जे अ चडे मिए थद्धे, दुव्वाई नियडी सढे । वुज्झइ से अविणीअप्पा, कट्ठ सोअगय जहा ॥ ३ ॥
विणयम्मि जो उवाएण, चोइओ कुप्पइ नरो । दिव्व सो सिरिमिज्जति, दडेण पडिसेहिए ॥ ४ ॥
तहेव अविणीअप्पा, उववज्झा हया गया । दीसति दुहमेहता, आभिओगमुवट्ठिआ ॥ ५ ॥
तहेव सुविणीअप्पा, उववज्झा हया गया । दीसति सुहमेहता, इड्ढि पत्ता महायसा ॥ ६ ॥
तहेव अविणीअप्पा, लोगम्मि नरनारिओ । दीसति दुहमेहता, छाया ते विगलिंदिआ ॥ ७ ॥
दडसत्थपरिज्जुन्ना असब्भवयणेहि अ । कलुणा विवन्नछदा, खुप्पिवासपरिग्गया ॥ ८ ॥
तहेव सुविणीअप्पा, लोगसि नरनारिओ । दीसति सुहमेहता, इड्ढि पत्ता महायसा ॥ ९ ॥
तहेव अविणीअप्पा, देवा जक्खा अ गुज्झगा । दीसति दुहमेहता, आभिओगमुवट्ठिआ १० ॥
तहेव सुविणीअप्पा, देवा जक्खा अ गुज्झगा । दीसति सुहमेहता, इड्ढि पत्ता महायसा ॥ ११ ॥
जे आयरिअउवज्झायाण, सुस्सूसावयण कर । तेसिं सिक्खा पवड्ढति, जलसित्ता इव पायवा ॥ १२ ॥
अप्पणट्ठा परट्ठा वा, सिप्पा णेउणिआणि अ । गिहिणो उवभोगट्ठा, इहलोगस्स कारणा ॥ १३ ॥
जेण बध वह घोर, परिआव च दारुण । सिक्खमाणा निअच्छति जुत्ता ते ललिइदिआ ॥ १४ ॥
ते वि त गुरु पूअति तस्स सिप्पस्स कारणा । सक्कारति नमसति, तुट्ठा निद्देसवत्तिणो ॥ १५ ॥
किं पुण जे सुअग्गाही, अणतहिअकामए । आयरिआ ज वए भिक्खू तम्हा त नाइवत्तए ॥ १६ ॥

नीअं सिज्जं गइं ठाणं, नीअं च आसणाणि अ। नीअं च पाए वंदिज्जा, नीअं कुज्जा अ अंजलिं ॥ १७ ॥
संघट्टइत्ता काएणं, तहा उवहिणामवि। खमेह अवराहं मे, वइज्ज न पुणु त्ति अ ॥ १८ ॥
दुग्गओ वा पओएणं, चोइओ वहइ रहं। एवं दुबुद्धि किच्चाणं, वुत्तो वुत्तो पकुव्वइ ॥ १९ ॥
आलवंते लवंते वा, न निसिज्जाए पडिस्सुणे। मुत्तूण आसणं धीरो, सुस्सूसाए पडिस्सुणे ॥ २० ॥
कालं छंदोवयारं च, पडिलेहित्ताण हेउहिं। तेण तेण उवाएणं, तं तं संपडिवायए ॥ २१ ॥
विवत्ति अविणीअस्स, संपत्ती विणिअस्स य। जस्सेयं दुहओ नायं, सिक्खं से अभिगच्छइ ॥ २२ ॥

जे आवि चंडे मइइड्ढिगारवे, पिसुणे नरे साहसहीणपेसणे।
अदिट्ठधम्मे विणए अकोविए,असंविभागी न हु तस्स मुक्खो ॥ ॥ २३ ॥
निद्देसवित्ती पुण जे गुरूणं, सुअत्थधम्मा विणयम्मि कोविआ।
तरित्तु ते ओघमिणं दुरुत्तरं, खवित्तु कम्मं गइमुत्तमं गया ॥ ॥ २४ ॥

त्ति बेमि इअ विणयसमाहिणामज्झयणे बीओ उद्देसो समत्तो ॥

आयरिअ(अ) अग्गिमिवाहिअग्गी, सुस्सूसमाणो पडिजागरिज्जा।
आलोइअं इंगिअमेव नच्चा, जो छंदमाराहयई स पुज्जो ॥ १ ॥
आयारमट्ठा विणयं पउंजे, सुस्सूसमाणो परिगिज्झ वक्कं।
जहोवइट्ठं अभिकंखमाणो, गुरुं च नासायइ जे स पुज्जो ॥ २ ॥
रायणिएसु विणयं पउंजे डहरा वि अ जे परिआयजिट्ठा।
नीअत्तणे वट्टइ सच्चवई, ओवायवं वक्ककरे स पुज्जो ॥ ३ ॥
अन्नायउंछं चरई विसुद्धं, जवणट्ठया समुआणं च निच्चं।
अलद्धुअं नो परिदेवइज्जा, लद्धुं न विकत्थई स पुज्जो ॥ ४ ॥
संथारसिज्जासणभत्तपाणे, अप्पिच्छया अइलाभे वि संते।
जो एवमप्पाणभितोसइज्जा, संतोसपाहन्नरए स पुज्जो ॥ ५ ॥
सक्का सहेउं आसाइ कंटया, अओमया उच्छहया नरेणं।
अणासए जो उ सहिज्ज कंटए, वईमए कन्नसरे स पुज्जो ॥ ६ ॥
मुहुत्तदुक्खा उ हवंति कंटया, अओमया ते वि तओ सुउद्धरा।
वायादुरुत्ताणि दुरुद्धराणि, वेराणुबंधीणि महब्भयाणि ॥ ७ ॥
समावयंता वयणाभिघाया, कन्नंगया दुम्मणिअं जणंति।
धम्मु त्ति किच्चा परमग्गसूरे, जिइंदिए जो सहइ स पुज्जो ॥ ८ ॥
अवण्णवायं च परम्मुहस्स, पच्चक्खओ पडिणीअं च भासं।
ओहारणिं अप्पिअकारणिं च, भासं न भासिज्ज सया स पुज्जो ॥ ९ ॥
अलोलुए अक्कुहए अमाई, अपिसुणे आवि अदीणवित्ती।
नो भावए नो वि अ भाविअप्पा, अकोउहल्ले अ सया स पुज्जो ॥ १० ॥

गुणेहि साहू अगुणेहिऽसाहू, गिण्हाहि साहू गुण मुंचऽसाहू ।
विआणिआ अप्पगमप्पएण, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो ॥ ११ ॥
तहेव डहर च महल्लग वा, इत्थी पुम पव्वइअ गिहिं वा ।
नो हीलए नो वि अ खिंसइज्जा थभ च कोह च चए पुज्जो ॥ १२ ॥
जे माणिआ सययं माणयति जत्तेण कन्न व निवेसयति ।
ते माणए माणरिहे तवस्सी, जिइदिए सच्चरए स पुज्जो ॥ १३ ॥
तेसिं गुरूण गुणसायराण, सुच्चाण मेहावि सुभासिआइ ।
चरे मुणी पचरए तिगुत्तो, चउक्कसायावगए स पुज्जो ॥ १४ ॥
गुरुमिह सयय पडिगरिअ मुणी, जिणमयनिउणे अभिगमकुसले ।
धुणिअ रयमल पुरेकड, भासुरमउल गइ वइ (गय) ॥ १५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ विणयसमाहीए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

सुअ मे आउस–तेण भगवया एवमक्खाय । इह खलु थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिठाणा पन्नत्ता । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता। इमे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता । तजहा–विणयसमाही, सुअसमाही, तवसमाही, आयारसमाही । "विणए सुए अ तवे, आयारे निच्च पडिआ । अभिरामयति अप्पाण, जे भवति जिइदिआ" चउव्विहा खलु विणयसमाही भवइ । तजहा–अणुसासिज्जतो, सुस्सूसइ । सम्म पडिवज्जइ। वयमाराहइ। न य भवइ अत्तसपग्गहिए। चउत्थ पय भवइ। भवइ अ इत्थ सिलोगो॥ "पहेइ हिआणुसासण, सुस्सूसइ त च पुणो अहिट्ठिए । न य माणमएण मज्जइ, विणयसमाहिआययट्ठिए" ॥ २ ॥ चउव्विहा खलु सुअसमाही भवइ । तजहा–सुअ मे भविस्सइ त्ति अज्झाइअव्व भवइ । एगग्गचित्तो भविस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय भवइ । अप्पाण ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय भवइ। ठिओ पर ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय भवइ। चउत्थ पय भवइ। भवइ अ इत्थ सिलोगो॥ "नाणमेगग्गचित्तो अ, ठिओ अ ठावई पर । सुआणि अ अहिज्जित्ता, रओ सुअसमाहिए" ॥ ३ ॥ चउव्विहा खलु तवसमाही भवइ । तजहा–नो इहलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नो परलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नन्नत्थ निज्जरट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥ "विविहगुणतवोरए, निच्च भवइ निरासए निज्जरट्ठिए । तवसा धुणइ पुराणपावग, जुत्तो सया तवसमाहिए" ॥ ४ ॥ चउव्विहा खलु आयारसमाही भवइ । तजहा–नो इहलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा, नो नो परलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा, नन्नत्थ आरहतेहिं हेऊहिं आयारमहिट्ठिज्जा । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो । "जिणवयणरए अतितणे, पडिपुन्नाययमाययट्ठिए । आयारसमाहिसवुडे, भवइ अ दते भावसधए ॥ ५ ॥ अभिगम चउरो समाहिओ, सुविसुद्धो सुसमाहिअप्पणो । विउलहिअ सुहावह पुणो, कुव्वइ अ सो पयखेममप्पणो ॥ ६ ॥ जाइमरणाओ मुच्चइ इत्थत्थ

च चएइ सव्वसो । सिद्धे वा हवइ सासए, देवे वा अप्परए महिड्ढिए ॥ ७ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ विणयसमाही नाम चउत्थो उद्देसो नवममज्झयणं समत्तं ॥ ९ ॥

॥ अह भिक्खू नाम दसममज्झयणं ॥

निक्खम्ममाणाइ अ बुद्धवयणे, निच्चं चित्तसमाहिओ हविज्जा ।
इत्थीण वसं न आवि गच्छे, वंतं नो पडिआयइ जे स भिक्खू ॥ १ ॥
पुढविं न खणे न खणावए, सीओदगं न पिए न पिआवए ।
अगणि सत्थं जहा सुनिसिअं, तं न जले न जलावए जे स भिक्खू ॥ २ ॥
अनिलेण न वीए न वीयावए, हरियाणि न छिंदे न छिंदावए ।
बीआणि सया विवज्जयंतो, सचित्तं नाहारए जे स भिक्खू ॥ ३ ॥
वहणं तसथावराण होइ, पुढवितणकट्ठनिस्सिआणं ।
तम्हा उद्देसिअं न भुंजे नो वि, पए न पयावए जे स भिक्खू ॥ ४ ॥
रोइअ नायपुत्तवयणे, अत्तसमे मन्निज्ज छप्पि काए ।
पंच य फासे महव्वयाइं, पंचासवसंवरे जे स भिक्खू ॥ ५ ॥
चत्तारि वमे सया कसाए, धुवजोगी हविज्ज बुद्धवयणे ।
अहणे निज्जायरूवरयए, गिहिजोगं परिवज्जए जे स भिक्खू ॥ ६ ॥
सम्मद्दिट्ठी सया अमूढे, अत्थि हु नाणे तवे संजमे अ ।
तवसा धुणइ पुराणपावगं, मणवयकायसुसंवुडे जे स भिक्खू ॥ ७ ॥
तहेव असणं पाणगं वा, विविहं खाइमसाइमं लभित्ता ।
होही अट्ठो सुए परे वा, तं न निहे न निहावए जे स भिक्खू ॥ ८ ॥
तहेव असणं पाणगं वा, विविहं खाइमसाइमं लभित्ता ।
छंदिअ साहम्मिआण भुंजे, भुच्चा सज्झायरए जे स भिक्खू ॥ ९ ॥
न य वुग्गहिअं कहं कहिज्जा, न य कुप्पे निहुइंदिए पसंते ।
संजमधुवजोगजुत्ते, उवसंते अविहेडए जे स भिक्खू ॥ १० ॥
जो सहइ हु गामकंटए, अक्कोसपहारतज्जणाओ अ ।
भयभेरवसद्दसप्पहासे, समसुहदुक्खसहे अ जे स भिक्खू ॥ ११ ॥
पडिमं पडिवज्जिआ मसाणे, नो भायए भयभेरवाइं दिस्स ।
विविहगुणतवोरए अ निच्चं, न सरीरं चाभिकंखए जे स भिक्खू ॥ १२ ॥
असइं वोसट्ठचत्तदेहे, अक्कुट्ठे व हए लूसिए वा ।
पुढविसमे मुणी हविज्जा अनिआणे अकोउहल्ले जे स भिक्खू ॥ १३ ॥
अभिभूअ काएण परीसहाइं, समुद्धरे जाइपहाउ अप्पयं ।
विइत्तु जाइमरणं महब्भयं, तवे रए सामणिए जे स भिक्खू ॥ १४ ॥

गुणेहि साहू अगुणेहिऽसाहू, गिण्हाहि साहू गुण मुंचऽसाहू ।
विआणिआ अप्पगमप्पएण, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो ॥ ११ ॥
तहेव डहर च महल्लग वा, इत्थी पुम पव्वइअ गिहिं वा ।
नो हीलए नो वि अ खिंसइज्जा थभ च कोह च चए पुज्जो ॥ १२ ॥
जे माणिआ सयय माणयति जत्तेण कन्न व निवेसयति ।
ते माणए माणरिहे तवस्सी, जिइदिए सच्चरए स पुज्जो ॥ १३ ॥
तेसिं गुरूण गुणसायराण, सुच्चाण मेहावि सुभासिआइ ।
चरे मुणी पचरए तिगुत्तो, चउक्कसायावगए स पुज्जो ॥ १४ ॥
गुरुमिह सयय पडिगरिअ मुणी,जिणमयनिउणे अभिगमकुसले ।
धुणिअ रयमल पुरेकड, भासुरमउल गइ वइ (गय) ॥ १५ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ विणयसमाहीए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

सुअ मे आउस-तेण भगवया एवमक्खाय । इह खलु थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिठाणा पन्नत्ता । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता। इमे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पनत्ता । तजहा-विणयसमाही, सुअसमाही, तवसमाही, आयारसमाही । "विणए सुए अ तवे, आयारे निच्च पडिआ । अभिरामयति अप्पाण, जे भवति जिइदिआ" चउव्विहा खलु विणयसमाही भवइ । तजहा-अणुसासिज्जतो, सुस्सूसइ । सम्म पडिवज्जइ। वयमाराहइ। न य भवइ अत्तसपग्गहिए। चउत्थ पय भवइ। भवइ अ इत्थ सिलोगो॥ "पेहेइ हिआणुसासण, सुस्सूसइ त च पुणो अहिट्ठिए । न य माणमएण मज्जइ, विणयसमाहिआययट्ठिए" ॥ २ ॥ चउव्विहा खलु सुअसमाही भवइ । तजहा-सुअ मे भविस्सइ त्ति अज्झाइअव्व भवइ । एगग्गचित्तो भविस्सामि त्ति अज्झाइअव्व भवइ । अप्पाण ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्व भवइ। ठिओ पर ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्व भवइ।चउत्थ पय भवइ। भवइ अ इत्थ सिलोगो॥ "नाणमेगग्गचित्तो अ, ठिओ अ ठावइ पर । सुआणि अ अहिज्जित्ता, रओ सुअसमाहिए" ॥ ३ ॥ चउव्विहा खलु तवसमाही भवइ । तजहा-नो इहलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नो परलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा, नन्नत्थ निज्जरट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो । "विविहगुणतवोरए, निच्च भवइ निरासए निज्जरट्ठिए । तवसा धुणइ पुराणपावग, जुत्तो सया तवसमाहिए"॥ ४ ॥ चउव्विहा खलु आयारसमाही भवइ । तजहा-नो इहलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा, नो नो परलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्ज, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा, नन्नत्थ आरहतेहिं हेऊहिं आयारमहिट्ठिज्जा । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो । "जिणवयणरए अतितणे, पडिपुन्नाययमाययट्ठिए । आयारसमाहिसवुडे, भवइ अ दते भावसधए ॥ ५ ॥ अभिगम चउरो समाहिओ, सुविसुद्धो सुसमाहिअप्पणो । विउलहिअ सुहावह पुणो, कुव्वइ अ सो पयखेममप्पणो ॥ ६॥ जाइमरणाओ मुच्चइ इत्थत्थ

जया अ माणिमो होइ, पच्छाहोइ अमाणिमो । सिट्ठिव कबडे छूढो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ५ ॥
जया अ थेरओ होइ, समइक्कतजुवणो । मच्छुव्व गलिं गलित्ता, स पच्छा परितप्पइ ॥ ६ ॥
जया अ कुकुडुंबस्स, कुतत्तीहिं विहम्मइ । हत्थी व बंधणे बद्धो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ७ ॥
पुत्तदारपरिकिन्नो, मोहसंताणसंतओ । पंकोसन्नो जहा नागो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ८ ॥
अज्ज आह गणी हुंतो, भाविअप्पा बहुस्सुओ । जइ हरमंतो परिआए, सामन्ने जिणदेसिए ॥ ९ ॥
देवलोगसमाणो अ, परिआओ महेसिणं । रयाणं, अरयाणं च, महानरयसारिसो ॥ १० ॥

अमरोवमं जाणिअ सुक्खमुत्तमं, रयाण परिआए तहारयाणं ।
निरओवमं जाणिअ दुक्खमुत्तमं, रमिज्ज तम्हा परिआयपंडिए ॥ ११ ॥
धम्माउ भट्ठं सिरिओववेयं, जन्नग्गि विज्झायमिवप्पतेअं ।
हीलंति णं दुव्विहिअं कुसीला, दाढुद्धिअं घोरविसं व नागं ॥ १२ ॥
इहेव धम्मो अयसो अकित्ती, दुन्नामधिज्जं च पिहुज्जणम्मि ।
चुअस्स धम्माउ अहम्मसेविणो, संभिन्नवित्तस्स य हिट्ठओ गई ॥ १३ ॥
भुंजित्तु भोगाइं पसज्झ चेअसा, तहाविहं कट्टु असंजमं बहुं ।
गइं च गच्छे अणहिज्झिअं दुहं बोही अ से नो सुलहा पुणो पुणो ॥ १४ ॥
इमस्स ता नेरइअस्स जंतुणो, दुहोवणीअस्स किलेसवत्तिणो ।
पलिओवमं झिज्जइ सागरोवमं, किमंग पुण मज्झ इमं मणोदुहं ॥ १५ ॥
न मे चिरं दुक्खमिणं भविस्सइ, असासया भोगपिवास जंतुणो ।
न चे सरीरेण इमेण विस्सइ, अविस्सइ जीविअपज्जवेण मे ॥ १६ ॥
जस्सेवमप्पा उ हविज्ज निच्छिओ, चइज्ज देहं न हु धम्मसासणं ।
तं तारिसं नो पइलिंति इंदिआ, उविंति वाया व सुदंसणं गिरिं ॥ १७ ॥
इच्चेव संपस्सिअ बुद्धिमं नरो आयं उवायं विविहं विआणिआ ।
काएण वाया अदु माणसेणं तिगुत्तिगुत्तो जिणवयणमहिट्ठिज्जासि ॥ १८ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ रइवक्का पढमा चूला समत्ता ॥ १ ॥

॥ अह विवित्तचरिया बीआ चूलिआ ॥

चूलिअं तु पवक्खामि, सुअं केवलिभासिअं । जं सुणित्तु सुपुण्णाणं, धम्मे उप्पज्जए मई ॥ १ ॥
अणुसोअपट्ठिए बहुजणम्मि पडिसोअलद्धलक्खेणं । पडिसोअमेव अप्पा, दायव्वो होउकामेणं ॥ २ ॥
अणुसोअसुहो लोओ,पडिसोओ आसवो सुविहिआणं।अणुसोओ संसारो,पडिसोओ तस्स उत्तारो ॥ ३ ॥
तम्हा आयारपरक्कमेण संवरसमाहिबहुलेणं । चरिआ गुणा अ नियमा अ, हुंति साहूण दट्ठव्वा ॥ ४ ॥

अणिएअवासो समुआणचरिआ, अन्नायउंछं पयरिक्कया अ ।
अप्पोवही कलहविवज्जणा अ, विहारचरिआ इसिणं पसत्था ॥ ५ ॥
आइन्नओ माणविवज्जणा अ, ओसन्नदिट्ठाहडभत्तपाणे ।

हत्थसजए पायसजए, वायसजए सजइदिए ।
अज्झप्परए सुसमाहिअप्पा, सुत्तत्थ च विआणइ जे स भिक्खू ॥ १५ ॥
उवहिम्मि अमुच्छिए अगिद्धे, अन्नायउछ पुलनिप्पुलाए ।
कयविक्कयसन्निहिओ विरए, सव्वसगावगए अ जे स भिक्खू ॥ १६ ॥
अलोल(ल)भिक्खू न रसेसु गिज्झे,उछ चर जीविअनाभिकखी ।
इड्ढिं च सक्कारण पूअण च, चए ठिअप्पा अणिहे जे स भिक्खू ॥ १७ ॥
न पर वइज्जासि अय कुसीले, जेण च कुप्पिज्ज न त वइज्जा ।
जाणिअ पत्तेअ पुन्नपाव' अत्ताण न समुक्कसे जे स भिक्खू । १८ ॥
न जाइमत्ते न य रूवमत्ते, न लाभमत्ते न सुएण मत्ते ।
मयाणि सव्वाणि विवज्जइत्ता, धम्मज्झाणरए जे स भिक्खू ॥ १९ ॥
पवेअए अज्जपय महामुणी, धम्मे ठिओ ठावयइ पर पि ।
निक्खम्म वज्जिज्ज कुसीललिंग,न आवि हास कुहए जे स भिक्खू ॥ २० ॥
त देहवास असुइ असासय, सया चए निच्चहिअट्ठिअप्पा ।
छिंदित्तु जाइमरणस्स बधण, उवेइ भिक्खू अपुणागम गइ ॥ २१ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ भिक्खु नाम दसमज्झयण समत्त ॥

॥ अह रइवक्का पढमा चूलिआ ॥

इह खलु भो पव्वइएण उप्पण्णदुक्खेण सजमे अरइसमावन्नचित्तेण ओहाणुप्पेहिणा अणोहाइएण चेव हयरस्सिगयकुसपोयपडागाभूआइ इमाइ अट्ठारस ठाणाइ सम्म सपडिलेहिअव्वाइ भवति। तजहा ह भो! दुस्समाइ दुप्पजीवी ॥ १ ॥ लहुसगा इत्तरिआ गिहीण कामभोगा ॥ २ ॥ भुज्जो अ साय बहुला मणुस्सा ॥ ३ ॥ इमे अ मे दुक्खे न चिरकालोवट्ठाइ भविस्सइ ॥ ४ ॥ ओमजणपुरक्कारे ॥५॥ वतस्स य पडिआयण ॥ ६ ॥ अहरगइवासोवसपया ॥ ७ ॥ दुल्लहे खलु भो! गिहीण धम्मे गिहिवासमज्झे वसताण ॥८॥ आयके से वहाय होइ ॥९॥ सकप्पे से वहाय होइ ॥१०॥ सोवक्केसे गिहवासे, निरुवक्केसे परिआए ॥ ११ ॥ बधे गिहवासे, मुक्खे परिआए ॥१२॥ सावज्जे गिहवासे, अणवज्जे परिआए ॥ १३ ॥ बहुसाहारणा गिहीण कामभोगा ॥ १४ ॥ पत्तेअ पुन्नपाव ॥ १५ ॥ अणिच्चे खलु भो! मणुआण जीविए कुसग्गजलबिंदुचचले ॥१६॥ बहु च खलु भो! पाव कम्म पगड ॥ १७ ॥ पावाण च खलु भो! कडाण कम्माण पुव्विं दुच्चिन्नाण दुप्पडिक्कताण वेइत्ता मुक्खो नत्थि अवेइत्ता तवसा वा झोसइत्ता ॥ १८ ॥ अट्ठारसम पय भवइ, भवइ अ इत्थ सिलोगो—

जया य चयइ धम्म, अणज्जो भोगकारणा । से तत्थ मुच्छिए बाले, आयइ नावबुज्झई ॥ १ ॥
जया ओहाविओ होइ, इदो वा पडिओ छम । सव्वधम्मपरिभट्ठो, स पच्छा परितप्पइ ॥ २ ॥
जया अ वदिमो होइ, पच्छा होइ अवदिमो । देवया व चुआ ठाणा, स पच्छा परितप्पइ ॥ ३ ॥
जया अ पूइमो होइ, पच्छा होइ अपूइमो, राया व रज्जपब्भट्ठो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ४ ॥



॥ श्रीमद्देवर्द्धिगणिक्षमाश्रमणप्रणीत ॥

श्री नन्दीसूत्र मूलपाठः ।

जयइ जग जीव जोणी वियाणओ । जगगुरू जगाणंदो ॥ जगणाहो जगबंधू, जयइ जगप्पियामहो भयवं ॥ १ ॥ जयइ सुआण पभवो । तित्थयराण अपच्छिमो जयइ ॥ जयइ गुरूलोगाण । जयइ महप्पा महावीरो ॥ २ ॥ भद्दं सव्व जगुज्जोयगस्स । भद्दं जिणस्स वीरस्स ॥ भद्दं सुरासुरनमंसियस्स । भद्दं धुयरयस्स ॥ ३ ॥ गुणभवणगहण । सुयरयण भरियदंसणविसुद्धरत्थागा संघ नगर भद्दं ते । अखंड चारित्तपागारा ॥ ४ ॥ संजम तव तुंबारयस्स । नमो सम्मत्त पारियल्लस्स ॥ अप्पडिचक्कस्स जओ होउ सया संघचक्कस्स ॥ ५ ॥ भद्दं सील पडागूसियस्स । तव नियम तुरय जुत्तस्स ॥ संघरहस्स भगवओ । सज्झाय सुनंदिघोसस्स ॥ ६ ॥ कम्मरय जलोह विणिग्गयस्स । सुयरयण दीहनालस्स ॥ पंच महव्वय थिरकन्नियस्स । गुणकेसरालस्स ॥ ७ ॥ सावग जण महुअरि परिवुडस्स । जिण सूर तेय बुद्धस्स ॥ संघपउमस्स भद्दं । समण गण सहस्स पत्तस्स ॥ ८ ॥ तव संजम मयलंछण । अकिरिय राहुमुह दुद्धरिसनिच्चं । जय संघ चंद । निम्मल सम्मत्त विसुद्ध जोण्हागा ॥ ९ ॥ पर तित्थिय गह पह नासगस्स । तवतेय दित्त लेसस्स ॥ नाणुज्जोयस्स जए भद्दं दम संघ सूरस्स ॥ १० ॥ भद्दं धिइ वेला परिगयस्स । सज्झाय जोग मगरस्स ॥ अक्खोहस्स भगवओ । संघ समुद्दस्स रुंदस्स ॥ ११ ॥ सम्म दंसण वर वइर दढ रूढ गाढावगाढ पेढस्स ॥ धम्म वररयण मंडिय चामीयर मेहलागस्स ॥ १२ ॥ नियमूसिय कणय सिलायलुज्जल जलंत चित्तकूडस्स ॥ नंदण वण मणहर सुरभि सील गंधुद्धुमायस्स ॥ १३ ॥ जीवदया सुंदर कंदरुद्दरिय मुणिवर मइंद इन्नस्स ॥ हेउ सय धाउ पगलंत रयणदित्तोसहि गुहस्स ॥ १४ ॥ संवर वर जल पगलिय उज्झर पविराय माणहारस्स ॥ सावग जण पउर रवंत मोर नच्चंत कुहरस्स ॥ १५ ॥ विणय नय पवर मुणिवर फुरंत विज्जुज्जलंत सिहरस्स । विविह गुण कप्प रुक्खग फलभर कुसुमाउल वणस्स ॥ १६ ॥ नाण वर रयण दिप्पंत कंत वेरुलिय विमल चूलस्स ॥ वंदामि विणय पणओ संघ महामंदर गिरिस्स ॥ १७ ॥ गुण रयणुज्जल कडयं सील सुगंधि तव मंडिउद्देसं ॥ सुयबारसंग सिहरं संघ महामंदरं वंदे ॥ १८ ॥ नगर रह चक्क पउमे चंदे सूरे समुद्द मेरुम्मि ॥ जो उवमिज्जइ सययं तं संघगुणायरं वंदे ॥ १९ ॥ वंदे उसभं अजियं संभव मभिनंदण सुमइ सुप्पभ सुपासं ॥

ससट्ठकप्पेण चरिज्ज भिक्खू तज्जायससट्ठ जई जइज्जा ॥ ६ ॥
अमज्जमसासि अमच्छरीआ, अभिक्खण निविगइ गया अ ।
अभिक्खण काउस्सग्गकारी, सज्झायजोगे पयओ हविज्जा ॥ ७ ॥
न पडिन्नविज्जा सयणासणाइ, सिज्ज निसिज्ज तह भत्तपाण ।
गामे कुले वा नगरे व देसे, ममत्तभाव न कहिं पि कुज्जा ॥ ८ ॥
गिहिणो वेआवडिअ न कुज्जा, अभिवायण वदणपूअण वा ।
असकिलिट्ठेहिं सम वसिज्जा, मुणी चरित्तस्स जओ न हाणी ॥ ९ ॥
न या लभेज्जा निउण सहाय, गुणाहिअ वा गुणओ सम वा ।
इक्को वि पावाइ विवज्जयतो, विहरिज्ज कामेसु असज्जमाणो ॥ १० ॥
सवच्छर वा वि पर पमाण, बीअ च वास न तहिं वसिज्जा ।
सुत्तस्स मग्गेण चरिज्जभिक्खू, सुत्तस्स अत्थो जह आणवेइ ॥ ११ ॥
जो पुव्वरत्तावररत्तकाले, सपिक्खए अप्पगमप्पएण ।
किं मे कड किं च मे किच्चसेस, किं सक्कणिज्ज न समायरामि ॥ १२ ॥
किं मे परो पासइ किंच अप्पा, किं वाह खलिअ न विवज्जयामि ।
इच्चेव सम्म अणुपासमाणो, अणागय नो पडिबध कुज्जा ॥ १३ ॥
जत्थेव पासे कइ दुप्पउत्त, काएण वाया अदु माणसेण ।
तत्थेव धीरो पडिसाहरिज्जा, आइन्नओ खिप्पमिव क्खलीण ॥ १४ ॥
जस्सेरिसा जोग जिइदिअस्स, धिइमओ सप्पुरिसस्स निच्च ।
तमाहु लोए पडिबुद्धजीवी, सो जीअइ सजमजीविएण ॥ १५ ॥
अप्पा खलु सयय रक्खिअव्वो, सव्विदिएहिं सुसमाहिएहिं ।
अरक्खिओ जाइपह उवेइ, सुरक्खिओ सव्वदुहाण मुच्चइ ॥ १६ ॥
त्ति बेमि ॥ इअ विवित्तचरिआ बीआ चूला समत्ता ॥

॥ इअ दसवेआलिअ सुत्त समत्त ॥



इति ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १ ११ १२
सेल-घण, कुडग, चालणि, परिपूणग, हम महिम, मेसे य, ममग, जलूग, विराली-जाहग, गो, १३ १४
मेरी आमीरी ॥ ५१ ॥

"सा समासओ तिविहा पन्नत्ता तजहा जाणिया, अजाणिया, दुवियड्ढा" जाणिया जहा खीर-मिव, जहा हसा जे घुट्टन्ति इह गुरगुण समिद्धा दोसे य विवज्जति त जाणसु जाणिय परिम ॥५२॥ अजाणिया जहा-जा होइ पगइमहुरा मियछावय सीह कुक्कुडय भूआ । रयणमिव असठविया । अजाणिया साभवे परिसा ॥ ५३ ॥ दुवियड्ढा जह-नय कत्थइ निम्माओ न य पुच्छइ परिभवस्स दोसेण । वत्थिव्ववायपुण्णो फुट्टइ गामिल्लयवियड्ढो दुवियड्ढो ॥ ५४ ॥ (सूत्र) नाण पञ्चविह पन्नत, तजहा-आभिणि बोहियनाण सुयनाण, ओहिनाण, मणपज्जवनाण, केवलनाण ॥ १ ॥ त समासओ दुविह पण्णत, तजहा-पच्चक्ख च परोक्ख च ॥ सू० २ ॥ से कि त पच्चक्ख ? पच्चक्ख दुविहप ण्णत्त, तजहा इदियपचक्ख । नोइदियपच्चक्ख च ॥ सू० ३ ॥ से कि त इदिय पचक्ख ? इदिय-पचक्ख पञ्चविह पण्णत्त, तजहा-सो इदियपचक्ख । चक्खिदिय पचक्ख । घाणिदिय पचक्ख । जिब्भिदिय पचक्ख । फासिदिय पचक्ख । सेत इदियपचक्ख ॥ सू० ४ ॥ से किं त नोइदियप च्चक्ख ? नोइदियपच्चक्ख तिविह पण्णत्त तजहा-ओहिनाण पचक्ख । मणपज्जवनाण पचक्ख । केवलनाण पचक्ख ॥ ५ ॥ से कि त ओहिनाण पच्चक्ख ? ओहिनाण पचक्ख दुविह पण्णत्त, तजहा-भवपच्चइयच खा ओवसमिय च ॥ ६ ॥ से कि त भवपच्चइय ? भवपच्चइय दुण्ह, तजहा-देवाणय नेरइयाणय ॥ ७ ॥ से किं त खा ओवसमिय ? खा ओवसमय दुण्ह, तजहा—मणूसाण य पचेदिय तिरिक्ख जोणियाण य । को हेऊ खाओवसमिय ? खाओवसमिय तयावरणि ज्जाण कम्माण उदिण्णाण खएण अणुदिण्णाण उवसमेण ओहिनाण समुप्पज्जइ ॥ सू० ८ ॥ अहवा गुण-

१
पडिवन्नस्स अणगारस्स ओहिनाण समुप्पज्जइ त समासओ छविह पण्णत्त, तजहा-आणुगामिय,
२ ३ ४ ५ ६
अणाणुगामिय, वड्ढमाणय, हीयमाणय, पडिवाइय, अपडिवाइय ॥ ९ ॥ से कि त आणुगामिय आणुगामिय ओहिनाण दुविह पण्णत्त, तजहा-अतगय च मज्झगय च । से कि त अतगय ? अतगय तिविह पण्णत्त तजहा पुरओ अतगय ? मग्गओ अतगय। पासओ अतगय से किं त पुरओ अतगय ? पुरओ अतगय-से जहा नामए केइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा मणिं वा पईव वा जोइ वा पुरओ काउ पणुल्लेमाणे २ गच्छेज्जा, से त पुरओ अतगय । से कि त मग्गओ अतगय ? मग्गओ अतगय से जहानामए केइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा मणिं वा पईव वा जोइ वा मग्गओ काउ अणुकड्ढेमाणे २ गच्छिज्जा, से त अतगय । से किं त पासओ अतगय ? पासओ अतगय सेजहानामए केइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा मणिं वा पईव वा जोइ वा पासओ काउ परिकड्ढे माणे २ गच्छिज्जा, से त पासओ अतगय से त अत-गय । स किंत मज्झगय ? मज्झगय से जहा नामए केइ पुरसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा

ससि पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्जं च ॥ २० ॥ विमल मणंत य धम्मं संन्ति कुंथुं अरं च मल्लिं च ॥ मुनिसुव्वय नमिनेमिं पासं तह वद्धमाणं च ॥ २१ ॥ पढमत्थि इंदभूइ बीए पुणहोइ अग्गिभूइत्ति ॥ तईए य वाउभूइ तओ वियत्ते सुहम्मेय ॥ २२ ॥ मंडिअ मोरिय पुत्ते अकंपिऐ चेव अयलभायाय ॥ मे यज्जेय पहासेय गणहरा हुंति वीरस्स ॥ २३ ॥ निव्वुइ पह सासणय जयइ सया सव्व भाव देसणय॥ कु समय मय नासणय जिणिंदवर वीर सासणय ॥२४॥ सुहम्मं अग्गिवेसाण जंबू नामं च कासवं पभवं ॥ कच्चायणं वंदे वच्छं सिज्जंभवं तहा ॥ २५ ॥ जसभद्दं तुंगियं वंदे संभूयं चेव माढरं ॥ भद्दबाहुं च पाइन्नं थूलभद्दं च गोयमं ॥ २६ ॥ ऐलावच्चसगोत्तं वंदामि महागिरिं सुहत्थिं च ॥ तत्तो कोसियगोत्तं बहुलस्स सरिव्वयं वन्दे ॥ २७ ॥ हारिय गुत्तं साइं च वंदिमो हारियं च सामज्जं ॥ वन्दे कोसिय गोत्तं संडिल्लं अज्ज जीयधरं ॥ २८ ॥ तिसमुद्दखायकित्तिं दीव समुद्देसु गहिय पेयालं ॥ वंदे अज्ज समुद्दं अक्खुभिय समुद्दगंभीरं ॥ २९ ॥ भणगं करगं झरगं पभावगं णाणदंसण गुणाणं ॥ वंदामि अज मगुं सुय सागर पारगं धीरं ॥३०॥ वंदामि अज्ज धम्मं तत्तो वंदे य भद्द गुत्तं च ॥ तत्तोय अज्ज वइरं तव नियम गुणेहिं वइर समं । ३१ ॥ वंदामि अज्ज रक्खियं खमणे रक्खिय चारित्त सव्वस्से ॥ रयण करंडग भूओ अणुओगो जेहिं ॥ ३२ ॥ नाणम्मि दंसणम्मिय तव विणए णिच्च काल मुज्जुत्तं ॥ अज्जं नंदिलखमणं सिरसा वंदे पसन्नमणं ॥ ३३ ॥ वड्ढउ वायगवंसो जलवंसो अज्ज नागहत्थीणं॥ वागरण करण भंगिय कम्मपयडी पहाणाणं ॥३४॥ जच्चंजण धाउ समप्पहाणं मुद्दिय कुवलय निहाणं ॥ वड्ढउ वायगवंसो रेवइनक्खत्त नामाणं ॥३५॥ अयलपुरा णिक्खंते कालियसुय आणुओगिए धीरे ॥ बम्हद्दीवगसीहे वायगपय मुत्तमं पत्ते । ३६॥ जेसिं इमो अणु ओगो पयरइ अज्जावि अड्ढभरहम्मि ॥ बहु नयर निग्गय जसे ते वंदे खंदिलायरिए ॥ ३७ ॥ तत्तो हिमवन्त महंत विक्कमे धिइ परक्कम मणंते ॥ सज्झाय मणंतधरे हिमवंत वंदिमो सिरसा ॥ ३८ ॥ कालिय सुय अणु ओगस्स धारए धारए य पुव्वाणं ॥ हिमवंत खमा समणे वंदे णागज्जुणायरिये ॥ ३९ ॥ मिउमद्दव संपन्ने आणुपुव्वि वायगत्तणं पत्ते ॥ ओहसुय समायारे नागज्जुण वायए वंदे ॥ ४० ॥ गोविंदाण पि नमो अणुओगे विउल धारिणिं दाणं ॥ णिच्च खंति दयाण परूवणे दुल्लभिं दाणं ॥ ४१ ॥ तत्तो य भूयदिन्नं निच्च तव संजमे अनिविण्णं ॥ पंडिय जण सामण्णं वंदामो संजम विहिण्णु ॥ ४२ ॥ वरकणगतविय चंपग विमउलवर कमल गब्भ सरिवन्ने ॥ भविय जणहियग्रदइए दयागुण विसारए धीरे॥४३॥ अड्ढ भरहप्पहाणे बहुविह सज्झाय सुमुणिय पहाणे । अणुओगिय वर वसभे नाइल कुल वंसनंदिकरे ॥४४॥ भूयहियअप्पगब्भे वंदेऽहं भूयदिन्न मायरिए ॥ भवभय वुच्छेय कर सीसं नागज्जुण रिसीणं ॥ ४५ ॥ सुमुणिय निच्चा निच्चं सुमुणिय सुत्तत्थ धारयं वन्दे ॥ सब्भावुब्भावणया तत्थं लोहिच्चणामाणं ॥ ४६ ॥ अत्थ महत्थ क्खाणिं सुसमण वक्खाण कहण निव्वाणिं॥ पयइए महुरवाणिं पयओ पणमामि दूसगणिं ॥ ४७ ॥ तव नियम सच्च संजम विणयज्जव खंति मद्दवरयाणं ॥ सील गुणगद्दियाणं अणुओग जुगप्पहाणाणं ॥ ४८ ॥ सुकुमाल कोमल तले तेसिं पणमामि लक्खण पसत्थे पाए पावयणीणं पडिच्छ सय एहिं पणि वइए ॥ ४९ ॥ जे अन्न भगवन्ते कालिय सुय आणु ओगिए धीरे ॥ ते पणमिऊण सिरसा नाणस्स परूवण वोच्छं ॥ ५० ॥

इति ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १ ११ १२
सेल-घण, कुडग, चालणि, परिपूणग, हस महिस, मेसे य, मसग, जलूग, विराली-जाहग, गो,
१३ १४
मेरी आभीरी ॥ ५१ ॥

"सा समासओ तिविहा पन्नत्ता तजहा जाणिया, अजाणिया, दुव्वियड्ढा" जाणिया जहा खीर-मिव, जहा हसा जे घुट्टन्ति इह गुरुगुण समिद्धा दोसे य विवज्जति त जाणसु जाणिय परिस ॥५२॥ अजाणिया जहा—जा होइ पगइमहुरा मियछावय सीह कुक्कुडय भूआ । रयणमिव असठविया । अजाणिया साभवे परिसा ॥ ५३ ॥ दुव्वियड्ढा जह—नय कत्थइ निम्माओ न य पुच्छइ परिभवस्स दोसेण । वत्थिव्ववायपुण्णो फुट्टइ गामिल्लयवियड्ढो दुव्वियड्ढो ॥ ५४ ॥ (सूत्र) नाण पञ्चविह पन्नत, तजहा—आभिणि बोहियनाण सुयनाण, ओहिनाण, मणपज्जवनाण, केवलनाण ॥ १ ॥ त समासओ दुविह पण्णत, तजहा—पच्चक्ख च परोक्ख च ॥ सू० २ ॥ से कि त पच्चक्ख ? पच्चक्ख दुविहप-ण्णत्त, तजहा इदियपच्चक्ख । नोइदियपच्चक्ख च ॥ सू० ३ ॥ से कि त इदिय पच्चक्ख ? इदिय-पच्चक्ख पञ्चविह पण्णत्त, तजहा—सो इदियपच्चक्ख । चक्खिदिय पच्चक्ख । घाणिदिय पच्चक्ख । जिब्भिदिय पच्चक्ख । फासिदिय पच्चक्ख । सेत इदियपच्चक्ख ॥ सू० ४ ॥ से कि त नोइदियप च्चक्ख ? नोइदियपच्चक्ख तिविह पण्णत्त तजहा—ओहिनाण पच्चक्ख । मणपज्जवनाण पच्चक्ख । केवलनाण पच्चक्ख ॥ ५ ॥ से कि त ओहिनाण पच्चक्ख ? ओहिनाण पच्चक्ख दुविह पण्णत्त, तजहा—भवपच्चइयच खा ओवसमिय च ॥ ६ ॥ से कि त भवपच्चइय ? भवपच्चइय दुण्ह, तजहा—देवाणय नेरइयाणय ॥ ७ ॥ से कि त खा ओवसमिय ? खा ओवसमय दुण्ह, तजहा—मणूसाण य पचेदिय तिरिक्ख जोणियाण य । को हेऊ खाओवसमिय ? खाओवसमिय तयावरणि ज्जाण कम्माण उदिण्णाण खएण अणुदिण्णाण उवसमेण ओहिनाण समुप्पज्जइ ॥ सू० ८ ॥ अहवा गुण-

१
पडिवन्नस्स अणगारस्स ओहिनाण समुप्पज्जइ त समासओ छविह पण्णत्त, तजहा—आणुगामिय,
२ ३ ४ ५ ६
अणाणुगामिय, वड्ढमाणय, हीयमाणय, पडिवाइय, अपडिवाइय ॥ ९ ॥ से कि त आणुगामिय आणुगामिय ओहिनाण दुविह पण्णत्त, तजहा—अतगय च मज्झगय च । से किं त अतगय ? अतगय तिविह पण्णत्त तजहा पुरओ अतगय ? मग्गओ अतगय । पासओ अतगय से कि त पुरओ अतगय ? पुरओ अतगय—से जहा नामए केइ पुरिसे उक्का चडुलिय वा अलाय वा मणि वा पइव वा जोइ वा पुरओ काउ पणुल्लेमाणे २ गच्छेज्जा, से त पुरओ अतगय । से कि त मग्गओ अतगय ? मग्गओ अतगय से जहानामए केइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा मणि वा पइव वा जोइ वा मग्गओ काउ अणुकड्ढेमाणे २ गच्छिज्जा, से त अतगय । से कि त पासओ अतगय ? पासओ अतगय सेजहानामए केइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा मणि वा पइव वा जोइ वा पासओ काउ परिकड्ढेमाणे २ गच्छिज्जा, से त पासओ अतगय से त अत-गय । से किंत मज्झगय ? मज्झगय से जहा नामए कइ पुरिसे उक्क वा चडुलिय वा अलाय वा

मणिं वा पईवं वा जोइं वा मत्थए काउ समुबह माणे २ गच्छिज्जा सेत मज्झगय । अतगयस्स मज्झगयस्स य को पइविसेसो । पुरओ अतगएण ओहि नाणेण पुरओ चेव सखिज्जाणि वा असखे ज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ मग्गओ अतगएणं ओहिनाणेण मग्गओ चेव सखिज्जाणि वा अस- खिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । पासओ अतगएण ओहिनाणेण पासओ चेव सखिज्जाणि वा असखिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । मज्झगएण ओहिनाणेणं सबओ समता सखिज्जाणि वा असखिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । से त आणुगामिय ओहिनाण ॥ १० ॥ से किं त अणा- णुगामिय ओहिनाण अणाणु गामिय ओहिनाण से जहानामए केइ पुरिसे एग महत जोइट्ठाण काउ तस्सेव जोइट्ठाणस्स परिपर तेहिं परिपरतेहिं, परियोले माणे परिघोलेमाणे तमेव जोइट्ठाण पासइ, अन्नत्थगए न जाणइ न पासइ एवामेव अणाणुगामिय ओहिनाण जत्थेव समुप्पज्जइ तत्थेव सखे ज्जाणि वा असखेज्जाणि वा सबद्धाणि वा असबद्धाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ, अन्नत्थगएण पासइ, से त्त अणाणुगामिय ओहिनाण ॥ ११ ॥ से किं त वड्ढमाणय ओहिनाण ? वड्ढमाणय ओहिनाण पसत्थेसु अज्झवसायट्ठाणेसु वड्ढमाणस्स वड्ढमाण चरित्तस्स । विसुज्झमाणस्स विसुज्झ- माण चरित्तस्स । सबओ समता ओहि वड्ढइ—

जावइआ तिसमयाहारगस्स सुहुमस्स पणगजीवस्स ॥ ओगाहणा जहन्ना ओहीखित्त जहन्न तु ॥ ५५ ॥ सव्व बहु अगणि जीवा निरतर जत्तिय भरिज्जंसु ॥ खित्त सव्वदिसाग परमोही खेत्तनि दिट्ठो । ५६ ।' अगुलमावलियाण भाग मसखिज्ज दोसु सखिज्जा ॥ अगुलमावलियतो आवलिया अगुल पुहुत्त ॥ ५७ ॥ हत्थम्मि मुहुत्ततो, दिवसतो गाउयम्मि बोद्धव्वो ॥ जोयण दिवसपुहुत्त, पक्खतो पन्नवीसाओ ॥ ५८ ॥ भरहम्मि अद्धमासो, जम्बुद्दीवम्मि साहिआ मासा ॥ वास च मणुय लोए, वासपुहुत्त च रुयगम्मि ॥५९॥ सखिज्जम्मि उ काले, दीवसमुद्दावि हुति सखिज्जा॥ कालम्मि असखिज्जे, दीवसमुद्दा उ भइयव्वा ॥ ६० ॥ काले चउण्हवुड्ढी, कालो भइयव्वु खित्त वुड्ढीए ॥ वुड्ढीए पज्जवपज्जव, भइयव्वा खित्तकाला उ ॥ ६१ ॥ सुहुमो य होइ कालो, तत्तो सुहुम- यर हवइ खित्त अगुल सेढी मित्ते, ओसप्पिणिओ असखिज्जा ॥ ६२ ॥ से त्त वड्ढमाणय ओहिनाण सू ॥ १२ ॥ से किं त हीयमाणय ओहिनाण ? हीयमाणय ओहिनाण अप्पसत्थेहिं अज्झवसायट्ठा णेहिं वड्ढमाणस्स वड्ढमाणचरित्तस्स सकिलिस्स माणस्स सकिलिस्समाणचरित्तस्स सबओ सम ता ओही परिहायइ से त्त हीयमाणय ओहिनाण ॥ १३ ॥ से किं त पडिवाइ ओहिनाण ? पडिवाइ ओहिनाण जहण्णेण अगुलस्स असखिज्जय भाग वा सखिज्जय भाग वा बालग्ग वा बालग्ग पुहुत्त वा लिक्ख वा लिक्खपुहुत्त वा, जूय वा जूयपुहुत्त वा, जव वा जव पुहुत्त वा । अगुल वा अगुल पुहुत्त वा । पाय वा पायपुहुत्त वा । विहत्थि वा विहत्थि पुहुत्त वा । रयणिं वा रयणि पुहुत्त वा। कुच्छि कुच्छिपुहुत्त वा, धणु वा धणुपहुत वा । गाउअ वा गाउयपुहुत्त वा । जोयण वा जोयण पुहुत्त वा । जोअणसय वा जोयणसय पुहुत्त वा जोयण सहस्स वा जो यणसहस्स पुहुत्त वा । जो यणलक्ख वा जोयणलक्ख पुहुत्त वा । जोयणकोडिं वा जोयणकोडाकोडि पुहुत्त वा। जोयणकोडा- कोडिं वा जोयणकोडाकोडि पुहुत्त वा । [जो अणसखिज्ज वा जो अणसखिज्ज पुहुत्त वा जो अण

असखेज्जरा ओ अणअसखेज्जपुहुत्तवा ।] उक्कोसेण लोग वा पासि त्ताण पडिवइज्जा । स त पडिवाइ ओहिनाण ॥ १४ ॥ से किं त अपडिवाइ ओहिनाण । अपडिवाइ ओहिनाणजेण अलोगस्स एग-मवि आगासपएस जाणइ पासइ तेण पर अपडिवाइ ओहिनाण । से त्त अपडिवाइ ओहिनाण ॥१५॥ त समासओ चउव्विह पण्णत्त, तजहा दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ । तत्थ दव्व ओ ण ओहि-नाणी जहन्नेण अणताइ रूविदव्वाइ जाणइ पासइ उक्कोसेण सव्वाइ रूविदव्वाइ जाणइ पासइ खित्त ओण ओहिनाणी जहन्नेण अगुलस्स असखिज्जय भाग जाणइ पासइ, उक्कोसेण असखि ज्जाइ अलोगे लोगप्पमाण मित्ताइ खडाइ जाणइ पासइ, कालओ ण ओहिनाणी जहन्नेण आवलियाए असखिज्जय भाग जाणइ पासइ, उक्कोसेण असखिज्जाओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ अईय मणागय च काल जाणइ, पासइ भावओ ण ओहिनाणी जहन्नेण अणते भावे जाणइ पासइ, उक्केसेणवि अणत भावे जाणइ पासइ । सव्व भावाण मणत भाग भावे जाणइ पासइ ॥ १६ ॥ ओही भवपच्चइओ गुणपच्च इओ य वण्णिओ दुविहो । तस्स य बहू विगप्पा दव्वे खित्ते य कालेय । नेरइयदेवतित्थकरा य ओहिस्सऽबाहिरा हुति । पासति सव्वओ खलु सेसा देसेण पासति । से त्त ओहिनाणपच्चक्ख से कि त मणपज्जवनाण ? मणपज्जवनाणे ण भते ! किं मणुस्साण उप्पज्जइ अमणुस्साण ? गोयमा ! मणुस्साण नो अमणुस्साण० ? जइमणुस्साण कि समुच्छिममणुस्साण गब्भवक्कतिय मणुस्साण ? गोयमा ? नोसमुच्छिममणुस्साण उपज्जइ गब्भवक्कतियमणुस्साण । जइगब्भवक्कतियमणुस्साण किं कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, अकम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, अन्तरदीवगगब्भव-क्कतिय मणुस्साण, गोयमा ? कम्मभूमिय गब्भवक्कतियमणुस्साण नो अकम्मभूमिय गब्भवक्कतिय-मणुस्साण, नो अन्तरदीवग गब्भ वक्कतियमणुस्साण जइ कम्मभूमियगब्भवक्कतियमणुस्साण, कि सखिज्जवासाउयकम्मभूमिय गब्भवक्कतियमणुस्साण असखिज्जवासाउयकम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणु स्साण ? गोयमा ? सखेज्जवासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, नो असखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय मणुस्साण। जइ सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, कि पज्जत्तग सखे ज्जवासाउयकम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण,अपज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण ? गोयमा ! पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण,नो अपज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण । जइ पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभू मिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण० किं सम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्क तिय मणुस्साण, मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जवासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, स म्मामिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण? गोयमा ! सम्म दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जवासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण नो मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण०, नो सम्मामिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण जइ सम्मदिट्ठिपज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभू मिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण किं सजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भ वक्कतिय मणुस्साण, असजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण । सजया सजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणु

स्साण ? गोयमा ! सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, नो असजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण। नो सजयासजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जवासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण । जइ सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण कि पमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, अपमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण ? गोयमा ! अपमत्तसजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, नो पमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण । जइ अपमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण,कि इड्ढीपत्त अपमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण अणिड्ढीपत्त अपमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण ? गोयमा ! इड्ढीपत्तअपमत्त सजय सम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कतिय मणुस्साण, नो अणिड्ढीपत्त अपमत्तसजयसम्मद्दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय मणुस्साण । मणपज्जवनाण समुप्पज्जइ ॥ सू० ॥ १७ ॥ त च दुविह उप्पज्जइ तजहा उज्जुमइ य विउलमइ य त समासओ चउव्विह पन्नत्त तजहा-दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ। तत्थ दव्वओण उज्जुमइ अणते अणत पएसिए खध जाणइ पासइ, त चेव विउलमइ अब्भहियतराए विउलतराए विसुद्धतराए वितिमिरतराए जाणइ पासइ । खित्तओण उज्जुमइ यजहन्नेण अगुलस्स असखेज्जय भाग उक्कोसेण अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्ले खुड्डग पयर उड्ढ जाव जोइसस्स उवरिमतले, तिरिय जाव अन्तोमणुस्सखित्ते अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु पन्नरससु कम्मभूमिसु तीसाए अकम्मभूमिसु छप्पन्नाए अन्तरदीवगेसु सन्निपचदियाण पज्जत्तयाण मणोगए भावे जाणइ पासइ त चेव विउलमई अड्ढाईज्जेहिमगुलेहिं अब्भहियतर विउलतर विसुद्धतर वितिमिरतराग खेत्त जाणइ पासइ। कालओ ण उज्जुमइ जहन्नेण पलिओवमस्स असखिज्जयभाग उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असखिज्जयभाग अतीयमणागय वा काल जाणइ पासइ । त चेव विउलमइ अब्भहियतराग विउलतराग विसुद्धतराग वितिमिरतराग जाणइ पासइ । भावओ ण उज्जुमइ अणत भाव जाणइ पासइ, सव्व भावाण अणतभाग जाणइ पासइ । त चेव विउलमइ अब्भहियतराग विउलतराग विसुद्धतराग वितिमिरतराग जाणइ पासइ । मणपज्जवनाण पुण जणमणपरिचितियत्थपागडण। माणुसखित्तनिबद्ध गुणपच्चय चरित्तवओ ॥ ६५ ॥ से त मणपज्जवनाण सू० ॥ १८ ॥ से कि त केवलनाण ? केवलनाण दुविह पन्नत्त, तजहा—भवत्थकेवलनाण च सिद्धकेवलनाण च । से कि त भवत्थकेवलनाण ? भवत्थकेवलनाण दुविह पण्णत्त, तजहा—सजोगिभवत्थकेवलनाण च अजोगिभवत्थकेवलनाण च । से कि त सजोगिभवत्थकेवलनाण ? सजोगिभवत्थकेवलनाण दुविह पण्णत्त, तजहा—पढम समयसजोगिभवत्थ, केवलनाण च अपढम समय सजोगिभवत्थकेवलनाण च, अहवा, चरमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाण च अचरमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाण च, से त सजोगिभवत्थकेवलनाण । से कि त अजोगिभवत्थकेवलनाण? अजोगिभवत्थकेवलनाण दुविह पन्नत्त, तजहा—पढमसमयअजोगि-

भवत्थकेवलनाणं च अपढमसमयअजोगिभवत्थकेवलनाणं च अहवा चरमसमयअजोगिभवत्थकेवल नाणं च अचरमसमयअजोगिभवत्थकेवलनाणं च, से त्तं अजोगिभवत्थकेवलनाणं, से त्तं भवत्थके-वलनाणं॥ सू० ॥ १९ ॥ से किं तं सिद्धकेवलनाणं? सिद्धकेवलनाणं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—अण तरसिद्धकेवलनाणं च परंपरसिद्धकेवलनाणं च ॥ सू० ॥ २० ॥ से किं तं अणंतरसिद्धकेवलनाणं? अणंतरसिद्धकेवलनाणं पन्नरसविहं पण्णत्तं, तंजहा—तित्थसिद्धा १, अतित्थसिद्धा २, तित्थयरसिद्धा ३, अतित्थयरसिद्धा४, सयंबुद्धसिद्धा ५, पत्तेयबुद्धसिद्धा ६, बुद्धबोहियसिद्धा, ७ इत्थिलिंगसिद्धा ८, पुरिसलिंगसिद्धा ९, नपुंसगलिंगसिद्धा १०, सलिंगसिद्धा ११, अन्नलिंगसिद्धा १२, गिहिलिंग सिद्धा १३, एगसिद्धा १४ अणेगसिद्धा १५, से त्तं अणंतरसिद्धकेवलनाणं ॥ सू० ॥ २१ ॥ से किं तं परंपरसिद्धकेवलनाणं? परंपरसिद्धकेवलनाणं अणेगविहं पण्णत्तं, तंजहा-अपढमसमयसिद्धा, दुसमयसिद्धा, तिसमयसिद्धा, चउसमयसिद्धा, जाव दससमयसिद्धा, संखिज्जसमयसिद्धा, असंखिज्जस मयसिद्धा, अणंतसमयसिद्धा, से त्तं परंपरसिद्धकेवलनाणं, से त्तं सिद्धकेवलनाणं ॥ तं समासओ चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ। तत्थ दव्वओ णं केवलनाणी सव्वद-व्वाइं जाणइ पासइ। खित्तओ णं केवलनाणी सव्वं खित्तं जाणइ पासइ। कालओ णं केवलनाणी सव्वं कालं जाणइ पासइ। भावओ णं केवलनाणी सव्वे भावे जाणइ पासइ। अह सव्वदव्वपरिणाम, भावविण्णत्तिकारणमणंतं। सासयमप्पडिवाई, एगविहं केवलं नाणं ॥ ६६ ॥ सू० ॥ २२ ॥ केव-लनाणेणऽत्थे नाउं जे तत्थ पण्णवणजोगे। ते भासइ तित्थयरो, वइजोगसुयं हवइ सेसं ॥ ६७ ॥ से त्तं केवलनाणं, से त्तं नोइन्दियपच्चक्खं से त्तं पच्चक्खनाणं॥ सू० ॥ २३ ॥ से किं तं परोक्ख नाणं? परोक्खनाणं दुविहं पन्नत्तं, तंजहा—आभिणिबोहियनाणपरोक्खं च सुयनाण परोक्खं च, जत्थ आभिणिबोहियनाणं तत्थ सुयनाणं, जत्थ सुयनाणं तत्थाभिणिबोहियनाणं, दोऽवि एयाइं अण्णमण्णमणुगयाइं तहवि पुण इत्थ आयरिया नाणत्तं पण्णवयंति-अभिनिबुज्झइति आभिणिबोहि-यनाणं, सुणेइत्ति सुयं,मइपुव्वं जेण सुयं, न मई सुयपुव्विया ॥ सू० ॥ २४ ॥ अविसेसिया मई, मइनाणं च मइअन्नाणं च। विसेसिया सम्मद्दिट्ठिस्स मई मइनाणं मिच्छदिट्ठिस्स मई मइअन्नाणं। अविसेसियं सुयं सुयनाणं च सुयअन्नाणं च। विसेसियं सुयं सम्मदिट्ठिस्स सुयं सुयनाणं, मिच्छ-दिट्ठिस्स सुयं सुयअन्नाणं ॥ सू० २५ ॥ से किं तं आभिणिबोहियनाणं? आभिणिबोहियनाणं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा-सुयनिस्सियं च, अस्सुयनिस्सियं च। से किं तं अस्सुयनिस्सियं? अस्सुयनि स्सियं चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—उप्पत्तिया १ वेणइया २, कम्मया ३, परिणामिया ४। बुद्धि चउव्विहा वुत्ता पंचमा नोवलब्भइ ॥ ६८ ॥ सू० ॥ २६ ॥ पुव्वमदिट्ठमस्सुयमवेइय, तक्खणवि सुद्धगहियत्था। अव्वाहयफलजोगा बुद्धि उप्पत्तिया नाम ॥ ६९ ॥ भरहसिल १ पणिय २ रुक्खे ३ खुड्डग ४ पड ५ सरड ६ काय ७ उच्चार ८। गय ९ घयण १० गोल ११ खंभे १२, खुड्डग १३ मग्गि १४ त्थि १५ पइ १६ पुत्ते १७॥ ७० ॥ भरह १ सिल २ मिंढ ३ कुक्कुड ४, तिल ५ वालुय ६ हत्थि ७ अगड ८ वणसंड ९। पायस १० अइया ११ पत्ते १२, खाडहिला १३ पंच पिअरो य १४ ॥ ७१ ॥ महुसित्थ १८ मुद्दि १९ अंक २०, य नाणए २१ भिक्खु २२ चेडगनिहाणे २३ सिक्खा २४ य अत्थसत्थे २५, इच्छी य मह २६ सयसहस्से २७ ॥ ७२ ॥

भरनित्थरणसमत्था, तिवग्गसुत्तत्थगहियपेयाला । उभओलोगफलवई, विणयसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७३ ॥ निमित्ते १ अत्थसत्थे य २ लेहे ३ गणिए य कूव ५ अस्से ६ य । गद्दभ ७ लक्खण ८ गंठी ९, अगए १० रहिए ११ य गणिया १२ य ॥ ७४ ॥ सीया साडी दीहं, च तणं अवसव्वयं च कुंचस्स १३ निव्वोदए १४ य गोणे, घोडगपडणं च रुक्खाओ १५ ॥ ७५ ॥ उवओगदिट्ठसारा, कम्मपसंगपरिघोलणविसाला । साहुक्कारफलवई, कम्मसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७६ ॥ हेरण्णिए १ करिसए २, कोलिय ३ डोवे ४ य मुत्ति ५ घय ६ पवए ७ तुन्नाए ८ वड्ढइ य ९ पूयइ १० घड ११ चित्तकारे १२ य ॥ ७७ ॥ अणुमाणहेउदिट्ठंतसाहिया वयविवागपरिणामा । हियनिस्सेयसफलवई, बुद्धी परिणामिया नाम ॥ ७८ ॥ अभए १ सिट्ठि कुमारे ३, देवी [illegible] उदिओदए हवइ राया ५ साहू य नंदिसेणे ६, धणदत्ते ७ सावग ८ अमच्चे ९ ॥ ७९ ॥ खमए १० अमच्चपुत्ते ११, चाणक्के १२ चेव थूलभद्दे १३ य। नासिक्कसुंदरीनंद १४ वइर परिणामिया बुद्धी ॥८०॥ चलणाहण १६ आमंडे १७, मणी १८ य सप्पे १९ य खग्गि २० थूभिंद २१ । परिणामियबुद्धीए, एवमाई उदाहरणा ॥ ८१ ॥ सेत्तं असुयनिस्सियं । से किं तं सुयनिस्सियं? सुयनिस्सियं चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—उग्गहे १ ईहा २ अवाओ ३ धारणा ४ ॥ सू० ॥ २६ ॥ से किं तं उग्गहे? दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अत्थुग्गहे य वंजणुग्गहे य, ॥ सू० ॥ २७ ॥ से किं तं वंजणुग्गहे? वंजणुग्गहे चउव्विहे पण्णत्ते तंजहा—सोइंदियवंजणुग्गहे, घाणिंदियवंजणुग्गहे जिब्भिंदियवंजणुग्गहे फासिंदियवंजणुग्गहे, से त्तं वंजणुग्गहे ॥ सू० ॥ ॥ २८ ॥ से किं तं अत्थुग्गहे? अत्थुग्गहे छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—सोइंदियअत्थुग्गहे, चक्खिंदियअत्थुग्गहे, घाणिंदियअत्थुग्गहे, जिब्भिंदियअत्थुग्गहे, फासिंदियअत्थुग्गहे, नोइंदियअत्थुग्गहे ॥ सू० ॥ ॥ २९ ॥ तस्स णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा—ओगेण्हणया, उवधारणया, सवणया, अवलंबणया, मेहा, से त्तं उग्गहे ॥ सू० ॥ ३० ॥ से किं तं ईहा? छव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—सोइंदियईहा, चक्खिंदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिंदियईहा, फासिंदियईहा, नोइंदियईहा, तीसेणं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणा वंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा—आभोगणया, मग्गणया, गवेसणया, चिंता, वीमंसा, से त्तं ईहा ॥ सू० ॥ ३१ ॥ से किं तं अवाए? अवाए छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—सोइंदियअवाए, चक्खिंदियअवाए, घाणिंदियअवाए जिब्भिंदियअवाए, फासिंदियअवाए, नोइंदियअवाए, तस्स णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवन्ति, तंजहा—आउट्टणया, पच्चाउट्टणया अवाए, बुद्धी, विण्णाणे, से त्तं अवाए ॥ सू० ३२ ॥ से किं तं धारणा? धारणा छव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—सोइंदियधारणा, चक्खिंदियधारणा, घाणिंदियधारणा, जिब्भिंदियधारणा, फासिंदियधारणा, नोइंदियधारणा, तीसे णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा धरणा, धारणा, ठवणा, पइट्ठा, कोट्ठे, से त्तं धारणा ॥ सू० ॥ ३३ ॥ उग्गहे इक्कसमइए, अंतोमुहुत्तिया ईहा, अंतोमुहुत्तिए अवाए, धारणा संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं [illegible] कालं ॥ सू० ॥ ३४ ॥ एवं अट्ठावीसइविहस्स आभिणिबोहियनाणस्स वंजणुग्गहस्स परूवणं करिस्सामि पडिबोहगदिट्ठंतेण मल्लगदिट्ठंतेण । से किं तं पडिबोहगदिट्ठंतेणं? पडिबोहगदिट्ठंतेणंसे जहानामए कइ पुरिसे कंचि पुरिसं सुत्तं पडिबोहिज्जा,

अमुगा अमुगत्ति तत्थ चोयगे पन्नवय एव वयासी–किं एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति ? दुसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति? जाव दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति ? सखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति ?, असखिज्ज समयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति ?, एव वयत चोयग पण्णवए एव वयासी–नो एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, नो दुसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, जाव नो दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, नो सखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, असखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, से त पडिबोहगदिट्ठतेण । से किं त मल्लगदिट्ठतेण ? मल्लगदिट्ठतेण से जहानामए केइ पुरिसे आवागसीसाओ मल्लग गहाय तत्थेग उदगबिंदु पक्खेविज्जा, से नट्ठे, अण्णेऽवि पक्खित्ते सेऽवि नट्ठे, एव पक्खिप्पमाणेसु पक्खिप्पमाणेसु होही से उदगबिंदू जे ण त मल्लग रावेहि त्ति, होही से उदगबिंदू, जे ण तसि मल्लगसि ठाहिति, होही से उदगबिंदू जे ण त मल्लग भरिहित, होही से उदगबिंदू, जे ण त मल्लग पवाहेहिति, एवामेव पक्खिप्पमाणेहिं पक्खिप्पमाणेहिं अणतेहिं पुग्गलेहिं जाहे त वजण पूरिय होइ, ताहहुति करेइ नो चेव ण जाणइ क वेस सद्दाइ ? तओ ईह पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस सद्दइ, तओ अवाय पविसइ तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओण धारेइ सखिज्ज वा काल, असखिज्ज वा काल, से जहानामए केइ पुरिसे अवत्त सद्द सुणिज्जा, तेण सद्दोत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेस सद्दाइ, तओ ईह पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस सद्द, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे अवत्त रूव पासिज्जा तेण रूवत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेस रूवत्ति, तओ ईहपविसइ तओ जाणइ अमुगे एस रूवे, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल, असखेज्ज वा काल । से जहानामए केइपुरिसे अव्वत्त गध अग्घाइज्जा तेण गधत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेस गधेत्ति, तओ ईह पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस गधे, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल । से जहानामए– केइ पुरिसे अव्वत्त रस आसाइज्जा तेण रसोत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेस रसत्ति, तओ ईह पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस रसे, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओ ण धारेइ सखिज्ज वा काल असखिज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्त फास पडिसवेइज्जा तेण फासेत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वस फासओत्ति, तओ ईह पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस फासे, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्त सुमिण पासिज्जा तेण सुमिणेत्ति उग्गहिए नो चेव ण जाणइ के वस सुमिणेत्ति, तओ ईह पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस सुमिणे, तओ अवाय पविसइ, तओ से उवगय हवइ, तओ धारण पविसइ तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल, से त मल्लगदिट्ठतेण ।। सू० ३५ ।।
त समासओ चउव्विह पण्णत्त तजहा दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ, तत्थ दव्वओ ण आभिणिबोहियनाणी आएसेण सव्वाइ दव्वाइ जाणइ, न पासइ । खेत्तओण आभिणिबोहियनाणी

भरनित्थरणसमत्था, तिवग्गसुत्तत्थगहियपेयाला। उभओलोगफलवई, विणयसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७३ ॥ निमित्ते १ अत्थसत्थे य २ लेहे ३ गणिए य कूव ५ अस्से ६ य। गद्दभ ७ लक्खण ८ गंठी ९, अगए १० रहिए ११ य गणिया १२ य ॥ ७४ ॥ सीया साडी दीहं, च तण अवस व्वय च कुचस्स १३ निव्वोदए १४ य गोणे, घोडगपडण च रुक्खाओ १५ ॥ ७५ ॥ उवओग-दिट्ठसारा, कम्मपसगपरिघोलणविसाला। साहुक्कारफलवई, कम्मसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७६ ॥ हेर ण्णिए १ करिसए २, कोलिय ३ डोवे ४ य मुत्ति ५ घय ६ पवए ७ तुन्नाए ८ वड्ढइय ९ पूयइ १० घड ११ चित्तकारे १२ य ॥ ७७ ॥ अणुमाणहेउदिट्ठतसाहिया वयविवागपरिणामा। हिय-निस्सेयसफलवई, बुद्धी परिणामिया नाम ॥ ७८ ॥ अभए १ सिट्ठि कुमारे ३, देवी ४ उदिओदए हवइ राया ५ साहू य नदिसेणे ६, घणदत्ते ७ सावग ८ अमच्चे ९ ॥ ७९ ॥ खमए १० अमच्च-पुत्ते ११, चाणक्के १२ चेव थूलभद्दे १३ य। नासिक्कसुदरिनद १४ वइर परिणामिया बुद्धी ॥८०॥ चलणाहण १६ आमडे १७, मणी १८ य सप्प १९ य खग्गि २० थूभिंद २१। परिणामियबु द्धीए, एवमाई उदाहरणा ॥ ८१ ॥ सेत्त असुयनिस्सिय। से किं त सुयनिस्सिय? सुयनिस्सिय चउव्विह पण्णत्त, तजहा—उग्गहे १ ईहा २ अवाओ ३ धारणा ४ ॥ सू० ॥ २६ ॥ से किं त उग्गहे? दुविहे पण्णत्ते, तजहा—अत्थुग्गहे य वजणुग्गहे य, ॥ सू० ॥ २७ ॥ से किं त वजणुग्गहे? वजणुग्गहे चउव्विहे पण्णत्ते तजहा—सोइदियवजणुग्गहे, घाणिंदियवजणुग्गहे जिब्भिदियवजणुग्गहे फासिंदियवजणुग्गहे, से त्त वजणुग्गहे ॥ सू० ॥ ॥ २८ ॥ से किं त अत्थुग्गहे? अत्थुग्गहे छव्विहे पण्णत्ते, तजहा—सोइदियअत्थुग्गहे, चक्खिदियअत्थुग्गहे, घाणिंदियअत्थुग्गहे, जिब्भिदियअत्थुग्गहे, फासिंदियअत्थुग्गहे, नोइदियअत्थुग्गहे ॥ सू० ॥ ॥ २९ ॥ तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा—ओगेण्हणया, उवधारणया, सवणया, अवलबणया, मेहा, से त्त उग्गहे ॥ सू० ॥ ३० ॥ से किं त ईहा? छव्विहा पण्णत्ता, तजहा—सोइदियईहा, चक्खिदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिदियईहा, फासिंदियईहा, नोइदियईहा, तीसेण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणा वजणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा—आभोगणया, मग्गणया, गवेसणया, चिंता, वीमसा, से त्त ईहा ॥ सू० ॥ ३१ ॥ से किं त अवाए? अवाए छव्विहे पण्णत्ते, तजहा—सोइदियअवाए, चक्खिदियअवाए, घाणिंदियअवाए जिब्भिदियअवाए, फासिंदियअवाए, नोइदियअवाए, तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा पच नामधिज्जा भवन्ति, तजहा—आउट्टणया, पच्चाउट्टणया, अवाए, बुद्धी, विण्णाणे, से त्त अवाए ॥ सू० ३२ ॥ से किं त धारणा? धारणा छव्विहा पण्णत्ता, तजहा—सोइदियधारणा, चक्खिदियधारणा, घाणिंदियधारणा, जिब्भिदियधारणा, फासिंदियधारणा, नोइदियधारणा, तीसे ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा धरणा, धारणा, ठवणा, पइट्ठा, कोट्ठे, से त्त धारणा ॥ सू० ॥ ३३ ॥ उग्गहे इक्कसमइए, अतोमुहुत्तिया ईहा, अतोमुहुत्तिए अवाए, धारणा सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल ॥ सू० ॥ ३४ ॥ एव अट्ठावीसइविहस्स आमिणिबोहियनाणस्स वजणुग्गहस्स परूवण करिस्सामि पडिबोहगदिट्ठतेण मल्लगदिट्ठतेण। से किं त पडिबोहगदिट्ठतेण? पडिबोहगदिट्ठतेणसे जहानामए केइ पुरिसे कचि पुरिस सुत्त पडिबोहिज्जा,

४ विवाहपण्णत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणाइं १० विवागसुयं ११ दिट्ठिवाओ १२, इच्चेयं दुवालसंगं गणिपिडगं चोद्दसपुव्विस्स सम्मसुयं, अभिण्णदसपुव्विस्स सम्मसुयं, तेण परं भिण्णेसु भयणा, से त्तं सम्मसुयं ॥ सू० ॥ ४० ॥ से किं तं मिच्छासुयं ? मिच्छासुयं जं इमं अण्णाणिएहिं मिच्छादिट्ठिएहिं सच्छंदबुद्धिमइविगप्पियं, तंजहा—भारहं, रामायणं, भीमासुरुक्खं, कोडिल्लयं, सगडभद्दियाओ, खोड (घोडग) मुहं, कप्पासियं, नागसुहुमं, कणगसत्तरी, वइसेसियं, बुद्धवयणं, तेरासियं, काविलियं, लोगाययं, सट्ठितंतं, माढरं, पुराणं, वागरणं, भागवयं, पायंजली पुस्सदेवयं, लेहं, गणियं, सउणरुयं नाडयाइं, अहवा बावत्तरिकलाओ, चत्तारि य वेया संगोवंगा, एयाइं मिच्छदिट्ठिस्स मिच्छत्तपरिग्गहियाइं मिच्छासुयं एयाइं चेव सम्मदिट्ठिस्स सम्मत्तपरिग्गहियाइं सम्मसुयं, अहवा मिच्छदिट्ठिस्सवि एयाइं चेव सम्मसुयं, कम्हा ? सम्मत्तहेउत्तणओ जम्हा ते मिच्छदिट्ठिया तेहिं चेव समएहिं चोइया समाणा केइ सपक्खदिट्ठीओ चयंति,से त्तं मिच्छासुयं ॥ सू० ॥ ४१ ॥ से किं तं साइयं सपज्जवसियं, अणाइयं अपज्जवसियं च ? इच्चेयं दुवालसंगं गणि पिडगं वुच्छित्तिनयट्ठयाए साइयं सपज्जवसियं अवुच्छित्तिनयट्ठयाए अणाइयं अपज्जवसियं, तं समासओ चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ, तत्थ दव्वओ णं सम्मसुयं एगं पुरिसं पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, बहवे पुरिसे य पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, खेत्तओ णं पंच भरहाइं पंचेरवयाइं पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, पंच महाविदेहाइं पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, कालओ णं उस्सप्पिणिं ओसप्पिणिं च पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, नो उस्सप्पिणिं नो ओसप्पिणिं च पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, भावओ णं जे जया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति, पण्णविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, ते तया भावे पडुच्च साइयं सपज्जवसियं खाओवसमियं पुण भावं पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, अहवा भवसिद्धियस्स सुयं साइयं सपज्जवसियं च, अभवसिद्धियस्स सुयं अणाइयं अपज्जवसियं च, सव्वागासपएसग्गं सव्वागासपएसेहिं अणंतगुणियं पज्जवक्खरं निप्फज्जइ, सव्वजीवाणंपि य णं अक्खरस्स अणंतभागो,निच्चुग्घाडियो जइ पुण सोऽवि आवरिज्जा तेण जीवो अजीवत्तं पाविज्जा,— "सुट्ठुवि मेहसमुदए, होइ पभा चंदसूराणं" से त्तं साइयं सपज्जवसियं, से त्तं अणाइयं अपज्जवसियं ॥ सू० ॥ ४२ ॥ से किं तं गमियं ? गमियं दिट्ठिवाओ, से किं तं अगमियं अगमियं कालियं सुयं, से त्तं गमियं, से त्तं अगमियं । अहवा तं समासओ दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—अंगपविट्ठं, अंग बाहिरं च । से किं तं अंगबाहिरं ? अंगबाहिरं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—आवस्सयं च, आवस्सयवइरित्तं च । से किं तं आवस्सयं ? आवस्सयं छव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—सामाइयं, चउवीसत्थओ, वंदणयं, पडिक्कमणं, काउस्सग्गो, पच्चक्खाणं, से त्तं आवस्सयं । से किं तं आवस्सयवइरित्तं ? आवस्सयवइरित्तं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—कालियं च, उक्कालियं च। से किं तं उक्कालियं २ अणेगविहं पण्णत्तं, तंजहा—दसवेयालियं, कप्पियाकप्पियं, चुल्लकप्पसुयं, महाकप्पसुयं, उववाइयं, रायपसेणियं, जीवाभिगमो, पण्णवणा, महापण्णवणा, पमायप्पमायं, नंदी, अणुओगदाराइं, देविंदत्थओ, तंदुलवेयालियं, चंदाविज्झयं, सूरपण्णत्ती, पोरिसिमण्डलं, मण्डलपवेसो, विज्जाचरणविणिच्छओ, गणिविज्जा, झाणविभत्ती, मरणविभत्ती, आयवि

आएसेण सव्व खेत्त जाणइ न पासइ। कालओ ण आभिणिबोहियनाणी आएसेण सव्व काल जाणइ न पासइ। भावओ ण आभिणिबोहियनाणी आएसेण सव्वे भावे जाणइ, न पासइ।

उग्गह ईहाऽवाओ, य धारणा एव हुति चत्तारि। आभिणिबोहियनाणस्स भेयवत्थू समासेण ॥८२॥ * अत्थाण उग्गहणम्मि उग्गहो तह वियालणे ईहा। ववसायम्मि अवाओ, धरण पुण धारण विंति ॥ ८३ ॥ उग्गह इक्क समय, ईहावाया मुहुत्तमद्ध तु। कालमसख सख, च धारणा होई नायव्वा ॥ ८४ ॥ पुट्ठ सुणेइ सद्द, रूव पुण पासइ अपुट्ठ तु। गध रस च फास च बद्धपुट्ठ वियागरे ॥ ८५ ॥ भासासमसेढीओ, सद्द ज सुणइ मीसिय सुणइ। वीसेढी पुण सद्द, सुणेइ नियमा पराघाए ॥ ८६ ॥ ईहा अपोह वीमसा, मग्गणा य गवेसणा। सन्ना सई मई पन्ना, सव्व आभिणिबोहिय ॥ ८७ ॥

से त्त आभिणिबोहियनाणपरोक्ख, से च मइनाण ॥ सू० ॥ ३६ ॥ से कि त सुयनाणपरोक्ख? सुयनाणपरोक्ख चोद्दसविह पण्णत्त तजहा–अक्खरसुय १ अणक्खरसुय २ सण्णिसुय ३ असण्णिसुय ४ सम्मसुय ५ मिच्छसुय ६ साइय ७ अणाइय ८ सपज्जवसिय ९ अपज्जवसिय १० गमिय ११ अगमिय १२ अगपविट्ठ १३ अणगपविट्ठ १४ ॥सू०३७॥ से किं त अक्खरसुय? अक्खरसुय तिविह पण्णत्त तजहा–सन्नक्खर वजणक्खर, लद्धिअक्खर। से किं त सन्नक्खर? सन्नक्खर अक्खरस्स सठाणागिई, से त्त सन्नक्खर। से कि त वजणक्खर? वजणक्खरअक्खरस्स वजणाभिलावो, से त्त वजणक्खर। से किं त लद्धिअक्खर? लद्धिअक्खर अक्खरलद्धियस्स लद्धिअक्खर समुप्पजइ, तजहा–सोइदिय लद्धिअक्खर, चक्खिदिय लद्धिअक्खर, घाणिंदिय लद्धिअक्खर, रसणिंदिय लद्धिअक्खर, फासिंदिय लद्धिअक्खर, नोइदिय लद्धिअक्खर, से त लद्धिअक्खर, से त्त अक्खरसुय ॥ से किं त अणक्खरसुय? अणक्खरसुय अणेगविह पण्णत्त, तजहा–ऊससिय नीससिय, निच्छूढ खासिय च छीय च। निस्सिंघियमणुसार, अणक्खर छेलियाईय ॥ ८८ ॥

से त्त अणक्खरसुय ॥ सू० ३८ ॥ से कि त सण्णिसुय? सण्णिसुय तिविह पण्णत्त, तजहा–कालिओवएसेण, हेऊवएसेण, दिट्ठिवाओवएसेण। से किं त कालिओवएसेण? कालिओवएसेण जस्स ण अत्थि ईहा, अवोहो, मग्गणा गवेसणा, चिंता, वीमसा, से ण सण्णीति लब्भइ। जस्स ण नत्थि ईहा, अवोहो, मग्गणा, गवेसणा, चिंता, वीमसा, से ण असण्णीति लब्भइ, से त्त कालिओवएसेण। से किं त हेऊवएसेण? हेऊवएसेण जस्स ण अत्थि अभिसधारणपुव्विया करणसत्ती से ण सण्णीति लब्भइ। जस्स ण नत्थि अभिसधारणपुव्विया करणसत्ती से ण असण्णीति लब्भइ, से त्त हेऊवएसेण। से किं त दिट्ठिवाओवएसेण? दिट्ठिवाओवएसेण सण्णिसुयस्स खओवसमेण सण्णी लब्भइ, असण्णिसुयस्स खओवसमेण असण्णी लब्भइ, से त्त दिट्ठिवाओवएसेण, से त्त सण्णिसुय, से त्त असण्णिसुय ॥ सू० ॥ ३९ ॥ से किं त सम्मसुय? सम्मसुय ज इम अरहतेहिं भगवतेहिं उप्पण्णनाणदसणधरेहिं तेलुक्कनिरिक्खियमहियपूइएहिं तीयपडुप्पण्णमणागयजाणएहिं सव्वण्णूहिं सव्वदरिसीहिं पणीय दुवालसग गणिपिडग, तजहा—आयारो १ सूयगडो २ ठाण ३ समवाओ

* अत्थाण उग्गहण च उग्गह तह वियालण इह। ववसाय च अवाय धरण पुण धारण विंत ॥ १ ॥ इति पाठान्तरगाथा।

४ विवाहपण्णत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणाइं १० विवागसुयं ११ दिट्ठिवाओ १२, इच्चेयं दुवालसंगं गणिपिडगं चोद्दसपुव्विस्स सम्मसुयं, अभिण्णदसपुव्विस्स सम्मसुयं, तेण परं भिण्णेसु भयणा, से त्तं सम्मसुयं ॥ सू० ॥ ४० ॥ से किं तं मिच्छासुयं ? मिच्छासुयं जं इमं अण्णाणिएहिं मिच्छादिट्ठिएहिं सच्छंदबुद्धिमइविगप्पियं, तंजहा—भारहं, रामायणं, भीमासुरुक्खं, कोडिल्लयं, सगडभद्दियाओ, खोडं (घोडग) मुहं, कप्पासियं, नागसुहुमं, कणगसत्तरी, वइसेसियं, बुद्धवयणं, तेरासियं, काविलियं, लोगाययं, सट्ठितंतं, माढरं, पुराणं, वागरणं, भागवयं, पायंजली पुस्सदेवयं, लेहं, गणियं, सउणरुयं नाडयाइं, अहवा बावत्तरिकलाओ, चत्तारि य वेया संगोवंगा, एयाइं मिच्छदिट्ठिस्स मिच्छत्तपरिग्गहियाइं मिच्छासुयं एयाइं चेव सम्मदिट्ठिस्स सम्मत्तपरिग्गहियाइं सम्मसुयं, अहवा मिच्छदिट्ठिस्सवि एयाइं चेव सम्मसुयं, कम्हा ? सम्मत्तहेउत्तणओ जम्हा ते मिच्छदिट्ठिया तेहिं चेव समएहिं चोइया समाणा केइ सपक्खदिट्ठीओ चयंति,से त्तं मिच्छासुयं ॥ सू० ॥ ४१ ॥ से किं तं साइयं सपज्जवसियं, अणाइयं अपज्जवसियं च ? इच्चेयं दुवालसंगं गणि पिडगं वुच्छित्तिनयट्ठयाए साइयं सपज्जवसियं अवुच्छित्तिनयट्ठयाए अणाइयं अपज्जवसियं, तं समासओ चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ, तत्थ दव्वओ णं सम्मसुयं एगं पुरिसं पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, बहवे पुरिसे य पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, खेत्तओ णं पंच भरहाइं पंचेरवयाइं पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, पंच महाविदेहाइं पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, कालओ णं उस्सप्पिणिं ओसप्पिणिं च पडुच्च साइयं सपज्जवसियं, नो उस्सप्पिणिं नो ओसप्पिणिं च पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, भावओ णं जे जया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति, पण्णविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, ते तया भावे पडुच्च साइयं सपज्जवसियं खाओवसमियं पुण भावं पडुच्च अणाइयं अपज्जवसियं, अहवा भवसिद्धियस्स सुयं साइयं सपज्जवसियं च, अभवसिद्धियस्स सुयं अणाइयं अपज्जवसियं च, सव्वागासपएसग्गं सव्वागासपएसेहिं अणंतगुणियं पज्जवक्खरं निप्फज्जइ, सव्वजीवाणंपि य णं अक्खरस्स अणंतभागो,निच्चुग्घाडियो जइ पुण सोऽवि आवरिज्जा तेण जीवो अजीवत्तं पाविज्जा,— "सुट्ठुवि मेहसमुदए, होइ पभा चंदसूराणं" से त्तं साइयं सपज्जवसियं, से त्तं अणाइयं अपज्जवसियं ॥ सू० ॥ ४२ ॥ से किं तं गमियं ? गमियं दिट्ठिवाओ, से किं तं अगमियं अगमियं कालियं सुयं, से त्तं गमियं, से त्तं अगमियं । अहवा तं समासओ दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—अंगपविट्ठं, अंग बाहिरं च । से किं तं अंगबाहिरं ? अंगबाहिरं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—आवस्सयं च, आवस्सयवइरित्तं च । से किं तं आवस्सयं ? आवस्सयं छव्विहं पण्णत्तं, तंजहा—सामाइयं, चउवीसत्थओ, वंदणयं, पडिक्कमणं, काउस्सग्गो, पच्चक्खाणं, से त्तं आवस्सयं । से किं तं आवस्सयवइरित्तं ? आवस्सयवइरित्तं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा—कालियं च, उक्कालियं च। से किं तं उक्कालियं २ अणेगविहं पण्णत्तं, तंजहा—दसवेयालियं, कप्पियाकप्पियं, चुल्लकप्पसुयं, महाकप्पसुयं, उववाइयं, रायपसेणियं, जीवाभिगमो, पण्णवणा, महापण्णवणा, पमायप्पमायं, नंदी, अणुओगदाराइं, देविंदत्थओ, तंदुलवेयालियं, चंदाविज्झयं, सूरपण्णत्ती, पोरिसिमण्डलं, मण्डलपवेसो, विज्जाचरणविणिच्छओ, गणिविज्जा, झाणविभत्ती, मरणविभत्ती, आयवि

सोही, वीयरागसुय, सलेहणासुय, विहारकप्पो, चरणविही, आउरपच्चक्खाण, महापच्चक्खाण, एवमाइ, से त उक्कालिय। से किं त कालिय? कालिग अणेगविह पण्णत्त, तजहा—उत्तरज्झयणाइ, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीह, महानिसीह, इसिभासियाइ, जम्बूदीवपन्नत्ती, दीवसागरपन्नत्ती, चदपन्नत्ती, खुड्डिया विमाणपविभत्तीमहल्लिया विमाणपविभत्ती, अगचूलिया, वग्गचूलिया, विवाहचूलिया, अरुणोववाए, वरुणोववाए, गरुलोववाए, धरणोववाए, वेसमणोववाए वेलधरोववाए, देविंदोववाए, उट्ठाणसुए, समुट्ठाणसुए, नागपरियावलियाओ, निरयावलियाओ कप्पियाओ, कप्पवडसियाओ, पुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हीदसाओ, आसीविसभावणाण, दिट्ठिविसभावणाण, सुमिण भावणण महासुमिणभावणाण, तेयग्गिनिसग्गाण, एवमाइयाइ चउरासीइ पइन्नगसहस्साइ भगवओ अरहओ उसहसामिस्स आइतित्थयरस्स, तहा सखिज्जाइ पइन्नगसहस्साइ मज्झिमगाण जिणवराण, चोद्दस पइन्नगसहस्साइ भगवओ वद्धमाणसामिस्स अहवा जस्स जत्तिया सीसा उप्पत्तियाए, वेणइयाए कम्मयाए, पारिणामियाए, चउव्विहाए बुद्धीए उववेया तस्स तत्तियाइ पइण्णगसहस्साइ, पत्तेयबुद्धावि तत्तिया चेव, से त कालिय, से त आवस्सयवइरित्त, से त अणगपविट्ठ ॥ सू० ॥ ४३ ॥ से किं त अगपविट्ठ? अगपविट्ठ दुवालसविह पण्णत्त, तजहा—आयारो १ सूयगडो २ ठाण ३ समवाओ ४ विवाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणाइ १० विवागसुय ११ दिट्ठिवाओ १२ ॥ सू० ४४ ॥ से किं त आयारे? आयारे ण समणाण निग्गथाण आयारगोयरविणयवेणइयसिक्खाभासा अभासाचरणकरणजायामायावित्तीओ आघविज्जति, से समासओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा—नाणायारे दसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, वीरियायारे, आयारे ण परित्ता वायणा, सखेज्जा, अणुओगदारा, सखिज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए पढमे अगे, दो सुयक्खधा, पणवीस अज्झयणा, पचासीइ उद्देसण काला, पचासीइ समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइ पयग्गेण, सखिज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पन्नविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति उवदसिज्जति से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त आयारे १ ॥ सू० ॥ ४५ ॥ से किं त सूयगडे? सूयगडे ण लोए सूइज्जइ, अलोए सूइज्जइ, लोयालोए सूइज्जइ, जीवा सूइज्जति, अजीवा सूइज्जति, जीवाजीवा सूइज्जति, ससमए सूइज्जइ, परसमए सूइज्जइ, ससमयपरसमए सूइज्जइ, सूयगडे ण असीयस्स किरियावाइसयस्स, चउरासीइए अकिरियावाईण, सत्तट्ठीए अण्णाणीयवाईण, बत्तीसाए वेणइयवाईण, तिण्ह तेसट्ठाण पासडियसयाण वूह किच्चा ससमए ठाविज्जइ, सूयगडे ण परित्ता वायणा, सखिज्जा, अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए बिइए अगे, दो सुयक्खधा, तेवीस अज्झयणा, तित्तीस उद्देसणकाला, तित्तीस समुद्देसणकाला, छत्तीस पयसहस्साइ पयग्गेण सखिज्जा, अक्खरा, अणता गमा अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निद-

सिज्जति, उवदंसिज्जति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्तं सूयगडे २ ॥ सू० ॥ ४६ ॥ से किं तं ठाणे ? ठाणे णं जीवा ठाविज्जति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जति, ससमए ठाविज्जइ, परसमए ठाविज्जइ, ससमयपरसमए ठाविज्जइ, लोए ठाविज्जइ, अलोए ठाविज्जइ, लोयालोए ठाविज्जइ। ठाणे णं टंका, कूडा, सेला, सिहरिणो, पब्भारा, कुंडाइं, गुहाओ, आगरा दहा, नईओ, आघविज्जंति। ठाणे णं एगाइयाए एगुत्तरियाए वुड्ढीए दसट्ठाणगविवड्ढियाणं भावाणं परूवणा आघविज्जइ। ठाणे णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखेज्जाओ संगहणीओ, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा एगवीसं उद्देसणकाला, एक्कवीसं समुद्देसणकाला, बावत्तरिं पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्तं ठाणे ३ ॥ सू० ॥ ४७ ॥ से किं तं समवाए ? समवाए णं जीवा समासिज्जति, अजीवा समासिज्जति, जीवाजीवा समासिज्जति, ससमए समासिज्जइ, परसमए समासिज्जइ, ससमयपरसमए समासिज्जइ लोए समासिज्जइ, अलोए समासिज्जइ लोयालोए समासिज्जइ। समवाए णं एगाइयाणं एगुत्तरियाणं ठाणसयविवड्ढियाणं भावाणं परूवणा आघविज्जइ, दुवालसविहस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समासिज्जइ, समवायस्स णं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा, संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ, निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से णं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे, एगे सुयक्खंधे, एगे अज्झयणे, एगे उद्देसणकाले, एगे समुद्देसणकाले, एगे चोयाले सयसहस्से पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पण्णविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। से त्तं समवाए ४ सू० ।४८॥
से किं तं विवाहे? विवाहे णं जीवा विआहिज्जंति, अजीवा विआहिज्जंति, जीवाजीवा विआहिज्जंति, ससमए विआहिज्जंति, परसमए विआहिज्जंति, ससमयपरसमए विआहिज्जंति, लोए विआहिज्जंति, अलोए विआहिज्जंति, लोयालोए विआहिज्जंति, विवाहस्स णं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से णं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे, एगे सुयक्खंधे, एगे साइरेगे अज्झयणसए, दस उद्देसगसहस्साइं दस समुद्देसगसहस्साइं, छत्तीसं वागरणसहस्साइं, दो लक्खा अट्ठासीइं पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखिज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पण्णविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्तं विवाहे ५ ॥ सू० ॥ ४९ ॥ से किं तं नायाधम्मकहाओ ? नायाधम्मकहासु णं नायाणं नगराइं, उज्जाणाइं, चेइयाइं, वणसंडाइं, समोसरणाइं रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया,

सोही, वीयरागसुय, सलेहणासुय, विहारकप्पो, चरणविही, आउरपच्चक्खाण, महापच्चक्खाण, एवमाइ, से त्त उक्कालिय। से किं त कालिय? कालिय अणेगविह पण्णत्त, तजहा–उत्तरज्झयणाइ, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीह, महानिसीह, इसिभासियाइ, जम्बूदीवपन्नत्ती, दीवसागरपन्नत्ती, चदपन्नत्ती, खुड्डिया विमाणपविभत्ती महल्लिया विमाणपविभत्ती, अगचूलिया, वग्गचूलिया, विवाहचूलिया, अरुणोववाए, वरुणोववाए, गरुलोववाए, धरणोववाए, वेसमणोववाए वेलधरोववाए, देविंदोववाए, उट्ठाणसुए, समुट्ठाणसुए, नागपरियावलियाओ, निरयावलियाओ कप्पियाओ, कप्पवडसियाओ, पुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हीदसाओ, आसीविसभावणाण दिट्ठिविसभावणाण, सुमिण भावणाण महासुमिणभावणाण, तेयग्गिनिसग्गाण, एवमाइयाइ चउरासीइ पइण्णगसहस्साइ भगवओ अरहओ उसहसामिस्स आइतित्थयरस्स, तहा सखिज्जाइ पइन्नगसहस्साइ मज्झिमगाण जिणवराण, चोद्दस पइन्नगसहस्साइ भगवओ वद्धमाणसामिस्स अहवा जस्स जत्तिया सीसा उप्पत्तियाए, वेणइयाए कम्मयाए, पारिणामियाए, चउव्विहाए बुद्धीए उववेया तस्स तत्तियाइ पइण्णगसहस्साइ, पत्तेयबुद्धावि तत्तिया चेव, से त्त कालिय, से त्त आवस्सयवइरित्त, से त्त अणगपविट्ठ ॥ सू० ॥ ४३ ॥ से किं त अगपविट्ठ? अगपविट्ठ दुवालसविह पण्णत्त, तजहा–आयारो १ सूयगडो २ ठाण ३ समवाओ ४ विवाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणाइ १० विवागसुय ११ दिट्ठिवाओ १२ ॥ सू० ४४ ॥ से किं त आयारे? आयारे ण समणाण निग्गथाण आयारगोयरविणयवेणइयसिक्खाभासा अभासाचरणकरणजायामायावित्तीओ आघविज्जति, से समासओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा–नाणायारे दसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, वीरियायारे, आयारे ण परित्ता वायणा, सखेज्जा, अणुओगदारा, सखिज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए पढमे अगे, दो सुयक्खधा, पणवीस अज्झयणा, पचासीइ उद्देसणकाला, पचासीइ समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइ पयग्गेण, सखिज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पन्नविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति उवदसिज्जति से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्त आयारे १ ॥ सू० ॥ ४५ ॥ से किं त सूयगडे? सूयगडे ण लोए सूइज्जइ, अलोए सूइज्जइ, लोयालोए सूइज्जइ, जीवा सूइज्जति, अजीवा सूइज्जति, जीवाजीवा सूइज्जति, ससमए सूइज्जइ, परसमए सूइज्जइ, ससमयपरसमए सूइज्जइ, सूयगडे ण असीयस्स किरियावाइसयस्स, चउरासीइए अकिरियावाईण, सत्तट्ठीए अण्णाणीयवाइण, बत्तीसाए वेणइयवाइण, तिण्ह तेसट्ठाण पासडियसयाण वूह किच्चा ससमए ठाविज्जइ, सूयगडे ण परित्ता वायणा, सखिज्जा, अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए बिइए अगे, दो सुयक्खधा, तेवीस अज्झयणा, तित्तीस उद्देसणकाला, तित्तीस समुद्देसणकाला, छत्तीस पयसहस्साइ पयग्गेण सखिज्जा, अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पणविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निद-

अणुत्तरोववाइयदसासु ण अणुत्तरोववाइयाण नगराइ, उज्जाणाइ, चेइयाइ, वणसडाइ, समोसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चागा, पव्वज्जाओ, परिआगा, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइ, पडिमाओ, उवसग्गा, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, अणुत्तरोववाइय त्ति उववत्ती, सुकुलपच्चायाइओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ, आघविज्जति, अणुत्तरोववाइयदसासु ण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए नवमे अगे, एगे सुयक्खवे, तिन्नि वग्गा, तिन्नि उद्देसणकाला, तिन्नि समुद्देसण काला, सखेज्जाइ पयसहस्साइ पयग्गेण सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ से त अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ ॥ सू० ॥ ५३ ॥ से किं त पण्हावागरणाइ ? पण्हावागरणेसु ण अट्ठुत्तर पसिणसय, अट्ठुत्तर अपसिणसय अट्ठुत्तर पसिणापसिणसय, तजहा—अगुट्ठपसिणाइ बाहुपसिणाइ, अद्दागपसिणाइ, अन्नेविविचित्ता विज्जाइसया, नाग-सुवण्णेहिं सद्धि दिव्वा सवाया आघविज्जति, पण्हावागरणाण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ, से ण अगट्ठयाए दसमे अगे एगे सुयक्खधे, पणयालीस अज्झयणा, पणयालीस उद्देसणकाला, पणयालीस समुद्देसणकाला, सखेज्जाइ पयसहस्साइ पयग्गेणेण, सखेज्जा अक्खरा, अणतागमा, अणता पज्जवा परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया, एव चरणकरणरूवणा आघविज्जइ, से त पण्हावागरणाइ १० ॥ सू० ॥ ५४ ॥ से किं त विवागसुय ? विवागसुए ण सुकडदुक्कडाण कम्माण फलविवागे आघविज्जइ, तत्थ ण दस दुहविवागा दस सुहविवागा । से किं त दुहविवागा ? दुहविवागेसु ण दुहविवागाण नगराइ, उज्जाणाइ, वणसडाइ, चेइयाइ, समोसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, निरयगमणाइ, ससारभवपवचा दुहपरपराओ, दुकुलपच्चायाइओ दुलहबोहियत्त, आघविज्जइ, से त दुहविवागा । से किं त सुहविवागा ? सुहविवागेसु ण सुहविवागाण नगराइ, उज्जाणाइ, वणसडाइ चेइयाइ, समोसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चागा, पव्वज्जाओ, परियागा, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइ, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ, पाओवगमणाइ, देवलोगगमणाइ, सुहपरपराओ, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ, आघविज्जति । विवागसुयस्स ण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ । से ण अगट्ठयाए इक्कारसमे अगे, दो सुयक्खधा, वीस अज्झयणा, वीस उद्देसणकाला, वीस समुद्देसणकाला, सखिज्जाइ पयसहस्साइ पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकड-

धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परिआया, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइ, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, देवलोगगमणाइ, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ य आघविज्जति, दस धम्मकहाण वग्गा, तत्थ ण एगमेगाए धम्म कहाए पच पच अक्खाइयासयाइ, एगमेगाए अक्खाइयाए पच पच उवाक्खाइया सयाइ एगमेगाए उवक्खाइयाए पच पच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइ एवामेव सपुव्वावरेण अद्धुट्ठाओ कहाणगको डीओ हवतित्ति समक्खाय । नायाधम्मकहाण परित्ता वायणा, सखिज्जा अणुओगदारा, सखिज्जा वेढा, सखिज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ । से ण अगट्ठयाए छट्ठे अगे, दो सुयक्खधा, एगूणवीस अज्झयणा, एगूणवीस समुद्देसणकाला, सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पण्णविज्जति परूविज्जति दसिज्जति निदसिज्जति उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्त नायाधम्मकहाओ ६ ॥ सू० ॥ ५० ॥ से कि त उवासगदसाओ ? उवासगदसासु ण समणोवासयाण नगराइ उज्जाणाइ, चेइयाइ वणसडाइ, समोसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परिआगा, सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणया, पडिमाओ, उवसग्गा, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, देवलोगगमणाइ, सुकुलपच्चाइओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ आघविज्जति, उवासगदसाण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ सखेज्जाओ सगहणीओ, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ । से ण अगट्ठयाए सत्तमे अगे, एगे, एगे सुयक्खधे, दस अज्झयणा, दस उद्देसणकाला, दस समुद्देसणकाला सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पण्णविज्जति परूविज्जति दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्त उवासगदसाओ ७ ॥ सू० ॥ ५१ ॥ से कि त अतगडदसाओ ? अतगडदसासु ण अतगडाण नगराइ उज्जाणाइ, चेइयाइ, वणसडाइ, समोसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चागा, पव्वज्जाओ परिआगा, सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, अतकिरियाओ, आघविज्जति, अतगडदसासु ण परित्ता वायणा, सखिज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणी, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ से ण अगट्ठयाए अट्ठमे अगे, एगे सुयक्खधे, अट्ठवग्गा अट्ठ उद्देसणकाला, अट्ठ समुद्देसणकाला सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पन्नविज्जति परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्त अतगडदसाओ ८ ॥ सू० ॥ ५२ ॥ से किं त अणुत्तरोववाइयदसाओ?

आजीवियसुत्तपरिवाडीए, छच्चेइयाइं बावीस सुत्ताइं तिगणइयाणि तैरासिय सुत्तपरिवाडीए, इच्चेइ याइं बावीस सुत्ताइं चउक्कनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेण अट्ठासीई सुत्ताइं भवंतित्ति मक्खाय, से त्त सुत्ताइं ३। से किं त पुव्वगए? पुव्वगए चउद्दसविहे पण्णत्ते, तंजहा— उप्पायपुव्वं १ अग्गाणीयं २ वीरियं ३ अत्थिनत्थिप्पवायं ४ नाणप्पवायं ५ सच्चप्पवायं ६ आयप्पवायं ७ कम्मप्पवायं ८ पच्चक्खाणप्पवायं (पच्चक्खाणं) ९ विज्जणुप्पवायं १० अवंझं ११ पाणाऊ १२ किरियाविसालं १३ लोकबिंदुसारं १४। उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू, चत्तारि चूलियावत्थू पण्णत्ता। अग्गाणीयपुव्वस्स णं चोद्दस वत्थू, दुवालस चूलियावत्थू पण्णत्ता। वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू पण्णत्ता। अत्थिनत्थिप्पवायपुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू, दस चूलियावत्थू पण्णत्ता। नाणप्पवायपुव्वस्स णं बारस वत्थू पण्णत्ता। सच्चप्पवायपुव्वस्स णं दोण्णिवत्थूपण्णत्ता। आयप्पवायपुव्वस्स णं सोलस वत्थू पण्णत्ता। कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू पण्णत्ता। पच्चक्खाणपुव्वस्स णं वीसं वत्थू पण्णत्ता। विज्जाणुप्पवायपुव्वस्स णं पन्नरस वत्थू पण्णत्ता अवंझपुव्वस्स णं बारस वत्थू पण्णत्ता। पाणाउपुव्वस्स णं तेरस वत्थू पण्णत्ता। किरियाविसाल पुव्वस्स णं तीसं वत्थू पण्णत्ता। लोकबिंदुसारपुव्वस्स णं पणुवीसं वत्थू पण्णत्ता, गाहा—

दस १ चोद्दस २ अट्ठ ३ ऽट्ठारसेव ४ बारस ५ दुवे ६ य वत्थूणि। सोलस ७ तीसं ८ वीसा ९, पन्नरस १० अणुप्पवायम्मि ॥ ८९ ॥

बारस इक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि। तीसा पुण तेरसमे, चोद्दसमे पण्णवीसाओ ॥९०॥

चत्तारि १ दुवालस २ अट्ठ ३ चेवदस ४ चेव चुल्लवत्थूणि। आइल्लाण चउण्हं, चूलिया नत्थि ॥९१॥ से त्त पुव्वगए। से किं त अणुओगे? अणुओगे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—मूलपढमाणुओगे, गंडियाणुओगे य। से किं त मूलपढमाणुओगे? मूलपढमाणुओगे णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा, देवगमणाइं, आउं, चवणाइं, जम्मणाणि अभिसेया रायवरसिरीओ, पव्वज्जाओ, तवा य उग्गा, केवलनाणुप्पयाओ, तित्थपवत्तणाणि य, सीसा, गणहरा, अज्जपवत्तिणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं च परिमाणं, जिणमणपज्जवओहिनाणी, सम्मत्तसुयनाणिणो य वाई अणुत्तरगईय, उत्तरवेउ, व्विणो य मुणिणो, जत्तिया सिद्धा, सिद्धिपहो जह देसिओ, जच्चिरं च कालं, पोओवगया जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता अंतगडे मुणिवरुत्तमे, तिमिरओघ विप्पमुक्के मुक्खसुहमणुत्तरं च पत्ते, एवमन्ने य एवमाइ भावा मूलपढमाणुओगे कहिया, से त्त मूलपढमाणुओगे से किं त गंडियाणुओगे? गंडियाणुओगे कुलगरगंडियाओ, तित्थयरगंडियाओ चक्कवट्टिगंडियाओ, दसारगंडियाओ, बलदेवगंडियाओ, वासुदेवगंडियाओ, गणधरगंडियाओ, भद्दबाहुगंडियाओ, तवोकम्मगंडियाओ, हरिवंसगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ, ओसप्पिणीगंडियाओ, चित्ततरगंडियाओ अमरनरतिरियनिरयगइगमणविविहपरियट्टणेसु एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति, पण्णविज्जंति से त्त गंडियाणुओगे, से त्त अणुओगे ४। से किं त चूलियाओ? आइल्लाण चउण्हं पुव्वाणं, चूलिया सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्त चूलियाओ। दिट्ठिवायस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा

डनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पन्नविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निंदसि ज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विनाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से च विवा गसुय ११ ॥ सू० ॥ ५५ ॥ से कि त दिट्ठिवाए? दिट्ठिवाएण सव्वभावपरूवणा आघविज्जइ, से समासओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा—परिकम्मे १ सुत्ताइ २ पुव्वगए ३ अणुओगे ४ चूलिया ५। से कि त परिकम्मे? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तजहा—सिद्धसेणिया परिकम्मे १ मणुस्ससेणियापरि कम्मे २ पुट्ठसेणिया-परिकम्मे ३ ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ उवसपज्जसेणियापरिकम्मे ५ विप्प जहणसेणियापरिकम्मे ६ चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७। से किं त सिद्धसेणियापरिकम्मे? सिद्धसेणि-यापरिकम्मे चउद्दसविहे पण्णत्ते, तजहा—माउगापयाइ १ एगट्ठियपयाइ २ अट्ठपयाइ ३ पाढोआगा सपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ सिद्धावत्त १४, से त्त सिद्धसेणियापरिकम्मे १। से किं त मणु स्ससेणियापरिकम्मे? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चउद्दसविहे पण्णत्ते, तजहा—माउयापयाइ १ एगट्ठिय पयाइ २ अट्ठपयाइ ३ पाढोआगासपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ मणुस्सावत्त १४ से त्त मणुस्स-सेणियापरिकम्मे २। से किं त पुट्ठसेणियापरिकम्मे? पुट्ठसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० पुट्ठावत्त ११, से त्त पुट्ठसेणियापरिकम्मे ३। से किं त ओगाढ-सेणियापरिकम्मे? ओगाढसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउ-भूय रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदा वत्त १० ओगाढावत्त ११, से त्त ओगाढसेणियापरिकम्मे ४। से किं त उवसपज्जणसेणियापरिक-म्मे? उवसपज्जणसेणिया परिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० उवसपज्जणावत्त ११, से त्त उवसपज्जणसेणियापरिकम्मे ५। से किं त विप्पजहणसेणियापरि-कम्मे? विप्पजहणसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० विप्पजहणावत्त ११, से त्त विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६। से किं त चुयाचुयसेणियापरिक-म्मे? चुयाचुयसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पन्नत्ते, तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० चुयाचुयवत्त ११ से त्त चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७। छ चउक्कनइयाइ सत्त तेरासियाइ, से त्त परिकम्मे १। से किं त सुत्ताइ बावीस पन्नत्ताइ, तजहा—उज्जुसुय १ परिणयापरिणय २ बहुभगिय ३ विजयचरिय ४ अणतर ५ परपर ६ मासाण ७ सजूह ८ सभिण्ण ९ आहच्चाय १० सोवत्थियावत्त ११ नदावत्त १२ बहुल १३ पुट्ठापुट्ठ १४ वियावत्त १५ एवभूय १६ दुयावत्त १७ वत्तमाण पय १८ समभिरूढ १९ सव्वओभद्द २० पस्सास २१ दुप्पडिग्गह २२, इच्चेइयाइ बावीस सुत्ताइ छिन्नछेयनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेइयाइ बावीस सुत्ताइ अच्छिन्नछेयनइयाणि

आजीवियसुत्तपरिवाडीए, छचेइयाइ बावीस सुत्ताइ तिगणइयाणि तैरासिय सुत्तपरिवाडीए, इच्चेइ याइ बावीस सुत्ताइ चउक्कनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए; एवामेव सपुव्वावरेण अट्ठासीई सुत्ताइ भवतित्ति मक्खाय, से च सुत्ताइ २। से किं त पुव्वगए? पुव्वगए चउदसविहे पण्णत्ते, तजहा— उप्पायपुव्व १ अग्गाणीय २ वीरिय ३ अत्थिनत्थिप्पवाय ४ नाणप्पवाय ५ सच्चप्पावाय ६ आय प्पवाय ७ कम्मप्पवाय ८ पच्चक्खाणप्पवाय (पच्चक्खाण) ९ विज्जणुप्पवाय १० अवझ ११ पाणाऊ १२ किरियाविसाल १३ लोकबिंदुसार १४। उप्पायपुव्वस्स ण दस वत्थू, चत्तारि चूलि याव थू पण्णत्ता। अग्गाणीयपुव्वस्स ण चोदस वत्थू, दुवालस चूलियावत्थू पण्णत्ता। वीरियपुव्वस्स ण अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू पण्णत्ता। अत्थिनत्थिप्पवायपुव्वस्स ण अट्ठारस वत्थू, दस चूलिया- वत्थू पण्णत्ता। नाणप्पवायपुव्वस्स ण बारस वत्थू पण्णत्ता। सच्चप्पवायपुव्वस्स ण दोण्णिवत्थूपण्ण त्ता। आयप्पवायपुव्वस्स ण सोलस वत्थू पण्णत्ता। कम्मप्पवायपुव्वस ण तीस वत्थू पण्णत्ता। पच्च क्खाणपुव्वस्स ण वीस वत्थू पण्णत्ता। विज्जाणुप्पवायपुव्वस्स ण पन्नरस वत्थू पण्णत्ता अवझपुव्वस्स ण बारस वत्थू पण्णत्ता। पाणाउपुव्वस्स ण तेरस वत्थू पण्णत्ता। किरियाविसाल पुव्वस्स ण तीस वत्थू पण्णत्ता। लोकबिंदुसारपुव्वस्स ण पणुवीस वत्थू पण्णत्ता, गाहा—

दस १ चोदस २ अट्ठ ३ ऽट्ठारसेव ४ बारस ५ दुवे ६ य वत्थूणि। सोलस ७ तीस ८ वीसा ९, पनरस १० अणुप्पवायम्मि ॥ ८९ ॥

बारस इक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि। तीसा पुण तेरसमे, चोद्दसमे पणवीसाओ ॥९०॥

चत्तारि १ दुवालस २ अट्ठ ३ चेवदस ४ चेव चुल्लवत्थूणि। आइल्लाण चउण्ह, चूलिया नत्थि ॥९१॥ से च पुव्वगए। से किं त अणुओगे? अणुओगे दुविहे पण्णत्ते, तजहा—मूलपढमाणुओगे, गडिया- णुओगे य। से किं त मूलपढमाणुओगे? मूलपढमाणुओगे ण अरहताण भगवताण पुव्वभवा, देव गमणाइ, आउ, चवणाइ, जम्मणाणि अभिसेया रायवरसिरीओ, पवज्जाओ, तवा य उग्गा, केवलना णुप्पयाओ, तित्थपवत्तणाणि य, सीसा, गणहरा, अज्जपवत्तिणीओ सघस्स चउव्विहस्स ज च परिमाण, जिणमणपज्जवओहिनाणी सम्मत्तसुयनाणिणो य वाई अणुत्तरगई, उत्तरवेउ, विणो य मुणिणो, जत्तिया सिद्धा, सिद्धिपहो जह देसिओ, जच्चिर च काल, पोओवगया जे जहिं जत्तियाइ भत्ताइ अणस णाए छेइत्ता अतगडे मुणिवरुत्तमे, तिमिरओघ विप्पमुक्के मुक्खमुहमणुत्तर च पत्ते, एवमन्ने य एवमाइ भावा मूलपढमाणुओगे कहिया, से च मूलपढमाणुओगे से किं त गडियाणुओगे? गडियाणुओगे कुलगरगडियाओ, तित्थयरगडियाओ चक्कवट्टिगडियाओ, दसारगडियाओ, बलदेवगडियाओ, वासुदेवगडियाओ, गणधरगडियाओ, भद्दबाहुगडियाओ, तवोकम्मगडियाओ, हरिवसगडियाओ उस्सप्पिणीगडियाओ, ओसप्पिणीगडियाओ, चित्ततरगडियाओ अमरनरतिरियनिरयगइगमणवि विहपरियट्टणेसु एवमाइयाओ गडियाओ आघविज्जति, पण्णविज्जति से च गडियाणुओगे, से च अणुओग ४। से किं त चूलियाओ? आइल्लाण चउण्ह पुव्वाण, चूलिया सेसाइ पुव्वाइ अचूलियाइ, से च चूलियाओ। दिट्ठिवायस्स ण परित्ता वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा

डनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पन्नविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विनाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से त्त विवागसुय ११ ॥ सू० ॥ ५५ ॥ से कि त दिट्ठिवाए? दिट्ठिवाएण सव्वभावपरूवणा आघविज्जइ, से समासओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा-परिकम्मे १ सुत्ताइ २ पुव्वगए ३ अणुओगे ४ चूलिया ५। से कि त परिकम्मे? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तजहा-सिद्धसेणिया परिकम्मे १ मणुस्ससेणियापरिकम्मे २ पुट्ठसेणिया-परिकम्मे ३ ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ उवसपज्जसेणियापरिकम्मे ५ विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६ चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७। से किं त सिद्धसेणियापरिकम्मे? सिद्धसेणियापरिकम्मे चउद्दसविहे पण्णत्ते, तजहा-माउगापयाइ १ एगट्ठियपयाइ २ अट्ठपयाइ ३ पाढोआगासपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ सिद्धावत्त १४, से त्त सिद्धसेणियापरिकम्मे १। से किं त मणुस्ससेणियापरिकम्मे? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चउद्दसविहे पण्णत्ते, तजहा-माउयापयाइ १ एगट्ठियपयाइ २ अट्ठपयाइ ३ पाढोआगासपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ मणुस्सावत्त १४ से त्त मणुस्ससेणियापरिकम्मे २। से किं त पुट्ठसेणियापरिकम्मे? पुट्ठसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० पुट्ठावत्त ११, से त्त पुट्ठसेणियापरिकम्मे ३। से किं त ओगाढसेणियापरिकम्मे? ओगाढसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० ओगाढावत्त ११, से त्त ओगाढसेणियापरिकम्मे ४। से कि त उवसपज्जणसेणियापरिकम्मे? उवसपज्जणसेणिया परिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० उवसपज्जणावत्त ११, से त्त उवसपज्जणसेणियापरिकम्मे ५। से किं त विप्पजहणसेणियापरिकम्मे? विप्पजहणसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० विप्पजहणावत्त ११, से त विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६। से किं त चुयाचुयसेणियापरिकम्मे? चुयाचुयसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पन्नत्ते, तजहा—पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० चुयाचुयवत्त ११ से त्त चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७। छ चउक्कनइयाइ सत्त तेरासियाइ, से त्त परिकम्मे १। से किं त सुत्ताइ? सुत्ताइ बावीस पन्नत्ताइ, तजहा—उज्जुसुय १ परिणयापरिणय २ बहुभगिय ३ विजयचरिय ४ अणतर ५ परपर ६ मासाण ७ सजूह ८ सभिण्ण ९ आहच्चाय १० सोवत्थियावत्त ११ नदावत्त १२ बहुल १३ पुट्ठापुट्ठ १४ वियावत्त १५ एवभूय १६ दुयावत्त १७ वत्तमाण पय १८ समभिरूढ १९ सव्वओभद्द २० पस्सास २१ दुप्पडिग्गह २२, इच्चेइयाइ बावीस सुत्ताइ छिन्नच्छेयनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए, इच्चेइयाइ बावीस सुत्ताइ अच्छिन्नच्छेयनइयाणि

मूअ हुकार वा, बाढक्कार पडिपुच्छ वीमसा। तत्तो पसगपारायण च परिणिट्ठ सत्तमए ॥ ९६ ॥

सुत्तत्थो खलु पढमो, बीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ। तइओ य निरवसेसो, एस विही होइ अणुओगे ॥ ९७ ॥

से त्त अगपविट्ठ, से त्त सुयनाण से त्त परोक्खनाण, से त्त नदी ॥ नदी समत्ता ॥



सिलोगा सखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ से ण अगट्ठयाए बारसमे अगे, एगे सुयक्खधे, चोद्दम पुव्वाइ, सखेज्जा वत्थू, सखेज्जा चूलवत्थू, सखेज्जा पाहुडा, सखेज्जापहुडपाहुडा, सखेज्जाओ पाहुडियाओ, सखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ, सखेज्जाइ पयसद स्साइ पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा परित्ता तसा अणता थावरा, सा सयकडनिबद्धनिकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति। से एव आया, एव नाया एव विण्णाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जति, से त्त दिट्ठिवाए १२ ॥ सू० ५६ ॥ इच्चेइयमि दुवालसगे गणिपिडगे अणता भावा अणता अभावा, अणता हेऊ, अणता अहेऊ, अणता कारणा, अणता अकारणा, अणता जीवा अणतता अजीवा अणता भवसिद्धिया अणता अभवसिद्धिया अणता सिद्धा, अणता असिद्धा पण्णत्ता-

भावमभावा हेऊमहेउ, कारणमकारणे चेव। जीवाजीवा भवियमभविया सिद्धा असिद्धा य ॥ ९२ ॥

इच्चेइय दुवालसग कणिपिडग तीए काले अणता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरत ससारक तार अणुपरियट्टिंसु इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग पडुप्पण्णकाले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरत ससारकतार अणुपरियट्टति। इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग अणागए काले अणता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरत ससारकतार अणुपरियट्टिस्सति। इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग तीए काले अणता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरत ससारकतार वीईवइसु। इच्चेइय दुवालसग गणि पिडग पडुप्पण्णकाले परित्ता जीवा आणाए आराहित्ता चउरत ससारकतार वीईवयति। इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग अणागए काले अणता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरत ससारकतार वीईव इस्सति। इच्चेइय दुवालसग गणिपिडिग न कयाइ नासी, न कयाइ न भवइ, न कयाइ न भवि स्सइ, भुविं च, भवई य, भविस्सइ य, धुवे नियए, सासए, अक्खए अव्वए, अवट्ठिए निच्चे। से जहानामए पचत्थिकाए न कयाइनासी न कयाइ नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुविं च, भवइ य, भविस्सइ, य, धुवे, नियए, सासए, अक्खए, अव्वए, अवट्ठिए, निच्चे, एवामेव दुवालसग गणिपिडग न कयाइ नासी, न कयाइ नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुविं च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे, नियए, सासए अक्खए, अव्वए, अवट्ठिए निच्चे। से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तजहा-दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ। तत्थ दव्वओ ण सुयनाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइ जाणइ पासइ, खित्तओ ण सुयनाणी उवउत्ते सव्व खेत्त जाणइ पासइ, कालओ ण सुयनाणी उवउत्ते सव्व खेत्त जाणइ पासइ, भावओ ण सुयनाणी उवउत्ते सव्वे भावे जाणइ पासइ ॥ सू० ५७ ॥

अक्खर सन्नी सम्म, साइय खलु सपज्जवसिय च। गमिय अगपविट्ठ, सत्तवि एए सपडिव क्खा ॥ ९३ ॥ आगमसत्थग्गहण, ज बुद्धिगुणेहिं अट्ठहिं दिट्ठ। बिंति सुयनाणलभ, त पुव्वविसा रया धीरा ॥ ९४ ॥

सुस्सूसइ १ पडिपुच्छइ २ सुणेइ ३ गिण्हइ ४ य ईहएयावि ५। तत्तो अपोहए ६ वा, धारेइ ७ करेइ वा सम्म ८ ॥ ९५ ॥

॥ श्री सुखविपाक-सूत्रम् ॥

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सोहम्मे समोसढे जबू जाव पज्जु वासमाणे एव वयासी-जइ ण भते ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण दुहविवागाण अयमट्ठे पण्णत्ते सुहविवागाण भते ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ? तते ण से सुहम्मे अणगारे जबू अणगार एव वयासी-एव खलु जबू समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण दस अज्झयणा पण्णत्ता । तजहा-सुबाहू १ भद्दनदी य २, सुजाए य ३, सुवासवे ४। तहेव जिणदासे ५, धणपती य ६ महब्बले ७ ॥ १ ॥ भद्दनदी ८ महचद ९ वरदत्ते १० ॥

जइण भते ! समणेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स ण भते ! अज्झयणस्स सुहविवागाण जाव के अट्ठे पण्णत्ते ? तते ण से सुहम्मे अणगारे जबू अणगार एव वयासी-एव खलु जबू ! तेण कालेण तण समएण हत्थिसीसे णाम णयर होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे तस्स ण हत्थिसीसस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिम दिसीभाए एत्थ ण पुप्फकरडए णाम उज्जाणे होत्था सव्वोउय० तत्थण कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खायतणे होत्था दिव्वे०, तत्थ ण हत्थिसीसे णयरे अदीणसत्तू णाम राया होत्था महया० वण्णओ, तस्स ण अदीणसत्तुस्स रण्णो धारिणीपामुक्ख देवीसहस्स ओरोहे यावि होत्था । तते ण सा धारिणी देवी अण्णया कयाइ तसि तारिसगसि वासघरसि जाव सीह सुमिणे पासइ जहा मेहस्स जम्मण तहा भाणियव्व । सुबाहुकुमारे जाव अल भोगसमत्थे यावि जाणति, जाणित्ता अम्मापियरो पच पासायवडिंसगसयाइ करावेति, अब्भुग्गय० भवण एव जहा महाबलस्स रण्णो, णवर पुप्फचूलापामोक्खाण पचण्ह रायवरकण्णय सयाण एगदिवसेण पाणि गिण्हावेति तहेव पचसइओ दाओ जाव उप्पि पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइगमत्थएहिं जाव विहरइ । तेण कालेण तण समएण समणे भगव महावीरे समोसढे, परिसा निग्गया, अदीणसत्तू जहा कूणिओ तहा निग्गओ सुबाहू विजहा जमाली तहा रहेण निग्गए जाव धम्मो कहिओ राया परिसा पडिगया । तण्ण से सुबाहुकुमार समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोच्चा णिसम्म हट्ठ तुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेति जाव एव वयासी—सद्दहामि ण भते ! णिग्गथ पावयण० जहा ण देवाणुप्पियाण अतिए बहवे राइसर जाव सत्थवाहप्पभिइओ मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइया नो खलु अगहण तहा सचाएमि मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइए अहण्ण देवाणुप्पियाण अतिए पचाणुव्वइय सत्तसिक्खावइय दुवालसविह गिहिधम्म पडिवज्जिस्सामि, अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबध करेह । ततेण से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए पचाणुव्वइय सत्तसिक्खावइय दुवालसविह गिहिधम्म पडिवज्जति पडिवज्जित्ता तमेव चाउग्घट आसरह दुरूहति जामेव दिस पाउब्भूए तामेवदिस पडिगए । तेण कालेण तण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतवासी इदभूई नाम अणगार जाव एव वयासी—अहो ण भते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे कत २ पिए २ मणुण्णे २ मणाम २ सोमे सुभगे पियदसणे सुरूवे

उववाई सूत्तं

(बावीस गाथा)

कहिं पडिहया सिद्धा ? कहिं सिद्धा पइट्ठिया ? । कहिं बोंदि चइत्ता ण, कत्थ गतूण सिज्झई ॥ १ ॥
अलोगे पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पडिट्ठिया । इहबोंदि चइत्ता ण, तत्थ गतूण सिज्झई ? ॥ २ ॥
ज सठाण तु इह भव चय तस्स चरिमसमयमि । आसी य पएसघण त सठाण तहिं तस्स ॥ ३ ॥
दीह वा हस्स वा ज चरिमभवे हवेज्ज सठाण । तत्तो तिभागहीण सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥
तिण्णि सया तेत्तीसा घणुत्तिभागो य होइ बोधव्वा । एसा खलु सिद्धाण उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ५ ॥
चत्तारि य रयणीओ रयणितिभागूणिया य बोधव्वा । एसा खलु सिद्धाण मज्झिमओगाहणा भणिया ॥६॥
एका य होइ रयणी साहीया अगुलाइ अट्ठ भवे । एसा खलु सिद्धाण जहण्णओगाहणा भणिया ॥ ७ ॥
ओगाहणाए सिद्धा भवत्तिभागेण होइ परिहीणा । सठाणमणित्थथ जरामरणविप्पमुक्काण ॥ ८ ॥
जत्थ य एगोसिद्धो तत्थ अणता भवक्खयविमुक्का । अण्णोण्णसमोगाढा पुट्ठा सव्वे य लोगते ॥ ९ ॥
फुसइ अणते सिद्धे सव्वपएसेहि णियमसा सिद्धो । ते वि असखेज्जगुणा देसपएसेहिं जे पुट्ठा ॥१०॥
असरीरा जीवघणा उवउत्ता दसणे य णाणे य । सागारमणागार लक्खणमेय तु सिद्धाण ॥ ११ ॥
केवलणाणुवउत्ता जाणहि सव्वभावगुणभावे । पासति सव्वओ खलु केवलदिट्ठीअणताहिं ॥ १२ ॥
णवि अत्थि माणुसाण त सोक्ख णविय सव्वदेवाण । ज सिद्धाण सोक्ख अव्वाबाह उवगयाण॥१३॥
ज देवाण सोक्ख सव्वद्धापिंडिय अणतगुण । ण य पावइ मुत्तिसुह णताहिं वग्गवग्गूहि ॥ १४ ॥
सिद्धस्स सुहो रासो सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेज्जा । सोणतवग्गभइओ सव्वागासे ण माएज्जा ॥१५॥
जह णाम कोइ मिच्छो णगरगुणे बहुविहे वियाणतो । ण चएइ परिकहेउ उवमाए तहिं असतीए॥१६॥
इय सिद्धाण सोक्ख अणोवम णत्थि तस्स ओवम्म । किंचि विसेसेणेत्तो ओवम्ममिण सुणह वोच्छ॥१७॥
जह सव्वकामगुणिय पुरिसो भोत्तूण भोयण कोई । तण्हाछुहाविमुक्को अच्छेज्ज जहा अमियतित्तो॥१८॥
इय सव्वकालतित्ता अतुल निव्वाणमुवगया सिद्धा । सासयमव्वाबाह चिट्ठति सुही सुह पत्ता॥१९॥
सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य परपरगयत्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असगा य॥२०॥
णिच्छिण्णसव्वदुक्खा जाइजरामरणबधणविमुक्का । अव्वाबाह सुक्ख अणुहोंती सासय सिद्धा॥२१॥
अतुलसुहसागरगया अव्वाबाह अणोवम पत्ता । सव्वमणागयमद्ध चिट्ठति सुह पत्ता ॥ २२ ॥

॥ उववाइ उवग समत्त ॥

भ भवतु ।

विहार विहरति। तते ण से सुबाहुकुमारे समणोवासए जाते अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरेति। तते ण से सुबाहुकुमारे अन्नया कयाइ चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छति २ त्ता पोसहसाल पमज्जति २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहति २ त्ता दब्भसंथार संथरेइ २ त्ता दब्भसंथार दुरूहइ २ त्ता अट्ठमभत्त पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए अट्ठमभत्तिए पोसह पडिजागरमाणे विहरति। तए ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमे एयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पन्ने धण्णा ण ते गामागरणगर जाव सन्निवेसा जत्थ ण समणे भगव महावीर जाव विहरति, धन्ना ण तेराईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडा जाव पव्वयति, धन्ना ण त राईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए पचाणुव्वइय जाव गिहिधम्म पडिवज्जति, धन्ना ण ते राईसर जाव जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सुणेति, त जति ण समण भगव महावीर पुव्वाणुपुव्वि चरमाण गामाणुगाम दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जाव विहरज्जा तते ण अह समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडे भवित्ता जाव पव्वएज्जा। तते ण समणे भगव महावीरे सुबाहुस्स कुमारस्स इम इयारूव अज्झत्थिय जाव वियाणित्ता पुव्वाणुपुव्वि जाव दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिसीसे णगरे जणेव पुप्फकरडे उज्जाणे जेणेव कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खायणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूव उग्गह उगिगिहत्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरति परिसा राया निग्गया। तत ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स त महया जहा पढम तहा निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया पडिगया। तत ण से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठ तुट्ठ जहा मेह तहा अम्मापियरो आपुच्छति, णिक्खमणाभिसेओ तहेव जाव अणगार जाते इरियासमिए जाव बभयारी, ततेण स सुबाहु अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिज्जति २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम० तवोविहाणेहिं अप्पाण भावित्ता बहूइ वासाइ सामण्णपरियाग पाउणित्ता मासियाए सलेहणाए अप्पाण झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइ अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, से ण ततो देवलोगाओ आउक्खएण भवक्खएण ठिइक्खएण अणतर चय चइत्ता माणुस्स विग्गह लभिहिति २ त्ता केवल बोहिं बुज्झिहिति २ त्ता तहारूवाण थेराण अतिए मुडे जाव पव्वइस्सति, से ण तत्थ बहूइ वासाइ सामण्ण परियाग पाउणिहिति आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते काल किच्चा सणक्कुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिति, से ण तओ देवलोगाओ माणुस्स पव्वज्जा बभलोए ततो माणुस्स महासुक्के ततो माणुस्स आणत देवे ततो माणुस्स ततो आरण देवे ततो माणुस्स सव्वट्ठसिद्धे, से ण ततो अणतर उव्वट्टित्ता महाविदेह वासे जाव अड्ढाइ जहा दढपइन्ने सिज्झिहिति ५ जाव एव खलु जबू! समणेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते अज्झयण समत्त॥ १ ॥

बितियस्स ण उक्खेवो–एव खलु जम्बू! तेण कालेण तेण समएण उसभपुर णगर थूभकरड

बहुजणस्सवि य ण भते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे ५ सोमे ४ साहुजणस्सवि य ण भते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे ५ जाव सुरूवे । सुबाहुणा भते ! कुमारेण इमा एयारूवा उराला माणुस्सरिद्धी किण्णा लद्धा ? किण्णा पत्ता ? किण्णा अभिसमन्नागया ? के वा एस आसी पुव्वभवे ? एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणाउरे णाम णगरे होत्था रिद्ध० तत्थ ण हत्थिणाउरे णगरे सुमुहे नाम गाहावइ परिवसइ अड्ढे० तेण कालेण तेण समएण धम्मघोसा णाम थेरा जातिसपन्ना जाव पचहिं समणसएहिं सद्धिं सपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगाम दूइज्जमाणा जेणेव हत्थिणाउरे णगरे जेणेव सहसबवणे उज्जाणे तणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अहा पडिरूव उग्गह उग्गिण्हित्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरति । तेण कालेण तेण समएण धम्मघोसाण थेराण अतेवासी सुदत्ते णाम अणगारे उराले जाव लेस्से मास मासेण खममाणे विहरति तए ण से सुदत्ते अणगारे मासक्खमणपारणगसि पढमाए पोरिसीए सज्झाय करेति जहा गोयमसामी तहेव धम्मघोसे (¹सुधम्म) थेरे आपुच्छति जाव अडमाणे सुमुहस्स गाहावतिस्स गिहे अणुपविट्ठे तए ण से सुमुहे गाहावती सुदत्त अणगार एज्जमाण पासति २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणातो अब्भुट्ठेति २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहति २ त्ता पाउयाओ ओमुयति २ त्ता एगसाडिय उत्तरासग करेति २ त्ता सुदत्त अणगार सत्तट्ठ पयाइ अणुगच्छति २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिण करेइ २ त्ता वदति णमसति २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छति २ त्ता सयहत्थेण विउलेण असण पाणखाइमसाइमेण पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे पडिलाभेमाणेवि तुट्ठे पडिलाभिएवि तुट्ठे । तते ण तस्स सुमुहस्स गाहावइस्स तेण दव्वसुद्धेण दायगसुद्धेण पडिगाहगसुद्धेण तिविहेण तिकरणसुद्धेण सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे ससार परित्तीकए मणुस्साउए निबद्ध गेहसि य से इमाइ पच दिव्वाइ पाउब्भूयाइ तजहा—

वसुहारा वुट्ठा १ दसद्धवण्णे कुसुमे निवातिते २ चेलुक्खेवे कए ३ आहयाओ देवदुदुहीओ ४ अतरावि य ण आगाससि अहो दाणमहो दाण घुट्ठ य ५ । हत्थिणाउरे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४—धण्णे ण देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहावई सुकयपुण्णे कयलक्खणे सुलद्धे ण मणुस्सजम्मे सुकयरिद्धी य जाव त धन्ने ण देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहावई । तते ण से सुमुहे गाहावई बहूइ वाससयाइ आउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इहेव हत्थिसीसे णगरे अदीणसत्तुस्स रन्नो धारिणीए देवीए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उववन्ने । तते ण सा धारिणी देवी सय णिज्जसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ सीह पासति सेस त चेव जाव उप्पिं पासाए विहरति त एव खलु गोयमा ! सुबाहुणा इमा एयारूवा माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया पभू ण भते ! सुबाहुकुमार देवाणुप्पियाण अतिए मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए ? हता पभू । तते ण से भगव गोयमे समण भगव महावीर वदति नमसति २ त्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरति । तते ण से समणे भगव महावीरे अन्नया कयाइ हत्थिसीसाओ णगराओ पुप्फकरडाओ उज्जाणाओ कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खायतणाओ पडिणिक्खमति २ त्ता बहिया जणवय

विहार विहरति । तते ण से सुबाहुकुमारे समणोवासए जाते अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरेति । तत ण से सुबाहुकुमारे अन्नया कयाइ चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छति २ त्ता पोसहसाल पमज्जति २ त्ता उच्चारपासवणभूमि पडिलेहति २ त्ता दब्भ संथार संथरेइ २ त्ता दब्भसंथार दुरुहइ २ त्ता अट्ठमभत्त पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए अट्ठमभत्तिए पोसह पडिजागरमाणे विहरति । तए ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमे एयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पन्ने धण्णा ण ते गामागरणगर जाव संनिवेसा जत्थ ण समणे भगव महावीर जाव विहरति, धन्ना ण तेराइसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडा जाव पव्वयति, धन्ना ण ते राईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए पचाणुव्वइय जाव गिहिधम्म पडिवज्जति, धन्ना ण त राईसर जाव जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सुणेति, त जति ण समणे भगव महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाण गामाणुगाम दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जाव विहरज्जा तते ण अह समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुड भवित्ता जाव पव्वएज्जा । तते ण समणे भगव महावीरे सुबाहुस्स कुमारस्स इम एयारूव अज्झत्थिय जाव वियाणित्ता पुव्वाणुपुव्विं जाव दूइज्जमाण जेणेव हत्थि सीसे णगरे जणव पुप्फकरडे उज्जाणे जेणेव कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खायतणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूव उग्गह उगिगिहत्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरति परिसा राया निग्गया । तत ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स त महया जहा पढम तहा निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया पडिगया । तते ण से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठ तुट्ठ जहा मह तहा अम्मापियरो आपुच्छति, णिक्खमणाभिसेओ तहेव जाव अणगारे जाते इरियासमिए जाव बभयारी, ततेण स सुबाहु अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाण थेराण अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिज्जति २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम० तवोविहाणेहिं अप्पाण भावित्ता बहूइ वासाइ सामण्णपरियाग पाउणित्ता मासियाए सलेहणाए अप्पाण झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइ अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, से ण ततो देवलोगाओ आउक्खएण भवक्खएण ठिइ क्खएण अणतर चय चइत्ता माणुस्स विग्गह लभिहिति २ त्ता केवल बोहिं बुज्झिहिति २ त्ता तहारूवाण थेराण अतिए मुडे जाव पव्वइस्सति, से ण तत्थ बहूइ वासाइ सामण्ण परियाग्ग पाउ णिहिति आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते काल करिहिति सणकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिति, से ण तओ देवलोगाओ माणुस्स पव्वज्जा बभलोए ततो माणुस्स महासुक्के ततो माणुस्स आणते देवे ततो माणुस्स ततो आरणे देवे ततो माणुस्स सव्वट्ठसिद्धे, से ण ततो अणतर उव्वट्टित्ता महाविदेह वासे जाव अड्ढाइ जहा दढपइन्ने सिज्झिहिति ५ जाव एव खलु जबू ! समणेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते अज्झयण समत्त ॥ १ ॥

बितियस्स ण उक्खेवो–एव खलु जम्बू ! तेण कालेण तेण समएण उसभपुरे णगर थूभकरड

बहुजणस्सवि य ण भते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे ५ सोमे ४ साहुजणस्सवि य णं भते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे ५ जाव सुरूवे । सुबाहुणा भते ! कुमारेण इमा एयारूवा उराला माणुस्सरिद्धी किण्णा लद्धा ? किण्णा पत्ता ? किण्णा अभिसमन्नागया ? के वा एस आसी पुव्वभवे ? एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणाउर णाम णगरे होत्था रिद्ध० तत्थ ण हत्थिणाउरे णगरे सुमुहे नाम गाहावइ परिवसइ अड्ढे० तेण कालेण तेण समएण धम्मघोसा णाम थेरा जातिसपन्ना जाव पचहिं समणसएहिं सद्धिं सपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगाम दूइज्जमाणा जेणेव हत्थिणाउरे णगरे जेणेव सहसबवणे उज्जाणे तणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अहापडिरूव उग्गह उग्गिण्हित्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरति । तेण कालेण तेण समएण धम्मघोसाण थेराण अतेवासी सुदत्ते णाम अणगारे उराले जाव लेस्से मास मासेण खममाणे विहरति तए ण से सुदत्ते अणगारे मासक्खमणपारणगसि पढमाए पोरिसीए सज्झाय करति जहा गोयमसामी तहेव धम्मघोसे (१सुधम्म) थेरे आपुच्छति जाव अडमाणे सुमुहस्स गाहावतिस्स गेहे अणुपविट्ठे तए ण से सुमुहे गाहावती सुदत्त अणगार एज्जमाण पासति २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणातो अब्भुट्ठेति २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहति २ त्ता पाउयाओ ओमुयति २ त्ता एगसाडिय उत्तरासग करेति २ त्ता सुदत्त अणगार सत्तट्ठ पयाइ अणुगच्छति २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिण करेइ २ त्ता वदति णमसति २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छति २ त्ता सयहत्थेण विउलेण असण पाणखाइमसाइमेण पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे पडिलाभेमाणेवि तुट्ठे पडिलाभिएवि तुट्ठे । तते ण तस्स सुमुहस्स गाहावइस्स तेण दव्वसुद्धेण दायगसुद्धेण पडिगाहगसुद्धेण तिविहेण तिकरणसुद्धेण सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे ससारे परित्तीकए मणुस्साउए निबद्धे गेहसि य से इमाइ पच दिव्वाइ पाउब्भूयाइ तजहा—

वसुहारा वुट्ठा १ दसद्धवन्ने कुसुमे निवातिते २ चेलुक्खेवे कए ३ आहयाओ देवदुदुहीओ ४ अतरावि य ण आगाससि अहो दाणमहो दाण घुट्ठे य ५ । हत्थिणाउरे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४–धण्णे ण देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहावई सुकयपुन्ने कयलक्खणे सुलद्धे ण मणुस्सजम्मे सुकयरिद्धी य जाव त धन्ने ण देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहावई । तते ण से सुमुहे गाहावई बहूइ वाससयाइ आउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इहेव हत्थिसीसे णगरे अदीणसत्तुस्स रन्नो धारिणीए देवीए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उववन्ने । तते ण सा धारिणी देवी सयणिज्जसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ सीह पासति सेस त चेव जाव उप्पि पासाए विहरति त एव खलु गोयमा ! सुबाहुणा इमा एयारूवा माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया पभू ण भते ! सुबाहुकुमार देवाणुप्पियाण अतिए मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए ? हता पभू । तते ण से भगव गोयमे समण भगव महावीर वदति नमसति २ त्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरति । तते ण से समणे भगव महावीरे अन्नया कयाइ हत्थिसीसाओ णगराओ पुप्फकरडाओ उज्जाणाओ कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खायतणाओ पडिणिक्खमति २ त्ता बहिया जणवय

जियसत्तू राया धम्मवीरिए अणगारे पाडलाभिए जाव सिद्धे ॥ नवम अज्झयण समत्त ॥ ९ ॥

जति ण दसमस्स उक्खेवो— एव खलु जबू! तेण कालेण तेण समएण साएय नाम नयर होत्था उत्तरकुरुउज्जाणे पासमिओ जक्खो मित्तनदी राया सिरिकता देवी वरदत्ते कुमारे वरसेणापामोक्खा ण पचदेवीसया तित्थयरागमण सावगधम्म पुव्वभवो पुच्छा सतदुवारे नगरे विमलवाहणे राया धम्मरुई अणगारे पडिलाभिए ससार परित्तीकए मणुस्साउए निबद्धे इह उप्पन्ने सेस जहा सुबाहुस्स कुमारस्स चिंता जाव पव्वज्जा कप्पतरिओ जाव सव्वट्ठसिद्धे ततो महाविदेहे जहा दढपइन्नो जाव सिज्झिहिति बुज्झिहिति मुच्चिहिति परि निव्वाहिति सव्वदुक्खाणमत करेहिति ॥ एव खलु जबू! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते, सेव भते! सेव भत! सुहविवागा ॥ दसम अज्झयण समत्त ॥ १० ॥

नमो सुयदेवाए—विवागसुयस्स दो सुयखधा दुहविवागो य सुहविवागो य, तत्थ दुहविवागे अज्झयणा दस एक्कसरगा दससुचेव दिवसेसु उद्दिसिज्जति, एव सुहविवागो वि सेस जहा आयारस्स ॥ इति एकारसम अग समत्त ॥

॥ इअ सुखविपाकसुत्त समत्तम् ॥



॥ सूत्रकृतागसूत्रे वीरस्तुत्याख्य षष्ठमध्ययन ॥

पुच्छिस्सु ण समणा माहणा य, अगारिणो या परतित्थिआ य।
से कइ णेगतहिय धम्माहु, अणेलिस साहु समिक्खयाए ॥ १ ॥
कह च णाण कह दसण से, सील कह नायसुतस्स आसी?।
जाणासि ण भिक्खु जहातहेण, अहासुत बूहि जहा णिसत ॥ २ ॥
खेयन्नए से कुसलापन्ने (ले मऽसी) अणतनाणीय अण तदसी।
जससिणो चक्खुपह ठियस्स, जाणाहि धम्म च धिइ च पेहि ॥ ३ ॥
उड्ढ अहय तिरिय दिसासु, तसा य जे थावर जे य पाणा।
से णिच्चणिच्चेहि समिक्ख पन्न, दीव व धम्म समिय उदाहु ॥ ४ ॥
से सव्वदसी अभिभूयनाणी, णिरामगधे धिइम ठितप्पा।
अणुत्तरे सव्वजगसि विज्ज, गथा अतीते अभए अणाऊ ॥ ५ ॥
से भूइपण्णे अणिएअचारी, ओहतर धीरे अणतचक्खू।
अणुत्तर तप्पति सूरिए वा, वइरोयणिंदे व तम पगासे ॥ ६ ॥
अणुत्तर धम्ममिण जिणाण, णेया मुणी कासव आसुपन्ने।
इदेव देवाण महाणुभावे, सहस्सणेता दिवि ण विसिट्ठे ॥ ७ ॥
से पन्नया अक्खयसागरे वा, महोदही वावि अणतपारे।
अणाइले वा अकसाइ मुक्के, सक्केव देवाहिवई जुईम ॥ ८ ॥

उज्जाणे धन्नो जक्खो धणावहो राया सरस्सई देवी सुमिणदसण कहण जम्मण बालत्तण कालाओ य जुव्वणे पाणिग्गहण दाओ पासाद० भोगा य जहा सुबाहुस्स, नवर भद्दनदी कुमारे सिरिदेवीपामोक्खा ण पचसया सामी समोसरण सावगधम्म पुव्वभवपुच्छा महाविदेहे वासे पुडरीकिणी णगरी विजयत कुमारे जुगबाहू तित्थयरे पडिलाभिए माणुस्साउए निबद्धे इहउप्पन्ने, सेस जहा सुबाहुस्स जाव महाविदेह वासे सिज्झिहिति बुज्झिहिति मुच्चिहिति परिनिव्वाहिति सव्वदुक्खाणमत करेहिति ॥ बितिय अज्झयण समत्त ॥ २ ॥

तच्चस्स उक्खेवो—वीरपुर णगर मणोरम उज्जाण वीरकण्ह जक्खे मित्ते राया सिरि देवी सुजाए कुमारे बलसिरिपामोक्खा पचसयकन्ना सामी समोसरण पुव्वभवपुच्छा उसुयार नयरे उसभदत्ते गाहावई पुप्फदत्ते अणगारे पडिलाभिए मणुस्साउए निबद्धे इह उप्पन्ने जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिति ५ ॥ तइय अज्झयण समत्त ॥ ३ ॥

चोत्थस्स उक्खेवो—विजयपुर णगर णदणवण [मणोरम] उज्जाण असोगो जक्खो वासवदत्ते राया कण्हा देवी सुवासवे कुमारे भद्दापामोक्खा ण पचसया जाव पुव्वभवे कोसबी णगरी धणपाले राया वेसणभद्द अणगारे पडिलाभिए इह जाव सिद्धे । चोत्थ अज्झयण समत्त ॥ ४ ॥

पचमस्स उक्खेवओ—सोगधिया णगरी नीलासोए उज्जाणे सुकालो जक्खो अप्पडिहओ राया सुकन्ना देवी महचदे कुमारे तस्स अरहदत्ता भारिया जिणदासो पुत्तो तित्थयरागमण जिणदासपुव्वभवो मज्झमिया णगरी मेहरहो राया सुधम्मे अणगारे पडिलाभिए जाव सिद्धे ॥ ॥ पचम अज्झयण समत्त ॥ ५ ॥

छट्ठस्स उक्खेवओ—कणगपुर णगर सेयासोय उज्जाण वीरभद्दो जक्खो पियचदो राया सुभद्दा देवी वमसणे कुमारे जुवराया सिरिदेवी पामोक्खा पचसया कन्ना पाणिग्गहण तित्थयरागमण धनवती युवरायपुत्ते जाव पुव्वभवो मणिवया नगरी मित्तो राया सभूतिविजए अणगारे पडिलाभिते जाव सिद्धे ॥ छट्ठ अज्झयण समत्त ॥ ६ ॥

सत्तमस्स उक्खेवो—महापुर णगर रत्तासोग उज्जाण रत्तपाओ जक्खो बले राया सुभद्दा देवी महब्बले कुमार रत्तवईपामोक्खाओ पचसयाकन्ना पाणिग्गहण तित्थयरागमण जाव पुव्वभवो मणिपुर णगर णागदत्ते गाहावती इन्ददत्ते अणगारे पडिलाभित जाव सिद्धे ॥ सत्तम अज्झयण समत्त ॥ ७ ॥

अट्ठमस उक्खेवो—सुघोस नगर देवरमण उज्जाण वीरसेणो जक्खो अज्जुणो राया तत्तवती देवी भद्दनदी कुमार सिरिदेवीपामोक्खा पचसया जाव पुव्वभवे महाघोसे णगरे धम्मघोसे गाहावती धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिए जाव सिद्धे ॥ अट्ठम अज्झयण समत्त ॥ ८ ॥

णवमस्स उक्खेवो—चपा णगरी पुन्नभद्दे उज्जाण पुन्नभद्दो जक्खो दत्ते राया रत्तवई देवी महचदे कुमारे जुवराया सिरिकतापामोक्खा ण पच सया कन्ना जाव पुव्वभवो तिगिछी णगरी

निव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा, ण णायपुत्ता परमत्थि नाणी ॥ २४ ॥
पुढोवमे धुणइ विगयगेहि, न मण्णिहिं कुव्वति आसुपन्ने ।
तरिउ समुद्द व महाभवोघ, अभयंकरे वीर अणंतचक्खू ॥ २५ ॥
कोहं च माणं च तहेव मायं, लोभं चउत्थं अज्झत्थदोसा ।
एआणि वंता अरहा महेसी, ण कुव्वइ पावण कारवेइ ॥ २६ ॥
किरियाकिरियं वणइयाणु वायं, अण्णाणियाण पडियच्च ठाणं ।
से सव्ववायं इति वेयइत्ता, उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥
से वारिया इत्थी सराइभत्तं, उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए ।
लोगं विदित्ता आरं परं च, सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥ २८ ॥
सोच्चा य धम्मं अरहंतभासियं, समाहितं अट्ठपदोवसुद्धं ।
तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ, इंदा व देवाहिव आगमिस्संति ॥ २९ ॥

॥ इति श्रीवीरस्तुत्याख्य षष्ठमध्ययनम् ॥



॥ मोक्षमार्गनामक एकादशाध्ययनम् ॥

त मग्ग णुत्तरं सुद्धं, सव्वदुक्खविमोक्खणं । जाणासि णं जहा भिक्खु, तं णो बूहि महामुणी ॥२॥
कयरे मग्गे अक्खाए, माहणेण मईमता ? जं मग्गं उज्जु पाविता ओहं तरति दुत्तरं ॥ १ ॥
जइ णो केइ पुच्छिज्जा, देवा अदुव माणुसा । तेसिं तु कयरं मग्गं, आइक्खेज्ज? कहाहि णो ॥ ३ ॥
जइ वो केइ पुच्छिज्जा, देवा अदुव माणुसा । तेसिमं पडिसाहिज्जा, मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥
अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं, । जमादाय इओ पुव्वं, समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥
अतरिंसु तरंतेगे, तरिस्संति अणागया । तं सोच्चा पडिक्खामि, जंतवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥
पुढवीजीवा पुढो सत्ता, आउजीवा तहाऽगणी । वाउजीवा पुढो सत्ता, तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥
अहावरा तसा पाणा, एवं छक्काय आहिया । एतावए जीवकाए, णावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥
सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं, मतिमं पडिलेहिया । सव्वे अक्कंतदुक्खा य अतो सव्वे न हिंसया ॥ ९ ॥
एयं खु णाणिणो सारं, जं न हिंसति कंचणं । अहिंसा समयं चेव, एतावंत विजाणिया ॥ १० ॥
उड्ढं अहे य तिरियं, जे केइ तसथावरा । सव्वत्थ विरतिं विज्जा, संति निव्वाणमाहियं ॥ ११ ॥
पभू दोसे निराकिच्चा, ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव, कायसा चेव अंतसो ॥ १२ ॥
संवुडे से महापन्ने, धीरे दत्तेसणं चरे । एसणासमिए णिच्चं, वज्जयंते अणेसणं ॥ १३ ॥
भूयाइं च समारंभ, तमुद्दिस्सा य जं कडं । तारिसं तु ण गिण्हेज्जा, अन्नपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥
पूइकम्मं न सेविज्जा एस धम्मे वुसीमओ । जं किंचि अभिकंखेज्जा, सव्वसो तं न कप्पए ॥१५॥
हणंतं णाणुजाणेज्जा, आयगुत्ते जीइंदिए । ठाणाइं संति सड्ढीणं, गामेसु नगरेसु वा ॥ १६ ॥
तहा गिरं समारब्भ, अत्थि पुण्णंति णो वए । अहवा णत्थि पुण्णंति, एवमेयं महब्भयं ॥ १७ ॥

से वीरिएण पडिपुन्नवीरिए, सुदसणे वा णगसव्वसेट्ठे ।
सुरालए वासिमुदागरे से, विरायए णेगगुणोववेए ॥ ९ ॥
सय सहस्साण उ जोयणाण, तिकडगे पडगवेजयते ।
से जोयणे णवणवते सहस्से उध्धुस्सितो हेट्ठ सहस्समेग ॥ १० ॥
पुट्ठे णभे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए, ज सूरिया अणुपरिवट्टयति ।
से हेमवन्ने बहुनदणे य, जसी रतिं वेदयती महिंदा ॥ ११ ॥
से पव्वए सद्दमहप्पगासे, विरायती कचणमट्ठवन्ने ।
अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे, गिरीवरे से जलिएव भोमे ॥ १२ ॥
महीइ मज्झमि ठिते णगिंदे, पन्नायते सूरिय सुद्धलेसे ।
एव सिरीए उ स भूरिवन्ने, मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥
सुदसणस्सेव जसो गिरिस्स, पवुच्चइ महतो पव्वयस्स ।
एतोवमे समणे नायपुत्ते, जातीजसोदसणनाणसीले ॥ १४ ॥
गिरीवरे वा निसहाऽऽययाण, रुयए व सेट्ठे वलयायताण ।
तओवमे से जगभूइपन्ने, मुणीण मज्झे तमुदाहु पन्ने ॥ १५ ॥
अणुत्तर धम्ममुईरइत्ता, अणुत्तर झाणवर झियाइ ।
सुसुकसुक अपगडसुक, सखिंदुएगतवदातसुक ॥ १६ ॥
अणुत्तरग्ग परम महेसी, असेसकम्म स विसोहइत्ता ।
सिद्धिं गते साइमणतपत्ते, नाणेण सीलेण य दसणेण ॥ १७ ॥
रुक्खेसु णाते जह सामली वा, जसिं रतिं वेययती सुवन्ना ।
वणेसु वा णदणमाहु सेट्ठ, णाणेण सीलेण य भूतिपन्ने ॥ १८ ॥
थणिय व सद्दाण अणुत्तरे उ, चदो व ताराण महाणुभावे ।
गधेसु वा चदणमाहु सेट्ठ, एव मुणीण अपडिन्नमाहु ॥ १९ ॥
जहा सयभू उदहीण सेट्ठे, नागेसु वा धरणिंदमाहु सेट्ठे ।
खोओदए वा रस वेजयते, तवोवहाणे मुणिवेजयते ॥ २० ॥
हत्थीसु एरावणमाहु णाए, सीहो मिगाण सलिलाण गगा ।
पक्खीसु वा गरुले वेणुदवो, निव्वाणवादीणिह णायपुत्ते ॥ २१ ॥
जोहेसु णाए जह वीससेणे, पुप्फेसु वा जह अरविंदमाहु ।
खत्तीण सेट्ठे जह दतवक्के, इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥
दाणाण सेट्ठ अभयप्पयाण, सच्चेसु वा अणवज्ज वयति ।
तवेसु वा उत्तम बभचेर, लोगुत्तमे समणे नायपुत्ते ॥ २३ ॥
ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा, सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा ।

दवदाणवगंधव्व, जक्खरक्खसकिंनरा । बंभयारिं नमंसंति दुक्करं जे करंति तं ॥ ५ ॥
एस धम्मे धुवे निच्चे, सासए जिणदेसिए । सिद्धा सिज्झंति चाणेण, सिज्झिस्सति तहावरे ॥ ६ ॥
(उत्तराध्ययन सूत्रे) षोडशाध्ययन
अरहंत सिद्ध पवयण गुरु थेर बहुस्सुए तवस्सीसु । वच्छल्लयाय तेसिं अभिक्खणाणोवओगे य ॥ ७ ॥
दंसण विणए आवस्सए य, सीलव्वए निरइयारं । खणलव तव च्चियाए, वेयावच्चे समाही य ॥ ८ ॥
अपुव्वणाणगहणे सुयभत्ती, पवयणे पभावणया । एएहिं कारणेहिं तित्थयरत्तं लहइ जीओ ॥ ९ ॥
(ज्ञाताधर्मकथासूत्रे)
जिणवयणे अणुरत्ता जिणवयणं जे करंति भावेण । अमलाअसंकिलिट्ठा, ते हुंतिपरित्तसंसारि ॥ १० ॥
एयं खुनाणीणोसार, जं न हिंसइ किंचणं । अहिंससमयं चेव, एतावंतं वियाणिय ॥ ११ ॥
जातिं च वुड्ढिं च इह दूपास, भूतेहिं जाणेहिं पडिलेहसायं ।
तम्हातिविज्जोपरमंतिणच्चा, सम्मत्तदंसी न करेइ पावं ॥ १२ ॥
उम्मुञ्चपासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवीउऊभयाणुपस्सी ।
कामेसु गिद्धाणिचयंकरंति, ससिंचमाणापुणरंतिगब्भं ॥ १३ ॥
सवणेनाणेविन्नाणे, पच्चक्खाणेयसंजमो । अणण्हएतवेचेव, वोदाणे अकिरियासिद्धि ॥ १४ ॥
एगोहं नत्थि मे कोइ, नाहमन्नस्स कस्सइ । एवं अदीणमणसो, अप्पाणमणु सासइ ॥ १५ ॥
एगोमे सासओ अप्पा, नाणदंसणसंजुओ । सेसामे बाहिरा भावा, सव्वे संजोग लक्खणा ॥ १६ ॥
जीविओ नाभिकंखेज्जा मरणं नो विपत्थए । दुहओ विन्नइज्जा, जीविओ मरणं तहा ॥ १७ ॥
सारं दंसणं नाणं, सारं तव नियमसंजमसीलं । सारं जिण वर धम्मं, सारंसंलेहणापंडियमरणं ॥ १८ ॥
कल्लाणकोडिजणणी, दुरन्तदुहविद्दवणी, संसारजलतारणी, एगंतहोइजीवदया ॥ १९ ॥
आरंभे नत्थि दया, महिलासंगेननासाइबंभ । संकाएसम्मत्तं, पव्वज्जाअत्थगहणं च ॥ २० ॥
मज्जविसयकसाय, निंदाविकहायपंचमाभणिया । ए ए पंचपमाया, जीवापडंतिसंसारे ॥ २१ ॥
लभंति विमलाभोए, लब्भंति सुरसंपया । लभंति पुत्तमित्तं च । एगोधम्मो न लब्भइ ॥ २२ ॥
नतिसुहीदेवताद्देवलोए, नतिसुहीपुढवीपतिराया । नतिसुहीसेठिसेणावइय, एगंतसुहीमुणीवीयरागी ॥ २३ ॥
नगरी सोहंति जलमूलरागे, नारीमोहंतिपरपुरुषत्यागे ।
राजमोहंत सभा पुराणी, साधुमोहता अमृतवाणी ॥ २४ ॥
चलतिमेरचलतिमंदिर, चलतितारागविचंद्रमंडल ।
कदापि काले पृथ्वी चलति, साधुपुरुषवाक्यो न चलति धर्मे ॥ २५ ॥
अशोकवृक्ष सुरपुष्पवृष्टि-र्दिव्यध्वनिश्चामरमासनं च ।
भामंडल दुंदुभिरातपत्रं, सत्प्रातिहार्याणिजिनेश्वराणां ॥ २६ ॥
रूप अनोपम तुल्य न कोइ, वाणीसुणता अरणसुसहोय ।
दहसुगंधी हुं पुष्पवास, चउसठइन्द्र ग्रहु पास ॥ २७ ॥
चउदपुरवधारकहिय,नानाधारकवाणीयें। जिनजनहिं पण जिनसरिखा, श्रीसुधर्मस्वामी जाणीए। २८ ॥
रूप अनोपम बखाणीए, करतानबहुमान । एहवा श्रीजम्बूस्वामी जाणीने, भावीए मन भावथी॥ २९ ॥

दाणट्ठया य जे पाणा, हम्मति तसथावरा । तेसिं सारक्खणट्ठाए, तम्हा अत्थित्ति णो वए ॥ १८ ॥
जेसिं त उवकप्पति, अन्नपाण, तहाविह । तेसिं लाभतरायति, तम्हा णत्थित्ति णो वए ॥ १९ ॥
जो य दाण पससति, वहमिच्छति पाणिण । जे य ण पडिसेहति, वित्तिच्छेय करति त ॥ २० ॥
दुहओवि ते ण भासति, अत्थि वा नत्थि वा पुणो । आय रयस्स हेच्चा ण निव्वाण पाउणति ते॥२१॥
निव्वाण परम बुद्धा, णक्खत्ताण व चदिमा । तम्हा सदा जए दते, निव्वाण सधए मुणी ॥ २२ ॥
वुज्झमाणण पाणाण, किच्चताण सकम्मुणा । आघाति साहु त दीव पतिट्ठेसा पवुच्चई ॥ २३ ॥
आयगुत्ते सया दते, छिन्नसोए अणासवे । ज धम्म सुद्धमक्खाति, पडिपुन्नमणेलिस ॥ २४ ॥
तमेव अविजाणता, अबुद्धा बुद्धमाणिणो । बुद्धा मोत्ति य मनता, अत एत समाहिए ॥ २५ ॥
ते य बीओदग चेव तमुद्दिस्सा य ज कड । भोच्चा झाण झियायति, अखेयन्ना(अ)समाहिया ॥ २६ ॥
जहा ढका य कका य, कुलला मग्गुका सिही । मच्छेसण झियायति झाण त कलुसाधम ॥ २७ ॥
एव तु समणा एगे, मिच्छदिट्ठी अणारिया । विसएसण झियायति, कका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥
सुद्ध मग्ग विराहित्ता, इहमेगे उ दुम्मती । उम्मग्गगता दुक्ख, घायमेसति त तहा ॥ २९ ॥
जहा आसाविणि नाव जाइअधो दुरूहिया । इच्छई पारमागतु, अतरा य विसीयति ॥ ३० ॥
एव तु समणा एगे, मिच्छदिट्ठी अणारिया । सोय कसिणमावन्ना, आगतारो महब्भय ॥ ३१ ॥
इम च धम्ममादाय, कासवेण पवेदित । तरे सोय महाघोर, अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥
विरए गामधम्मेहिं, जे केई जगई जगा । तेसिं अत्तुवमायाए, थाम कुव्व परिव्वए ॥ ३३ ॥
अइमाण च माय च, त परिन्नाय पडिए । सव्वमेय णिराकिच्चा, णिव्वाण सधए मुणी ॥ ३४ ॥
सधए साहुधम्म च, पावधम्म णिराकरे । उवहाणवीरिए भिक्खू, कोह माण ण पत्थए ॥ ३५ ॥
जे य बुद्धा अतिक्कता, जे य बुद्धा अणागया । सति तेसिं पइट्ठाण, भूयाण जगती जहा ॥ ३६ ॥
अह ण वयमावन्न, फासा उच्चावया फुसे । ण तेसु विणिहण्णेज्जा, वाएण व महागिरि ॥ ३७ ॥
सवुडे से महापन्न, धीरे दत्तेसण चरे । निव्वुडे कालमाकखी, एव (य) केवलिणोमय ॥ ३८ ॥

॥ इति मोक्षमार्गनामक एकादशमध्ययनम् ॥



सुभाषित केटलीक गाथानो सग्रह

पचमहव्वयसुव्वयमूल,समणमणाइलसाहुसुचिन्न।वेरविरामणपज्जवसाण सव्वसमुद्दमहोदधीतित्थ॥१॥
तित्थकरेहिंसु देसियमग्ग, नरगतिरिच्छविवज्जियमग्ग ।
सव्वपवित्त सुनिम्मियसार, सिद्धिविमाण अवगुयदार ॥ २ ॥
देवनरिंदनमसियपूय, सव्वजगुत्तममगलमग्ग । दुद्धरिसगुणनायगमेग, मोक्खपहस्सवडिंसगभूय ॥३॥
(प्रश्नव्याकरणसूत्रे सवरद्वारे)
धम्मारामेचरेभिक्खू । धिइम धम्मसारही । धम्मारामेरयादत । बभचेरसमाहिए । ४ ॥

ध्य	पृष्ट	गाथांक	अशुद्ध	शुद्ध
३४	६३	१५	जप्पस्थाण	अप्पमत्ताण
३४	६३	१६	एलाण	ऐमाण
३४	६४	४५	नायवाक	नाय रामुक
३४	६४	४६	परिमण्डला	परिमडला
३४	६६	२२	महुण	महुण
३६	६७	३	मसेवना	दुगचेरसा
३६	७१	१६५	निणवयण	जिणवयणजे



दशवैकालिक शुद्धिपत्रकम्

३	७२	८	सियच	सिंचे
४	७६	८लाग्नी	वाऊ	तेऊ
४	७८	१ ,,	परिग्गह	परिगिण्हानिस्सा
४	७८	२३ ,	वा	वा,उदुल्लकाय
४	७९	१९,,	ममणुजाणि	समणुजाणिज्जा
४	७९	२१	वा	वा, मजाणिवा
४	७९	३९,	हिंलइ	हिंमइ
५	८३	१२	कोरतुणाइ	कोरदुसाइ
५	८५	७	अपुणभिम	अमुच्छिणो
६	८६	२	रायाओ	रायाणो

अध्य	पृष्ट	गाथांक	अशुद्ध	शुद्ध
६	८९	१६	मआयण	मआयमण
७	९०	५३	तहे	तहव
८	९१	१५	अहव	तहव
८	९१	२७	महाकम	महाफल
८	९२	३५	अमप्पणो	गमप्पणो
८	९२	४१	सजमि	सनमम्मि
८	९८	५	आयरिआया	आयरियपाया
८	९३	९	गुरहीलसाण	गुरहीलाण
९	९६	५लाग्नी	सुभर हिण	सुहसमाहिण
९	९६	३१	सुत्तारस	सुत्तारह



नन्दीसूत्र शुद्धिपत्रकम्

१ १	७	गुण	उसमगुण
१०१	३२	जहि	रक्खिअओजेहि
१ २	४	नागुण	नागजुण
१११	१ लाग्नी	अंतगदसाआर	अंतगडदसाआ
११२	२९	अणु ओगदारा	अणु ओगदारा
११४	७	सग	सविज्जाओसग
११६	२ ,	से	उवइसमिज्जतिस
११८	५७ गाथा	खत्त	खत्तकार



॥ शुद्धिपत्रकम् ॥



उत्तराध्ययनसूत्र

अध्य	पृष्ट	गाथांक	अशुद्ध	शुद्ध
१	१	४	दुरस्सील	दुसील
१	२	३	निरट्ठाइ	निरट्ठाइन
२	३	१९	चर	चरे
२	४	२१	सुओ	सेओ
२	४	३८	अभिगायण	अभिवाय
३	५	४	कन्थुपीवाल्या	कथुपिपालिया
४	६	५	यीससे	वीससे
५	६	१	दुरुतर	दुत्तरे
५	६	४	महाधीरण	महावीरेण
५	६	८	ममारभइ	समारभइ
५	७	११	पमीओ	पम्पीओ
५	७	१९	गाविसु	गारिसु
	७	२६	असलिणो	जसलिणो
५	७	२७	अचिम	अचिमा
५	७	२८	भिक्खागे	भिक्खाए
६	७	३	पियान्दुसा	पिधाण्णुमा
७	९	२६	दवि	दवत्ति
७	९	२८	नरए	नरएसु
८	१	१७	टाहा	लोहो
९	११	६	सिन्हिा	निहिराओ
९	१	२२	भित्तूण	भित्तण
९	१२	५३	कासे	कामेभोगे
९	१२	५६	अहो	अहो त
९	१२	६१	सद्दाए	सहाए
१	१३	१	निवडइ	निवडुइ
११	१५	६	चोइसहिं	चोन्समहिं
१२	१७	२६	भ तेहिं	द तेहिं
१२	१८	२७	वदह	वहेह
१	२०	१९	महिडी	मन्हिडीओ
१३	२१	३२	कम्भाइ	कम्माइ
१४	१	५	घकाउ	अकाउ
१४	२१	६	सुचिण्ण	सुचिण
१४	२१	६	हीयमाउ	मीयमाउ
१४	२२	२५	सफ्ला	सफला
१४	२३	३१	सुमभिया	सुमभिया
१४	२३	३५	भिक्खाचरिय	भिक्खायरिय
१४	२४	५०	धम्म	णम्म
१५	२४	४	सयणासाण	सयणासण
१६	२५	४	सनमबहूल	सजमबहूले
				सवरबहूले
१७	२७	३	निहाभाल	निद्दाशीले
१७	८	१२	डम्भीरइ	उम्भीरइ
१७	२८	२१	लोमिण	लोगभिण
१८	२०	१८	सोजण	सोडण
१९	२१	४८	इम	महाइम
१९	३१	४५	अनन्तमो	अनन्तसो
१९	३२	५६	अ स	अवसे
१९	३२	८५	म बहुक्व	स बहुक्व
२	३५	६	असनया	अलगया
२२	३८	२३	शित्ताहिं	चित्ताइ
२२	३८	२६	लत्तीए	लतिए
२	३९	१२	मसुमुणा	महामुणी
२३	४	५४	ससवो	ससवो इमो
२	४१	८६	गोमय	गोयम
२६	४६	५०	सव्वदुक्खण	सव्वदुक्ख
				विमोक्खण
२९	५	५	रुद्दाओ	बद्धाओ
२९	५	६	ज	जेभि
३	५१	७२	आणपाणु	आणुपाणा
३१	५३	१७	घन्धारे	खन्धारे
३१	५४	६	जे	जेभिक्खु
३२	५५	५	पवाह	पावाइ
३२	५५	६	रसिद	दइ
३२	५५	१०	घवसु	रूव
३२	५६	२०	रक्खग	रक्खण
३२	५७	४	सायमसान्थि	सायमसाय
३३	६२	७	काऊण	काएण
३४	६१	१०	खज्जू	खज्जूर
३४	६३	१५	खइसकरसो	खइसकररसो